BAHASA INDONESIA

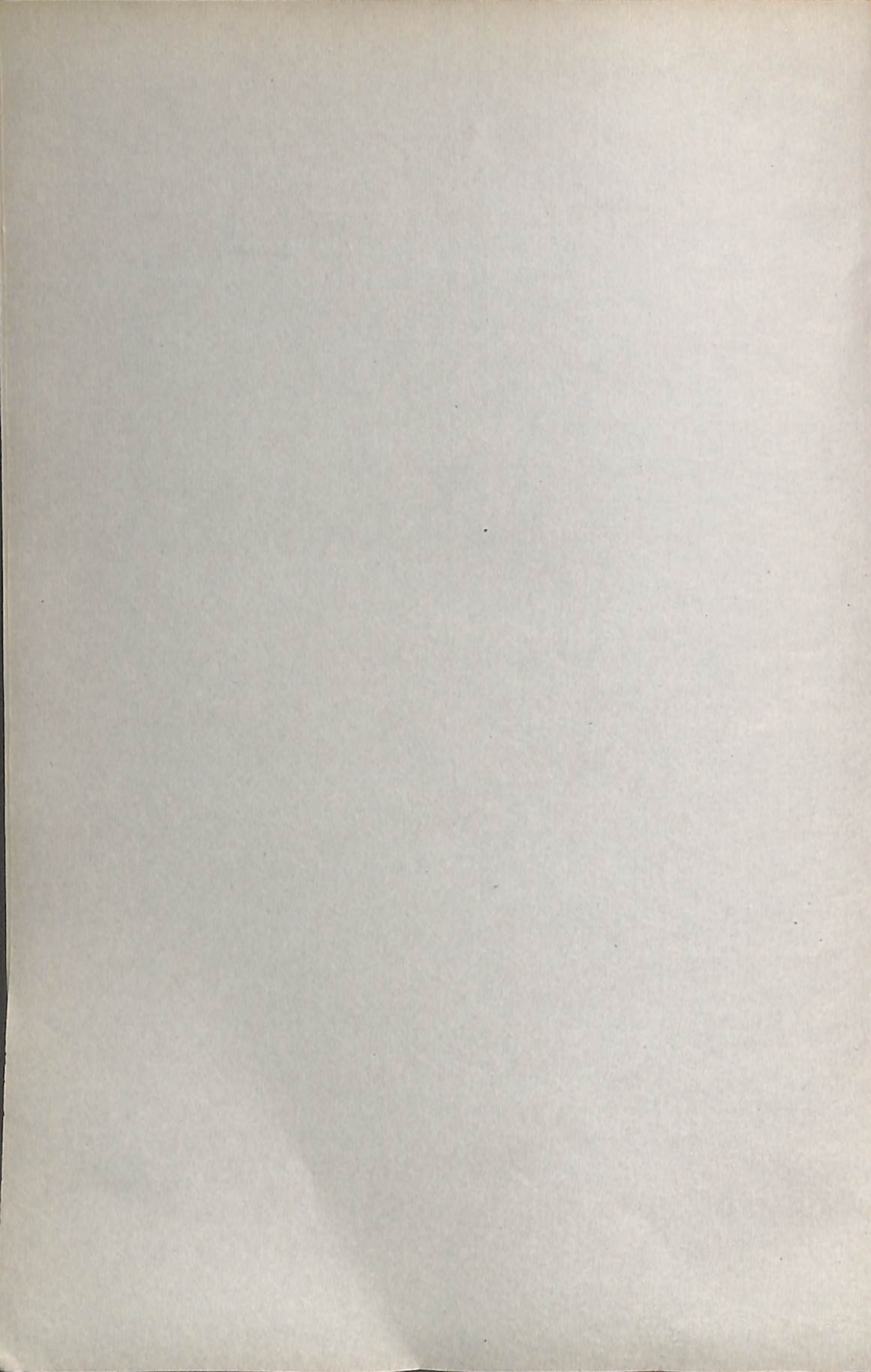
भाषा इन्डोनेशिया

नागरी लिपि में

4963

चन्द्र दत्त पालीवाल

Drs. Chandra Dutt Paliwal



BAHASA INDONESIA

भाषा इंडोनेशिया

नागरी लिपि में

चन्द्र दत्त पालीवाल
Drs. CHANDRA DUTT PALIWAL

नागरी लिपि परिषद्
19, राजघाट कालोनी
नई दिल्ली-110002

प्रकाशक : मंत्री
नागरी लिपि परिषद्
19, राजघाट कालानी
राजघाट, नई दिल्ली-110002

संस्करण : प्रथम, अप्रैल 1975

मूल्य : रु० 20.00

मुद्रक : राजेश प्रिंटिंग प्रेस
बहादुरगढ़ रोड
दिल्ली-110006

दो शब्द

ऋषि विनोबा के मार्गदर्शन द्वारा हमने पिछले दो वर्षों में नागरी को भारतीय तथा एशिया की भाषाओं के लिए एक अतिरिक्त लिपि के रूप में प्रचार करने का प्रयास किया है। इन भाषाओं की विशिष्ट लिपियाँ तो अपने-अपने क्षेत्र में चलती रहेंगी। परन्तु भारतीय तथा एशियाई भाषाओं के व्यापक प्रचार के लिए यह आवश्यक है कि उनका ज्ञान नागरी लिपि द्वारा उपलब्ध कराया जाय। इसी दृष्टि से नागरी लिपि परिषद् के प्रयत्न से चीनी और जापानी भाषाओं को नागरी लिपि में सीखने के लिए उपयोगी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

अब हम भाषा इंडोनेशिया को नागरी के द्वारा सिखाने के लिए डॉ० चन्द्र दत्त पालीवाल की पुस्तक 'भाषा इंडोनेशिया' प्रस्तुत कर रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भाषा इंडोनेशिया के प्राध्यापक डॉ० पालीवाल ने एक पाठ्य पुस्तक के रूप में इसकी रचना की है। वे जाकार्त्ता स्थित इंडोनेशिया विश्वविद्यालय में लगभग 5 वर्ष इस भाषा का गहरा अध्ययन कर चुके हैं। इसलिए नागरी लिपि परिषद् ने यह कार्य उन्हें सौंपा तथा उन्होंने इसे सहर्ष स्वीकार किया। इसके लिए हम उनके आभारी हैं।

हमें पूरी आशा है कि डॉ० चन्द्र दत्त पालीवाल द्वारा लिखित यह पुस्तक संसार के एक विशिष्ट भाषा-परिवार का प्रतिनिधित्व करने में सफल होगी तथा भारतीयों के लिए उनके निकटतम पड़ोसी देशों से आदान प्रदान का माध्यम बन सकेगी।

राजघाट,
नई दिल्ली-110002
दिनांक : 21 मार्च, 1977

अध्यक्ष
नागरी लिपि परिषद

अपनी बात

प्रस्तुत पुस्तक भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेसिया) मेरे अध्ययन एवं अध्यापन का परिणाम है, जो केवल मलय-पोलीनेशियाई भाषा परिवार की एक प्रमुख भाषा, भाषा इंडोनेशिया के अध्ययन के लिये एक प्रयोग मात्र है. इस पुस्तक में स्वाध्याय के लिये लिखी गई कई पुस्तकों का भी सहारा लिया गया है. वास्तव में भारत में मलय-पोलीनेशियाई परिवार की प्रधान भाषा, भाषा इंडोनेशिया तथा अन्य एशियाई भाषाओं का अध्ययन अभी तक आरम्भिक अवस्था में ही है. संसार के सभी बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों में एक विशिष्ट परिवार की भाषा होने के कारण तथा एक महत्त्वपूर्ण विकासशील देश का राष्ट्र भाषा होने के कारण भी विश्व के सभी देशों ने दक्षिण-पूर्व एशिया का अध्ययन करने के लिये भाषा इंडोनेशिया को समुचित स्थान दिया है. खेद एवं आश्चर्य का विषय है, कि जितना गहरा परिचय भारतीयों को दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रधान देशों—ब्रह्मा, स्याम (थाईलैंड). काम्बोज देश (कम्बोडिया), लाओस, चम्पा (वियतनाम) मलेशिया, फ़िलीपीन एवं इंडोनेशिया (भारतीय पूर्वी द्वीप समूह) से प्राचीन काल में था, उससे कहीं कम परिचय भारतीयों को इन विकासशील देशों से आज है. सदियों की गुलामी के कारण तथा पश्चिमी देशों की सभ्यता एवं भाषाओं के अन्धानुकरण के कारण दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे महत्त्वपूर्ण भाषा इंडोनेशिया का ज्ञान अथवा किसी भी एशियाई भाषा का अच्छा ज्ञान अब तक इस देश में बहुत आवश्यक नहीं माना जाता, परन्तु इसमें सन्देह नहीं, कि इन विकासशील देशों ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर एवं गौरव की सुरक्षा तथा उत्थान के लिये अपने देशों की भाषाओं को ही, चाहे वे किसी रूप में हों, राष्ट्र-भाषाओं के उच्च पदों पर आसीन कर दिया है और वे सभी भाषायें अपने गौरवपूर्ण पदों पर प्रतिष्ठित होकर निरन्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हैं, परन्तु भारत की अवस्था कुछ और ही है, यही वह देश है,

जो युगों-युगों से विशाल महाद्वीप एशिया को एक सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रहा तथा आज युद्धों एवं विनाश के इस युग में भी एशिया की ही संस्कृति विश्व को शान्ति का सन्देश दे सकती है, अन्यथा विश्व सभ्यता प्रलय के द्वार पर खड़ी है. विज्ञान के दुरुपयोग ने मानव को पशु बना दिया है. भौतिक सभ्यता ने मानवीय जीवन के मूल्यों को खो दिया है, परन्तु आज भी मानवीय सभ्यता का एकमात्र आधार अहिंसा एवं शान्ति का सन्देश है, जो सर्व प्रथम भारत की ही सांस्कृतिक देन है.

भारत युगों-युगों से एशिया को एक सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रहा, उसका एकमात्र कारण उसकी महान् साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परम्पराएं तथा उनका माध्यम देव भाषा संस्कृत ही थी, परन्तु सदियों की पराधीनता के बाद इस देश में आधुनिकता शब्द का अर्थ ही पश्चिमी सभ्यता का प्रतीक बना और भारत ने सन् 1947 में विदेशी शासन से तो मुक्ति पा ली, परन्तु कवीन्द्र रवीन्द्र की वह कल्पना कि "मेरा देश स्वतंत्र स्वर्ग का कोना होगा" केवल गीतांजलि तक ही सीमित रही, महर्षि दयानन्द सरस्वती से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तक राष्ट्र-भाषा के रूप में हिन्दी को ही स्वीकार करते रहे. देश के महान् समाजवादी नेता एवं मूर्धन्य विद्वान् आचार्य नरेन्द्रदेव ने सभी भारतीय भाषाओं की महानता सिद्ध करते हुये हिन्दी को ही व्यापकता के आधार पर राष्ट्र-भाषा के रूप में पूर्णरूपेण प्रतिष्ठित करने के लिये कई बार एक महान् विचारक एवं शिक्षा शास्त्री के रूप में प्रस्ताव किया था. लेखक को आचार्य जी के चरित्र, व्यक्तित्व एवं पांडित्य से अपार श्रद्धा रही है. वे एक समाजवादी ही नहीं, वरन् भारतीय संस्कृति के भी प्रतिष्ठापक थे. हिन्दी को राष्ट्र-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में राजर्षि पुरुषोत्तमदास जी टंडन की महान् सेवायें अनुकरणीय हैं. महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने भी अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद से इसी सत्य का उद्घाटन किया था.

बडे सन्तोष का विषय है, कि वर्तमान युग में आचार्य विनोबा भावे ने अपने स्वतंत्र चिन्तन एवं कर्मनिष्ठा से संसार को विश्व बन्धुत्व का सन्देश दिया है. नागरी लिपि के प्रचार एवं प्रसार में आचार्य भावे की प्रेरणा सर्व विदित है, नागरी लिपि में भाषा इंडोनेशिया की इस पुस्तक की मूल प्रेरणा आचार्य भावे के भ रतीय सांस्कृतिक धरातल पर मौलिक चिन्तन का ही परिणाम है, जिसके आधार से उन्होंने नागरी लिपि को ही सरलतम एवं

सफल माध्यम स्वीकार किया है, अतएव नागरी लिपि में भाषा इंडोनेशिया को प्रस्तुत करने का मुझे गौरव प्राप्त हुआ है.

लेखक को पुस्तक के पूर्णतया मौलिक होने का कोई दावा नहीं है, परन्तु यह भी निर्विवाद है, कि कई वर्षों के अध्ययन एवं अध्यापन, महागुरुओं की असीम कृपा एवं मित्रों के प्रोत्साहन से आज यह कल्पना साकार हो सकी है.

मेरे पूज्य गुरुओं में स्व० प्रो० डॉ० सूचिप्तो सूवीर्यो सूपारतो, जाकार्त्ता स्थित इंडोनेशिया विश्वविद्यालय के भाषाविद् प्रो० डॉ० सलामत मूलयाना, प्रो० आनतोन एम० मूलयोनो, प्रो० डॉ० ह० वे० यासीन तथा विश्व विद्यालय के वे सभी गुरुजन, जिनकी कक्षाओं में मैंने भाषा इंडोनेशिया एवं साहित्य का अध्ययन किया है, तथा ऐसे अन्य कई और उल्लेखनीय विद्वान् भी हैं, जिनका मैं चिर ऋणी रहूँगा.

सर्वप्रथम जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भूतपूर्व उपकुलपति श्री जी० पार्थसारथी का अनुग्रह एवं अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन-संस्थान के भूतपूर्व संकाय अधिष्ठाता (डीन) प्रो० डॉ० एम० एस० वेंकटरमणी की कृपा से विश्वविद्यालय में मुझे भाषा इंडोनेशिया के अध्यापन का अवसर प्राप्त हुआ. इन महानुभावों के प्रति मैं अनुग्रहीत हूँ.

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के दक्षिण-पूर्व एशिया विभाग के अध्यक्ष प्रो० डॉ० विशालसिंह की प्रेरणा से मुझे भाषा के क्षेत्र में कार्य करने के लिये सदैव ही बल मिला है. भाषा अध्ययन संस्थान के भूतपूर्व संकाय अधिष्ठाता (डीन) प्रो० डॉ० के० जे० महाले तथा एशियाई एवं अफ़रीकी भाषाओं के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो० डॉ० ए० डब्ल्यू० अजहर के प्रोत्साहन से मैंने भाषा पर ही नहीं, वरन् अन्य कई विषयों पर भी लिखा है. लेखक उनकी कृपा से अभिभूत है.

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो० डॉ० बी० डी० नागचौधरी ने पुरस्कार की घोषणा करके लेखक को सर्जना की नई शक्ति प्रदान की है. विश्वविद्यालय के वर्तमान रेक्टर प्रो० डॉ० एम० एस० अगवानी ने विकासशील देशों की भाषाओं, विशेषतया भाषा इंडोनेशिया के अध्ययन एवं प्रसार पर बल देकर सदैव ही मेरा उत्साह बढ़ाया है. इस पुस्तक के प्रयास में उनकी कृपा का लेखक सदैव ही आभारी है. भाषा अध्ययन संस्थान के वर्तमान संकाय अधिष्ठाता (डीन) प्रो० सी० एन० चक्रवर्त्ती तथा एशियाई एवं अफ़रीकी भाषाओं के अध्यक्ष प्रो० एस० एम० एम० नैनार ने भी मुझे

सदैव ही इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है. लेखक इन सब महानुभावों का आभारी है.

सर्वप्रथम अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के असिस्टेंट प्रो० डॉ० पुष्पेश पन्त ने तो लिखने के लिये मुझे प्रेरणा ही नहीं दी, वरन् मेरा मार्ग दर्शन भी किया है, उनके प्रति आभार प्रकट करना मैं अपना कर्त्तव्य समझता हूँ.

मेरे मित्र एवं चीनी भाषा के असिस्टेंट प्रो० श्री हरप्रसाद राय का निरन्तर प्रोत्साहन एवं प्रयास सराहनीय है, जिन्होंने मुझसे यह पुस्तक लिखवा ली, तथा इसके प्रकाशन का मार्ग भी प्रशस्त किया है. उनका यह आग्रह मैं अपने प्रति अनुग्रह मानता हूँ.

मेरे अन्तरंग मित्र श्री अखिलेशचन्द्र तिवारी सरकारी दफ्तरों की फ़ाइलों के अथाह सागर को पार करके भी हिन्दी कहानी क्षेत्र में अपना योग दान देकर जब सृजनात्मक साहित्य की सृष्टि करने लगे, तो विश्वविद्यालय में प्राध्यापक होने के नाते मुझे भी क़लम उठानी पड़ी. ऐसे मित्रों की प्रेरणा लेखक के लिये एक आदर्श है.

हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि श्री पं० भवनीप्रसाद मिश्र एवं श्री यशपाल जैन मे प्रकाशन के कार्य-भार को संभालने में लेखक को अनुपम सहयोग प्रदान करके प्रकाशन का मार्ग प्रशस्त किया है. यह पुस्तक नागरी लिपि परिषद् के अध्यक्ष श्री श्रीमन्नारायण जी की कृपा एवं उनके नागरी लिपि प्रेम तथा प्रोत्साहन का प्रतीक है. इस पुस्तक के प्रकाशन की व्यवस्था में श्री र० नं० त्रिवेदी का सहयोग सराहनीय है. मैं इत्त सभी महानुभावों का आभारी हूँ.

यह मेरा प्रथम प्रयास है. इससे हिन्दी भाषी एक विदेशी भाषा-भाषा इंडोनेशिया, भारत के एक निकटतम पड़ोसी देश की भाषा का ज्ञान यदि नागरी लिपि के माध्यम से प्राप्त करके इसे स्वाध्याय एवं अध्ययन का आधार बना सके, तो मुझे हार्दिक प्रसन्नता एवं सन्तोष होगा. पुस्तक में त्रुटियाँ भी होंगी ही, उनको सुधारने के लिये मैं सदैव ही प्रस्तुत हूँ एवं मूल्य-वान सुझावों की विद्वानों से अपेक्षा रखता हूँ. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जिनसे भी मुझे इस प्रयास में सहायता प्राप्त हुई है, उनके प्रति मैं अपनी श्रद्धा के पुष्प बिखेरता हूँ.

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय **चन्द्र दत्त पालीवाल**
शहीद दिवस, 30 जनवरी 1977

विषय-सूची

भाषा इंडोनेशिया

परिचायक भूमिका

दक्षिण-पूर्व एशिया का मलय—पोलीनेशियाई भाषा परिवार—भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेसिया)

भाषा इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे विशाल देश इंडोनेशिया की राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा है, यह भाषा मलय-पोलीनेशियाई भाषा परिवार की एक आधुनिक एवं प्रधान भाषा है. यह भाषा परिवार संपूर्ण दक्षिण-पूर्व एशिया तथा प्रशांत महासागर के अनेकों द्वीपों में बिखरा हुआ है. इसके विशाल क्षेत्र में इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाई देश (स्याम) एवं कंबोडिया (काम्बोज देश) का दक्षिणी भाग, वियतनाम (चम्पा) का दक्षिणी भाग, फ़िलीपीन की भाषा 'तागालोग' तथा प्रशांत महासागर के अन्य द्वीपों—हवाई द्वीप से लेकर मैडागास्कर तक, पोलीनेशिया, माइक्रोनेशिया एवं ईस्टर द्वीप तक आते हैं. न्यूजीलैंड की भाषा 'माओरी' भी इसी परिवार के अंतर्गत आती है. वास्तव में प्राचीन मलय भाषा इस क्षेत्र की सदियों से प्रधान भाषा रही है और उसी को इन आधुनिक भाषाओं की जननी माना जा सकता है.

आधुनिक भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेसिया) का वर्तमान स्वरूप मलय भाषा के नवीनीकरण का ही एक रूप है, जिसको 17 अगस्त सन् 1945 में नवोदित इंडोनेशियाई राष्ट्र की राष्ट्रभाषा घोषित किया गया. इंडोनेशिया के नागरिकों ने देश प्रेम की भावना से अनुप्राणित होकर असंख्य द्वीपों के देश इंडोनेशिया की एक ही भाषा—भाषा इंडोनेशिया को स्वीकार किया, और पिछले चार दशकों

में इस भाषा का आश्चर्यजनक विकास हुआ तथा यह भाषा, इंडोनेशिया के राष्ट्रीय जीवन का सबसे प्रधान माध्यम बन गई. यही भाषा बहुत समय तक मलय भाषा के रूप में एक व्यापक क्षेत्र में बोली जाती थी और उसका प्रभाव दक्षिण-पूर्व एशिया के सभी बंदरगाहों पर था तथा व्यापार के लिए इसी भाषा का माध्यम अपनाया जाता था. धीरे-धीरे यही भाषा विकसित होने लगी तथा आज एक नवीनतम भाषा के रूप में इंडोनेशिया, मलेशिया एवं सिंगापुर में राष्ट्रभाषा पद पर आसीन है और उन देशों को अपनी भाषाओं–भाषा इंडोनेशिया (बाहासा-इंडोनेसिया) तथा भाषा मलेशिया (बाहासा-मलेसिया) पर गर्व है. राष्ट्रीय जीवन के विकास का सबसे प्रधान सूत्र भाषा के रूप में आज इन विकासशील देशों के पास है, यद्यपि देश प्रेम एवं माध्यम के मनोविज्ञान से इस भाषा का विकास संभव हुआ, परंतु प्रयोग ने एवं भाषा के सरल ढाँचे ने उसे कम से कम समय में ही जन साधारण के सामाजिक जीवन की भाषा बना दिया.

दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों की अन्य भाषाओं की भाँति, भाषा इंडोनेशिया एक विश्लेषणात्मक भाषा है तथा प्रत्यय प्रधान भाषा है, जिसको संश्लेषणात्मक भाषाओं का विपरीत भाषा परिवार माना जा सकता है, क्योंकि इन दोनों भाषा परिवारों–मलय-पोलीनेशियाई एवं भारत-यूरोपीय भाषाओं की गतिविधियाँ एक-दूसरे से बहुत कम मेल खाती हैं, यह अंतर सबसे अधिक वाक्य रचना एवं शब्दों के क्रम में स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ यूरोपीय एवं सेमिटिक परिवार की भाषायें—अरबी आदि के धातु रूपों को विभक्ति एवं कारक आदि के द्वारा शब्दों को तोड़-मरोड़ कर वाक्यांश के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तथा प्रधान रूप से यह कार्य आबद्ध शब्द रूप अथवा विभक्ति के आधार से किया जाता है. इसलिए भारतीय एवं यूरोपीय परिवार की भाषाओं में विभक्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण योग है. यही कार्य अरबी में इदराब एवं तसरीफ के द्वारा किया जाता है तथा यूरोपीय परिवार में विभक्तियों एवं कारकों के द्वारा ही वाक्यांश एवं वाक्य रचना प्रस्तुत की जाती है, शब्दों को तोड़-मरोड़ कर अथवा उनका रूप परिवर्तित करके लिंग भेद—स्त्रीलिंग एवं पुंल्लिग

का भेद स्पष्ट किया जाता है; जैसे : 'युवती'—'युवक' संख्या वाचक शब्दों का अंतर (एक औरत—दो औरतें) तथा इस प्रकार एक वचन, द्विवचन एवं बहुवचन को स्पष्ट किया जाता है. रीति वाचक शब्दों के द्वारा रीति सूचक वाक्यों का अंतर स्पष्ट करना तथा विभिन्न कालों का अंतर भी 'होना' होता, हो रहा, हुआ तथा हुआ था, आदि शब्दों के द्वारा प्रकट किया जाता है, जिससे स्पष्ट होता है, कि आबद्ध शब्द रूप के प्रयोग द्वारा ही वाक्य की श्रृंखलायें एवं कड़ियाँ प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे वाक्य की संरचना सम्भव होती है, इस प्रकार के रचना संबंधों को शब्दों को जोड़-तोड़ कर भी प्रकट किया जाता है. इस प्रकार संश्लेषणात्मक भाषाओं में आबद्ध शब्द रूप का सबसे महत्त्वपूर्ण योग है.

यह परिस्थिति अश्लिष्ट योगात्मक भाषाओं के लिए, जिसमें प्रधान रूप से मलय पोलीनेशियाई परिवार की भाषायें आती हैं, सर्वथा विपरीत है, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में इन भाषाओं में शब्द का रूप विकृत नहीं होता, परन्तु इसका यह अर्थ नहीं कि विभक्तियों एवं कारकों के प्रयोग के अभाव में वाक्य का गठन विश्रृंखल-सा होता है, परंतु वास्तविकता यह है कि इस भाषा का ढाँचा ही बिल्कुल अलग है और काफी सरल है जिसमें संकेतात्मक शब्दों के द्वारा वही बात और ढंग से अभिव्यंजित की जाती है. शब्दों के ही द्वारा 'रीति संबंध', काल, लिंग, वचन एवं संख्याओं को स्पष्ट किया जाता है. ये शब्द, कभी-कभी शब्द के अर्धपूर्ण भाग ही नहीं होते, वरन् पूर्ण शब्द के रूप में भी प्रकट होते हैं. वास्तव में भाषा इंडोनेशिया में 'लिंग' भेद ही नहीं होता, परन्तु लिंग भेद के लिए भाषा में संकेतात्मक शब्द हैं ; जैसे : लिंग भेद प्रकट करने के लिए पुंल्लिग के लिए 'लाकी लाकी' अथवा 'जानतान' तथा स्त्रीलिंग के लिए 'परमपूआन' अथवा 'वतीना' शब्दों का प्रयोग होता है. एक वचन एवं बहुवचन के लिए शब्दों को दुहराया जाता है, जैसे 'वानीता (स्त्री) 'वानीता वानीता' (स्त्रियाँ) तथा कुछ वर्ग सूचक शब्दों के द्वारा भी जैसे 'पारा' अथवा 'कौम'—बहुवचन सूचक शब्द, विशेषतया संज्ञा शब्दों में जो कि पुरुष वाचक हैं और समुदाय को स्पष्ट करते हैं. रीति संबंध भी कुछ संकेतात्मक शब्दों द्वारा ही जैसे

'हैंडाकलाह'—(यह अपेक्षित है), अथवा 'समोगा'—(यह आशा है), आदि शब्दों के द्वारा बताए जाते हैं. काल सूचक शब्दों के द्वारा ही भूत, भविष्य एवं वर्तमान को स्पष्ट किया जाता है; जैसे : 'सूडाह'—भूतकाल अथवा कार्य की पूर्णता को, 'सँडाँग'—कार्य की गतिमयता एवं वर्तमान का तथा 'आकान'—कार्य की संभावना को प्रकट करता है. यह शब्द क्रिया से पहले ही रखे जाते हैं. विशेषण के प्रयोग में स्तरों को स्पष्ट करते हुए लबीह—द्वितीय श्रेणी में आधिक्य के लिए तथा उच्चतम श्रेणी के लिए 'तर' अथवा 'पालींग' शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जिनको विशेषण से पहले ही लगाया जाता है; जैसे : 'तर बाईक' (बाईक सुंदर, सुंदरतम तर बाईक) वास्तव में विभक्ति रूप जैसे 'आन' बसारान शब्द रूप में अथवा 'तर' 'तर बसार' शब्द रूप में राजधानी जाकार्त्ता की बोली के आधार से लिए गए हैं. क्योंकि विभक्ति का अथवा कारक का किसी भी इस रूप में प्रयोग प्राचीन मलय भाषा में दृष्टिगोचर नहीं होता, परंतु जीवंत भाषा गतिमयता की प्रतीक होती है, अतएव इस भाषा संरचना पर समय-समय पर नवीन प्रभाव पड़ते हुए भी दृष्टिगोचर हो रहे हैं. इस प्रकार जहाँ तक भाषा इंडोनेशिया की संरचना का संबंध है, यह भाषा संसार की सरलतम भाषाओं में मानी जा सकती है. वाक्य रचना में शब्द समूह का क्रम तथा वाक्य खंड ही वह प्रधान तत्त्व हैं. जिनके आधार से वाक्य का गठन होता है. यह क्रम भी इस प्रकार चलता है कि विशेषण सदैव ही विशेष्य के बाद आता है अथवा जितने भी शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं, वे सभी बाद में ही रखे जाते हैं जैसे 'कूडा पूतीह' (घोड़ा सफेद) यह क्रम रहता है, यह क्रम भारत एवं यूरोप के वर्ग की भाषाओं में कभी नहीं हो सकता. इस प्रकार विशेषण एवं विशेष्य मिलकर एक वाक्य खंड बनाते हैं, जिसको भाषा इंडोनेशिया में गात्र (गातरा) कहा जाता है. इन गात्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर बड़ी सुविधा से स्थानांतरित किया जा सकता है और इस स्थानांतरण से अर्थ में कोई परिवर्तन नहीं होता. यह बात अस्सी प्रतिशत रूप में सही उतरती है, परंतु जब नियमों का पालन नहीं होता, तभी वाक्य के सही अर्थ में बाधा पड़ती है; जैसे :

'बापा मलीहात साया' (पिता ने मुझे देखा) और यदि वाक्य

खण्डों का स्थानांतरण किया जाय तथा 'साया मलीहात बापा' कहा जाय तो अर्थ ठीक नहीं आयेगा और अर्थ होगा (मैंने पिता को देखा). इस प्रकार थोड़ा ध्यान वाक्य के शब्द क्रम पर देना आवश्यक है, जिससे अर्थ का अनर्थ न हो सके, क्योंकि कर्त्तृ वाच्य में कर्त्ता पहले, उसके बाद क्रिया और अंत में कर्म को स्थान मिलता है तथा कर्म क्रिया के बाद ही रहता है; जैसे : 'साया बाचा बूकू' (मैं पुस्तक पढ़ता हूँ) कर्मवाच्य में कर्म सबसे पहले आता है, और कर्त्ता का स्थान अंतिम होता है, जिसको 'ओलेह' शब्द के द्वारा स्पष्ट किया जाता है, जो क्रिया के बाद ही रखा जाता है; जैसे:'बूकू डी बाचा ओलेह साया'(पुस्तक मेरे द्वारा पढ़ी जाती है) अथवा इसका अनुवाद होगा (पुस्तक पढ़ी जाती है मेरे द्वारा), परंतु भाषा इंडोनेशिया की वाक्य रचना में यह आवश्यक नहीं है कि उद्देश्य के स्थान पर कर्ता ही हो अथवा विधेय के स्थान पर क्रिया ही हो. इस प्रकार भाषा इंडोनेशिया के ढाँचे के संबंध में यह मूलभूत तत्त्व हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है और जो प्रत्यय प्रधान भाषा के अंग भी हैं.

शब्द विज्ञान अथवा शब्द रचना भी भाषा इंडोनेशिया में जटिल समस्या नहीं है, क्योंकि यह भाषा प्रत्यय प्रधान है, तथा इसकी संरचना विश्लेषणात्मक है. वास्तव में प्रत्यय एवं उपसर्ग भी सीमित संख्या में ही हैं और उनके ही आधार से शब्द रचना होती है. शब्द का मूलाधार रूप जानना आवश्यक है. उसके बाद ही उसका अर्थ समझा जा सकता है, परंतु प्रत्यय एवं उपसर्ग संज्ञा एवं क्रिया तथा अन्य रूपों के बोधक होते हुये भी अर्थ में काफी परिवर्तन प्रस्तुत करते हैं

क्रिया बोधक उपसर्ग इस प्रकार हैं :—'म', 'बर', 'तर', 'पर' और 'डी', ('डी' का प्रयोग कर्मवाच्य बनाने के लिए क्रिया से पहले किया जाता है, और उसका स्थान ठीक क्रिया के पहले ही रहता है, क्रिया के प्रत्यय दो ही हैं—'कान' तथा 'ई' वास्तव में क्रिया भाषा इंडोनेशिया में बड़े आनंद का विषय है, विशेषतया विभक्ति प्रधान, धातु प्रधान अथवा संश्लेषणात्मक भाषाओं के मुकाबिले में यह इतनी महत्त्वपूर्ण भी नहीं है, वास्तव में भारत तथा यूरोपीय

भाषाओं में क्रिया वाक्य का मेरुदण्ड होती है और वाक्य का शब्द क्रम उसी से निर्धारित होता है, परंतु भाषा इंडोनेशिया में 'तीडूर' (सोना) 'डूडूक' (बैठना), 'याकीन' (यकीन), ताहू (जानना) आदि शब्द हैं. साथ ही साथ ऐसे शब्दों का प्रयोग जैसे 'बसार' (बड़ा) कचील (छोटा) पांजांग (लम्बा) तथा 'लबार' (चौड़ा) आदि का प्रयोग भी होता है.

इन उपरोक्त शब्दों का संज्ञा, क्रिया एवं विशेषण के रूप में वर्गीकरण एक प्रश्न चिन्ह् उपस्थित करता है. इनमें किसको संज्ञा कहा जाय तथा किसको क्रिया, यह भी विवादास्पद है क्योंकि अरस्तू के व्याकरण के नियम यहाँ पर खरे नहीं उतरते, वास्तव में भाषा इंडोनेशिया में धातु रूप (क्रिया रूप) की चेतना ही जागृत नहीं है, क्योंकि किसी भी शब्द को क्रिया की भाँति प्रत्यय का सहारा लेकर प्रयोग में लाया जा सकता है तथा संज्ञा को भी क्रिया की ही भाँति इस्तेमाल किया जाता है. विशेषण का क्षेत्र बहुत व्यापक है. विशेषण की अपेक्षा उसे अकर्मक क्रिया के रूप में भी सरलता से प्रयुक्त किया जाता है.

संज्ञा रूपों को बनाने के लिए भी कई उपसर्ग हैं, जिनमें 'प' 'क' तथा 'पर' प्रधान हैं, प्रत्यय के रूप में केवल 'आन' का ही प्रयोग होता है, संज्ञा क्रिया एवं विशेषण एक-दूसरे से पूर्ण संवद्ध हैं और अन्योन्याश्रित भी, इस प्रकार भाषा इंडोनेशिया में संज्ञा, क्रिया एवं अव्यय-संबंध सूचक एवं सहायक शब्द आदि ही प्रधान हैं. उसके शब्दों की रूपरेखा ग्रीक अथवा लेटिन व्याकरण के आधार से प्रस्तुत नहीं की जा सकती.

भाषा इंडोनेशिया का शब्द समूह चार प्रधान वर्गों में बाँटा जा सकता है :—

1. मूलाधार रूप (काता डासार) में किसी प्रकार के उपसर्ग एवं प्रत्यय का प्रयोग नहीं होता; जैसे : 'याकीन' (विश्वास करना).

2. उपसर्ग एवं प्रत्यय के ग्राधार से बनाए गए शब्द 'काता वर सामबूँग' कहलाते हैं; जैसे : मयाकीन (म+याकीन)' विश्वास करता है.

3. शब्दों के दोहराने से बने हुए रूप (काता बर ऊलाँग), जैसे : मार्ग 'जालान से जालान जालान का ग्रर्थ निरन्तर गतिशील होता है.

4. समास या शब्द का रूप (काता माजमूक); जैसे :

माताहारी	सूरज
माता	ग्राँख
हारी	दिवस

शब्द का संयुक्त रूप भी शब्दों के क्रम से ही संबंधित है, क्योंकि विशेषण ग्रथवा गुण वाचक शब्द बाद में ही रखे जाते हैं. प्रथम स्थान प्रधान भाव को व्यक्त करने वाले शब्द का होता है, प्रधान शब्द का संबंध मूल विचार के ग्राधार से ही निर्णीत होता है. भाषा इंडोनेशिया में सबसे प्रधान भावना सबसे पहले प्रस्तुत की जाती है.

शब्दों का दोहराना भाषा इंडोनेशिया के कई शब्द रूपों में प्रधान रूप से होता है, यदि इस दृष्टिकोण से संज्ञा, क्रिया एवं विशेषण के दोहराने पर विचार किया जाय, तो उसके ग्राधार से कई ग्रर्थपूर्ण वाक्य-खंडों का नवीन रूप प्रकट होता है.

विशेषण के दोहराने से गुणाबोधक शब्दों में प्रभावोत्पादकता उत्पन्न की जाती है; जैसे : 'बसार' (बड़ा) शब्द से 'बसार बसार' (बड़े-बड़े). जबकि संज्ञा के दोहराने से बहुवचन का बोध होता है; जैसे : 'ग्रानाक' (बच्चा) शब्द से 'ग्रानाक ग्रानाक' (बच्चे) तथा क्रिया शब्दों के दोहराने से कार्य की शीघ्रता एवं गतिमत्ता प्रकट होती है; जैसे : 'जालान' (टहलना) शब्द से 'जालान जालान' (लगातार टहलना) का बोधक है.

विशेषण का किसी वाक्य-खंड में 'स—याँ' के योग द्वारा, उदाहरणार्थ 'स डालाम डालाम याँ' में (डालाम=गहरा) (जितनी संभव गहराई हो) केवल कार्य की गंभीर परिस्थिति की ओर संकेत करता है.

जहाँ तक वर्णमाला का संबंध है, भाषा इंडोनेशिया में स्वनिमों (वर्णों) का उच्चारण काफी सरलता से किया जा सकता है, क्योंकि भाषा इंडोनेशिया के स्वनिम प्रधान रूप से मूल स्वनिम ही हैं. उनकी ध्वनियों के विभिन्न रूप नहीं होते. एक स्वनिम की एक ही मुख्य ध्वनि होती है, इस प्रकार मूल ध्वनियों का उच्चारण कंठ, ओष्ठ, दंत एवं जिह्वा आदि से सरलता से किया जा सकता है, महाप्राण-ध्वनियाँ (झ, भ, ध, घ, छ) आदि का सर्वथा अभाव है, 'स' ध्वनि एक ही प्रकार की है. अर्द्ध स्वरों में र, ल, व, भी एक ही ध्वनि के प्रतीक हैं, घर्षण ध्वनियाँ; जैसे : 'ज़' आदि हैं ही नहीं.

भाषा इंडोनेशिया में स्वरों को उच्चारित करने वाले मूल स्वनिम केवल पाँच ही हैं :—अ, ई, ऊ, ए तथा ओ। प्रत्येक व्यक्ति बड़ी सुगमता से इन स्वरों का उच्चारण कर सकता है. संयुक्त स्वर केवल तीन ही हैं : ऐ, औ, ओई, परंतु यदि पूर्ण रूपेण परीक्षण किया जाय तो संयुक्त स्वरों (अय) (अऊ) (ओई) —का प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में सही नहीं बैठता. संस्कृत एवं अरबी की भाँति अंतर स्पष्ट करने वाली ध्वनियों का भी सर्वथा अभाव है, तथा चीनी भाषा एवं थाई भाषा की भाँति भाषा इंडोनेशिया स्वर अथवा ध्वनि प्रधान नहीं है.

उच्चारण की सुविधा के लिए स्वरों का वर्गीकरण बहुत आवश्यक है तथा उनका शब्दांशों में विभागीकरण उच्चारण को सुगम बनाता है. भाषा इंडोनेशिया के शब्दांश इस प्रकार बनते हैं :—स्वर+व्यंजन तथा व्यंजन+स्वर+व्यंजन जिसका स्वरूप इस प्रकार होगा :—आनाक (आ+नाक) तथा बाबू (बा+बू). यद्यपि देशी-विदेशी भाषाओं के प्रभाव से नए स्वरों का भी प्रयोग हो रहा है, क्योंकि अरबी, संस्कृत एवं डच आदि भाषाओं के प्रभाव से नये स्वर

एवं व्यंजन भी प्रयुक्त हो रहे हैं. वास्तव में भाषा निरंतर विकास-शील एवं गतिमय माध्यम है. भाषा इंडोनेशिया के विकास ने तो विश्व को चकित कर दिया है. भारत जैसे देशों के लिए यह एक अनुपम उदाहरण है.

भाषा इंडोनेशिया का ढाँचा बहुत ही सरल है. विदेशी भाषा के रूप में भी इस भाषा का अध्ययन कम से कम समय में संभव है. शब्दावली पर ध्यान देकर भाषा के ढाँचे एवं संरचना का समझना आवश्यक है तथा प्रत्यय प्रधान भाषा के दृष्टिकोण से ही इंडोनेशियाई भाषओं पर विचार करना चाहिए. आधुनिक युग में भाषा इंडोनेशिया संसार के सभी महत्त्वपूर्ण विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती है. दक्षिण-पूर्व एशिया की सांस्कृतिक एवं राजनीतिक गतिविधियों को समझने के लिए इस भाषा का अध्ययन नितांत आवश्यक है, क्योंकि दक्षिण पूर्व एशिया के सभी देश भारत के निकटतम पड़ौसी भी हैं.

अध्याय 1

वर्ण विचार

लिपि, उच्चारण, अक्षर विन्यास, तथा शब्द विन्यास

लिपि

रोमन लिपि से नागरी लिपि में रूपान्तरण एवं प्रत्यय तथा उपसर्ग

पहले भाषा इंडोनेशिया (बाहासा मलायू) अरबी लिपि पर आधारित एक लिपि में लिखी जाती थी, परन्तु आजकल रोमन लिपि का प्रयोग होता है, आधुनिक भाषा इंडोनेशिया की वर्णमाला रोमन लिपि पर ही आधारित है, परन्तु इसका उच्चारण नागरी लिपि के आधार से बिल्कुल सही उतरता है. इस भाषा की वर्णमाला मूल स्वनिम प्रधान है और प्रत्येक अक्षर (वर्ण) के लिये एक मूल स्वनिम है. यह भाषा ध्वन्यात्मक है और इसका उच्चारण काफी सरल है, क्योंकि इसमें अंग्रेजी की भाँति मूल स्वनिम विभिन्न रूपों में प्रयुक्त नहीं होता. जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है, क्योंकि स्वनिम (वर्ण) की ध्वनि निश्चित है. इससे उच्चारण एवं अक्षर विन्यास बहुत सुगम एवं स्पष्ट है, जिसने भाषा की संरचना को काफी सरल बना दिया है.

वर्णमाला (स्वनिम) की ध्वनियों को समझने के पश्चात् निश्चित मूल स्वनिमों पर आधारित ध्वनियाँ समझना बड़ी सरल

बात है. इससे उच्चारण एवं अक्षर विन्यास स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है. किसी पद या पदांश पर दबाव देकर बोलना भी कठिन नहीं है, क्योंकि यह दबाव अधिकतर अन्तिम शब्दांश पर ही रहता है. भाषा बोलने में शब्दों या शब्दांशों पर अधिक बल देने की आवश्यकता नहीं है. भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेसिया) भाषा मलेशिया (बाहासा मालासीया) तथा सिंगापुर ने रोमन लिपि पर आधारित एक ही लिपि अपना ली है, जिससे इस भाषा परिवार की एक सूत्रता और भी दृढ़ हो गई है. स्थान-स्थान पर कई देशों में उच्चारण की विभिन्नता तो होती ही है. इस भाषा का उच्चारण अलगाव व्यक्त करने वाला नहीं, वरन् सीमा सूचक ही होता है.

भाषा इंडोनेशिया की वर्तमान रोमन लिपि एवं उच्चारण का नागरी स्वरूप

रोमन लिपि के मूल स्वनिम (अक्षर)		उच्चारण भाषा इंडोनेशिया	देवनागरी
A	a	a	अ
B	b	b (be)	ब
C	*c*	tj (tje) = c	च
D	d	d (de)	ड
E	e	e	ए
F	f	f (ef)	फ़
G	g	g (ge)	ग
H	h	h (ha)	ह
I	i	i (ee)	ई
J	j	dj (dje) = J	ज
K	k	k (ke)	क
L	l	l (el)	ल

रोमन लिपि के मूल स्वनिम (अक्षर)		उच्चारण भाषा इंडोनेशिया	देवनागरी
M	m	m (em)	म
N	n	n (en)	न
O	o	o	ओ
P	p	p (pe)	प
Q	*q*	ki	क
R	r	r (er)	र
S	s	s (es)	स
T	t	t (te)	त
U	u	u	ऊ
V	v	v (fe)	फ़
W	w	w (we)	व
X	*x*	eks	एक्स
Y	*y*	y (ye)	य
Z	z	z (zet)	ज़

नोट : भाषा इंडोनेशिया में पहले c, q, x तथा y ध्वनियाँ (स्वनिम) नहीं थे, परन्तु अब रोमन लिपि के आधार से स्वीकार कर लिये गये हैं.

मूल स्वर

भाषा इंडोनेशिया में मूल स्वर ही हैं और उनकी संख्या केवल पाँच हैं :

उच्चारण भाषा इंडोनेशिया	देवनागरी	शब्द भा० इ०	दे० ना०
a (aa)	अ (आ)	Kamar	(कामार कमरा)
e (e')	ए (ऐ)	Kera	(करा बन्दर)
		merah	(मेराह लाल)

i	ई	kipas (कीपास पंखा)
o	ओ	obat (ओबात औषधि)
u	ऊ	buku (बूकू पुस्तक)

नोट : जब 'e' (ए) ध्वनि शब्दांश के पहले भाग में हो, तो उसका अस्तित्व नहीं के बराबर होता है ; जैसे : kera (ke+ra)—क रा.

परन्तु जब कुछ अक्षरों में (e) ए पर जोर या दबाव दिया जाता है, तो ए (e′) यह संकेत होता है, परन्तु इसका कोई निश्चित नियम नहीं है.

संयुक्त स्वर

भाषा इंडोनेशिया में केवल तीन ही संयुक्त स्वर हैं, परन्तु कुछ भाषा विज्ञानी इन संयुक्त स्वरों को पूर्णत: स्वीकार भी नहीं करते, क्योंकि नियमानुसार उनका कोई निश्चित उच्चारण नहीं है, फिर भी उनका प्रयोग तो होता ही है, अतएव उनका भी उल्लेख आवश्यक है.

भा० इ०	ना० लि०	शब्द (भा० इ०—ना० लि०)
ai	ऐ	—ramai (रामै—शोरगुल) (ra-mai) closed syllable—शब्दांश
ai	आई	—kain (काईन-कँपड़ा) (ka-in) open syllable—शब्दांश
au	औ	—danau (डानाऔ-झील) (da-nau) closed syllable—शब्दांश
au	अऊ	—daun (डाऊन-पत्ती) (da-un) open syllable—शब्दांश
oi	ओय (ओई)	—sepoi (सप्पाय, सपोई-सिपाही) —amboi (आमब्वाय—आश्चर्य आमबोई (विस्मय बोधक)

नोट : (1) संयुक्त स्वरों ai (ऐ) को कभी भी a (अ) से अन्त होने वाले शब्द के साथ जोड़े गये प्रत्यय (i) ई के समान नहीं बोलना चाहिये; उदाहरणार्थ : (luka) लूका-घाव में यदि प्रत्यय (i) 'ई' जोड़ा जाय तो इस का उच्चारण होगा luka i (लूका ई) घाव करता है.

(2) ia (ईआ), ua (ऊआ), iu (ईऊ) तथा ui (ऊई) संयुक्त स्वर नहीं होते; जैसे :

ia	(ईआ)	वह
dua	(डूआ)	दो
siul	(सीऊल)	सीटी मारना
peluit	(पलूईत)	साइरन (खतरे सूचक अथवा संकेतात्मक ध्वनि)

मूल स्वनिम	व्यंजन	शब्द एवं उच्चारण भा० इं०	शब्द एवं उच्चारण ना० लि०
b	bahasa	बाहासा	भाषा
d	duri	डूरी	कंटक
g	tiga	तीगा	तीन
h	hari	हारी	दिवस
k	kamu	कामू	तुम
l	lari	लारी	दौड़ना
m	muka	मूका	मुख
n	nama	नामा	नाम
ng	penting	पनतीङ्	महत्त्वपूर्ण
p	para	पारा	बहुवचन सूचक शब्द
r	ratu	रातू	रानी
s	satu	सातू	एक
t	tata	ताता	क्रम
w	wanita	वानीता	महिला

संयुक्त व्यंजन (पूर्व लिपि)

dj	djalan	जालान	मार्ग
nj	njonja	योंयाँ	श्रीमती
sj	sjarat	स्याराात	शर्त
tj	tjatur	चातूर	शतरंज
ch	tarich	तारीख	दिनांक
j	jajasan	यायासान	संस्था

नोट : भाषा इंडोनेशिया में (j) य व्यंजन अथवा अर्द्ध स्वर के रूप में प्रयुक्त होता था, परन्तु अब उसको रोमन लिपि की ध्वनि (J) ज स्वीकार कर लिया गया है.

भाषा इंडोनेशिया में महाप्राण ध्वनियाँ (ख, घ, च, झ, थ, ध और फ, भ) हैं ही नहीं, केवल 'ख' को ही स्वीकार किया गया है. ट वर्ग है ही नहीं :

संयुक्त व्यंजन (परिवर्तित एवं स्वीकृत वर्तमान लिपि का स्वरूप)

dj	j	jalan	जालान
nj	ny	nyonya	योंयाँ
sj	sy	syarat	स्याराात
tj	c	catur	चातूर
ch	kh	tarikh	तारीख
j	y	yayasan	यायासान

विदेशी अक्षरों का परिवर्तित एवं स्वीकृत स्वरूप

f	maaf	मआफ़ (अरबी शब्द)	माफ़ करना
	fakir	फ़ाक़ीर	फ़कीर
v	universitas (ऊनीफरसीतास, विश्वविद्यालय)		

भाषा इंडोनेशिया में उच्चारण के दृष्टिकोण से भी व्यापक प्रभाव दृष्टिगोचर होते हैं, क्योंकि यह देश असंख्य द्वीपों का देश है, जो सागर के वक्षस्थल पर बिखरे हुए हैं. स्थानीय प्रभावों के कारण उच्चारण में अनेकरूपता है, यद्यपि एकरूपता के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं. कभी-कभी तो उच्चारण एवं अक्षर विन्यास में भी अन्तर होता है, यद्यपि अर्थ में कोई विशेष अन्तर नहीं होता; जैसे :—

आँगगोता	(आँगौता)	सदस्य
सनतोसा	(सेन तौसा)	सन्तोष
कुरसी	(केरोसी)	कुर्सी
बरजूआङ्	(बरजो आङ्)	संघर्ष करता है
लूलूस	(लोलोस)	पास हो जाना (सरक जाना)
आसास	(आज़ास)	मूल रूप से

इसी प्रकार लिपि अथवा अक्षर विन्यास में भी कभी-कभी पूर्ण समानता नहीं पाई जाती, जिसका प्रभाव उच्चारण पर भी पड़ता है; जैसे :

सेताबील	(सताबील)	स्थायी
एकसपोर	(एसपोर)	निर्यात
सतेसन	(सतासीऊन)	स्टेशन

इस प्रकार भाषा मलेशिया एवं भाषा इंडोनेशिया ने यद्यपि अपनी लिपियों में अन्तर्राष्ट्रीय रोमन लिपि के आधार से एकरूपता एवं समानता स्थापित कर ली है, परन्तु उच्चारण एवं अर्थ में अभी भी स्थानीय प्रभाव परिलक्षित होते हैं, परन्तु यह निर्विवाद है कि भाषा इंडोनेशिया एवं भाषा मलेशिया की संरचना एक ही भाषा परिवार की है चाहे शब्द भण्डार में एकरूपता न हो.

शब्द विन्यास तथा उनका वर्गीकरण

1—काता डासार, मूल शब्द बिना किसी प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग के प्रस्तुत किए जाते हैं, प्रत्यय प्रधान भाषा होने के कारण भाषा इंडोनेशिया में शब्द विन्यास को चार शब्द रूपों में बाँटा जा सकता है.

अ. मूल शब्द का रूप प्रत्यय तथा उपसर्ग रहित होता है; जैसे : batja (baca) बाचा, पढ़ना.

ब. प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग द्वारा बनाये गए शब्द; जैसे : (म+लारी) 'मलारी' शब्द में 'म'—उपसर्ग है, शब्द का अर्थ है (दौड़ना) क्रिया सूचक.

(प+पोहोन+आन) पपोहोनान शब्द में 'प'—उपसर्ग एवं 'आन' प्रत्यय हैं, इसका अर्थ है 'वृक्षों की कतार' (संज्ञा सूचक)

स. शब्दों का दोहराना; जैसे : hati hati (हाती हाती) (सजग होकर, सजगता से).

शब्दों के दोहराने से प्रायः शब्द का अर्थ बदल जाता है; जैसे : हाती, हृदय, परन्तु दोहराने से इसका अर्थ हुआ, सचेत, सजग.

द. संयुक्त शब्द या (समस्त पद); संयुक्त शब्द भी दो स्वतंत्र शब्दों के मेल से अथवा तीन शब्दों के मेल से बनता है, और प्रत्येक शब्द का अर्थ अलग या भिन्न होता है, परन्तु उनके मेल से एक अन्य अर्थ की उत्पत्ति होती है और यह किसी अन्य तृतीय अर्थ का द्योतक भी होता है; जैसे :

माताहारी	सूर्य, सूरज

परन्तु अलग-अलग अर्थ इस प्रकार हैं :—

माता	आँख	दिवस की आँख
हारी	दिवस	

इसी प्रकार भाषा इंडोनेशिया में अनेकों शब्दों का विन्यास किया गया है.

प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग भी भिन्न-भिन्न अर्थों का संकेत देते हैं, जिनका अर्थ कभी-कभी कोश की ही सहायता से समझा जा सकता है.

भाषा इंडोनेशिया में विराम चिन्हों का प्रयोग रोमन लिपि की ही भाँति है; जैसे : पूर्ण विराम चिन्ह . कोमा , आदि.

उच्चारण के लिए इन वाक्यों का प्रयोग कीजिए :

1. कामू मालास.
2. डीया साकीत कपाला.
3. साया माकान बूआह पापाया.
4. कीता परगी कपासार.
5. मेरेका हाऊस बनार.

रोमन लिपि से देवनागरी लिपि में रूपान्तर एवं प्रत्यय तथा उपसर्ग

आधुनिक भाषा इंडोनेशिया की लिपि रोमन है, और यह एक प्रत्यय प्रधान भाषा है. अतएव प्रत्यय एवं उपसर्गों का रोमन रूप भी प्रस्तुत करना नागरी लिपि में लिखी गई पुस्तक में अत्यन्त आवश्यक है. अतएव उनका स्वरूप रोमन लिपि में नीचे प्रस्तुत किया जाता है :

Verbal Prefixes (क्रिया उपसर्ग)		Examples		नागरी उच्चारण
ber=वर				
be (ber)	व	bepergian	बपरगीश्रान	यात्रा करता है
bel (ber)	वल	beladjar (belajar)	बलाजार	पढ़ता है
ber	बर	berada	बरआडा	होता है

नोट—(e) ए अक्षर की ध्वनि शब्दांश में नहीं के बराबर है, यदि मूल शब्द में शब्दांश के प्रथम भाग में 'र' हो तो 'बर' उपसर्ग का 'र समाप्त हो जाता है, परन्तु 'बल' उपसर्ग वर का ही एक रूप है जो अपवाद स्वरूप है. श्रन्यथा किसी अन्य शब्द से पहले 'बर' उपसर्ग का प्रयोग कोई ध्वनि परिवर्तित नहीं करता.

di=डी dibuka (was opened) डीबूका=खोला गया था

नोट : 'डी उपसर्ग का प्रयोग क्रिया शब्द से पहले उसे कर्मवाच्य (Passive Voice) में परिवर्तित करता है.

Ke=क kelaparan कलापारान=भूख से मरता है

नोट : उपसर्ग (क-आन) प्रत्यय का प्रयोग क्रिया रूप भी प्रस्तुत करता है श्रौर संज्ञा रूप भी, क्योंकि भाषा की संरचना के आधार से 'कलापारान' शब्द क्रिया का कार्य भी करता है, परन्तु इस प्रकार के प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में सीमित वर्ग के रूप में ही हैं. यद्यपि उपसर्ग 'क' एवं 'श्रान' प्रत्यय के योग से सदैव भाववाचक संज्ञायें ही बनती हैं :

me class='म' वर्ग उपसर्ग का प्रयोग बिना किसी ध्वनि परिवर्तन के होता है, यदि मूल शब्द का प्रथम अक्षर य, ल, म, न, ङ् (ng), ञ. (ny=nj), र तथा व हो.

नमूने :

मयाकीनकान	(mejakinkan, meyakinkan)	विश्वास दिलाता है
मलापोरकान	(melaporkan)	रिपोर्ट करता है, सूचना देता है
ममाईनकान	(memainkan)	खेलने का कारण होता है
मनानती	(menanti)	प्रतीक्षा करता है
मंगरीकान	(mengerikan)	घृणा उत्पन्न करने वाला है
मयाँयींकान	(menyanyjkan, menjanjikan)	गीत गाता है
मरासा	(merasa)	महसूस करता है
मवाकीली	(mewakili)	प्रतिनिधित्व करता है, वकालत करता है

me (mem)='मम' उपसर्ग का प्रयोग ध्वनि परिवर्तन प्रस्तुत करता है. यदि मूल शब्द का पहला अक्षर ब, फ़े, फ़ तथा 'प' हो. इसमें 'प' का विलोप हो जाता है.

नमूने :

ममबाचा	(membatja, membaca)	पढ़ता है
मम फ़ीतनाहकान	(memfitnahkan)	धोखा देता है
ममफ़ीतो	(memveto)	विशेष अधिकार का प्रयोग करता है
ममोतोंग	(memotong, potong)	काटता है

नोट : इसमें मूल शब्द 'पोतोंग' का प्रथम अक्षर होने के कारण 'प' का विलोप हो गया.

me (memper) 'ममपर' उपसर्ग का प्रयोग कोई ध्वनि परिवर्तन प्रस्तुत नहीं करता, वरन् क्रिया को शक्तिशाली एवं सकर्मक बनाता है.

ममपरसातूकान (mempersatukan) एकीकरण का कारण होता है

me (men) 'मन' उपसर्ग का प्रयोग तभी होता है, यदि मूल शब्द का पहला अक्षर ड, ज, च तथा त हो. अन्तिम अक्षर 'त' का विलोप हो जाता है.

नमूने :

मनडूडूक	(menduduk)	बैठता है
मनजाडी	(mendjadi, menjadi)	होता है, या हुआ
मन चारी	(mentjari, mencari)	ढूँढ़ता है
मनूलीस	(menulis, tulis)	लिखता है

तूलीस (tulis) के 'त' का विलोप हो गया.

me (meng) 'मंग' उपसर्ग का प्रयोग तभी होता है, यदि मूल शब्द का पहला अक्षर ह, ग तथा क हो, इसमें भी अन्तिम अक्षर 'क' का विलोप हो जाता है, तथा इस उपसर्ग का प्रयोग उन सभी शब्दों के पहले होता है, जिनका प्रथम अक्षर कोई स्वर (अ, आ), ई, ए, ऊ अथवा ओ) होता है.

नमूने :

मंगगोसोक	(menggosok)	सहलाता है
मंगहाराप	(mengharap)	आशा करना है
मंगाराँग	(mengarang, karang)	लेख लिखता है

नोट : काराँग (karang) का प्रथम अक्षर 'क' विलुप्त हो गया.

मंगआकू	(mengaku)	स्वीकार करता है
मंगईकात	(mengikat)	बाँधता है
मंगएरती	(mengerti)	समझता है
मंगऊसाहा	(mengusaha)	प्रयास करता है
मंगओबाती	(mengobati)	उपचार करता है, औधषि देता है

me (menj=meny) मंय उपसर्ग का प्रयोग उस शब्द से पहले होता है. जिसका प्रथम अक्षर 'स' हो, परन्तु सदैव इस अक्षर का लोप हो जाता है ; जैसे : मंयापू (menjapu=men-yapu (sapu)=झाड़ू लगाता है.

नोट : सापू (sapu) शब्द के 'स' का विलोप हो गया.

me class (म वर्ग) उपसर्ग क्रिया रूप का द्योतक है, जिसके अन्तर्गत म, मम, मन, ममपर, मंग तथा मंय (me, mem, men, memper, meng, menj (meny) आते हैं. यही 'म' वर्ग जब 'प' वर्ग (pe class) में परिवर्तित हो जाता है, तो शब्द के संज्ञा रूप का परिचायक होता है 'प' वर्ग के अन्तर्गत (प, पन, पंग, तथा पंय) आते हैं.

इसी प्रकार बर (ber) का प्रयोग अकर्मक क्रिया का सूचक होता है. वह भी क्रिया से संज्ञा बनाने में पर (per) उपसर्ग में परिवर्तित हो जाता है, परन्तु संज्ञा शब्द तभी पूर्ण होता है, जब उसके साथ संज्ञा सूचक प्रत्यय 'अान' का भी प्रयोग किया जाय; जैसे :

(per) पर(—) अान(an) रूप में मूल शब्द 'गराक' (gerak) के साथ जोड़कर एक नया शब्द बनाया जा सकता है. परन्तु प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग से अर्थ का संकेत बदलता है एवं नया शब्द एक नये अर्थ में प्रयुक्त होता है.

उदाहरणार्थ :

गराक (gerak), गति होना, हिलना
परन्तु पर+गराक+ अान से नया शब्द बना, परगराकान (pergerakan), आन्दोलन.

इसी प्रकार 'म' वर्ग 'प' वर्ग में परिवर्तित हो जाता है, परन्तु इसकी विशेषता यह है कि 'म' वर्ग मूल शब्द को सकर्मक क्रिया का रूप देता है, और जब वही 'म' वर्ग 'प' वर्ग में बदल जाता है, तो संज्ञा रूपों में प्रकट होता है. सकर्मक क्रिया होने के कारण केवल उपसर्ग के ही परिवर्तन से शक्तिशाली होकर संज्ञा रूप कर्त्ता की भाँति प्रयुक्त होता है, और कर्त्तृ वाच्य के निर्माण में सहायक होता है. अथवा यों कहिये कि प्रत्यय के अभाव में भी नवीन अर्थ में प्रयुक्त होता है; जैसे :

लारी (lari) शब्द 'म' उपसर्ग द्वारा क्रिया रूप बनाया हुआ (म+लारी), मलारी (melari), दौड़ता है तथा जब 'मलारी' (melari) को 'पलारी' (pelari) में संज्ञा रूप दिया गया तो इसका अर्थ हुआ, दौड़ने का कार्य करने वाला अर्थात् दौड़ लगाने वाला व्यक्ति, और यदि इसमें 'पलारी' शब्द में—'अान' संज्ञा सूचक शब्द को भी मिला दिया गया, तो नया शब्द बना (पलारी+अान) (pelarian)=दौड़, रेस. इसी प्रकार 'म' वर्ग के अन्य रूपों से भी दो और अन्य संज्ञा रूप प्रस्तुत किये जा सकते हैं; जैसे :

बाचा	(मम बाचा), (पम बाचा), (पम बाचा ग्रान)
बाचा	पढ़ना (मूल शब्द)
ममबाचा	पढ़ता है (सकर्मक क्रिया)
पमबाचा	पढ़ने का कार्य करने वाला (पाठक), (कर्त्ता) संज्ञा शब्द
पम बाचा ग्रान	पढ़ने की सामग्री (संज्ञा भाव वाचक)

इसी प्रकार दूसरा मूल शब्द नमूने के रूप में :

काराँग	(मंगाराँग), (पंगाराँग), (पंगाराँगान)
काराँग	लिखना (मूल शब्द)
मंगाराँग	लिखता है (सकर्मक क्रिया)
पंगाराँग	लिखने का कार्य करने वाला (लेखक) संज्ञा (कर्त्ता)
पंगाराँगान	लेख, लिखी हुई सामग्री (संज्ञा भाव वाचक)

इसी प्रकार 'बल' (bel) क्रिया उपसर्ग ग्रपवाद स्वरूप संज्ञा उपसर्ग पल (pel) में परिवर्तित हो जाता है; जैसे :

बलाजार (beladjar, belajar) पढ़ता है

पलाजार (peladjar=pelajar) पढ़ने वाला (विद्यार्थी) संज्ञा शब्द

पलाजारान- पाठ.

तथा

उपसर्ग (per) 'पर' भी ग्रकर्मक क्रिया 'बर' (ber) को ही संज्ञा बनाने के लिए उपसर्ग का कार्य करता है, परन्तु प्रत्यय 'ग्रान' के बिना वह ग्रलग ग्रस्तित्व लेकर खड़ा नहीं हो सकता; जैसे :

सातू	(satu)	एक	(संख्या)
बरसातू	(bersatu)	एक हो जाना	(क्रिया)
पर सातू ग्रान	(परसातूग्रान)	एकता, एकीकरण	(संज्ञा भाववाचक)

उपसर्ग तर (ter) का प्रयोग विभिन्न रूपों में होता है. जब यह उपसर्ग विशेषण से पहले लगाया जाता है, तो अधिकतम मात्रा का सूचक होता है; जैसे :

बसार ((besar) बड़ा

लबीह बसार(lebih besar) अधिक बड़ा (तुलना)

तर बसार सबसे बड़ा

'तर' का प्रयोग क्रिया, मूल शब्द से पहले कर्मवाच्य में भी प्रयुक्त होता है, परन्तु इसके संकेत भिन्न-भिन्न हैं, जिनका उल्लेख अन्यत्र विस्तार से किया गया है.

जहाँ तक क्रिया रूप सूचक प्रत्ययों का संबंध है, वे केवल दो ही हैं; कान (kan) तथा ई (i).

नमूने :

म लाकू कान (me+laku+kan) कार्य करता है

ममपर बाइकी (memper+baik+(i) मरम्मत करता है

कभी-कभी 'म' वर्ग के जोड़े से अथवा कभी-कभी अकेले भी इनका प्रयोग मूल शब्द रूप को क्रिया रूप देने के लिये किया जाता है, परन्तु प्रत्यय लगाने के बाद उपसर्ग का महत्त्व कम हो जाता है इनका उल्लेख भी विस्तार से अन्यत्र किया गया है.

संज्ञा सूचक प्रत्यय केवल 'आन' (—an) एक ही है, और इसके प्रयोग से भी उपसर्ग का महत्त्व उतना नहीं रहता, जितना कि पहले होता है. कभी-कभी संज्ञा सूचक 'प' वर्ग के साथ जोड़े से इसका प्रयोग किया जाता है, तो कभी-कभी अकेले ही यह संज्ञा शब्द का निर्माण करता है तथा कई नवीन अर्थों का सूचक होता है; जैसे :

बसार	(besar)	बड़ा	(विशेषण)
बसारान	(besaran)	बड़ापन	(संज्ञा भाववाचक)

इन प्रत्ययों का भी अन्य अध्यायों में सविस्तार वर्णन किया गया है.

इसी प्रकार—'लाह्' (—lah) भी बहुप्रचलित प्रत्यय है, परन्तु इसका प्रयोग महत्त्व, आदर एवं ज़ोर देने के लिए होता है; जैसे :

डूडूक	(duduk)	बैठना
डूडूकलाह्	(duduklah)	कृपया बैठिए

अन्य प्रत्ययों में 'याँ' (nya, nja) का महत्त्वपूर्ण योग है, जिसका सविस्तार विवेचन अन्यत्र किया गया है. यों तो 'याँ' (nja nya) पुरुष वाचक सर्वनाम तृतीय पुरुष है, परन्तु भाषा इंडो-नेशिया में इसके अन्य बहुत से महत्त्वपूर्ण प्रयोग हैं.

२. शब्द-भेद एवं उनका वर्गीकरण

वास्तव में शब्द-भेद का बाहासा इंडोनेसिया (भाषा इंडो-नेशिया) में वाक्य रचना से संबंधित है, इसीलिए शब्द-भेद वाक्य रचना प्रक्रिया के अन्तर्गत ही आते हैं. इस रचना प्रक्रिया में अपनी-अपनी परिस्थिति के अनुसार शब्द-भेद के रूप निश्चित किये जाते हैं, क्योंकि वह वाक्य रचना का प्रधान अंश है. इससे एक स्पष्ट लाभ यह भी है, कि शब्द-भेद एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में वाक्य रचना प्रक्रिया में सहायक होते हैं और इस प्रकार उनका रचना प्रक्रिया में पारस्परिक संबंध होता है; उदाहरणार्थ : हम हिन्दी में जिस शब्द को केवल गुणवाचक विशेषण तक ही सीमित रखते हैं, भाषा इंडोनेशिया में वह अकर्मक क्रिया की भाँति भी प्रयुक्त होता है, जो विशेषण एवं क्रिया के बीच एक रचना प्रक्रिया को नया रूप प्रदान करता है, अतएव यह भाषा इंडोनेशिया की अपनी विशे-पता है, जो उसे अद्भुत गत्यात्मकता प्रदान करती है.

2. भाषा इंडोनेशिया में शब्द विन्यास तथा वाक्य विन्यास का गहरा संबंध है, क्योंकि कभी-कभी एक शब्द ही पूर्ण वाक्य का

रूप ले सकता है; उदाहरणार्थ : "डीकाताकानयाँ" का अर्थ होगा : "उसके द्वारा कहा गया" अथवा "उसने कहा" यह एक पूर्ण, एक साधारण वाक्य है, जो भाषा इंडोनेशिया में प्रत्यय एवं उपसर्ग के आधार से निर्मित एक ही शब्द है.

3. यह शब्द-भेद भारतीय आर्य भाषाओं, विशेषतया हिन्दी की तुलना में और समानता से मेल नहीं खाता. क्योंकि हिन्दी की वाक्य रचना क्रिया प्रधान है और संपूर्ण वाक्य का आधार क्रिया है तथा अन्य शब्द-भेद उसी पर आश्रित हैं, जबकि भाषा इंडोनेशिया में क्रिया केवल एक शब्द-भेद मात्र ही है. वाक्य केवल उसी के आधार से ही निर्मित नहीं किया जाता.

4. भाषा इंडोनेशिया में तीन प्रधान शब्द-भेद हैं : संज्ञा वर्ग क्रिया वर्ग, एवं सहायक शब्द वर्ग इस श्रेणी में आते हैं, जिनके सूचक शब्द इस प्रकार हैं; बूकान (नहीं), तीडाक नहीं, यह दोनों ही शब्द संज्ञा एवं क्रिया के निषेधात्मक रूप को स्पष्ट करते हैं. संज्ञा एवं क्रिया वर्गों की अपेक्षा भाषा इंडोनेशिया में सहायक शब्दों का भी अलग अस्तित्व एवं रूप होता है, क्योंकि वाक्य प्रक्रिया में उनका विशेष महत्त्व है; परन्तु उनमें इतनी अधिक उर्वरता नहीं होती, जितनी कि संज्ञा एवं क्रिया में होती है. वास्तव में यह विषय भाषा इंडोनेशिया में विवादास्पद है, क्योंकि यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि संज्ञा शब्द अथवा क्रिया शब्द ही संज्ञा एवं क्रिया के वर्गों का सूचक होगा. यहाँ यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि 'बूकान' शब्द केवल एक ही शब्द—चाहे वह चेतन हो अथवा अचे-तन का निषेधार्थक है, जबकि 'तीडाक' सम्पूर्ण कार्य के न होने का अथवा वर्णन का निषेधात्मक शब्द है. अतएव वाक्य प्रक्रिया में अर्थ एवं प्रयोग के आधार से ही इनका निर्णय होता है और संज्ञा एवं क्रिया का भेद इन्हीं के आधार से स्पष्ट होता है. भाषा इंडोनेशिया में व्याकरण के आधार से किसको संज्ञा कहा जाय अथवा किस शब्द को क्रिया कहा जाय, यह स्पष्ट नहीं है, परन्तु उनके सूचक शब्द ही वाक्य को एक क्रम देते हैं :—

अतएव यहाँ पर संज्ञा वर्ग, क्रिया वर्ग एवं सहायक शब्द वर्ग का उल्लेख क्रमबद्ध रूप में आवश्यक है.

1. **संज्ञा वर्ग**—इस वर्ग के अन्तर्गत अन्य कई छोटे-छोटे वर्ग भेद भी है, जिनका उल्लेख भी आवश्यक है और उन शब्दों का प्रयोग किसी शब्द को आधार बनाकर ही किया जाता है ; जैसे : दिशा सूचक वाक्य प्रक्रिया में ऐसे शब्दों का प्रयोग होगा, जिस शब्द से पहले दिशा बोधक एवं संबंध सूचक सहायक शब्द "डी" (में) का प्रयोग होगा; जैसे : **डीरूमाह** (घर में), डी मोबील (कार में), **डीजालान** (मार्ग में) डीताङ्गान, डी आईर, डी करतास आदि में 'डीक' के प्रयोग से (हाथ में) (पानी में) (पेपर में)—संज्ञा शब्द का बोध होता है.

वास्तव में 'डी' सहायक शब्द के रूप में अचेतन संज्ञा शब्दों से पहले लगाया जाता है. इसी के साथ एक अन्य संबंध सूचक सहायक शब्द 'पाडा' अथवा 'कपाडा' (की ओर, को) चेतन संज्ञा शब्दों का द्योतक है; जैसे : 'पाडा आनाक' (बच्चे को), 'पाडा ईबू' (माँ के लिए), "पाडा हारीमाओ" (चीते के लिए), पाडा ताङ्गाल (तारीख पर, तारीख को तथा "पाडा (कपाडा) जगमोहन" (जगमोहन को) का प्रयोग चेतनशील प्राणियों के लिए होता है. स्मरण रहे कि भाषा इंडोनेशिया में संज्ञा केवल दो रूपों में ही होती है, एक अचेतनशील शब्द के रूप में, जो प्राय: संज्ञा भाववाचक भी हो सकती है तथा दूसरी चेतन रूप में, इस प्रकार संज्ञा के भेद जड़ एवं चेतन, दो ही हैं. (प्रत्यक्ष एंव अप्रत्यक्ष).

२. **क्रिया वर्ग**—भाषा इंडोनेशिया में क्रियायें दो प्रकार की होती हैं; सकर्मक एंव अकर्मक. परन्तु विशेषण एंव अन्य सहायक शब्द भी अकर्मक क्रिया की भाँति या सकर्मक क्रिया की भाँति प्रत्यय एंव उपसर्ग के आधार से क्रिया वर्ग में लाये जा सकते हैं और उनका प्रयोग भी होता है. यों तो विशेषण अकर्मक क्रिया की भाँति सदैव ही प्रयोग में आता है, परन्तु मात्रा सूचक शब्दों के बाद में स्थित होने पर उसमें विशेषण के ही गुण रहते हैं; जैसे : 'आमात' तथा 'साङ्गात' (बहुत अधिक) के प्रयोग के उदाहरणों में 'आमात

मीसकीन' (बहुत अधिक ग़रीब, तथा 'साङ्गात बसार' (बहुत अधिक बड़ा) में 'मीसकीन' (ग़रीब) एंव 'बसार' (बड़ा) विशेषण ही रहते हैं; क्योंकि उनके पूर्व मात्रा मापक शब्द पहले से ही वाक्य प्रक्रिया में उनका स्थान निश्चित कर देते हैं.

3. **सहायक शब्द वर्ग**—वाक्य रचना में अपनी स्थिति एवं स्थान के अधार से इस सहायक शब्द वर्ग को पाँच प्रकार के शब्द-भेदों में बाँटा जा सकता है :

1. **परीपोसीसी**(संबंध बोधक शब्द) सभी संबध बोधक शब्द संज्ञा वर्ग के शब्दों से पहले ही आते हैं और कभी भी वाक्य के अन्त में नहीं रहते.

2. **कोनयूँगसी** (समुच्चय बोधक शब्द)—यह शब्द भी प्राय: वाक्य के अन्त में नहीं रहते और सदैव ही यह आवश्यक नहीं, कि वे संज्ञा शब्दों सेपहले ही रक्खे जायें.

3. **पनूनजूक कचाराआन** (मोडालीता, रीति बोधक शब्द—इनका क्षेत्र संबंध बोधक एवं समुच्चय बोधक शब्दों से अधिक व्यापक है, क्योंकि यह विभिन्न रीतियों के बोधक हैं.

4. **पनूनजूक सगी** (आसपेक) काल बोधक शब्द—काल बोधक शब्द सदैव ही क्रिया से पहले ही रहते हैं और कार्य का होना, पूर्ण होना अथवा भविष्यत काल में होने का बोध कराते हैं, क्योंकि भाषा इंडोनेशिया में भारतीय भाषाओं की भाँति शब्द को मोड़ कर क्रिया का रूप परिवर्तित नहीं किया जाता. काल का बोध केवल शब्दों के द्वारा ही होता है.

5. **पनूनजूक डराजात** (मात्रा सूचक शब्द)—मात्रा सूचक शब्द क्रिया एवं विशेषण से पहले ही आते हैं परंतु कभी-कभी इनका प्रयोग वाक्य के अंत में भी होता है; जैसे : चानतीक सकाली, बहुत साधारण रूप में आमात चानतीक, बहुत सुंदर का द्योतक है.

अध्याय 2

क्रिया

भाषा इंडोनेशिया प्रत्यय प्रधान भाषा है. मूल शब्द में प्रत्यय एवं उपसर्ग के योग द्वारा अनेकों नये शब्द बनाये जाते हैं और इस प्रकार के शब्द भिन्न-भिन्न अर्थ बोधक होते हैं. कभी-कभी तो शब्द का अर्थ प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग से बहुत दूर जा पड़ता है परंतु मूल शब्द कभी-कभी सापेक्ष्य रूपों में मूल आधार रूपों की संज्ञा भी पाते हैं.

प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग के द्वारा दो प्रकार के शब्दों का रूप सामने आता है, जिनमें एक संज्ञा वर्ग है और दूसरा क्रिया वर्ग. यह वर्गीकरण इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है :

1. अ उपसर्ग 'पर'—तथा प्रत्यय 'कान' का योग.

   ब उपसर्ग 'पर'—तथा प्रत्यय 'ई' का योग.

   जैसे /पर- /-कान / तथा प्रत्यय /-ई.

2. एक साथ उपसर्ग एवं प्रत्यय के योग से बना हुआ नया रूप जो मूल रूप शब्द से बनता है, उसमें भी उपसर्ग का प्रयोग होता है, जैसे : /पर—कान/ तथा /पर—कान/ का योग.

3. क्रियायें, प्रत्यय एवं उपसर्ग से जुड़कर नये आधार, मूल शब्द को नया रूप एवं अर्थ देती हैं.

अ. उपसर्ग /म वर्ग (मंग)—/ / डी—/ /स—/, बर—

ब. जोड़े द्वारा (योग) से बने हुए क्रिया रूप (एक साथ) /क-ग्रान/ तथा /बर-ग्रान/.

क्रिया रूप के शब्द विन्यास में सीमित रूप में प्रत्यय एवं उपसर्ग के द्वारा ग्राठ प्रकार के शब्द रूप (ग्राकार) प्रस्तुत किये जा सकते हैं :

सीमित क्रिया वर्ग के ग्राकारों का वर्गीकरण निम्नांकित है :

1. ग्राकार ग्रथवा मूल शब्द ग्रथवा रूप /पर-/, का मूल शब्द संज्ञा विशेषण (ग्रकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग किया जाता है.

2. ग्राकार /पर-कान/ का मूल शब्द संज्ञा क्रिया ग्रथवा विशेषण (ग्रकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग किया जाता है.
3. ग्राकार /-ई/ का मूल शब्द संज्ञा तथा विशेषण (ग्रकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग किया जाता है.

4. ग्राकार /पर-/ का मूल शब्द क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

5. ग्राकार /बर-ग्रान/ का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

6. ग्राकार /तर-/ का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

7. ग्राकार /क-ग्रान/ का मूल शब्द संज्ञा क्रिया एवं विशेषण (ग्रकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग होता है.

8. ग्राकार /मंग-/ का मूल शब्द संज्ञा एवं विशेषण (ग्रकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग होता है.

क्रिया रूप के शब्द विन्यास द्वारा प्रस्तुत नये शब्द असंख्य एवं ग्रसीमित हैं, उनका वर्गीकरण निम्नांकित है :

1. ग्राकार /-कान/ का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग किया जाता है.

2. आकार /-ई/ का मूल शब्द क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

3. आकार /मंग-/ का मूल शब्द क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

4. आकार (डी-/) का मूल शब्द सकर्मक क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

5. आकार (स-/) का मूल शब्द संज्ञा एवं विशेषण (अकर्मक क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

6. आकार (तर-/) का मूल शब्द विशेषण (अकर्मक क्रिया) के साथ प्रयोग होता है.

भाषा इंडोनेशिया में साधारणतया क्रिया के रूप इस प्रकार होते हैं :

1. धातु रूप—शब्द, जैसे : बाचा पढ़ना

अथवा

मूल शब्द रूप	गामबार	तस्वीर
	तींगगी	ऊँची
	लालू	निकलना

2. उपसर्ग+धातु रूप	मम बाचा	पढ़ते हैं
	मंगगामबार	तस्वीर खींचते हैं
	ममपर तींगगी	ऊँची उठाते हैं
	बरलालू	निकल कर जाता है

3. उपसर्ग+धातु रूप+प्रत्यय :

ममबाचाकान	अध्ययन करते हैं
मंगगामबारकान	चित्रित करते हैं
ममपरतींगगीकान	ऊँची उठवाते हैं
मलालूई	किसी मार्ग के द्वारा गुजरते हैं

क्रिया का धातु रूप कोई भी शब्द चाहे, वह क्रिया, संज्ञा अथवा विशेषण आदि हो, प्रत्यय एवं उपसर्ग के लगाने से क्रिया रूप में प्रयुक्त हो सकता है. क्रियाओं के उपसर्ग : 'बर', 'म' तथा 'मम पर' और प्रत्यय -'कान' तथा -'ई' का विस्तारपूर्वक प्रयोग बाद में प्रस्तुत किया जायेगा.

काता करजा=क्रिया 'ममपर' उपसर्ग (क्रिया द्योतक)
उपसर्ग मम+पर—का जोड़ा (योग अथवा मेल)

'ममपर' उपसर्ग द्वारा बनाई गई क्रिया सदैव ही सकर्मक होती है :

जब धातु रूप संज्ञा शब्द हो, तो उसी का विस्तार संज्ञा के गुणों के आधार से किया जाता है.

डेवा (देवता)

मेरेका ममपरडेवा राजा सूर्यवर्मन सबागे विष्णू.

वे राजा सूर्यवर्मन की पूजा विष्णू की भाँति करते थे.

इसतरी (पत्नी)

डीया ममपरइसतरीकान सओरांग जानडा.

उसने एक विधवा से विवाह किया है.

अथवा

उसने विधवा को स्त्री स्वीकार किया है.

2. जब धातुरूप (मूल शब्द) विशेषण होता है, तो 'ममपर' उपसर्ग द्वारा क्रिया को प्रभावोत्पादक बनाया जाता है. कभी-कभी आवश्यकतानुसार प्रत्ययों, -कान तथा -ई का भी प्रयोग किया जाता है :

जैसे : पोपूलेर (जनप्रिय)

कामी मनचोबा ममपरपोपूलेरकान बीडूआन ईतू.
हमने इस संगीतश को अधिक जनप्रिय बनाने का प्रयास किया है.

पानजांग (लम्बा)

डीया ममपरपानजांगकान बाकतू बीजा साया.

उसने मेरा बीज़ा समय से अधिक लम्बा बढ़ा दिया है.

बाईक (अच्छा)

डीया ममपरबाईकी मोबील साया.

उसने मेरी मोटर की मरम्मत की है.

3. जब मूल रूप संख्यावाचक होता है, तो 'ममपर' उसे मूल शब्द द्वारा प्रकट की गई संख्याओं में बांट देता है. कभी-कभी प्रत्यय -'कान' का भी प्रयोग किया जाता है.

'तीगा' (तीन) ईबू ममपरतीगा कूये ईतू.

माँ ने केक (मिठाई) को तीन भागों में बांट दिया है.

'सातू' (एक) सूकारनो ममपरसातूकान बांगसा इंडोनेसिया.

सुकर्ण ने इंडोनेशिया का एकीकरण किया है.

'मम' तथा 'पर' को आज्ञा सूचक वाक्यों एवं कर्मवाच्य सूचक वाक्यों में अलग-अलग प्रयुक्त किया जाता है.

नमूने :

अ. पांजांग (लम्बा)

परपानजांगलाह ईनी.

इसको लम्बा करो.

ब. जालान ईनी आकान डीपरपानजांगकान.

इस मार्ग को लम्बा किया जायेगा.

नये शब्द

मलालूई	मध्य से, द्वारा
बरबागे	विभिन्न प्रकार
बरीता	समाचार

बाईक	अच्छा
समूआ	सभी, सब
मूसूह	शत्रु, दुश्मन
बेनतेंग	छोटा क़िला
लूकीसान	चित्र
जाँगान	वर्जित (नहीं)
आसीन	नमकीन
ताबोन	मधु मक्खी
माडू	मधु, शहद
बूँगा	फूल
डी तेपी	किनारे पर
वाकतू	समय, वक़्त
सूँगे	नदी, सरिता
ससूआतू	कोई व्यक्ति
कोता	शहर
ईकान	मछली
पमबसार	अधिकारी, अफ़सर
बातू	पत्थर, प्रस्तर
परतामा	प्रथम
पमबाँगूनान	इमारत
ईनसतीतूत	संस्था
जाम डूआबलास	बारह बजे का समय
सातू जाम	एक घंटा
पासूकान	सोना या टुकड़ी
जेनडराल	जनरल, सेनाध्यक्ष
परताहानान	सुरक्षा

ओराँग बावाहान	आश्रित कार्यकर्त्ता
पनचूरी	चोर
आताप	छत
आमात	अधिक (तीव्रता के लिये)
तूआ	पुराना
लूचू	हास्य से मनोरंजन
कारेना	कारण
तीलगराम	टेलीग्राम, तार
बूँकूसान	पार्सल
माताहारी	सूरज, सूर्य
ताहून	साल, वर्ष
डीलूआर नगरी	विदेश में

अभ्यास

निम्नांकित शब्दों से वाक्य रचना करो :

1. बरसकोलाह (सकोलाह स्कूल)
2. ममूकूल (पूकूल पीटना)
3. मंगालामी (आलाम अनुभव, प्रकृति)
4. ममबाँडींगकान (बाँडींग मुक़ाबिला करना)
5. ममपरकोकोहकान) (कोकोह मज़बूत)
6. ममबरीकान (वरी देना)
7. ममासूकी (मासूक घुसना, प्रवेश)
8. मंगगमबीराकान (गमबीरा प्रसन्न)
9. ममाईनकान (माईन खेलना)
10. मनडूडूकी (डूडूक बैठना)

सकर्मक

उपसर्ग 'म'- म- वर्ग (उपसर्ग क्रिया द्योतक)

धातु रूप में 'म' उपसर्ग लगाने से सकर्मक क्रिया बनती है. 'म' का प्रयोग शब्द के प्रथम अक्षर के अनुसार परिवर्तित होता है. इससे वाक्य कर्त्तृवाच्य तथा क्रिया सकर्मक होती है.

'म' ('मन') में परिवर्तित हो जाता है, जब धातु रूप का प्रथम अक्षर ड, ज, च तथा त होता है, इनमें 'त' 'मन' के प्रयोग से विलुप्त हो जाता है ; जैसे :

डूगा	मनडूगा	सन्देह करता है, अन्दाज़ लगाता है
जाडी	मनजाडी	होता है, हो जाता है
चारी	मनचारी	ढूँढ़ता है
तारीक	मनारीक (त का विलोप)	खींचता है

अपवाद : तरजमाह, मनतरजमाहकान ,अनुवाद करता है.

विदेशी भाषा अरबी का शब्द होने के कारण यह शब्द उसी रूप में बिना परिवर्तित स्वरूप के 'मन' उपसर्ग लगा कर स्वीकार कर लिया गया है, परन्तु आजकल नियमानुसार 'मनरजमाहकान' शब्द का प्रयोग भी अनुवाद करने के अर्थ में प्रयोग में लाया जाता है. अतः दोनों ही प्रयोगों का प्रचलन है.

'म' ('मंग') में परिवर्तित हो जाता है, जब धातु रूप का प्रथम अक्षर, स्वर (अ, ई, ऊ, ए तथा ओ) एवं व्यंजन ह, ग तथा क होते हैं, (क का विलोप हो जाता है.

मंग- (स्वर) :

आकू	मंगाकू	(मंग+आकू)	स्वीकार करता है
ईसी	मंगीसी	(मंग+ईसी)	भरता है, रिक्त स्थान की पूर्त्ति करता है.

ऊकूर मंगूकूर (मंग+ऊकूर नापता है
एरात मंगेरात (मंग+एरात) मजबूत करता है
ओबात मंगोबात (मंग+ओबात) दवा करता है
(दवा देता है)

(व्यंजन) हाराप मंगहाराप आशा करता है
गूनतींग मंगगूनतींग क़ैंची से काटता है
कीरीम मंगीरीम भेजता है, डालता है
('क' का लोप हो जाता है)

'म'- ('मम'-) में परिवर्तित हो जाता है, जब धातु रूप का प्रथम अक्षर 'ब' या 'प' हो. (प का लोप हो जाता है)

बूरू ममबूरू शिकार खेलता है, पीछा करता है
पूकूल ममूकूल मारता है, पीटता है
(प का लोप)

अपवाद : पूईयाँ ममपूईयाँई रखता है
पडूली ममपडूलीकान परवाह करता है, ध्यान देता है

'म'- (मंय) में परिवर्तित हो जाता है जब धातु रूप का प्रथम अक्षर 'स' हो. (स का लोप हो जाता है.)

सापू मंयापू बुहारता है, झाड़ू फेरता है

इस 'म'- उपसर्ग एक वर्ग का रूप धारण करता है तथा 'म-' वर्ग में 'मन'-, 'मम'-, 'मंग'- तथा 'मंय'- आते हैं.

'ममपर'- भी इसी वर्ग में रक्खा जा सकता है, परन्तु उसके प्रयोग पर अन्यत्र विचार किया जायेगा.

'म'- उपसर्ग में कोई परिवर्तन नहीं होता, यदि धातु रूप का प्रथम अक्षर य, ल, म, न, ङ्: ञ:, र और व होता है :

म- :	याकीन	मयाकीनकान	विश्वास करता है
	लारी	मलारी	भागता है
	माईन	ममाईनकान	खेलता है
	एंगेरीकान	मंगेरीकान	खेल कराता है घृणा होती है, (घृणित वस्तुओं से मन अकुलाता है)
	याँयीं	मयाँयीकान	गाना गाया है
	रासा	मरासा	महसूस करता है
	वाकील	मवाकीली	प्रतिनिधित्व करता है

नोट : अरबी शब्द 'फ़ीतनाह्' तथा डच शब्द 'फ़ीतो' में भी 'मम'- उपसर्ग क्रिया रूप देने के लिये लगाया जाता है; जैसे :

म—(मम—	फ़ीतनाह्	ममफ़ीतनाह्कान	धोखा देता है
	फ़ीतो	ममफ़ीतो	वोट का विशेष अधिकार होता है

क्रिया रूप बोधक 'म'- उपसर्ग के विभिन्न प्रयोग इस प्रकार हैं :

1. जब धातु रूप संज्ञा होती है, तो 'म'- उपसर्ग द्वारा कार्य का संचालन स्पष्ट किया जाता है. इसके प्रयोग से क्रिया सकर्मक हो जाती है और कर्त्तृ वाच्य के रूप में वाक्य का प्रयोग होता है.

जो धातु रूप अकर्मक क्रिया के रूप में होते हैं, उन्हें 'म'- (क्रिया उपसर्ग) द्वारा सकर्मक बनाया जा सकता है. भाषा इंडो-नेशिया में विशेषण अकर्मक क्रिया के रूप में भी प्रयुक्त होता है, परन्तु 'म'- वर्ग उपसर्ग एवं -'कान' तथा -'ई' प्रत्यय के जोड़ से कारण सूचक तथा सकर्मक क्रिया के रूप में भी बनाया जा सकता है. इस प्रकार संज्ञा, क्रिया एवं विशेषण धातु रूपों में अन्योनाश्रित संबंध

हैं, क्योंकि विशेषण को अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया एवं भाव वाचक संज्ञा के रूप में प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग द्वारा कई अर्थों में प्रयुक्त किया जा सकता है.

भाषा इंडोनेशिया में क्रिया रूपों को संज्ञा रूप दिया जा सकता है तथा संज्ञा रूपों को क्रिया की भाँति प्रयोग में लाया जाता है. संज्ञा के केवल दो ही रूप हैं :

1. किसी वस्तु या व्यक्ति का नाम (प्रत्यक्ष) — आचार्य बिनोवा भावे, आचार्य नरेन्द्र देव,

2. संज्ञा भाव वाचक (अप्रत्यक्ष) — महानता, देवत्व

निम्नांकित वाक्यों में संज्ञा, क्रिया एवं विशेषण (अकर्मक क्रिया) को धातु रूप मानकर इनके प्रयोग प्रस्तुत किये गये हैं.

'म' वर्ग के प्रयोग

संज्ञा शब्द — कार्य करना क्रिया के रूप में

रोती (रोटी)

प्रयोग : इबू मरोती — माँ रोटी बनाती है

क्रिया शब्द

बाबा (लाना) — कार्य की क्रियाशीलता

प्रयोग : साया ममबाबा पायूँग — मैं छाता लाया हूँ

विशेषण (अकर्मक क्रिया)

मेराह (लाल) — कार्य का गुण

प्रयोग : साया माराह, माका मूका साया ममेराह.

मैं क्रुद्ध था, अतएव मेरा चेहरा (क्रोध से) लाल हो गया था.

विशेषण का क्षेत्र भाषा इंडोनेशिया में काफ़ी व्यापक है,

क्योंकि संज्ञा की विशेषतायें भी विशेषण द्वारा ही स्पष्ट होती हैं और क्रिया तथा संज्ञा दोनों ही रूपों को, यह प्रत्यय एवं उपसर्ग के जोड़ने से बड़ी सरलतापूर्वक धारणा कर लेता है, जिससे विशेषण भाषा इंडोनेशिया में गत्यात्मक बन गया है.

निम्नांकित धातु रूप 'बर'- अथवा 'म'- वर्ग के उपसर्गों का प्रयोग नहीं करते, यद्यपि इनके अपवाद भी देखे जा सकते हैं.

आकान	गे, गा, गी (भविष्य द्योतक)
माऊ	चाहना, चाहता
हंडाक	इच्छा, इच्छा करना
आमबरूक	गिर जाना
आनतरी	क़तार, लाइन
आपाल अथवा हाफ़ाल,	रट लेना, रटना
बाँकीत	उठना
बाँगून	सोकर उठना, जाग्रत होना
बीमबाँग	भ्रम में रहना, भ्रमित
बीसा	सकना, सका
बूबार	बिखर जाना,भंग कर दिया जाना
डाताँग	आना
जातूह	गिरना
डापात	सकना, पाना (मनडापात)
डूडूक	बैठना
गागाल	असफल होना
हारूस	आवश्यक होना, चाहिये
हीडूप	जीवित रहना
ईकूत	अनुसरण करना
इंगीन	अभिलाषा करना, इच्छा रखता

इनसाफ	स्वीकृत करते हुये महसूस करना
इंगात	स्मरण करना
कालाह	हार जाना
कावीन	विवाह करना
कमारी	इधर आइये
लेबात	गुज़रना, द्वारा
लँयाप	ग़ायब हो जाना
लोलोस	छुपकर सरक जाना
लूलूस	परीक्षा में उत्तीर्ण होना
लूपा	भूल जाना, भूलना
माजू	आगे बढ़ना, प्रगति करना
माती	मरना
मनांग	जीत जाना
मीनता	प्रार्थना करना, माँगना
मीनूम	पीना
मोगोक	हड़ताल करना
मोहोन	प्रार्थना करना, पूजा करना
मूँगकीर	इनकार करना
मूनडूर	पीछे हटना
मूँगकीन	सम्भव
मूनचूल	प्रकट होना
नाईक	ऊपर चढ़ना, आरोहण करना
ओमोंग	बातचीत करना
परगी	जाना
परलू	आवश्यक
परचाया	विश्वास करना

पूलांग	लौटना, वापिस जाना
सामपे	पहुँचना, सीमा तक
सतूजू	सहमत होना
सूका	पसन्द करना
ताहू	जानना
तामात	समाप्त करना
तामपील	आगे आना
तरबाँग	उड़ना
तरताबा	हँसना
तताप	दृढ़ रहना, निश्चित रहना
तबास	मृत्यु होना, नष्ट हो जाना
तीबा	आना
तीडूर	सोना
तींगगाल	रहना, मुक़ीम होना
तूरून	उतरना
तूरूत	अनुसरण करना
माकान	खाना
माँडी	नहाना
माँकात	मृत्यु हो जाना (बड़े व्यक्ति की)
तीडाक ऊसाह	आवश्यक नहीं
बाफ़ात	मृत्यु होना (महात्मा की)

नोट : बाँगून, डापात, ईकूत, डाताँग, कालाह, तताप, तींगगाल, तूरून तथा तूरूत के साथ 'म'- उपसर्ग का प्रयोग किया जा सकता है परन्तु इससे अर्थ में पूरा परिवर्तन हो जाता है और इससे इतने अर्थान्तर की कल्पना भी नहीं की जा सकती.

ममबाँगून	निर्माण करता है, बनवाता है
मनडापात	पाता है
मनडातांग	किसी के पास पहुँचता है
मंगईकूत	अनुसरण करता है
मंगालाह	ज़िद छोड़ता है, मान जाता है, हार जाता है
मनेताप	रहता है
मनींगगाल डूनीया	संसार छोड़ देता है
मनूरून	उतरता है
मनूरूत	आज्ञा का पालन करता है, अनुसार कार्य करता है

शब्द

(डी) डालाम	में, अन्दर
बाचा	पढ़ना
सूरात काबार	अख़बार, दैनिक पत्र
गरगाजी	आरी (काटने का औज़ार)
बालोक	किरण
बसार	बड़ा
मूडाह	सरल
डेंगार	सुनना
डेरू	शोर, चिल्लाना
डीड्हतान	वन में
तूलीस	लिखना
कपाडा	को, के लिये
बीवी	चाची
सूरात	पत्र

बूनूह	क़त्ल करना
ग्रानजींग	कुत्ता
गीला	पागल
सबरांग	उस पार, दूसरी तरफ़
हूजान	वर्षा
पाडा	में, तरफ, ऊपर
तूकांग कापूर	कलई करनेवाला (सफ़ेदी करने वाला)
ससग्रोरांग	कोई व्यक्ति
डीनडींग	दीवार
कोतोर	गन्दा
पेसता	उत्सव
ग्राबान	बादल (वर्षा के)
डेंगान सलामत	सुरक्षा से
मलालूई	माध्यम से, द्वारा
याँयीं	गाना
तारी	नाचना
ग्राँगीन	तेज वायु
सीमपान	रखना
ऊग्राँग	रूपया, पैसा, धन
चूची	धोना
हीताम	काला, काली
रोकोक	सिगरेट
सबनतर लागी	एक क्षण बाद

अभ्यास

उपसर्ग म- वर्ग का प्रयोग कीजिये एवं भाषा इंडोनेशिया में वाक्य रचना कीजिये :

1. पिता जी अख़बार पढ़ रहे हैं.
2. शशि ने अपनी चाची को पत्र लिखा.
3. कल माता जी ने कपड़े नहीं धोये.
4. वह इस प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहता.
5. वे अपने-अपने घरों में झाड़ू लगाते हैं.

अकर्मक क्रिया

उपसर्ग 'बर' (क्रिया द्योतक)

भाषा इंडोशिया में धातु रूप में जब प्रथम शब्दांश का प्रथम अक्षर 'र' हो तो 'बर' का 'र' विलुप्त हो जाता है, इस प्रकार उपसर्ग केवल 'ब' ही रह जाता है ;

उदाहरणार्थ :

1. रूमाह (मकान) उपसर्ग के प्रयोग से 'बरूमाह' (रहता है) होता है. इसी प्रकार 'रासा' (महसूस) से 'बरासा' (महसूस करता है.) एवं रीबू (एक हजार) से 'बरीबूरीबू' हज़ारों की संख्या में, 'बर' का 'र' बकरजा (करजा) कार्य में भी विलुप्त हो जाता है क्योंकि पहले शब्दांश में ही 'र' रहता है, इसी प्रकार परगी (पर+गी), जाना में भी पहले शब्दांश में 'र' है, अतएव 'बर' का 'र' समाप्त हो गया एवं उपसर्ग के रूप में केवल 'ब' ही शेष रहा.

2. 'बर' का परिवर्तन 'बल' के रूप में बलाजार (पढ़ता है) हो जाता है, क्योंकि 'र' एवं 'ल' अर्द्धस्वरों के रूप में अपवाद

स्वरूप कहीं-कहीं प्रयोग में लाये जाते हैं और यह प्रयोग एक अपवाद ही है.

उपसर्ग 'बर' के लगाने से क्रिया रूप बनता है, जो अकर्मक एवं कर्तृवाच्य होता है तथा 'बर' के प्रयोग से क्रियाओं के कई अर्थ परिवर्तन भी होते हैं.

1. रखना अथवा संबंध प्रकट करना

अ. रामबूत (बाल) सं.—ईआ बराबूत हीताम.
उसके काले बाल हैं.

ब. जालान (टहलना) क्रिया—साया बरजालान.
मैं टहलता हूँ.

स. बाईक (अच्छा) विशेषण—गाडीस ईतू वरबाईक बूडी.
यह लड़की अच्छी बुद्धि रखती है.
अथवा
यह लड़की बुद्धिमती है.

2. पहनना अथवा वस्त्र धारण करना

बाजू, वस्त्र, कमेजा (कमीज़)—आनाक ईतू वरबाजू पूतीह.
वह बच्चा सफेद वस्त्र पहने हुये है.

3. किसी सवारी से जाना.

केरेता आपी, रेलगाड़ी.
कामी बरकेरेताआपी कमालांग.
हम लोग रेलगाड़ी द्वारा मालांग को गये.

4. किसी व्यवसाय अथवा कार्य को करना

गूरू (अध्यापक)—ईआ बूकान गूरू ततापी सलालू वरगूरू
वह अध्यापक नहीं है, परन्तु सदैव ही अध्यापन कार्य करता है.

नोट : रखना, मालिक होना तथा **प्राप्त करना** के लिये एक अन्य शब्द 'ममपूइयाँई' का भी प्रयोग होता है ;

उदाहरणार्थ :

ईश्रा बरामबूत हीताम.
ईश्रा ममपूइयाँई रामबूत हीताम.
उसके बाल काले हैं.

5. जीविका के लिये व्यवसाय करना.
जूश्राल, बेचना, बूआह (बूश्राहान), विभिन्न प्रकार के फल :
श्रोरांग ईनी बरजूश्राल बूश्राह बूश्राहान.
यह व्यक्ति कई प्रकार के फल बेचता है.

6. पारस्परिक कार्य

श्रधिकतर प्रत्यय—'श्रान' का प्रयोग होता है तथा इसे धातु के साथ जोड़ दिया जाता है. कभी-कभी धातु रूप को दोहराया भी जाता है,

सालाम (नमस्कार या शुभ कामना), हाथ मिलाना
कामी बरसालामान हमने एक-दूसरे से हाथ मिलाया.
हानताम (चोट करना), कडूश्रा श्रानाक श्रानाक ईतू.
बरहानताम हानतामान.
दोनों बालकों ने एक-दूसरे पर चोट की.

7. श्रपने लिए स्वत: कोई कार्य करना

हीश्रास (प्रसाधन करना, साज सज्जा करना)
गाडीस ईतू बरहीश्रास डीमूका चरमीन.
वह लड़की शीशे के सामने (केश) प्रसाधन कर रही है.

8. किसी त्योहार या शुभ श्रवसर को मनाना.

ऊलाँग ताहून (जन्म दिन).
रानी बरऊलाँग ताहून हारी ईनी.
श्राज रानी का जन्म दिवस है.

9. सफलता प्राप्त करना, किसी कार्य को सफलता से पूरा करना.

हासील (सफलता, लाभ)

1. ईश्रा बरहासील मनचारी रामूश्रान ईतू.
   वह जड़ी-बूटियाँ ढूँढ़ने में सफल हो गया.

2. साया बरहासील डालाम ऊजीयान.
   मैंने परीक्षा में सफलता प्राप्त की.

10. कहना

डीश्रा बरकाता "समूश्रा बाईक डीसीतू".
उसने कहा, "वहाँ सब अच्छी तरह हैं".

11. क्रिया में ही संकेत रूप में किये गये किसी कार्य को करना

जूड़ी (जुश्रा खेलना)
मेरेका बरजूडी सहारी समालाम.
वे पूरी रात तथा पूरे दिन जुश्रा खेलते हैं.

12. किसी असंख्य गणना की अनिश्चितता को प्रकट करना तथा अक्सर प्रत्यय -श्रान को बल देने के लिये जोड़ दिया जाता है.

गमरलाप (झिलमिलाना)
रीबूश्रान बीनताँग गमरलापान डीलाँगीत.
हजारों नक्षत्र श्राकाश में झिलमिलाते हैं.

13. प्रयोग में लाना

बाहासा (भाषा)

कामू बरबाहासा इंडोनेसिया.
तुम भाषा इंडोनेशिया का प्रयोग करते हो.

अथवा

तुम भाषा इंडोनेशिया बोलते हो.

14. जब धातु रूप संख्या हो तो 'वर' उपसर्ग का प्रयोग एकता प्रकट करता है

सातू (एक)

मारीलाह कीता वरसातू.

आओ हम सब एक हो जायें.

15. कुछ धातु रूपों के साथ 'वर' उपसर्ग लगाने से कोई अर्थ परिवर्तन नहीं होता, परन्तु वे केवल अपवाद स्वरूप ही हैं; जैसे :

लालू अथवा वरलालू	गुजरना
वारींग अथवा वरवारींग	लेटता है, आराम करता है
वलानजा अथवा वरबलानजा	सौदा खरीदता है
पीनडाह अथवा वरपीनडाह	चला जाता है
	मकान बदलता है

नये शब्द

नेनेक	दादी माँ
काकेक	दादा
गीगी	दाँत
तपूक ताँगान	ताली बजाना
जानजी	प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञा करना
मंगऊलाँगी	दोहराता है
पाकेआन	वस्त्र
डाराह	रक्त
एमपात	चार
तेलूर	अंडा
सेलीसीह	आपस में झगड़ना

रीऊह् रंडाह्	शोर मचाना, प्रबल, उत्कट
ककजामान	क्रूरता
तूकार	बदलना (अदला-बदली करना)
तमपात डूडूक	बैठने का स्थान
ओराँग डेसा	ग्रामीण व्यक्ति, गाँव का आदमी
जागूँग	मक्का (अनाज)
तानाम	पौधा, पौधा लगाना
लूका	घाव
परामपोक	लुटेरा, डाकू
हाडीरीन	उपस्थित व्यक्ति
बीरू	नीला
चीऊम	चूमना
सरींग	अक्सर
पारा हाडीरीन	उपस्थित सज्जन वृन्द

अभ्यास

'वर' उपसर्ग का प्रयोग करो एवं भाषा इंडोनेशिया में अनुवाद करो :

1. कामी (मोबील) क बाँडूँग.
2. कलींची तीडाकू आडा (गीगी).
3. गाडीस ईतू सूका (पाकेआन) बीरू .
4. लूकायाँ (डाराह्).
5. मंगापा कामू सरींग (सलीसीह्) ?

आसपेक, काल (काल बोधक शब्द)

भाषा इंडोनेशिया में विभक्तियों का प्रयोग क्रिया (धातु) में संख्या, पुरुष अथवा काल के अनुसार नहीं होता, फिर भी काल

बोधक शब्दों द्वारा काल (भूत, वर्तमान तथा भविष्यत् काल) को व्यक्त किया जाता है.

क्रिया के काल बोधक शब्द तीन प्रकार के हैं :

1. कार्य का पूरा हो जाना अथवा समाप्त हो जाना :

तलाह	पहिले से, अभी तक
सूडाह	समाप्त होना, व्यतीत होना
हाबीस	समाप्त होना

2. कार्य की गतिशीलता का द्योतक एवं वर्तमान काल :

सडाँग	निरन्तरता बोधक
लागी	आगे बढ़ता है
तंगाह	मध्य में है
मासीह	अब भी कार्य हो रहा है

3. कार्य की भविष्यत् काल की संभावना :

आकान	होगा, होगी
माऊ	कार्य करने की इच्छा (भविष्य में)
हंडाक	अभिलाषा सूचक (भविष्य में)

भविष्यत् काल के लिये काल बोधक शब्द हैं :

माऊ, आकान तथा हंडाक.

नमूने :

1. ईआ माऊ डाताँग.

   वह आयेगा.

2. साया हंडाक तीडूर.
   मैं सोने के लिये जाऊँगा.

3. रीता आकान परगी क इंडोनेसिया.
   रीता इंडोनेशिया जायेगी.

वर्तमान तथा निरन्तर गति सूचक काल को स्पष्ट करने के लिये भी तीन शब्द हैं :
सडाँग, मासीह तथा लागी.

नमूने :

1. भीम सडाँग माकान.
   भीम भोजन कर रहा है.

2. ईबू मासीह साकीत.
   माँ बीमार चल रही हैं.

3. ईआ लागी बरजालान कतीका ईआ मलीहातसाया.
   वह जा रहा था, जब उसने मुझे देखा था.

भूतकाल

भूतकाल समय बोधक क्रिया विशेषणों अथवा क्रिया विशेषण द्वारा व्यक्त किया जा सकता है ; जैसे :

कमारीन — कल (जो व्यतीत हो गया)
मींगगू याँग लालू — गत सप्ताह

समय बोधक क्रिया विशेषण वाक्य के प्रारम्भ, अन्त अथवा कर्त्ता के बाद रक्खे जा सकते हैं :

नमूने :

1. कमारीन साया जातूह डारी ताँगगा.
   कल मैं नसेनी (सीढ़ी) से गिर गया था.

2. मेरेका कावीन मींगगू याँग लालू.
   उन्होंने गत सप्ताह विवाह किया था.

3. डाहूलू कामी तींगगाल डी मनीला.
   पहले हम मनीला में रहते थे.

पूर्ण भूतकाल सूचक शब्द भाषा इंडोनेशिया में इस प्रकार हैं, तथा कार्य की समाप्ति का संकेत देते हैं :

तलाह, सूडाह तथा बारूँ.

नमूने :

1. ग्रोराँग साकीत ईतू तलाह समबूह.
   वह बीमार ग्रादमी चंगा हो गया है.

2. साया सूडाह माकान.
   मैं भोजन कर चुका हूँ.

3. ग्राडीक साया बारू बाँगून.
   मेरा छोटा भाई ग्रभी सोकर उठा है.

नये शब्द

ममीकीरकान	सोचता है
सोआल	प्रश्न, समस्या
तामू	मेहमान, ग्रतिथि
तरबाँग	उड़ना
मंगगंडाराकान	मोटर चलाता है
मंगगीगीत	दाँतों से काटता है
तीगा बूलान लागी	तीन महीने में
डूग्रा मींगगू याँग लालू	दो सप्ताह पहले

(डी) डालाम	में (अन्दर)
कमारीन मालाम	कल रात
बूलान डेपान	आगे आनेवाला महीना
बेसोक सोरे	कल दोपहर बाद
नानती मालाम	आज रात
कमारीन डाहूलू	कल से पहले का दिन
मनींगगाल डूनीया	स्वर्गवास हो गया है
डूआ ताहून याँग लालू	दो वर्ष पूर्व
पाडा सूआतू हारी	किसी एक दिन
पाडा सूआतू बाकतू	एक समय
बरबारींग	लेटता है
डीबाबाह	नीचे
बरडोआ	प्रार्थना करता है
ताँगगा	सीढ़ी, नसेनी
मंयेलेसाईकान	समाप्त करता है, पूरा करता है
पकरजाआन	कार्य, काम
पनूलीस (सकरतारीस)	सचिव, लिपिक, लेखक
सकाराँग	अब, आजकल
मंगरती	समझता है
बारू बारू ईनी	अभी हाल ही में
गीगी	दाँत
डारी	से (अलग होना)
बरचाकाप	बातचीत करता है
बरजालान	टहलता है, चलता है
डूडूक	बैठना
पीनतू	दरवाजा
मनूतूप	बन्द करता है
मोबील	मोटर-कार

अभ्यास

निम्नांकित वाक्यों का भाषा इंडोनेशिया में अनुवाद करो :

1. वे बातचीत कर रहे हैं.
2. उनका कार्य समाप्त हो चुका है.
3. दो सप्ताह बाद मैं सारनाथ जाऊँगा.
4. वह दरवाजा बन्द कर चुका है.
5. मैं मोटरकार से यात्रा कर रहा हूँ.

म- वर्ग (उपसर्ग सकर्मक क्रियाद्योतक)

कान, ई प्रत्यय क्रिया द्योतक

1. उपसर्ग म- तथा प्रत्यय -ई का जोड़े से प्रयोग.
2. उपसर्ग म- तथा प्रत्यय -कान का जोड़े से प्रयोग.

1. उपसर्ग म- वर्ग तथा प्रत्यय -ई का जोड़ से प्रयोग सदैव ही क्रिया को सकर्मक बनाता है, परन्तु वह गतिशील नहीं होता.

नमूने :

जब धातु रूप क्रिया होती है, तो म- वर्ग + -ई का प्रयोग स्थान, स्थिति, कार्य की पूर्णता तथा किसी स्थान पर अधिकार प्राप्त करने के अर्थ का संकेत देता है :

अ. डूडूक (बैठना)

शत्रु ने राजधानी पर कब्ज़ा कर लिया है.
मूसूह तलाह **मनडूडूकी** ईबूकोता.

ब. डीआम (रहना)

सीआपा **मनडीआमी** रूमाह ईतू ?
उस मकान पर किसका अधिकार है ?

अथवा

उस मकान में कौन रहता है ?

स. किसी कार्य को दोहराना

तंडाग (पैर से बार-बार टक्कर मारना)

हसन ने कुत्ते को पैर से बार-बार टक्कर मारी.

हासान मनंडाँगी ग्रानजींग ईतू.

द. अकर्मक क्रिया को सकर्मक बनाना तथा कारण होना

बाईक (अच्छा)

डीया ममपरबाईकी सपेडा ईतू.

उसने उस साइकिल की मरम्मत की.

किसी कार्य की पूर्णता एवं गतिहीनता

सीसीक (छिलका उतारना)

ईग्रा मंथीसीसीक ईकान ईतू.

उसने उस मछली के छिलके उतारकर साफ़ किये.

जागो (विशेषता)

ईग्रा मनजागाई लापाँगान.

वह खेल के मैदान में बेजोड़ है.

2. उपसर्ग म- वर्ग तथा प्रत्यय -कान का जोड़े से प्रयोग सदैव ही क्रिया को सकर्मक बनाता है एवं कार्य के गतिशील होने का संकेत देता है.

जब धातु रूप क्रिया होती है, तो म- वर्ग + -कान का प्रयोग इस प्रकार होता है :

1. धातु रूप का कारण सूचक रूप एवं सकर्मक बनाना तभी संभव है, जब क्रिया अकर्मक होती है.

नमूने :

जातूह (गिरना)

पमाईन ईतू मनजातूहकान बोला.

उस खिलाड़ी ने गेंद को गिरा दिया.

ब. किसी के लिये कोई कार्य करना

वली (ख़रीदना)

सारीनाह ममवलीकान ग्राडीकयाँ बूकू.
सारीनाह ने ग्रपनी छोटी बहिन के लिये पुस्तक ख़रीदी.

स. कर्म के ग्राधार से कार्य का परिणामस्वरूप गतिशील होना :

तरतावा (हँसता है)

मूरीड मूरीड ईतू मनतरतावाकान ललूचोन ईतू.
बच्चे हास्यपूर्ण कहानी से हँसने लगे.
हास्यपूर्ण कहानी उनके हँसने का कारण बनी.

नोट : जोड़े के साथ (प्रत्यय एवं उपसर्ग) को सदैव ही सहायक क्रिया रूपों में प्रयोग किया जाता है;
जैसे :

ग्र. कामी डापात मयाँयीं (केवल याँयीं नहीं)
हम गाना गा सकते हैं.

व. साया ग्राकान डाताँगकान डीया
मैं उसको लाऊँगा.
(मैं उसके ग्राने का कारण बनूँगा)

अभ्यास

जोड़ों के आधार से म- वर्ग + -कान अथवा म- वर्ग + -ई से धातु रूपों को पूर्ण करो :

1. ईश्रा (कपाला) कावानान परामपोक.
2. माऊकाह् कामू (कूलीत) बूकू साया.
3. डीरेकतूर पनरबीतान ईतू (तानडा ताँगान) परजाँजीश्रान ईतू.
4. डीया (डकात) साया ऊनतूक बीचारा.
5. सी श्रापा याँग (तमू) पेनामू याँग हीलाँग ?
6. परानताश्रो ईतू (रीनडू) तानाह्श्राईरयाँ.
7. मेरेका तीडाक माऊ (डेंगार) नासीहात श्रोराँगतूश्रा मेरेका.
8. पमबूरू ईतू (लेमपार) लंबींग.
9. साया (पींजाम) पोमपा कपाड़ा तताँगगा साया.
10. कापान तूश्रान (जूश्राल) मोबीलमू ?

कर्मवाच्य

उपसर्ग 'डी' (क्रिया द्योतक)

कर्मवाच्य में कर्म प्रधान रूप से वाक्य के प्रारम्भ में श्राता है. स्पष्ट है कि वाक्य की क्रिया सकर्मक होगी, तभी कर्मवाच्य को वाक्य रूप में लाया जा सकता है. इसी प्रकार कर्त्तृवाच्य में कर्त्ता की प्रधानता होती है श्रौर वाक्य का प्रारम्भ कर्त्ता द्वारा ही होता है, परन्तु यह श्रावश्यक नहीं है कि विधेय (क्रिया) सदैव ही सकर्मक हो. कर्त्तृवाच्य श्रकर्मक क्रिया के साथ भी बनाया जाता है.

कर्मवाच्य में डी+मूल शब्द (धातु रूप क्रिया) का प्रयोग किया जाता है. इसका प्रयोग साधारणतया तभी होता है, जब उद्देश्य (कर्त्ता) संज्ञा अथवा पुरुषवाचक सर्वनाम हों. ईश्रा अथवा

डीश्रा (पुरुषवाचक सर्वनाम अन्य पुरुष) को प्रत्यय 'याँ' की भाँति भी प्रयोग में लाया जाता है, परन्तु ऐसी अवस्था में वह संबंध सूचक शब्द ओलेह (द्वारा) के बाद ही आता है, कभी-कभी ओलेह का लोप भी हो जाता है.

आकतीफ़, कर्त्तृवाच्य (क० वा०)

साया ममवाचा बूकू.
मैं किताब पढ़ता हूँ.

कर्मवाच्य :

बूकू डीबाचा ओलेह साया.
पुस्तक मेरे द्वारा पढ़ी जाती है.

अथवा

बूकू डीबाचा साया.
पुस्तक मेरे द्वारा पढ़ी जाती है.

कर्त्तृवाच्य :

मालिनी मनूलीस सूरात ईतू.
मालिनी ने यह पत्र लिखा है.

कर्मवाच्य :

सूरात ईतू डीतूलीस ओलेह मालिनी.
यह पत्र मालिनी द्वारा लिखा गया है.

कर्त्तृवाच्य :

ईश्रा मनजूश्राल कूडा ईतू.
उसने उस घोड़े को बेचा.

कर्मवाच्य :

कुडा ईतू डीजूआल ओलेह ईश्रा.
अथवा ओलेयाँ.
वह घोड़ा उसके द्वारा बेचा गया.

नोट : कर्त्ता एवं क्रिया को एक साथ रखकर कर्मवाच्य स्वीकार करना भ्रमात्मक है, क्योंकि वह रूप तो जैसे कर्तृवाच्य का वास्तविक स्वरूप ही है ; जैसे :

अ. आकू जूआल/कूडा ईतू (कर्तृवाच्य)

ब. कुडा ईतू/आकूजूआल (कर्तृ वाच्य)

अतएव कर्म को पहले रखकर वाक्य में शब्दों का स्थानान्तरण करके कर्मवाच्य वास्तविक अर्थ में बनता प्रतीत नहीं होता. अतएंव यह विषय विवादास्पद है, और डच भाषा की वाक्य रचना के अनुकरण पर आधारित है. अतएव इंडोनेशिया के व्याकरणाचार्य प्रो० आनतोन एम मूलयोनो तथा प्रो० डा० हरीयाती सूबाडीयो के अनुसार इस प्रकार की वाक्य रचना कर्मवाच्य के अन्तर्गत आती ही नहीं. उसमें केवल वाक्य खण्डों (गात्रों) का ही स्थानान्तरण होता है.

2. निम्नांकित वाक्य के दो कर्मवाच्य रूप प्रस्तुत किये जा सकते हैं. क्रिया के प्रत्यय -कान के उस रूप को भी देखिये, जिसके बाद संबंध सूचक शब्द 'कपाडा' (को) का प्रयोग होता है.

कर्तृवाच्य :

अ. ईआ मनाबारी साया पकरजाआन.
उसने मुझको काम प्रदान किया.

कर्मवाच्य

ब. साया डीताबारी पकरजाआनयाँ (ओलेहयाँ).
उसने मुझको काम प्रदान किया.

स. पकरजाआन डीताबारकान कपाडा साया.
(ओलेह डीया),
मुझे एक काम प्रदान किया गया.

3. उपसर्ग डी- तथा पर- का मेल उपसर्ग मम- तथा पर-

के मेल का कर्मवाच्य स्वरूप होता है अन्यथा 'डी' उपसर्ग के बाद अन्य कोई क्रिया सूचक उपसर्ग नहीं लगता.

उदाहरणार्थ :

मेरेका **डीपरसातूकानयाँ** (डीया).
वे उसके द्वारा एकीकरण में किये गये.

अथवा

डीया **ममपरसातूकान** मेरेका.
उसने उनका एकीकरण किया.

नोट : स्मरण रहे कि कर्मवाच्य एवं कर्त्तृवाच्य एक ही वाक्य को व्यक्त करने की दो विभिन्न शैलियाँ हैं, इससे अर्थ में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता.

4. उपसर्ग डी- तथा प्रत्यय -ई का मेल उपसर्ग म- तथा प्रत्यय -ई के मेल का कर्मवाच्य होता है.

कर्मवाच्य

उदाहरणार्थ :

अ. कोता ईतू तलाह **डीडूडूकी** मूसूह.
उस नगर पर शत्रु का अधिकार हो चुका है.

कर्त्तृवाच्य :

ब. मूसूह तलाह मनडूडूकी कोता ईतू.
शत्रु ने उस नगर पर अधिकार कर लिया है.

इसी प्रकार उपसर्ग -डी तथा प्रत्यय -कान का मेल उपसर्ग म तथा प्रत्यय -कान के मेल से कर्मवाच्य होता है.

कर्मवाच्य :

गूरू डीतरताबाकान ओलेह मूरीडयाँ.
गुरु की मज़ाक उसके शिष्य द्वारा उड़ाई गई.

कर्त्तृवाच्य :

मूरीड ईतू मनरताबाकान गूरूयाँ.
शिष्य ने गुरु की मज़ाक उड़ाई.

अभ्यास

भाषा इंडोनेशिया के निम्नांकित कर्त्तृवाच्य वाक्यों को कर्म-वाच्य वाक्यों में परिवर्तित करो :

सहायतार्थ मूल शब्द (धातु रूप) दे दिये गये हैं.

1. ईश्रा मयाँयींकान (याँयी) लागू मरड़.
2. मेरेका मनरीमा (तरीमा) ऊसूल पाक डीरो.
3. श्रोरॉंग ममूजी (पूजी) कवरानीश्रानयाँ.
4. कामी श्राकान मनोलोंग (तोलोंग) ओरॉंग मीसकीन ईतू.
5. कामू मनरबीतकान (तरबीत) बूकू ईतू.

अध्याय 3

संज्ञा वर्ग के बनाने वाले उपसर्ग एवं प्रत्यय

मूल शब्द की स्थिति के आधार से संज्ञा वर्ग को उपसर्ग एवं प्रत्यय के प्रयोग से प्रस्तुत किया जाता है ; जैसे :

1. उपसर्ग क- जिसके योग से एक नये मूल शब्द को बनाया जाता है ; जैसे :

ताहू जानना

क+ताहू, कताहू जानना

2. प्रत्यय/ - आन योग (एक साथ) /क- /आन/

उपसर्ग (प वर्ग) - पंग / योग (एक साथ) पंग-आन/

उपसर्ग/ पर- / योग (एक साथ) /पर -आन/

इस प्रकार प्रत्यय एवं उपसर्ग द्वारा मूल शब्द के नये रूप उभरते हैं, जिनको दो वर्गों में बाँटा जा सकता है, इनमें एक वर्ग सीमित वर्ग है और दूसरा वर्ग अनेकों संज्ञा शब्दों का निर्माण करता है, जिसको उर्वर वर्ग की संज्ञा दी जा सकती है.

इन दोनों वर्गों को अलग-अलग नीचे प्रस्तुत किया गया है ;

सीमित संज्ञा वर्ग शब्द बनाने वाले प्रत्यय एवं उपसर्ग

1. उपसर्ग/ क- /मूल शब्द रूप संज्ञा एवं अकर्मक क्रिया के साथ.

2. उपसर्ग/ पर- / का प्रयोग मूल शब्द संज्ञा. न- के साथ.

3. उपसर्ग/ प- वर्ग/ का प्रयोग मूल शब्द संज्ञा के साथ.

4. एक साथ (योग) /प -ग्रान / का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग.

संज्ञा वर्ग के भिन्न-भिन्न ग्रनेकों रूप (ग्रसीमित वर्ग)

संज्ञा शब्दों के ग्रसीमित रूपों में निम्नांकित प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग द्वारा अनेकों रूप प्रस्तुत किये जा सकते हैं. ये रूप छ; भागों में विभाजित किये गये हैं :

1. /क- / उपसर्ग को गणनात्मक संज्ञा रूपों के साथ जोड़ कर पद रचना की जाती है.

2. /-ग्रान/ प्रत्यय का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

3. /क -ग्रान/ का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

4. /पंग- / का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

5. /पंग -ग्रान/ का मूल शब्द संज्ञा एवं क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

6. /पर -ग्रान/ का मूल शब्द संज्ञा एवं ग्रकर्मक क्रिया के साथ प्रयोग होता है.

कुछ नये प्रत्यय विदेशी भाषाग्रों के; प्रभावों के कारण भी काफी प्रयोग में ग्राने लगे हैं; जैसे : नये संज्ञा रूपों को निर्मित करने में /-ईस/ तथा / -ईसम/ का बहुत प्रयोग किया जाता है.

उदाहरणार्थ :

अ. पंचासीला पंचासीलाईस.

ब. डूरनो डूरनोईसम (धोखा).

काता आवालान -उपसर्ग प- वर्ग (संज्ञा द्योतक)

काता आखीरान -प्रत्यय -आन (संज्ञा द्योतक)

उपसर्ग एवं प्रत्यय का मेल; जैसे :

(प वर्ग) :

1.	प+आन	(प- वर्ग)	पन-
			पम-
2.	पर+आन		पंग-
3.	क+आन		पंय-

4. प्रत्यय -मान -बान तथा बाती.

धातु रूप (क्रिया) एवं विशेषण में प्रत्यय एवं उपसर्ग के जोड़ने से अनेकों नये संज्ञा शब्द बनते हैं. क्रिया से संज्ञा बनाने के लिये क्रिया का 'म'- वर्ग उपसर्ग (म-, मन-, मंभ मय तथा मंग) की 'प'- वर्ग उपसर्ग (प-, पन-, पम पंय, तथा पंग) में उसी व्यंजन परिवर्तन क्रम के आधार से बदला जाता है, परन्तु यह वर्ग सकर्मक क्रिया बोधक 'म'- वर्ग से ही 'प'- वर्ग बनता है तथा विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता है :

कार्य करने वाला अथवा कर्त्ता

जब नियमानुसार क्रिया रूप (म-उपसर्ग+लारी=दौड़ना धातु रूप) के आधार से मलारी=(दौड़ता है) शब्द बनता है, तो इस शब्द को संज्ञा बनाने के लिये 'म'- उपसर्ग के स्थान पर प- उपसर्ग लगाया जाता है. इस प्रकार इस परिवर्तन के द्वारा क्रिया रूप से संज्ञा रूप बनता हैं ;

जैसे :

धातु रूप	क्रिया रूप	संज्ञा	कर्त्ता	संज्ञा
लारी	मलारी	पलारी	दौड़ने	पलारीग्रान
दौड़ना	दौड़ता है		वाला	दौड़
चूरी	मनचूरी	पनचूरी	चोर	पनचूरीग्रान
चोरी करना	चोरी करता है			चोरी
तूलीस	मनूलीस		पनूलीस	
लिखना	लिखता है		लिखनेवाला (लेखक)	

तथा संज्ञा शब्द पनूलीसान, लिखित सामग्री.

ब. जिस माध्यम से कार्य किया जाय, इस रूप में भी मूल रूप संज्ञा शब्द ही होना चाहिये; जैसे :

हापूस	मंगहापूस	पंगहापूस,	पंगहापूसान
मिटाना	मिटाता है	मिटाने वाली वस्तु	मिटाने का कार्य
गारीस	मंगागारीस	पंगगारीस	पंगगारीसान
रेखा	रेखा खींचता है	रेखा खीचने वाला	रेखायें (पैमाना)

स. जब मूल शब्द संज्ञा रूप होता है, तो 'प'- वर्ग का प्रयोग इस प्रकार होता है ;

जो व्यक्ति जहाँ कार्य करता है, अथवा रहता है वह संकेत मूल शब्द में ही निहित रहता है ; जैसे :

लाऊत	पलाऊत	लाऊतान
समुद्र	नाविक	सागर
गूनूँग	पंगगूनूँग	पँगूनूँगान.
पर्वत	पर्वतारोही व्यक्ति	पर्वतमाला

द. जब मूल शब्द विशेषण होता है, तो 'प'-वर्ग का प्रयोग इस प्रकार होता है ;

वह व्यक्ति उन गुणों से प्रभावित होता है, जो विशेषण में निहित होते हैं. कभी-कभी भाव वाचक गुणों के आरोप भी रहते हैं.

विशेषण	संज्ञा	संज्ञा
मालास	पमालास	पमालासान
सुस्त, आलसी	आलसी व्यक्ति, सुस्त आदमी	सुस्ती
बसार	पमबसार	पमबसारान
बड़ा, शक्तिशाली	उच्च अधिकारी, अफसर	महानता

ब. वह चीज़ जो किसी व्यक्ति या वस्तु में उन्हीं गुणों का आरोप करती है, जो विशेषण में ही निहित हैं अथवा मूल शब्द से ही संकेतात्मक रूप में स्पष्ट होते हैं; जैसे :

विशेषण	संज्ञा	संज्ञा
साकीत	पंयाकीत	पंयाकीतान
बीमार	बीमार	बीमारी
मानीस	पमानीस	पमानीसान
मधुर, मीठा	प्रसाधन सामग्री (कोई भी वस्तु जो किसी व्यक्ति या चीज़ की सुन्दरता बढ़ाती है)	मधुरता

"प' - उपसर्ग + -'-आन' प्रत्यय का मेल या जोड़े से प्रयोग

"प' -उपसर्ग + 'आन' के मेल से अधिकतर भाववाचक संज्ञायें बनती हैं, कभी-कभी कुछ संज्ञायें स्थान बोधक भी होती हैं.

नमूने :

क्रिया	संज्ञा
लायार	पलायार
सागर में यात्रा करना	नाविक
	पलायारान
	सागर की यात्रा अथवा
	समुद्री यात्रा
तमू	पनमू
मिलना	मिलने वाला
	पनमूआन
	खोज, आविष्कार
कूबूर	पकूबूरान
दफ़नाना	क़ब्रिस्तान
तरबीत	पनरबीत
प्रकट होना	प्रकाशक
	पनरबीतान
	प्रकाशन संस्था

"पर' + 'आन' का जोड़ा या मेल भी संज्ञा शब्दों को ही बनाता है, परन्तु केवल 'प'- वर्ग उपसर्ग ही बिना -'आन' प्रत्यय के प्रयोग के भी संज्ञा शब्द का निर्माण कर सकता है, क्योंकि सकर्मक क्रिया ही धातुरूप में इस निर्माण का आधार बन सकती है, परन्तु 'पर'- उपसर्ग संज्ञा का उपसर्ग तभी बन सकता है, जब प्रत्यय -आन के जोड़े के साथ उसका प्रयोग

किया जाये, क्योंकि अकर्मक क्रिया का उपसर्ग 'बर' ही पर-उपसर्ग (संज्ञा बोधक) होता है. अतएव 'पर' -उपसर्ग संज्ञा का निर्माण अकेले नहीं कर सकता, इसीलिये उसे -आन प्रत्यय के जोड़े की आवश्यकता होती है तथा उपसर्ग लगने के पश्चात् यदि प्रत्यय लगाया जाय, तो अर्थ पर प्रत्यय का विशेष प्रभाव पड़ता है.

नमूने :

क्रिया	संज्ञा
बरजालान	परजालानान
टहलना	यात्रा
बरकूमपूल	परकूमपूलान
एकत्रित होना	समुदाय
बरसमबूँयीं	परसमबूयींग्रान
छिपना	छिपने का स्थान

प्रत्यय आन (संज्ञा द्योतक)

मूल शब्द में -'आन' प्रत्यय जोड़कर अनेकों संज्ञा शब्द बनाये जाते हैं, क्योंकि प्रत्यय -'आन' ही एकमात्र संज्ञा द्योतक है.

प्रत्यय -'आन' के द्वारा बनाई गई संज्ञायें विभिन्न रूपों में प्रकट होती हैं, इन रूपों का संकेत अर्थ से ही स्पष्ट होता है.

अ. मूल शब्द में निहित किसी कार्य का परिणाम :

क्रिया	संज्ञा
लूकीस	पलूकीस
चित्र बनाना	चित्रकार
	लूकीसान
	चित्र
आजार	पंगाजार
शिक्षा देना	शिक्षक
	आजारान
	शिक्षा

ब. वह स्थान, जिसका मूल शब्द में संकेत होता है :

कुरूँग	कुरूँगान
जेल में डालना या	जेल अथवा
पिंजड़े में करना	पिंजड़ा
कूबूर	कूबूरान
दफ़नाना	क़ब्र

स. कोई वस्तु या औज़ार जिसका कार्य मूल शब्द के संकेत रूप में छिपा हुआ है.

तीमबाँग	तीमबाँगान
तौलना	तराज़ू
ऊकूर	ऊकूरान
नापना	नाप

द. मूल शब्द में कार्य का कर्म निहित होना :

पाके	पाकेआन
इस्तेमाल या पहनना	वस्त्र
माकान	माकानान
खाना, भोजन करना	भोजन या खाने की चीज़ें

ई. मूल शब्द अथवा उसके दोहराने के बाद जो समूह वाचक संज्ञा का रूप बनता है, उसमें प्रत्यय -'आन' जोड़ दिया जाता है, परन्तु उसका मूलाधार संज्ञा का मूल शब्द ही होता है.

नमूने :

बूआह	बूआह बूआहान
फल	विभिन्न प्रकार के फल
सायूर	सायूर सायूरान
सब्जी	विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ
कोतोर	कोतोरान
गन्दा	गन्दगी अथवा गन्दी चीज़ें

(क+अान) का जोड़ा सदैव ही संज्ञा भाववाचक बनाता हैं.

इसका प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में बहुत अधिक होता है.

उपसर्ग 'क'- एवं उपसर्ग ·क- तथा प्रत्यय -अान का जोड़ा :

(क+आन)

जैसे :

अ. क+तूआ (कतूआ, सभापति)

ब. क+माजू+अान

कमाजूआन, प्रगति

अ. उपसर्ग 'क'- के प्रयोग द्वारा केवल तीन ही संज्ञा शब्द प्रकाश में आते हैं :

तूआ	कतूआ
पुराना या बुड्ढा	सभापति
हंडाक	कहंडाक
इच्छा	अभिलाषा
कासीह	ककासीह
प्रेम	प्रेमी अथवा प्रेमिका

ब. (क+ -अान) का मेल अधिकतम भाववाचक संज्ञायें बनाता है. कभी-कभी इस प्रकार बने हुये संज्ञा शब्द गुणों का भी संकेत देते हैं :

भाववाचक संज्ञायें : (क+अान)

बाडोह	कबाडोहान
मूर्ख	मूर्खता
कजाम	ककजामान
क्रूर	क्रूरता
गारॉंग	कगीरॉंगान
प्रसन्न	प्रसन्नता

ब. स्थान सूचक संज्ञा शब्द

डीयाम	कडीयामान
रहना	रहने का स्थान
राजा	कराजाग्रान
राजा	राज्य का क्षेत्र

प्रत्यय -मान, वान तथा वाती

प्रत्यय -'मान' -'वान' एवं 'वाती' गुणबोधक शब्द हैं और संज्ञा के साथ जोड़ने से उस संज्ञा के निहित गुणों को पूर्ण रूपेण प्रकट करके एक शक्तिशाली स्वरूप प्रदान करते हैं, भाषा इंडोनेशिया पर संस्कृत भाषा का यह प्रभाव इन प्रत्ययों के माध्यम से स्पष्ट है. प्रथम एवं द्वितीय प्रत्यय (-मान एवं -वान) पुल्लिग संज्ञा शब्द बनाते हैं, तथा अन्तिम 'वाती' स्त्रीलिंग का द्योतक है.

नमूने :

हारता	हारतावान
धन, दौलत	धनवान
नगारा	नगाराबान
राज्य	राजनीतिज्ञ
सेनी	सेनीमान
कला	कलाकार
	सेनीबाती कलाकर्त्री (कलावती)
ओलाहरागा	ओलाहरागावान
खेल	खिलाड़ी युवक
	ओलाहरागावाती
	खिलाड़ी स्त्री (युवती)

शब्द	
पीडातो	भाषण
बाहबा	कि (भाव)
बायाँक	बहुत से (संख्या) (परिमाण सूचक)
पारा (पारा ईबू)	बहुवचन सूचक (मातायें)
आँगगोता	सदस्य
मनजाडी	हुआ था, होता है
आकतीफ़	चुस्त, तेज़
ऊनतूक	को, के लिये
हीडाँगान	खाने पीने का प्रस्तुत किया हुआ सामान
डीसबाबकान	किसी कारण द्वारा किया गया कार्य होता है (कर्म वाच्य)
पारा ऊनडाँगान	अतिथिगण
ममाजूकान	उन्नति करता है, आगे बढ़ाता है
तरसबूत	उपरोक्त
बारांग तरसबूत	ऊपर कही हुई वस्तु
आगार	कि, यदि
आपा आपा	जो कुछ भी
मंगहालाँगी	रुकावट डालता है, अवरुद्ध करता है
डीरामेकान	नवजीवन संचरित किया जाता है

चूकूप	काफ़ी
मनारीक	खींचने वाला है, आकर्षण दिलाने वाला है
मीनमान	पेय पदार्थ
डीसाजीकान	प्रस्तुत किये गये हैं
ममाके	पहनते हैं, इस्तेमाल करते है
बरगमरलापान	चमकीलापन होता है, भिलमिलाहट होती है

मूल शब्दों से संज्ञा रूप प्रस्तुत करो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो

कूमपूल, माजू, तूआ, लूकीस, हीआस, लायार, याँयीं, तारी, हालाँग, ऊसाहा, गूना, हीडाँग, हारता, तमू.

शब्द

1. पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग (संज्ञा द्योतक)
2. परिवर्तन (क्रिया एवं विशेषण का संज्ञा के रूप में)

भाषा इंडोनेशिया में व्यक्ति वाचक संज्ञा शब्द बड़े अक्षरों में लिखे जाते हैं ; जैसे :

गूनूँग कावी	कावी पर्वत
काली चीतारूम	चीतरूम नदी
तुलसीदास	सुकार्नो, तथा आईपरोजीडी

देशों के नाम के आधार से राष्ट्रों को संवोधित किया जाता है तथा देश के नाम से प्रथम 'बाँगसा' शब्द का प्रयोग किया जाता है और ओराँग (मनुष्य या पुरुष) का प्रयोग करने से उस देश के नागरिक का बोध होता है.

उदाहरणार्थ :

नगरी जर्मन	: जर्मनी, वाँगसा जर्मन, जर्मनी का नागरिक. ग्रोराँग जर्मन, जर्मन व्यक्ति.
नगरी बलानडा	: हॉलैंड वाँगसा बलानडा, हॉलैंड का नागरिक ग्रोराँग वलानडा, डच व्यक्ति
नगरी इंडोनेसिया	: इंडोनेशिया वाँगसा इंडोनेसिया. इंडोनेशिया का नागरिक ग्रोराँग इंडोनेसिया, इंडोनेशिया का व्यक्ति

ग्रक्सर देश के नाम से पहले 'नगारा' या नगरी जोड़ा जाता है, जो राष्ट्र का द्योतक है :

नगारा इंगरीस	इंगलैंड
नगारा तीओंगहवा	चीन

भाषा इंडोनेशिया में लिंग भेद नहीं होता, परन्तु विदेशी भाषाग्रों के प्रभाव से (संस्कृत तथा ग्ररबी) स्त्रीलिंग एवं पुँल्लिग का बोध कुछ शब्दों तक ही सीमिति है :

संज्ञा

पुँल्लिग	स्त्रीलिंग
ग्रायाह	ईबू
पिता	माता
पामान	बीबी
चाचा	चाची
काकेक	नेनेक
दादा	दादी
सूग्रामी	इसतरी
पति	पत्नी

माहासीसवा	माहासीसवी
विश्वविद्यालय का विद्यार्थी	विश्व विद्यालय की छात्रा
डेवा	डेवी
देवता	देवी
पमूडा	पमूडी
युवक	युवती
पूतरा	पूतरी
पुत्र	पुत्री
सनीमान	सनीवाती
कलाकार	कलावती
बीड़ूआन	बीड़ूग्रानीता
संगीतज्ञ, गायक	गायिका
राजा	रातू
राजा	रानी
तूग्रान रूमाह	योंयाँ रूमाह
मेजवान	गृहिणी

ग्रन्य पुँल्लिग मंज्ञा शब्दों के लिये 'लाकी लाकी' ग्रथवा 'ललाकी हैं जो संज्ञा शब्दों के बाद में रक्खे जाते हैं. स्त्रीलिंग के लिये 'परमपूग्रान' शब्द का प्रयोग होता है, तथा जानवरों के लिये 'जानतान' (पुँल्लिग) तथा वेतीना (स्त्रीलिंग) के संकेत हैं.

उदाहरणार्थ :

पुँल्लिग	स्त्रीलिंग
ग्रानाक लाकी,	ग्रानाक परमपूग्रान
(ललाकी) लड़का	लड़की
काकाक लाकी लाकी	काकाक परमपूग्रान
वड़ा भाई	बडी बहिन
सींगा जानतान	सींगा बतीना
शेर	शेरनी

'ग्रोराँग' शब्द एक वर्ग का प्रतीक है, इससे लोगों, पुरुषों एवं व्यक्तियों का संकेत मिलता है.

नमूने :

ग्र. ग्रोराँग बरकाता.
लोग कहते हैं.

ब. ग्रोराँग गीला.
पागल मनुष्य.

स. ग्रोराँग वीयासायाँ बोहोंग.
लोग ग्रक्सर झूठ बोलते हैं.

परिवर्तित स्वरूप

1. धातुरूप (क्रिया) एवं विशेषण का प्रयोग संज्ञा की भाँति भी किया जा सकता है, यदि वह शब्द संबंध बोधक शब्दों से पहले रक्खे जायें.

नमूने :

ग्र. **बरात** ग्रोराँग ईतू सरातूस कीलोगराम.
उस व्यक्ति का वजन सौ किलोग्राम है.

ब. डालाय डानाग्रौ ईनी सपूलूह मेतर.
इस झील की गहराई दस मीटर है.

2. ग्रक्सर धातुरूप (क्रिया) एवं विशेषण का प्रयोग 'याँ' प्रत्यय को जोड़कर संज्ञा की भाँति किया जाता है.

नमूने :

ग्र. कूडा ईतू लारीयां चपात.
वह घोड़ा तेज भागता है.

ब. तीयांग ईतू तींगगीयाँ डूग्रा पूलूह् मेतर.

उस पोल की ऊँचाई बीस मीटर है.

निम्नांकित वाक्यों में क्रिया एवं विशेषण शब्दों को संज्ञा रूपों में परिवर्तित करो :

1. आनाक ईनी मनाँगीस (ताँगीस) ग्रामात करास.
2. जमबातान ईनी पानजाँग तीगा रातूस मेतर.
3. रामबूतयाँ बरवारना चोकलात.
4. तामान ईनी लूआस डूग्रा रातूस हेकतार.
5. लीलीन ईनी मयाँला ग्रामात बाईक.

अध्याय 4

सर्वनाम एवं उसके सूचक शब्द

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. संबंधवाचक सर्वनाम
3. प्रभावोत्पादक सर्वनाम
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

पुरुषदाचक सर्वनाम इस प्रकार हैं :

	साया	अथवा	आकू	मैं
	कामू	अथवा	एंगकाऔ	तुम
ईआ,	डीया	अथवा	बलीआऔ	वह
	कामी	अथवा	कीता	हम
	मेरेका			वे

नोट : 'बलीआऔ' का प्रयोग उच्च पदासीन महानुभावों के लिए आदरसूचक शब्द के रूप में किया जाता है. 'कामी' शब्द का प्रयोग 'हम सब' के अर्थ में तो होता है. परन्तु जिससे वार्ता-लाप किया जाता है वह इसकी सीमा में नहीं आता.

'कीता' शब्द का प्रयोग 'हम सब' के अर्थ में होता है, परन्तु जिससे वार्तालाप किया जाता है, वह व्यक्ति भी उसमें सम्मिलित हो जाता है.

परन्तु कभी-कभी प्रयोग के आधार से कोई भी इंडोनेशिया का नागरिक किसी भी भारतीय से कह सकता है. हमने (कामी) सन् 1945 में अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी.

किन्तु जब हम कहते हैं :

हम (कीता) बीसवीं शताब्दी में रह रहे हैं, तो अर्थ में व्यापकता आ जाती है.

विवाहित महिलाओं के लिए : योंयाँ (योयाँ योयाँ बहुवचन)

अविवाहित युवतियों के लिए : नोना (नोना नोना ब० व०)

पुरुषों के लिए : तूआन, सूडारा (तूआन तूआन ब० व०)
(सूडारा सूडारा ब० व०)

स्त्रियों के लिए आदरसूचक शब्द : ईबू, (ईबू ईबू ब० व०)

अधिक अवस्था के अथवा आदरणीय व्यक्तियों के लिए :

पाक, बापाक (बापाक बापाक ब० व०)

यह भी प्रचलित है कि वार्तालाप में किसी भी व्यक्ति का आदरपूर्वक नाम लिया जाता है, अथवा नाम से पहले 'पाक' शब्द का प्रयोग किया जाता है, जो बापाक का ही संक्षिप्त रूप है.

बापाक अथवा पाक सुचिप्तो सफल अध्यापक थे

पाक सुचिप्तो आडालाह गूरू याँग बाईक.

बराबर के लोगों से वार्तालाप करते हुए; जैसे : मित्र, संबंधी तथा बच्चों आदि का नाम लेकर पुकारा जाता है, अथवा खिताब या पेशे के आधार से संबोधित किया जाता है.

लता के लिए :

क्या तुमने पाकीज़ा फिल्म देखी है ?

लता सूडाह मलीहात पिलेम पाकीज़ा ?

डॉक्टर के लिये :

क्या मैं आपको दूरभाष कर सकता हूँ ?

बोलेहकाह साया मनीलपोन डोकतर ?

संबंध सूचक शब्दों का प्रयोग सदैव ही संज्ञा के बाद किया जाता है.

संबंधबोधक शब्द :

साया, आकू (कू), मेरा अथवा मेरी.

'सूडारा', 'कामू' (मू), तथा एंगकाऔ (काऔ,) तुम्हारा, तुम्हारी 'ईआ', 'डीआ' अथवा 'याँ', उसका, उसकी.

परन्तु 'कू', 'मू' और 'याँ' संज्ञा के बाद ही उसके साथ जोड़ दिये जाते हैं ;

उदाहरणार्थ :

तोपी साया, तोपीकू	मेरी टोपी
रूमाह कामू, रूमाहमू	तुम्हारा, आपका घर
तोको कामी	हमारी दूकान
डूनीया कीता	हमारा संसार
माकानान मेरेका	उनका भोजन
डासीयाँ, डासी डीया	उसकी टाई

'कू', 'मू' तथा 'याँ' संबंधसूचक अव्ययों के साथ भी जोड़े जाते हैं ; जैसे :

कपाडाकू	मुझको, मेरे लिए
डीमूकामू	तुम्हारे, आपके सामने
ओलेहयाँ	उसके द्वारा

'याँ' का प्रयोग पुरुषवाचक शब्दों में अथवा चीजों के लिये भी किया जाता है.

'याँ' का प्रयोग कर्म की भाँति पुरुषवाचक सर्वनाम एवं वस्तुओं के लिये भी किया जाता है :

ईआ ममूकूल साया.
उसने मुझको मारा.
ईआ मंगेताहूईयाँ.
वह उस वस्तु को जानता था.

हिन्दी के संबंधवोधक शब्द मेरा, मेरी, तुम्हारा, तुम्हारी उसका, उसकी अथवा 'विनोवा जी की पुस्तक'.

भाषा इंडोनेशिया में 'पूइयाँ' शब्द का प्रयोग किया जाता है.

ईनी पूइयाँ मू ?
क्या यह तुम्हारी वस्तु है ?
बूकू ईनी पूईयाँ बिनोवा जी.
यह बिनोवा जी की किताब है.

स्ववाचक सर्वनाम मैं स्वयं, तुम स्वयं तथा वह स्वयं के लिये 'सडीरी' शब्द का प्रयोग होता है :

साया सेंडीरी मलीहातयाँ
मैंने स्वयं उसको देखा.
डीया सडीरी मंगऊन्डूरकान डीरी.
उसने स्वयं इस्तीफ़ा दे दिया.

'संडीरी' शब्द का अर्थ 'अपना' और 'अकेला' के रूप में भी होता है :

ईतू मोबीलयाँ सडीरी.
वह उसकी अपनी कार है.
ईआ परगी सडीरी.
वह अकेला गया,

अनिश्चयवाचक सर्वनाम :

ओराँग	एक, आदमी, लोग
ससओराँग	कोई आदमी या कोई व्यक्ति
सालाह् सओराँग	कई व्यक्तियों में कोई एक आदमी
बाराँग सीआपा	कौन, कोई भी
सीआपा सीआपा	कोई भी व्यक्ति, या किसी भी व्यक्ति
मासींग मासींग	प्रत्येक व्यक्ति
ससूआतू	कोई व्यक्ति, कोई चीज़
आपा आपा	कोई वस्तु, कोई बात
ताक सूआतूपून	कोई भी नहीं, कुछ भी नहीं
सगाला ससूआतू	प्रत्येक वस्तु, सभी, सब

नमूने :

ओराँग हारूस माती.
मनुष्य मरणशील है.
ससओराँग तलाह् ममतीक बूँगा कीता.
किसी व्यक्ति ने हमारे फूल तोड़ लिये हैं.
सालाह् सओराँग डारी कीता सालाह्.
हम सब व्यक्तियों में से कोई एक व्यक्ति ग़लत है.
मासींग मासींग मनडापात ओलेह् ओलेह्.
प्रत्येक व्यक्ति को भेंट की वस्तु मिली है.
आडा ससूआतू डीसाना.
वहाँ पर कोई है.
रूपायाँ आडा आपा आपा डीसीतू.
ऐसा प्रतीत होता है, कि वहाँ कुछ है.
ताक ससूआतूपून समपूरना.
कोई भी सम्पूर्ण नहीं है.

वार्तालाप के वाक्यांश

सलामत पागी	नमस्कार प्रातः
सलामत सीयाँग	नमस्कार शुभ दिवस
सलामत मालाम	नमस्कार शुभ रात्रि
आपा खाबार	क्या समाचार है आप कैसे हैं ?
बाईक, खाबार बाईक	भली प्रकार, आनंदपूर्वक
तरीमा कासीह	धन्यवाद
तरीमा कासीह बायाँक	अनेकों धन्यवाद
सलामत माकान	तृप्तिपूर्ण भोजन
सलामत तीडोर	शान्तिमय शुभ निद्रा
सलामत	बधाई, मुबारक
सलामत जालान	आपकी शुभ यात्रा हो
सलामत तींगगाल	शुभ स्थान का आगमन एवं ठहरना
सामपे बरतमू लागी	दूसरो बार मिलने तक, शुभ कामनायें
मारी मासूक	कृपया प्रवेश करें, अन्दर आयें
सीलाकान मासूक	कृपा करके अन्दर आयें.
सलामत डाताँग	आपका शुभ आगमन हो
मआफ़कान	क्षमा कीजिये
परमीसी	आज्ञा दीजिये
मारी कीता परगी	आइये, हम सब चलें

संबंधवाचक सर्वनाम

(काता गानती रेलातीफ़)

भाषा इंडोनेशिया में संबंध वाचक सर्वनाम, याँग, 'बाराँगसी अापा', 'आपा' 'सीआपा' तथा 'मानो' हैं, जो हिन्दी के संबंध वाचक सर्वनाम कौन, जो, वह या उसके सूचक हैं; जैसे :

याँग	जो (व्यक्ति)
बाराँग सीअापा	जो कोई व्यक्ति
आपा	वह, जो
सीआपा	कौन
माना	जो

अ. सीआपा (मनुष्यों के लिये) तथा माना (पशुओं एवं वस्तुओं के लिये).

ब. बाराँग सीआपा तथा अापा स्वतंत्र संबंध सूचक सर्वनाम हैं.

स. याँग सर्वव्यापी है और कौन, जो अथवा उस व्यक्ति का संबंध सूचक है.

नमूने :

ओराँग याँग तलाह मनोलोंग कीता, आडालाह पामानकू

जिस व्यक्ति ने हम सबकी सहायता की, वह मेरे चाचा हैं.

गाडीस याँग सूडारा लीहात ताडी, आडालाह ईपारकू.

जिस लड़की को आपने अभी देखा है, वह मेरी साली है.

ईनीलाह रूमाह याँग साया चारी.

यही वह मकान है, जिसको (जो) मैं खोज रहा हूँ.

बाराँग सीअापा माकान ईकान ईतू, अाकान माती.

जो कोई भी व्यक्ति उस मछली को खायेगा, मर जायेगा.

आपा याँग साया लीहात ताडी, मंगहेरानकान साया.
अभी वह जो मैंने देखा है, उससे मुझे आश्चर्य हुआ है.
सीआपा नामा सूडारा ?
आप का क्या नाम है ? (आप कौन नाम के हैं ?)
ओराँग कपाडा सीआपा तूआन बरीकान ऊआँग ईतू,
आडालाह तमानकू.
वह व्यक्ति, जिसको आपने रुपये दिये हैं, वह मेरा मित्र है.
पाचोल डेंगान माना ईआ मंगगाली लूबाँग ईतू,
आडालाह पूइयाँ साया.
उस फावड़े से जिससे उसने सूराख़ किया, वह फावड़ा मेरा है.

परन्तु इन उपरोक्त दोनों उदाहरणों का प्रयोग प्रायः इस प्रकार भी होता है :

ओराँग याँग तूआन बरी ऊआँग ईत, आडालाह तमानकू
वह व्यक्ति जिसको आपने रुपये दिये हैं, वह मेरा मित्र है.
पाचोल याँग डीपाकेयाँ ऊनतूक मंगगाली लूबाँग ईतू, आडालाह पूईयाँ साया.
जिस फावड़े का प्रयोग उसने सूराख करने के लिये किया है, वह फावड़ा मेरा है.

नोट : संबंधसूचक सर्वनाम याँग (जिसका, जिसकी) के बाद संज्ञा का प्रयोग होता है, जिसकी विशेषता बतलाई जाती है, परन्तु संज्ञा के साथ प्रत्पय -'याँ' का भी प्रयोग होता है; जैसे :

आनाक याँग बूकूयाँ हीलाँग ईतू, आडालाह आडीक साया.
वह लड़का जिसकी पुस्तक खो गई है, वह मेरा छोटा भाई है.
रूमाह याँग आतापयाँ मेराह ईतू, आकान डीरोमबाक.

अथवा

रूमाह याँग बरआताप मेराह ईतू, आकान डीरोमवाक.

वह मकान जिसकी लाल छत है, उसको गिरा दिया जायेगा.

स्थान सूचक क्रिया विशेषण तमपात (स्थान सूचक) क्रिया विशेषण शब्द का प्रयोग भी संबंध सूचक सर्वनाम की भाँति ही होता है.

कोता तमपात ईआ तींगगाल, साँगात सेपी.

जिस नगर में वह रहता है, वह स्थान सूना है.

शब्द

मलाहीरकान	जन्म देता है.
माँगकात	राजा या आभिजात्य वर्ग के व्यक्ति की मृत्यु
मनींगगाल डूनीया	मर जाना, साधारण व्यक्तियों की मृत्यु
तरलामबात	(अधिकतम) सबसे देर में
पंगगूबाह	रचयिता, रचना करने वाला
तरकनाल	सर्व विदित
पमबूआँगान	देश निकाला देना, निर्वासित होना (निर्वासन)
पूलाऔ	द्वीप
बरकाराँग	पथरीला
लाऊतान हीनडीया	हिन्द महासागर
रूमाह हानतू	प्रेतात्माओं (भूतों) का घर
बूरूँग कनीलाँग	इंडोनेशियाई पक्षी लबा
साराँग	घोंसला

पाँगेरान	राजकुमार
पाहलावान	नायक, विजेता, शहीद
गागाह बरानी	वीर, हिम्मती
बरबाऊ	महकता है
बूसूक	बुरा
ममपरकनालकान	परिचय कराता है
पेसता	उत्सव
ऊलाँग ताहून	जन्म दिन
बनूश्रा	महाद्वीप
बकास	पूर्व, पहले का, भूतपूर्व
मंगूनजूँगी	निरीक्षण करता है
पोहोन श्रारेन	एक प्रकार का पाम वृक्ष
मनाकूतकान	डर पैदा करने वाला होता है
मनचरीताकान	वर्णन करता है
तरयाँता	प्रतीत होना
काबार बोहोंग	झूठी खबर
पूजाँगा	कवि
तरमशहूर	सर्व प्रसिद्ध
डीतीमपा	मारा गया, चोट की गई
बानजीर	बाढ़
तरलूका	घायल, घायल हुश्रा
डीतेमबाक माती	गोली से मार दिया गया था
तूनाँगान	मँगेतर
पपराँगान	युद्ध
कूतू बूसूक	खटमल
पनूह डेंगान	भरा हुश्रा, द्वारा भरा गया
मंगश्रालीर	बहता है

डीलायारी	सागर को यात्रा के योग्य होता है. सागार की यात्रा की गई.
तरलताक	स्थित हुग्रा, स्थित होता है
डीसबलाह	एक ग्रोर, एक तरफ़
तीमूर	पूर्व
चंडावान	कुकुरमुत्ता
बराचून	जहरीला, विषैला
ममगाँग	पकड़ता है, छूता है

ग्रभ्यास

निम्नांकित वाक्यों को संबंधवाचक सर्वनाम शब्दों द्वारा मिलाग्रो ग्रथवा सम्मिश्रित करो.

1. पाँगेरान डीपोनगोरो माँकात पाडा ताहून 1860.
   बीलीग्राग्रौ ग्राडालाह पाह्लाबान याँग बरानी.
2. बूँगा माती ईतू बरबाऊ बूसूक, काऊ तमपातकान बूँगा ईतू,
   डीकामार साया समींगगू याँग लाल.
3. सींगा ग्राडालाह बीनाताँग याँग कूग्रात,
   सींगा हीडूप डीबनूग्रा ग्राफ़रीका.
4. कूरसी ईनी पनूह डेंगान कूतू बूसूक,
   साया डूडूक डीकूरसी ईनी.
5. चंडावान ईतू बराचून,
   काऊपगाँग चंडावान ईतू ताडी.

अध्याय 5

निश्चय एवं अनिश्चय सूचक शब्द

(काता सानडाँग)

भाषा इंडोनेशिया में निश्चय एवं अनिश्चय सूचक शब्दों का प्रयोग दो प्रकार से होता है.

1. इन शब्दों के प्रयोग से विशेषण एवं वाक्य खंड या क्रिया को संज्ञा रूप दिया जाता है.

2. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों को एक निश्चयात्मक अथवा अनिश्चय सूचक रूप प्रदान किया जाता है.

निश्चय सूचक शब्द

हाँग, डाँग, साँग, सी, याँग, ईनी, ईतू तथा याँ

'सी' द्वारा संज्ञा रूप विशेषण से बनाया जाता है, जो शब्द का मानवीकरण करता है.

नमूने :

सी साकीत	बीमार व्यक्ति
सी काया	अमीर आदमी
सी बोडोह	मूर्ख व्यक्ति

सम्पूर्ण वर्ग या एक किसी समूह को प्रकट करने के लिये 'कौम' या 'पारा' बहुवचन सूचक शब्दों का प्रयोग किया जाता है, 'कौम' का प्रयोग विशेषण से पहले भी किया जा सकता है, परन्तु 'पारा' शब्द का प्रयोग केवल संज्ञा तक ही सीमित है और संज्ञा से पहले किया जाता है; जैसे :

कौम मीसकीन	गरीब लोग, गरीब वर्ग
कौम चरडीक पाण्डेय	बुद्धिजीवी वर्ग
कौम पेतानी	कृषक वर्ग

उदाहरण :

सी काया बरसनाँग सनाँग, सडांगकान,
कौम मीसकीन मनडरीता.
अमीर आदमी प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं, जबकि गरीब
लोग दुख और तकलीफ़ उठाते हैं.
पारा हाडीरीन, देवियो और सज्जनो
(जनता को सम्बोधित करते हुये भाषण देना).
पारा ओरॉंगतूआ, बच्चों के माता पिता.

'सी' का प्रयोग संज्ञा शब्दों से पहले विचित्र प्रकार के कर्त्ता के रूप में होता है तथा वे संज्ञा शब्द 'प'- वर्ग उपसर्ग के आधार से बनाये जाते हैं.

नमूने :

सी पनचूरी	चोर, चोरी करने वाला व्यक्ति
सी पनजाहात	अपराधी, अपराध करने वाला
सी पनरीमा	पाने वाला व्यक्ति
सी पंगीरीम	भेजने वाला

'सी'- का प्रयोग विशेषण शब्दों से पहले मानवीकरण करता है; जैसे :

प्रीयाँगान सी जलीता (जलीता, सुन्दर)

सुन्दरी प्रीयाँगान

सी पूतीह सफेद व्यक्ति, गोरे रंग का व्यक्ति

'याँग' का प्रयोग

जब 'याँग' विशेषण से पहले रक्खा जाता है. तो वह निश्चय या अनिश्चय सूचक शब्दों का संकेत देता है और विशेषण को संज्ञा रूप में परिवर्तित कर देता है, परन्तु साधारणतया 'याँग' संबंध वाचक सर्वनाम ही है.

नमूने :

याँग कूश्रात हारूस मनोलोंग याँग लमाह.

जो शक्तिशाली हैं, उन्हें कमज़ोरों की मदद करनी चाहिए.

साया मीनता याँग बारू.

मैं नई चीज़ (जो नई है) चाहता हूँ.

जब 'याँग' का प्रयोग तुलनात्मक विशेषण में होता है, तो 'याँग' सदैव ही अनिश्चय सूचक होता है.

नमूने :

ईश्रा मीनता याँग लबीह कचील.

वह कम से कम छोटी चीज़ चाहता है.

श्राडा याँग लबीह बाईक ?

क्या आपके पास इससे अच्छी चीज़ है ?

'याँग' का प्रयोग अधिकतम या सर्वश्रेष्ठ सूचक विशेषण शब्दों से पहले निश्चयवाचक रूप में भी होता है :

नमूने :

ईनीलाह याँग पालींग बसार.

यह वह है, जो सबसे बड़ी है.

सीग्रापा याँग तरग्राखीर ?

वह कौन है जो सबसे ग्रन्तिम है ?

'याँग ' का प्रयोग क्रमसूचक संख्या शब्दों के साथ भी बल देने के लिए एवं निश्चय सूचक रूप में होता है.

नमूने :

सी ग्रापायाँ याँग परतामा, कौन सा व्यक्ति प्रथम रहा ?

तूग्रान नरेश बरग्रानाक लीमा ग्रोरांग.

याँग कतीगा डान याँग कएमपात ग्राडालाह ग्रानाक कमबार.

श्री नरेश के पाँच बच्चे हैं, जो तीसरे एवं चौथे हैं, वे जुड़वाँ बच्चे हैं.

'याँग' का प्रयोग प्रश्नवाचक एवं संकेत वाचक सर्वनामों में भी खूब होता है.

नमूने :

याँग ईतू	वह व्यक्ति
याँग ईनी	यह व्यक्ति
याँग माना ?	कौन सा व्यक्ति ?

याँग मलामार पकरजाआन ईतू, तीडाक ममनूही सयारत

वह व्यक्ति, जिन्होंने कार्य के लिये प्रार्थना पत्र दिया, उन्होंने सभी शर्तें पूरी नहीं कीं.

याँग डीतरीमा गमबीरा, याँग डीतोलाक मंयेसाल.

जो लोग स्वीकृत किये गये, वे प्रसन्न हैं तथा जो लोग स्वीकार नहीं किये गये, वे निराश हो गये.

उपरोक्त वाक्यों में स्पष्ट किया गया है कि 'सी' किस प्रकार संज्ञा शब्दों एवं अन्य रूपों को निश्चयसूचक बनाता है.

इसी प्रकार कई निश्चयसूचक अन्य शब्द भी ऐसे हैं, जिनका उल्लेख यहाँ आवश्यक है ; जैसे : 'सी' 'साँग'

'साँग' शब्द का प्रयोग सीमित रूप में देवी, देवताओं के लिये, राजाओं की उपाधियों के लिये, प्राचीन कहानियों में पशुओं के लिये तथा ऐसी वस्तुओं के लिये किया जाता है, जो राष्ट्र का प्रतीक होती हैं, इनके उदाहरण क्रमशः इस प्रकार हैं:

1. प्राचीन कहानियों में देवताओं के नाम :
   साँग सूरया साँग रामा.

2. जावा द्वीष के राजाओं के सम्बोधन :
   सांग पराबू साँग नाता.

3. कहानियों में पशुओं के लिये :
   साँग हारीमाऔ (चीता)

4. प्रतीकात्मक प्रयोग :
   साँगडीवारना } इंडोनेशिया का
   साँग मेराह पूतीह } राष्ट्र ध्वज (पताका)

प्राचीन मलय भाषा में महान् व्यक्तियों के लिये ('हाँग') जैसे 'हाँग तूआह' तथा महिलाओं के लिये 'डाँग' शब्द का प्रयोग किया जाता था ; जैसे : डाँग प्रमोदावर्द्धिनी.

शब्द 'ईनी' एवं 'ईतू' निश्चयवाचक सर्वनाम की भांति प्रयोग में आते हैं. साथ ही साथ वे पद रचना में भी सहायक होते हैं एवं पद की सीमा रेखा खींचते हैं तथा विशेष रूपों में उनका अर्थ संकेतात्मक भी होता है ; जैसे :

नमूने :

ईतू बेंडेरा इंडोनेसिया साँग मेराह् पूतीह् ईतू, बारनायाँ डूआ.
इंडोनेशिया की राष्ट्र-पताका 'साँग मेराह् पूतीह्' (लाल एवं श्वेत) के दो रंग हैं.

ईनी करबाऔ ईनी डीबरीयाँ कपाडा आनाकयाँ याँग बूगसू.
उसने अपने सबसे छोटे पुत्र को वह भैंस देदी.

'याँ' यद्यपि पुरुषवाचक सर्वनाम (तृतीय पुरुष) के रूप में कई रूपों में संज्ञायें बनाता है, जैसे : विशेषण एवं क्रिया के बाद प्रत्यय के रूप में संज्ञा शब्दों का निर्माण करता है, परन्तु साथ ही साथ यह भी वाक्य खंड को सीमित करते हुये संकेतात्मक रूप प्रदान करता है. कभी-कभी इसका प्रयोग निश्चयसूचक शब्द के रूप में भी होता है; जैसे :

नमूने :

ईनीलाह् ओराँगयाँ याँग सलालू मंगलूह्.
यही वह व्यक्ति है, जो सदैव ही शिकायत करता रहता है.
आपा गूनायाँ एनकाऔ डूडूक मनाँगीस साजा ?
इसका क्या अर्थ होगा, यदि तुम बैठे-बैठे रोते रहे ?

अनिश्चय सूचक शब्द

सातू, सूअातू, सअोराँग, सएकोर तथा ससूअातू

नमूने :

सातू बूकती याँग याँता, बाहवा ईअा बरसालाह.

एक प्रमाण तो स्पष्ट है, कि वह ग़लती कर रहा है.

पाडा सूअातू हारी, किसी एक दिन

डीया सअोराँग याँग बाईक.

वह एक अच्छा आदमी है.

साया ममबली सबूअाह रूमाह.

मैंने एक मकान ख़रीदा है.

कमारीन ससूअातू अोराँग डीताँकाप पोलीसी.

पुलिस ने किसी व्यक्ति को कल पकड़ लिया.

अध्याय 6

विशेषण

1. उपसर्ग 'तर'-
2. 'क+आन' का जोड़ से प्रयोग.
3. अनिश्चयवाचक विशेषण.
4. तुलनात्मक क्रम (स्थिति).

काला, सफ़ेद, पुराना आदि मूल विशेषण शब्दों की अपेक्षा ऐसे भी विशेषण शब्द हैं, जो क्रिया धातु रूपों द्वारा 'तर'- उपसर्ग जोड़कर बनाये जाते हैं, तथा एक विशेष परिस्थिति द्वारा विशेषता प्रकट करते हैं.

नमूने :

अ. पीनतू तरतूतूप	बन्द दरवाज़ा.
ब. पीनतू ईतू तरतूतूप.	यह दरवाज़ा बन्द किया गया है.

उपरोक्त 'ब' नमूने में तरतूतूप' शब्द क्रिया रूप धारण करता है, और कर्मवाच्य का ही एक रूप बन जाता है.

2. 'क' -उपसर्ग एवं -'आन' प्रत्यय का प्रयोग सदैव ही भाव वाचक संज्ञायें बनाता है तथा उसका अर्थ होता है, प्रभावित होना ; जैसे : विशेषण शब्द 'बसार', बड़ा आदि के द्वारा 'क' + 'आन' के

मेल से नये भाववाचक संज्ञा शब्दों का निर्माण होता है, और उसका अर्थ बड़ेपन से प्रभावित होना होगा, जैसे :

कबसारान, बड़ापन, महानता

परन्तु अवपाद स्वरूप इस प्रकार के भाववाचक संज्ञा रूप क्रिया की भाँति भी प्रयुक्त होते हैं, परन्तु इन प्रयोगों का वर्ग सीमित वर्ग कहा जा सकता है, क्योंकि यह संज्ञा रूप होते हुये भी क्रिया का ही कार्य करते हैं. स्मरण रहे कि भाषा इंडोनेशिया में भारत-यूरोपीय भाषा परिवार की भाँति संज्ञा एवं क्रिया का कोई मानदण्ड स्थिर नहीं है. कोई आवश्यक नहीं कि भाषा इंडोनेशिया के वाक्य में क्रिया हो ही, दो संज्ञा शब्द ही वाक्य का निर्माण सरलता से कर सकते हैं, और वे भाषा इंडोनेशिया के पूर्ण वाक्य होते हैं ;

नमूने :

साया कहूजानान.
मैं वर्षा से प्रभावित हुआ
अर्थात्
वर्षा में भीग गया.
मैं वर्षा में भीग गया.

इसी प्रकार :

मेरेका कलापारान.
वे भूखों मर रहे हैं.

इसी प्रकार कई भाववाचक संज्ञायें क्रिया रूप में प्रयुक्त होती हैं ; जैसे :

संज्ञा भाववाचक	मूल शब्द	
कचूरीयान	चूरी,	चोरी
कडींगींनान	डींगींन,	ठंडा
कलीहातान	लीहात,	देखना
ककूराँगान आदि	कूराँग,	कम

उपसर्ग तर- के विभिन्न प्रयोग

जब तीडाक (नहीं) 'तर'- द्वारा बनाये गये शब्द से पहले किया जाता है, तो उसका अर्थ होता है कि "यह नहीं हो सकता"

ज़ैसे :

पूबलीकासी माजालाह ईतू तीडाक तरताहान.
उस पत्र का प्रकाशन संभव नहीं हो सकता या हो सका.
बूग्राह ईनी तीडाक तरमाकान.
यह फल खाया नहीं जा सकता है.

या

यह फल खाया नहीं जा सका.

2. उपसर्ग 'तर'- का प्रयोग आकस्मिक घटना का अथवा प्राकृतिक ढंग से होने वाले कार्यों का भी संकेत देता है.

अ. साया तरकजूत मनडेंगार खबार कमातीयानयाँ.
मैं उसकी मृत्यु का समाचार सुनकर चौंक पड़ा.
(आकस्मिक घटना)

ब. बायी तरतीडूर, बच्चा सो गया.
(स्वाभाविक रूप से)

स. तरडेंगार ओलेह कामी मूसीक.
हमने गाना सुना.

इस सन्दर्भ में उपसर्ग 'तर'- एवं 'डी'- का अन्तर समझना आवश्यक है, क्योंकि दोनों का प्रयोग समानार्थक-सा प्रतीत होता है, परन्तु निम्नांकित उदाहरणों द्वारा अन्तर स्पष्ट किया गया है.

अ. 'तर'- उपसर्ग किसी सम्भावना अथवा घटना का संकेत देता है :

डीया तरतेमबाक

वह गोली से मारा गया (दुर्घटना से)

ब. 'डी' उपसर्ग किसी कार्य के पूर्ण होने की ओर संकेत देता है, और इस प्रकार कर्मवाच्य का बोधक होता है :

डीया डीतेमबाक

वह गोली से मार दिया गया.

अनिश्चय बोधक विशेषण

(संख्या एवं परिमाण सूचक शब्द)

भाषा इंडोनेशिया में नियमानुसार विशेषण संज्ञा शब्द के बाद ही रक्खा जाता है; जैसे : भारत-यूरोपीय भाषा परिवार में विशेषण विशेष्य (संज्ञा) से पहले रहता है; उदाहरणार्थ : 'काला घोड़ा' में घोड़े का विशेषण उससे पहले है, परन्तु ठीक इसके विपरीत मलायो-पोलीनीशियाई परिवार की भाषाओं में विशेषण संज्ञा के बाद रक्खा जाता है; जैसे : भाषा इंडोनेशिया में 'काला घोड़ा' के स्थान पर 'घोड़ा काला' का प्रयोग होगा. परन्तु निम्नांकित शब्द संख्या एवं परिमाण सूचक शब्द हैं, अतएव अपवाद के रूप में उनका स्थान विशेषण के रूप में संज्ञा से पहले ही होगा. इनको अनिश्चय बोधक विशेषण कहते हैं, जो निम्नांकित हैं :

समूआ	सभी, सब
लाईन	दूसरा या दूसरे
कड़ूआईयाँ	दोनों ही
बबरापा	कुछ, कई
सडीकीत	थोड़ा, कम
तीयाप तीयाप	प्रत्येक
मासींग मासींग	हर एक, सभी, सब
बायाँक	बहुत अधिक संख्या
चूकूप	काफ़ी

अ. समूआ ओराँगपूतीह माकान डागींग.
सभी श्वेतांग व्यक्ति माँस खाते हैं.

ब. बबरापा बूकू डीपींजाम.
कुछ पुस्तकें उधार ली गई हैं.

स. बरीलाह साया बायाँक बूकू.
मुझे बहुत-सी पुस्तकें दीजिये.

द. लीमा एकोर कूडा डीजूआलयाँ
उसने पाँच घोड़े बेचे हैं.

विशेषण की तीन स्थितियाँ

यह वह सामान्य स्थिति है, जिसमें विशेषण एवं विशेष्य केवल संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं; जैसे :

काली युवती, पमूडी हीताम
पमूडी (युवती), हीताम, (काली)

2. तुलनात्मक स्थितियां भी भाषा इंडोनेशिया में काफ़ी सरल हैं. केवल एक ही महत्त्वपूर्ण नियम है कि तुलनात्मक एवं अधिकतम स्थितियों के सूचक शब्द क्रमशः 'लबीह' तथा 'पालींग' एवं 'तर' हैं, जो विशेषण से पहले रक्खे जाते हैं. कभी-कभी तुलनात्मक शब्द 'लबीह' के स्थान पर 'तामबाह' शब्द का भी प्रयोग किया जाता है.

नमूने :

साधारण	तुलनात्मक स्थिति	अधिकतम सूचक स्थिति
चानतीक (सुन्दर)	लबीह चानतीक (अधिक सुन्दर)	पालींग अथवा तर चानतीक, सुन्दरतम या अधिकतम सुन्दर

इस प्रकार :

सामान्य स्थिति :

चानतीक, सुन्दर

तुलनात्मक स्थिति :

लबीह् चानतीक, अधिक सुन्दर (तुलना में दो की)

अधिकतम सूचक स्थिति :

पालींग, तर चानतीक, सुन्दरतम सबसे अधिक सुन्दर

1. समानता सूचक शब्द :

1. उपसर्ग 'स'- (सातू)
2. सामा -याँ डेंगान
3. सामा -याँ

नमूने :

बापाक साया सतींगगी पामान साया.

बापाक साया सामा तीगगीयाँ डेंगान पामान साया।

बापाक साया डान पामान साया सामा तींगगीयाँ.

मेरे पिता तथा मेरे चाचा की ऊँचाई समान है.

2. असमानता सूचक शब्द

1. उपसर्ग तीडाक स—
2. तीडाक सामा······ -याँ.
3. तीडाक सामा··· -याँ.

नमूने :

अ. पेराक तीडाक सबरात एमास.

चाँदी उतनी भारी नहीं होती, जितना सोना होता है.

ब. ईग्रा तीडाक सामा मानीसयां डेंगान काकाकयां,

वह इतनी सुन्दर नहीं है,जितनी सुन्दर उसकी वड़ा बहन है.

स. कापास डान कापोक तीडाक सामा रींगानयाँ.

कपास तथा ऊन समान रूप से हल्की नहीं होती.

3. तुलनात्मक श्रेष्ठता प्रकट करने के लिए :

(लबीह········डारीपाडा) के जोड़े का प्रयोग किया जाता है.

नमूना :

ग्र. कायू साबो लबीह बरात डारीपाडा कायू जाती.

साबो की लकड़ी टीक की लकड़ी की तुलना में अधिक भारी होती है.

ब. पकरजाग्रानमूलबीह बाईक डारीपाडा पूईयाँ ऊमार.

तुम्हारा काम उमर के मुकाबले में ग्रधिक ग्रच्छा है.

ग्रथवा

तुम्हारा कार्यं उमर की तुलना में ग्रपेक्षाकृत अधिक सुन्दर है.

तुलनात्मक काल-क्रम को प्रकट करने के लिए :

माकीन, समाकीन ग्रथवा माकीन लामा···माकीन.

ग्र. बीस बरजालान माकीन लामबात.

ब. बीस बरजालान समाकीन लामबात.

स. बीस बरजालान माकीन लामा माकीन लामवात.

बस धीमी तथा ग्रौर धीमी होती गई.

तुलनात्मक समानानुपात प्रकट करने के लिए :

'माकीन···माकीन' का प्रयोग किया जाता है. कर्त्ता को दोहराया नहीं जाता. या तो उसे प्रारम्भ में रखते हैं अथवा अन्त में :

अ. माकीन तूआ माकीन तनाँग ईआ.

ब. ईआ माकीन तूआ माकीन तनाँग.

जैसे ही उसकी अवस्था बढ़ती गई, वह और अधिक शांत होता गया.

2. माकीन बायाँक माकानयाँ (ईआ), माकीन मालास ईआ.

वह जितना ही अधिक खाता जाता है, उतना ही और अधिक आलसी होता जाता है.

संबंध सूचक सर्वश्रेष्ठ को 'याँग' के द्वारा प्रकट किया जाता है. यह स्थिति क्रमिक विकास का उच्चतम रूप होती है. 'याँग' को पहले लगाया जाता है और—लाह द्वारा बल दिया जाता है.

उदाहरण :

अ. डारी मूरीड मूरीड साया कमाललाह याँग पालींग राजीन.
मेरे सभी विद्यार्थियों में कमाल ही सबसे अधिक मेहनती है.

ब. डीयालाह ओराँग याँग तरकूआत डारी परकूमपूलान ओलाहरागा कामी.

वह व्यक्ति हमारे स्पोर्ट क्लब का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति है.

शब्द

अनह	अजीब
बायाँक	बहुत, अधिक
बूलान	महीना, चाँद

बामबू	बाँस, वेणु
बरसीनार	चमकता है
लाँगीत	ग्राकाश
तरकूँनची	ताला लगा हुग्रा
डानाऔ	झील
कूग्रात	मज़बूत
बरकीलाग्रौ कीलाग्रौ ग्रान	झूल झल करता है अथवा तेज़ चमकता है
कहाऊसान	प्यास
सग्रोलह ग्रोलह	जैसे, मानो
चरमीन	शीशा
गमूक	मोटा
डेसा	गाँव, ग्राम
माराह	नाराज़, क्रुद्ध
तरजाडी	गुजरा, हो गया
हाल	मामला, परिस्थिति
काया	धनी, धनवान
बरडीरी	खड़ा होना
माताहारी	सूर्य
तरीक	गर्मी
डीबेंची	जिससे घृणा की जाये, घृणित
कीकीर	कंजूस, लालची
पींगसान	बेहोश
मंगग्राँकूत	ले जाना, ढोना
तमपात	स्थान
परतमपूरान	युद्ध

सतलाह्	बाद में
जाराक	दूरी
जरनीह्	साफ़
पंगईकूत	भाग लेने वाला
तरलूका	घायल, घाव हो गया
गराक जालान	अभियान, आगे बढ़ना
मालास	आलसी
रोतान	बेंत
कूडा	घोड़ा
सेंगीत	भयानक
सलाल	सदैव
रामाह्	मैत्रीपूर्ण
ममबूका	खोलना
चपात	शीघ्र
ताक बरआबान	बिना बादल, मेघविहीन
बागूस	सुन्दर
रीनडाँग	छायादार
बूलात	गोल, चक्राकार
क. म.	किलो मीटर

अभ्यास

ऊपर दी हुई शब्दावली से उपयुक्त विशेषणों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1. बूलान बरसीनार डीलाँगीत याँग······
2. डानाऔ याँग······ईतू बरकीलाऔ कीलाऔ आन सऔलेह औलेह सबूआह चरमीन······

3. कामी मनडेंगार, बाहवा डीडेसा ईतू तरजाडी हाल याँग कूराँग.........

4. सग्रोराँग गाडीस याँग बरडीरी जातूह......

5. तमान तमानयाँ मंग ग्राँकूतयाँ कतमपात याँग...

क्रिया विशेषण

वाक्य के प्रारम्भ में अथवा वाक्य के ग्रन्त में ये शब्द रखे जाते हैं ;

नमूने :

डालाम ताहून 1942, सन् 47 के वर्ष में, ग्रथवा सन् 47 में.

मींगगू लालू, गत सप्ताह

डीया डाताँग डी दिल्ली मींगगू लालू.

वह गत सप्ताह दिल्ली में ग्राया.

डालाम ताहून 1947 भारत मनजाडी मरडेका.

सन् 1947 में भारत ग्राज़ाद हुग्रा.

ग्रनिश्चित काल बोधक क्रिया विशेषण ग्रथवा क्रिया विशेषण पद कर्त्ता से पहले अथवा उसके बाद ही रखे ज़ाते हैं ; जैसे :

सलालू ईग्रा साकीत।

वह सदैव ही बीमार रहता है.

शब्द

सलालू	सदैव
सरींग	अक्सर
सवाकतू सवाकतू	समय-समय पर
परनाह	एक बार

तोडाक परनाह्	कभी नहीं
जारॉंग	बहुत कम, (कभी-कभी)
सरेनताक	तुरन्त, उसी समय, एक स्वर में
पाडा ऊमूमयाँ	आमतौर से
तीबा तीबा	अचानक, आकस्मिक रूप से
सकोयोंग सकोयोंग	अचानक
बारू	नया, नवीन, अभी हाल में
ताडी	इसी समय, अभी
सूडाह्	कार्य की समाप्ति
तलाह्	कार्य की पूर्णता
सबनतर	एक क्षण में
सबनतर लागी	एक क्षण और
बारू बारू ईनी	हाल ही में
बलाकांगान ईनी	सबसे बाद में, अन्तिम अवसर पर
डेंगान सीगरा	शीघ्रता से

उदाहरणार्थ :

साया सरींग बरजूमपा डेंगान सूडारा.
मैं आपसे अक्सर मिलता रहता हूँ.
सरींग साया बरजूमपा डेंगान सूडारा.
अक्सर मैं आपसे मिलता-जुलता रहता हूँ.

नोट : जब 'सूडाह' एवं तलाह् से वाक्य प्रारम्भ होता है, तो कर्त्ता सदैव ही वाक्य के अन्त में रक्खा जाता है.

नमूने :

सूडाह मलीहात फ़िलेम ईतू साया.
अथवा
साया सूडाह मलीहात फ़िलेम ईतू.

मैंने वह फ़िल्म देख ली है.

मैंने वह फ़िल्म पहले देख रक्खी है.

वे क्रिया विशेषण जो वास्तविकता की स्थिति का संकेत देते हैं ; इस प्रकार है :

पासती, तंतू	निश्चय ही
सबनारयाँ	वास्तव में
तामपाकयाँ,रूपायाँ	स्पष्ट रूप से, ऐसा प्रतीत होता है
मूंगकीन	सम्भव, सम्भवत :
बाराँगकाली	शायद
सूँगगूह	वास्तव में, वास्तविकता

उपरोक्त किया विशेषणों का भी प्रयोग या तो वाक्य के प्रारम्भ में अथवा कर्त्ता के बाद ही होता है.

क्रिया विशेषण और स्थिति सूचक क्रिया-विशेषण पद इस प्रकार हैं :

हामपीर या हामपीर हामपीर, आगाक	लगभग, क़रीब-क़रीब अपेक्षा
हामपीर हामपीर तीडाक	कठिनता से, लगभग नहीं के बराबर
लूआर बीआसा, बूकान माईन	असाधारण
हायाँ	केवल, सिर्फ.
सलूरूहयाँ' समूआयाँ.	पूर्ण रूप से, पूरे तौर से
साँगात, आमात, सकाली	बहुत, अधिक
तरलालू	आधिक्य सूचक

इन उपरोक्त पदों का प्रयोग अधिकतर उन शब्दों से पहले होता है, जिनकी विशेषता इनके द्वारा व्यक्त की जाती है;

नमूना :

साया हायाँ माऊ ममींजाम ऊग्राँग.

मैं केवल ग्रापसे रुपये उधार लेना चाहता हूँ.

नोट : समूग्रायां, सलूरूहयाँ, आमात ग्रौर साँगात का प्रयोग उस शब्द या पद के बाद भी किया जा सकता है, जिसकी विशेषता इन शब्दों द्वारा प्रकट की जाती हैं;

नमूना :

गडूँग ईतू हानचूर सलूरूहयाँ.

वह इमारत पूर्ण रूपेण नष्ट-भ्रष्ट हो गयी.

3. प्रभावोत्पादक 'याँ' का प्रयोग उस शब्द के बाद जोड़कर किया जाता है, जिसके लिये 'बूकान माईन' एवं 'लूआर बीयासा' का प्रयोग किया जाता है;

नमूने :

ग्र. पेती ईनी लूग्रार बीग्रासा बरातयाँ.

यह पेटी ग्रत्यन्त भारी है.

व. रामू बूकान माईन मालासयाँ.

रामू ग्रत्यधिक आलसी है.

रीतिवाचक (बोधक) क्रिया विशेषण.

ग्रधिकतर विशेषणों द्वारा बनाये जाते हैं, ग्रौर 'डेंगान' (द्वारा) के बाद ही उनको रक्खा जाता है, ग्रथवा उनको क्रिया रूपों से बनाया जाता है, परन्तु इस परिस्थिति में वे डेंगान' ग्रथवा 'सामबील' (जबकि) के बाद ही रक्खे जाते हैं;

नमूने :

ग्र. डीया मयाँयीं डेंगान गमबीरा.

उसने प्रसन्नता से गाना गाया.

ब. रीता मंयापा साया सामबील तरसंयूम.
रीता ने मुस्कराते हुये मुझे नमस्कार किया.

शब्द

मनोनतोन फ़ीलम	सिनेमा देखता है.
परगी बरबलानजा	सामान खरीदने बाजार जाता है
तीयाय पागी, तीयाप तीयाप—	प्रतिदिन प्रात:काल,
पागी	हर एक सुबह.
हाडीग्राह	पुरस्कार
परतामा	प्रथम
कोनतेस यॉंयीं	संगीत प्रतियोगिता
कामी सकलूआरगा	हम सब सपरिवार (पूरा परिवार)
परगी बरपीकनीक	पिकनिक के लिये जाना
काडाँग	कभी-कभी
सडकाह	भिक्षा
बीग्रोला	वायलिन
तामात	समाप्त या समाप्त करना
सकोलाह मनंगाह ग्रातास (एस एम ग्र)	हाई स्कूल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
सकोलाह मनंगाह परतामा	जूनियर हाई स्कूल
सकोलाह डासार	प्राइमरी स्कूल
सकोलाह रायात	ग्रथवा प्राथमिक विद्यालय
तामान कानाक कानाक	शिशु पाठशाला
बूँगसू	सबसे छोटा (बच्चा)
पंगमीस	भिक्षुक, भिखारी
समपूरना	पूर्ण, सम्पूर्ण
डानाऔ	झील

अभ्यास

इन वाक्यों में क्रिया विशेषण का प्रयोग उचित स्थान पर कीजिये ?

1. डीया मनोनतोन फ़ीलम डेंगान तमान तमानयाँ (सरींग).
2. कामू तींगगाल डीडेसा (परनाह)
3. कामी परगी बरपीकनीक डीतेपी डानाओ (काडाँग काडाँगयाँ)
4. ईग्रा तामात सकोलाह मनंगाह ग्रातास (बूलान याँग लालू).
5. ईआ ममाईनकान बीग्रोला (डेंगान समपूरना).

अध्याय 7

संबंध सूचक अव्यय

(काताडेपान अथवा परीपोसीसी)

संबंध सूचक अव्यय, वे शब्द हैं, जो संज्ञा अथवा सर्वनाम के पहले आकर इनके संबंध एक-दूसरे शब्द के साथ दिखलाते हैं, यही शब्द यदि संज्ञा या सर्वनाम के पहले न आकर किसी अन्य शब्द से पहले आयें, तो क्रिया विशेषण पदों की रचना करते हैं.

दो महत्त्वपूर्ण संबंध सूचक अव्यय 'डी' (में, तरफ़, ऊपर) तथा 'क' (की ओर, दिशा सूचक) हैं, अन्य सभी संबंध सूचक अव्यय उन्हीं के रूपों से संयुक्त रूपों में बनाये जाते हैं. दोनों का प्रयोग छोटे एवं बड़े अक्षरों को ध्यान में रखकर किया जाता है. दोनों को छोटे अक्षरों से प्रारम्भ होने वाले शब्दों से जोड़ दिया जाता है, परन्तु बड़े अक्षरों से प्रारम्भ होने वाले शब्दों से अलग रक्खा जाता है.

नमूने :

डीकामार	मकरे में
डीसकोलाह	स्कूल की तरफ़
डीमेजा	मेज़ पर
ककानतोर	दफ्तर को (दिशा सूचक)
डीबरलीन	बरलीन में
कहाँगकाँग	हाँगकाँग को

जब उन संज्ञा शब्दों के साथ इनको जोड़ा जाता है, जो, प्रायः

स्थान सूचक होते हैं, तो वे एक नवीन संबंध सूचक शब्दों का रूप धारण करते हैं; जैसे :

डीबलाकाँग (पीछे), कमूका (आगे), डीसामपींग (तरफ़, ओर) डीडालाम आदि स्थान सूचक शब्दों के साथ 'डी' तथा 'क' जोड़ दिये जाते हैं इस प्रकार के जोड़े से, डी (डालाम)+संज्ञा गतिशीलता का द्योतक हैं, जो किसी ठहरने आदि के स्थान पर होती है ; जबकि क (आतास)+संज्ञा का जोड़ा एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरण का सूचक होता है ;

उदाहरण :

अ. ईआ बरजालान डीडालाम (मध्य में) तामान.
वह बाग़ीचे में टहल रही है.

ब. ईआ नाईक कआतास पूनचाक.
वह पहाड़ी की चोटी के ऊपर चढ़ गया.

स. मूरीड मूरीड भासूक कडालाम कलास.
विद्यार्थीगण कक्षा में आ गये.

क्रिया विशेषण के रूप में :

मेरेका नाईक कआतास.	वे ऊपर गये.
साया तींगगाल डीसबलाह.	मैं दूसरे दरबाज़े पर. ही रहता हूँ.

आनाक आनाक बरमाईन बरमाईन डीलूआर.
बच्चे बाहर की तरफ़ खेल रहे हैं.

1. दिशा बोधक अव्यय शब्द

डेंगान	से, द्वारा
डी	में
क	को
डारी	से

का प्रयोग अचेतन प्राणी सूचक शब्दों से पहले होता है, तथा चेतन प्राणियों के लिये ; जैसे :

पाडा	को
कपाडा	को
आकान	के लिये

आदि शब्दों का प्रयोग होता है तथा व्यक्ति वाचक संज्ञा एवं सर्वनाम के साथ ही प्रायः इसका प्रयोग होता है.

2. कर्त्ता बोधक शब्द के रूप में 'ओलेह' (द्वारा, से) का प्रयोग व्यक्ति वाचक संज्ञा एवं सर्वनाम से पहले ही होता है.

3. बहुवचन एवं संज्ञा सूचक शब्दों के साथ मानवीकरण बोधक शब्द इस प्रकार हैं ; जैसे :

पारा एवं कौम	बहुवचन द्योतक
सी	संज्ञा बोधक (मानवीकरण)
साँग	,, आदर सूचक
हाँग	,, आदर सूचक
डाँग	,, आदर सूचक

इन सभी शब्दों का प्रयोग संज्ञा शब्दों से पहले होता है, परन्तु 'सी' का प्रयोग विशेषण शब्दों से मानवीकरण के लिये किया जाता है ; जैसे :

जलीता	सुन्दर
सीजलीता	सुन्दरी युवती

तथा कभी-कभी व्यक्ति वाचक संज्ञाओं के पहले भी 'सी' का प्रयोग व्यापक रूप में होता है ; जैसे :

सी जामाल, सी सतयावाती, सी कामाल आदि

'डी' तथा 'क' को जोड़कर बनाये गये शब्द

डीसामपींग	पास में
कसामपींग	एक तरफ़

डीडेकान	समीप में
कडेकात	ऊपर को (पास)
डीमूका, डीडेपान	सामने में
कमूका, कडेपान	सामने को
डीसबराँग	विपरीत—पार
कसबराँग	पार को, दूसरी ओर को
डीसकीतार	चारों ओर
कसकीतार	चारों ओर को
डीतंगाह	मध्य में (केन्द्र में)
कतंगाह	मध्य की ओर (केन्द्र को)

भाषा इंडोनेशिया में ऐसे भी मूल क्रिया शब्द (अकर्मक) अथवा विशेषण शब्द हैं, जिनमें प्रत्यय एवं उपसर्ग लगाकर मूल क्रिया शब्दों में (जिनसे विशेषण भी अकर्मक क्रिया की भाँति प्रयुक्त होता है), संबंध सूचक अव्यय शब्दों को लगाने की आवश्यकता नहीं होती तथा प्रत्यय एवं उपसर्ग के प्रयोग से ही क्रिया को सकर्मक बनाकर वाँछित अर्थ प्रकट करते हैं; जैसे :

—चीनता पाडा, मनचीनताई	प्रेम करता है
ईश्रा चीनता पाडायाँ, ईश्रा मनचीनताईयाँ	वह उसे प्यार करता है
—बेनची पाडा, ममबेनची	घृणा करता है
मेरेका बेनची पाडा ओराँग ईतू	वे उस व्यक्ति से घृणा
मेरेका ममबेनची ओराँग ईतू	करते हैं
—कावीन डेंगान मंगावीनी	शादी की है
ईश्रा कावीन डेंगान सओराँग जानडा	उसने एक विधवा से
ईश्रा मंगावीनी सओराँग जानडा	विवाह किया है

कुछ प्रत्यय प्रधान शब्द अपने संबंधसूचक अव्ययों को सरलता से छोड़ सकते हैं ;

नमूने :

बरज़ूमपा डेंगान, मनज़ूमपाई.
किसी से मिलता है.
बरताइयाँ पाडा, मनाइयाँई.
किसी के लिए पूछता है.
ममबरी होरमात पाडा, मंगहोरमाती सम्मान करता है.
ममबरी सालाम पाडा, आदर करता है.

कुछ संबंधसूचक अव्यय शब्द

डेंगान	से, द्वारा
डारी	से, (अलग होना)
डारीपाडा	(तुलनात्मक शब्द) अपेक्षा
डीडालाम	अंदर (संयुक्त शब्द)
डीतंगाह	मध्य में (संयुक्त शब्द)
आकान	के लिए
सरता	साथ
डीआनतारा	मध्य में, अन्तर (संयुक्त शब्द)
सामा	समान
तनताँग	संबंध में
कारेना	कारण
बागी, ऊनतूक, गूना	के लिए
ओलेह	द्वारा, कार्य करने वाले का संकेत

अभ्यास

संबंधसूचक अव्ययों का रिक्त स्थानों पर प्रयोग करो :

1. साया परगी······सकोलाह् तीयाप तीयाप पागी.
2. काकाकायाँ तींगगाल······रूमाह्
3. बूँगा ईनी······सीम्रापा ?
4. ······सोरे हारी हूजान बरहनहती.
5. बरजूता जूता ओराँग तेवास···पराँग डूनीया··· याँग कडूआ.

अध्याय 8

विशेष कार्य, व्यापार एवं व्यवहार को पूर्ण करने वाले विभिन्न शब्द

इस वर्ग का प्रयोग सदैव ही शब्द के रूप में नहीं आता, वरन् कभी-कभी आबद्ध शब्द रूप में भी होता है तथा भाषा के ढाँचे को पूर्ण करने में एक मजबूत कड़ी की भाँति प्रयोग में आता है. इसके शाब्दिक रूप का इतना महत्त्व नहीं, जितना कि इनके विशेष कार्य, व्यापार एवं व्यवहार को पूर्ण करने में होता है.

इन शब्दों का वर्गीकरण यहाँ प्रस्तुत किया गया है :

अ. भाषा के ढाँचे एवं वाक्य रचना में इन शब्दों का प्रयोग होता है. साथ ही साथ यह वाक्य खण्ड (गात्र) का निर्माण करके वाक्य की रचना में पारस्परिक संबंध भी स्थापित करते हैं; जैसे :

माकान डान मीनूम खाना और पीना

इस गात्र (गातरा) की रचना में डान (और) शब्द का विशेष व्यवहार है, यद्यपि यह शब्द अपने आप में किसी वाक्य खण्ड का निर्माण करने में असमर्थ है, क्योंकि इसने एक मज़बूत कड़ी की भाँति माकान (खाना) मीनूम (पीना), शब्दों को जोड़कर एक नये गात्र (गातरा) का निर्माण किया है. इस प्रकार ऐसे कई शब्द या शब्दांश वाक्य खण्डों का निर्माण करते हैं.

ब. कुछ शब्द ऐसे हैं, जिनका कार्य लक्ष्य की ओर निर्देश करना तथा सूचित करना होता है. इनकी संकेतात्मक क्षमता अद्‌भुत है. इनका कार्य सूचित करने के साथ ही साथ किसी शब्द या वाक्य खण्ड (गातरा) को एक सीमा रेखा में बाँधना है और उनके प्रयोग

के आधार से ही सीमा रेखा गात्र (वाक्य खण्ड) के लिए लक्ष्मण-रेखा बन जाती है. भाषा इंडोनेशिया में इन शब्दों का वर्गीकरण इस प्रकार है :

1. शब्द 'ईनी' (यह) तथा 'ईतू' (वह) सदैव ही लक्ष्य की ओर निर्देश करते हुए सूचना देते हैं, तथा महत्त्वपूर्ण वाक्य खण्डों की सीमा रेखा खींचते हैं; उदाहरण के लिए :

अ. साया ईनी/माहासीसवा.

मैं विश्वविद्यालय का छात्र हूँ.

ब. कूडा ईतू एमपात काकीयाँ.

उस घोड़े के चार पैर हैं.

इसी प्रकार ईआलाह (यानी), यानी तथा याईतू का भी व्यवहार वाक्यों को एक नया गठन देता है.

2. ब. शब्द 'याँग' (जो) तथा याँ (वह)

अपने समीप के वाक्य खण्डों को लक्ष्य करते हुए, संकेत सूचक होकर सीमा रेखा खींचते हैं, तथा इनके द्वारा संज्ञा शब्द, पद तथा संज्ञा वाक्यांश का निर्माण होता है. इनके उदाहरण स्थान-स्थान पर प्रस्तुत किये गए हैं.

स. कुछ शब्द ऐसे भी हैं जिन्हें बल देकर प्रोत्साहित करने की शक्ति प्राप्त है. उदाहरणार्थ : 'स'- उपसर्ग जब भी किसी शब्द के साथ जोड़ा जाता है, तो एक नया क्रिया रूप प्रस्तुत होता है, परन्तु यह स्मरण रहे कि भाषा इंडोनेशिया के प्रत्यय एवं उपसर्ग की सम्मिश्रण (योगात्मक) क्षमता अपूर्व है. उससे अनेकों नये अर्थसूचक शब्दों का निर्माण होता है; जैसे : 'स'- का प्रयोग.

सी सूर्यो/ तीडाक सकामपूँग/ डेंगान साया.

श्री सूर्यो तथा मैं एक गाँव के नहीं हैं.

तीडाक (नहीं) निषेधार्थक शब्द के बाद ही सकामपूँग (एक गाँव) शब्द क्रिया का कार्य करता है और क्रिया की गात्र रचना में सहायक होता है, परन्तु स, सातू (एक) शब्द के अन्य और भी कई प्रयोग एवं संकेत होते हैं, जो वाक्य रचना का आधार प्रस्तुत करते हैं. भाषा इंडोशिया का ढाँचा अपना अलग ही महत्त्व रखता है, एक विद्वान् के अनुसार सभी विचार सभी भाषाओं में व्यक्त हो सकते हैं, परन्तु उनका ढाँचा एवं अभिव्यक्ति का ढंग अलग-अलग हो सकता है.

अ. विदेशी भाषाओं, ; जैसे ; अरबी तथा संस्कृत आदि के ढाँचे ने यद्यपि भाषा परिवार पर प्रभाव नहीं डाल पाया, परन्तु कहीं कहीं यह प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है ; जैसे: भाषा इंडोनेशिया में लिंग सूचक संकेतात्मक शब्दांश या अक्षर नहीं हैं. परन्तु संस्कृत के प्रभाव से स्त्रीलिंग के लिये 'ई' तथा पुँल्लिग के लिये 'अ' का प्रयोग होता है ; जैसे ;

पुँल्लिग : डेवा (देवता), डेवी (देवी) स्त्रीलिंग

पुँल्लिग : तारूना (तरुण) तारूनी (तरुणी) स्त्रीलिंग

इसी प्रकार 'वान' एवं 'वाती' शब्दांशों के प्रयोग संस्कृत से ही लिये गये हैं ; जैसे :

सनीमान, कलाकार (पुँल्लिग)
सनीवाती, कलाकार (स्त्रीलिंग)

ब. अरबी के कुछ प्रभाव इस प्रकार हैं, जिनका भी काफ़ी प्रचलन है, वे अधिकतर प्रत्यय ही हैं ;

जैसे : /-ई /, तथा /-ईआह/, /-नी /, तथा

/-नीयाह /- प्रमुख हैं. इनके उदाहरण इस प्रकार हैं :

/-ई/, आबाडी शाश्वत, चिरन्तन
डूनीयाबी सांसारिक
/-नीआह जसमानीआह शारीरिक

/-ईश्राह/, श्रालामीश्राह   प्राकृतिक
/-नी,   हेवानी   पशुता

तथा विदेशी एवं प्रादेशिक भाषाश्रों के प्रभाव भी नये शब्दों के निर्माण में स्पष्ट हैं ; जैसे :

प्रो-	प्रोबाहासा नगारा	राष्ट्र भाषा के पक्ष में
कोनतरा-	कोनतरा रेफ़ोलूसी	प्रतिक्रियात्मक विद्रोह
स्वा-	स्वासता	व्यक्तिगत रूप से (संस्कृत प्रभाव)
ताता-	ताताबाहासा	व्याकरण (भाषा जावा)

इस प्रकार भाषा इंडोनेशिया के विकास में वाक्य विन्यास पर भी शब्द विन्यास के साथ-साथ श्रनेकों प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं. वर्णमाला का परिवर्तन तो, श्रन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोमन लिपि के श्राधार से कर लिया है. इस प्रकार यह भाषा एक गत्यात्मक विकासशील राष्ट्र इंडोनेशिया की राष्ट्र गरिमा की प्रतीक है.

वर्णमाला के नये रूप ने शब्द विन्यास को नया रूप दिया, तथा नये शब्द विन्यास ने नई वाक्य रचना एवं वाक्य विन्यास को प्रभावित किया. इस प्रकार भाषा इंडोनेशिया की संचरना पर इन नवीन परिवर्तनों का पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर होता है, तथा भाषा के निरन्तर विकास में विदेशी शब्दावली से भी भाषा को मालामाल किया गया, जो इंडोनेशिया के प्रधान सांस्कृतिक मूल्य, सहिष्णुता का प्रतीक है.

'श्राडा', 'श्राडालाह' तथा प्रत्यय 'लाह' श्राडा (श्रस्तित्व होना) शब्द के बहुत से संकेतात्मक श्रर्थ होते हैं, यह अनिश्चय वाचक वाक्य के प्रारम्भ में ही रक्खा जाता है, उस समय इसका श्रर्थ होता है, वहाँ हैं, वहाँ था, वहा होंगे श्रादि.

श्राडा तामू
वहाँ महिमान हैं, (श्रतिथि श्राये हैं)

-तीडाक ग्राडा ग्रापा ग्रापा.
वहाँ कुछ नहीं है, कोई बात नहीं,
किसी बात की चिन्ता नहीं.

-ग्राडा ससूग्रातू याँग कूता इयाँकान कपाडामू.
वहाँ कुछ है, जिसके विषय में मैं आपसे पूछना चाहता हूँ.

2. ग्राडा, रखने ग्रथवा स्टॉक में होने का भी संकेत देता है.
पास होना, ग्रधिकार में होना.

-ग्राडा साबून बीनताँग,

क्या आप 'बीनताँग' साबुन रखते हैं ?
-तीडाक ग्राडा.

(हम) नहीं रखते हैं, यहाँ नहीं है.

3. -ग्राडा का प्रयोग 'किसी स्थान पर होना' के लिये भी किया जाता है. कभी-कभी उपसर्ग 'बर'- भी लगाया जाता है?

ईग्रा बरग्राडा डीरूमाह.

वह घर में है.
तूग्रान शर्मा आडा ?
क्या शर्मा जी ग्रन्दर हैं ?

आडा हाँ, हैं

ईआ बरग्राडा डीजाकार्त्ता ? वह जाकार्त्ता में है.

जब हम क्रिया को बलवती बनाना चाहते हैं, तो आडा का प्रयोग क्रिया शब्द से पहले किया जाता है ; जैसे :

-साया ग्राडा मनरीमा सूरात.
मैंने निश्चय ही पत्र पाया.

कुछ महत्त्वपूर्ण पद एवं वाक्य खण्ड

ग्राडा ग्राडा साजा. फिर कुछ नई चीज

ग्राडायाँ (ग्राडा+याँ) ग्रस्तित्त्व (संज्ञा शब्द)

जब आडा क्रिया में 'याँ' प्रत्यय लगाया जाता है, तो भाववाचक संज्ञा बनती है; जैसे :

आडायाँ,	ग्रस्तित्व
ग्राडापून	जैसे, संबंध में, यद्यपि
ग्राडा ग्रापा ?	क्या मामला है ? क्या बात है ?
माकानलाह सग्राडा	खाग्रो, जो कुछ भी परोसा जाये.
ग्राडायाँ	
मंगग्राडाकान	व्यवस्था करता है, स्थापित करता है, कार्य करता है
कग्राडाग्रान	परिस्थिति, वास्तविकता, सत्य, ग्रवस्था, रूप
ग्राडा गूला, ग्राडा समूत	(मुहावरा) वहाँ जहाँ शक्कर है, वहीं पर चीटियां होंगी

ग्राडालाह

होना+संज्ञा का रूप, ग्राडालाह+संज्ञा का रूप होता है, इसका प्रयोग अक्सर लम्बे वाक्यों में होता है; जैसे :

ग्राडालाह ईग्रालाह (है)

जाकार्त्ता ग्राडालाह (ईग्रालाह) ईबू कोता इंडोनेसिया.

जाकार्त्ता इंडोनेशिया की राजधानी है.

आडालाह शब्द के प्रारम्भ से प्राचीन कहानियाँ तथा कथाग्रों का वर्णन भी होता है ; जैसे :

ग्राडालाह सओराँग राजा याँग ग्रामात कजाम.

एक बार यहाँ पर एक बड़ा ही निर्दयी राजा रहता था.

(कथा का वर्णन).

लाह् प्रत्यय :

'लाह्' प्रत्यय का प्रयोग बल एवं आदर देने के लिये किया जाता है. भाषा इंडोनेशिया में 'लाह्' कर्त्ता के साथ जोड़ा जाता है तथा बाद में 'याँग' शब्द आता है ; जैसे :

-सायालाह् याँग तलाह् मलीहातयाँ.

यह वह मैं ही हूँ, जिसने उनको देखा है.

-डीयालाह् याँग सतूजू.

यह वह व्यक्ति है, जिसने सहमति दी.

2. विशेषण+बागी (के लिये) का प्रयोग भी कर्त्ता के स्थान पर कभी-कभी होता है ; जैसे :

पनतींग बागीमू मनजावाब सूरात ईतू.

(यह) आपके लिये महत्त्वपूर्ण है, कि आप इस पत्र का उत्तर दें.

3. भाषा इंडोनेशिया में विशेषण+क्रिया का भी प्रयोग होता है, जब कर्त्ता अनिश्चित हो, या क्रिया रूप का संकेत देता हो ;

सेहात बाँगून पागी पागी.	(यह) स्वास्थ्यप्रद है कि प्रातःकाल उठना चाहिये अथवा (प्रातःकाल) उठना स्वास्थ्यप्रद है.

शब्द

बरसातू तगूह, बरचराई रूनतूह	एक होकर हम शक्तिशाली होते हैं तथा आपस में बँट कर गिर जाते हैं (पतित होते हैं)
मलालाईकान	उपेक्षा करता है

ममपरश्रोलेह	हासिल करता है, प्राप्त करता है
कऊनतूँगान	लाभ
परसलीसीहान	झगड़ा
बागीश्रान	भाग, टुकड़ा
बारीसान	उत्तराधिकार में प्राप्त
कमातीश्रान	मौत
ममपरइंगातकान	श्रागाह करता है, पूर्व सूचना देता है
तरहाडाप	विपक्ष में, सामने
समाचाम	इस प्रकार का, ऐसा
बरकूमपूल	एकत्रित होता है
तोंगकात	छड़ी
तरईकात	बंधा हुश्रा है, सम्बद्ध है
एरात	मज़बूत
ऊजार	बोलना, कहना
तोह	अभी तक, श्राज तक
ककूश्रातान	शक्ति
ममाताहकान	टूटना
सकूश्रात तनागा	पूरी ताक़त से, पूर्ण शक्ति से
सातू डमी सातू,	एक के बाद एक,
सातू पर सातू	एक-एक करके
सूसाह पायाह	कठिनाई, कष्ट
ताक ऊसाह	श्रावश्यकता नहीं, श्रनावश्यक
ताकूत आकान	किसी भयानक वस्तु से डरना
कडूरजानाश्रान	दुर्जनता, बुराई, बुरी
मूसूह	शत्रु, दुश्मन
लानताई	स्थान, फर्श
ममबानडींगकान	तुलना करता है

काता आबालान, उपसर्ग 'स'-

(सातू, एक) समान, जैसा अथवा जब तक, जितना

सलामा साया हीडूप	जब तक मैं जीवित हूँ
सतींगगी गूनूँग	इतना ऊँचा जितना पर्वत (पर्वत के समान ऊँचा)
सबायाँक बायाँकयाँ	जितना अधिक सम्भव हो सके (अधिकतम)
सजाऊह सजाऊहयाँ	जितनी दूर तक सम्भव हो सके

'स'- उपसर्ग के अन्य प्रयोग देखिये :

1. जब 'स'- उपसर्ग को संज्ञा के साथ जोड़ा जाता है, तो यह एकता या एकीकरण का सूचक होता है. इसके संकेत समानता (एकत्व) एवं पूर्णता के भी द्योतक होते हैं ; जैसे :

कामी तींगगाल सजालान.
हम उसी गली में रहते हैं.
डीया डान साया सकलास.
वह और मैं एक ही कक्षा में हैं.
अखिलेश डान साया सकामपूँग.
अखिलेश एवं मैं एक ही गाँव के हैं.
सकलूआरगा मनडरीता पंयाकीत माता ईतू.
पूरा परिवार आँख के रोग से पीड़ित है.

2. जब 'स'- उपसर्ग क्रिया (धातु रूप) के साथ जोड़ा जाता है, तो समय सूचक होता है, और यदि निषेधात्मक (तीडाक) का प्रयोग संज्ञा शब्द से पहले किया जाय, तो वह शब्द क्रिया का रूप धारण कर लेता है ; जैसे :

सतीबा डीरूमाह साया, साया मासूक ककामार साया.
अपने घर में आकर मैं अपने कमरे में चला गया.

सपूलाँग डारी परजालानानयाँ, ईश्रा जातोह् साकीत.

अपनी यात्रा से लौटकर वह बीमार हो गया.

ससामपे डीतमपात तूजूश्रान, कामी बरइसतीराहात.

अपने लक्ष्य पर पहुँचकर हमने आराम किया.

साया डान डीया तीडाक सडेसा.

मैं और वह एक ही गाँव के नहीं हैं.

3. उपसर्ग 'स'- जब किसी क्रिया (धातु रूप) के साथ लगाया जाता है, तो वह कार्य की स्वतन्त्रता एवं मनमानेपन की श्रोर संकेत देता है ; जैसे :

—ईश्रा बरकाता समाऊयाँ साजा.

उसने जो चाहा, कहा.

—माकानलाह ससूका हातीमू.

श्राप जितना जाहें, तृप्त होकर खायें.

4. उपसर्ग 'स'- जब किसी विशेषण के साथ जोड़ से प्रयोग में लाया जाता है, तो कार्य श्रधिकतम सम्भावना का सूचक होता है;

—डीया बकरजा सबाईक बाईकयाँ.

उसने श्रच्छे से श्रच्छा कार्य किया.

शब्द

बरबूश्रात	करता है, कार्य करता है
सकहंडाक	उसी भावना से
वीला	श्रगर
बरश्राडा	होता है, श्रस्तित्व होना, है, था,
गड़ूंग संडीबारा	थियेटर श्रथवा नाट्यशाला
मंगगूनाकान	इस्तेमाल करता है,
ममपरगूनाकान	इस्तेमाल करता है

बाकतू	समय
नासीहात	शिक्षा
पमबूनूह	क़ातिल, कत्ल करने वाला
हूकूमान माती	मृत्यु दण्ड
बूँगकूसान	पार्सल, पैकेट
ममबागी ममबागी	बाँटना, विभाजित करता है
पंगऊँगसी	शरणार्थी
हाबीस तरबाकार	जलकर राख हो गया
ममबरी सलामात	नमस्कार करता है
ममनाँगकान	विजय प्राप्त करता है
मरायाकान	उत्सव मनाता है
डीताहान	हिरासत में लेना, जेल में ले जाना
मलाकूकान	कार्य करता है
कमनाँगान	विजय, जीत
पनीपूआन	ठगी
मनेमबाक	गोली मारता है, गोली चलाता है
हारीमाऔ	चीता

अभ्यास

अनुवाद करो :

1. परगूनाकानलाह बाकतूमू सबाईक बाईकयाँ.
2. सपारोह डारी हूतान ईतू, हाबीस तरबाकार.
3. जाँगान माकान ससूका हातीमू, बीला अडा डीरूमाह ओराँग लाईन.
4. सकोता मरायाकान कमनाँगान ईतू.
5. सतीबा डीसीनी, डीया परगी करूमाहयाँ.

याँ (संबंधवाचक सर्वनाम के विभिन्न प्रयोग)

पुरुषवाचक सर्वनाम 'याँ' (वह, वे), ईश्रा, डीया तृतीय पुरुष के विभिन्न रूप एवं प्रयोग :

'याँ' : प्रयोग के आधार से शब्द (याँ, ईया, डीया) वह अथवा वे के विभिन्न रूपों में प्रयोग परिलक्षित होते हैं.

1. 'याँ' पुरुषवाचक सर्वनाम तृतीय पुरुष की भाँति संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में आता है, जिसके द्वारा संबंध एवं संकेतात्मकता प्रकट होती है; जैसे :

   अ. आनाक गमबाला ईतू/चोमपाँग चामपींग/बाजूयाँ.
   वह गड़रिए का बालक अपने फटे-पुराने वस्त्र पहने है.

   ब. डीकाताकानयाँ/बाहवा/साया ईनी/बूकान माहासीसवा.
   उसने कहा कि मैं विद्यार्थी नहीं हूँ.

2 'याँ' शब्द का प्रयोग जब किसी विशेषण अथवा क्रिया के साथ प्रत्यय की भाँति किया जाता है, तो उसके द्वारा भाववाचक संज्ञायें बनती हैं; जैसे :

अ. डाताँगयाँ सूडारा डीसीनी डीसामबूत डेंगान गमबीरा.

अथवा

कडाताँगन सूडारा डीसीनी डीसामबूत डेंगान गमबीरा.

आपका यहाँ आना (आगमन) बड़े हर्ष से स्वीकृत किया गया.

ब. लाऊत ईतू तीडाक तरङ्गा डालामयाँ.

इस सागर की गहराई कल्पनातीत है.

स. मानीसयां गाडीस ईतू मनारीक हाती.

इस लड़की की सुन्दरता मनमोहक है.

3. अनिश्चय सूचक संकेतात्मक शब्द की भाँति भी इसका प्रयोग होता है; जैसे :

चरीताकानलाह डारी मूलायाँ सामपे पाडा आखीरयाँ.

इसके प्रारम्भ से इसके अन्त तक का वर्णन कीजिये.

4. 'याँ' के क्रिया विशेषण के रूप में अनेकों प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में प्रचलित हैं; जैसे :

अ. बीयासायाँ पागी पागी ईबू बाँगून.
माँ प्रातःकाल सदैव ही उठ जाती हैं.

ब. सबतूलयाँ बूकानलाह डमीकीयान हालयाँ.
वास्तव में उसकी हालत इस प्रकार की नहीं है.

स. कूडा ईतू लारी सकनचाँग कनचाँगयाँ.
वह घोड़ा जितना संभव हो सका, उतना तेज़ दौड़ा.

5. सीमा सूचक एवं संकेतात्मक रूपों में 'याँ' वाक्य खण्ड अथवा गात्र (गातरा) का वड़ी सुन्दरता से निर्माण करता है; जैसे :

अ. बालौपून डीया कालाह तापी, कातायाँ डीया बरानी.
यद्यपि वह हार गया, तब भी वे लोग कहते हैं, वह एक वीर पुरुष है.

ब. डीआमबीलयाँ आईर ऊनतूक मीनूम.
वह पीने के लिए पानी लाया.

मध्य प्रत्यय (काता सीसीपान)

उपसर्ग एवं प्रत्यय के साथ-साथ भाषा इंडोनेशिया में मध्य प्रत्यय (काता सीसीपान) का भी प्रयोग होता है. परन्तु यह वर्ग सीमित वर्ग ही माना जा सकता है, क्योंकि इसके प्रयोगों की प्रचुरता की मात्रा उपसर्ग एवं प्रत्यय से काफी कम है. फिर भी इनका उल्लेख

ग्रावश्यक है. इन मध्य प्रत्ययो के तीन रूप हैं; जो शब्दांश कहे जा सकते हैं और उनका प्रयोग शब्द के प्रथम ग्रक्षर के बाद ही ग्राता है. यह प्रयोग संज्ञा, क्रिया एवं विशेषण ग्रादि में होते हैं, ग्रौर शब्द से जुड़कर नवीन ग्रर्थ उत्पन्न करते हैं.

मध्य प्रत्यय (काता सीसीपान) तीन ही हैं; जैसे :
ल (एल), म (एम) तथा र (एर) के

विभिन्न प्रयोग एवं उनके उदाहरण :

ग्र. जब संज्ञा शब्द के साथ मध्य प्रत्यय का प्रयोग होता है, तो वह संख्या की बहुलता, ग्रनेकता एवं विभिन्नता का सूचक होता है; जैसे : 'र' का प्रयोग :

1. गीगी (दाँत) से शब्द बनेगा **गरीगी** (ग+र) दंत पंक्ति
सूलींग (बाँसुरी) से शब्द बनेगा सरूलींग (स+र).
विभिन्न प्रकार की बाँसुरियाँ.

(एल) ल का बहुलता सूचक प्रयोग

2. गतार (गलतार), कंपन.
गलतार गामपा तरासा सामपे कमारी.
भूकंप का प्रभाव बार-बार यहाँ तक महसूस किया गया.

जब क्रिया के साथ, काता सीसीपान (मध्य प्रत्यय) का प्रयोग होता है, तो किसी कार्य को बार-बार दोहराये जाने का संकेत मिलता है; जैसे : (एम) म का प्रयोग :

ग्र. गतार (ग+म) काँपना, गमतार तूबूहकू कडींगीनान.
मेरा शरीर सर्दी के कारण बार बार काँपने लगा.

(एल) ल का प्रयोग

ब. सीसीक (मंयालीसीक मंयालीसीक) (ल). सँवारना
ईबू संडाग मंयालीसीक रामबूत.
माँ बालों को कंघी से साफ करके सँभाल रही है.

सीडीकी (सलीडीकी).
खोज करता है, अन्वेषण कार्य करता है.
सलीडीकीलाह ससूआतू डेंगान सूँगगूह सूँगगूह.
आप किसी भी वस्तु का अन्वेषण वास्तविक गहराई के रूप में कीजिए.

(एर) र का प्रयोग)

गताक (गरताक, ग+र+ताक). काटना, पीसना.
गीगीयाँ बरगरताक मनाहान माराहयाँ.
अपने क्रोध को रोकने के कारण उसके दाँत कटकटाने लगे.

भाषा इंडोनेशिया में शब्द भेद के आधार से विशेषण भी अकर्मक क्रिया का ही एक रूप है. अतएव इसी अकर्मक क्रिया रूप में ही उपरोक्त तीनों मध्य प्रत्ययों (एम) म, (एर) र, तथा (एल) ल का प्रयोग होता है.

अध्याय 9

गणनावाचक अंक

1. सामान्य अंक (संख्या), गणना वाचक.
2. संख्या सूचक शब्द.
3. क्रम वाचक संख्या.
4. भिन्न अंक, भाग, अंश तथा परिमाण, (पेचाहान).
5. मुद्रा.
6. घड़ी एवं समय सूचक, पनूनजूकान वाकतू.

भाषा इंडोनेशिया में सामान्य अंक (संख्या) गणना के लिए इस प्रकार हैं :

नोल, शून्य

1	सातू	एक
2	डूआ	दो
3	तीगा	तीन
4	एमपात	चार
5	लीमा	पाँच
6	एनाम	छः
7	तूजूह	सात
8	डलापन	आठ

9	संमबीलान	नौ
10	सपूलूह	दस
11	सबलास	ग्यारह
12	डूआबलास	बारह
13	तीगाबलास	तेरह
14	एमपातबलास	चौदह
15	लीमाबलास	पन्द्रह
16	एनामबलास	सोलह
17	जूजूह बलास	सत्रह
18	डलापन बलास	अठारह
19	समबीलाऩबलास	उन्नीस
20	डूआपूलूह	बीस
21	डूआ पूलूह सातू	इक्कीस
22	डूआ पूलूह डूआ	बाईस
23	डूआ पूलूह तीगा	तेईस
24	डूआ पूलूह एमपात	चौबीस
25	डूआ पूलूह लीमा	पच्चीस
26	डूआ पूलूह एनाम	छब्बीस
27	डूआ पूलूह तूजूह	सत्ताईस
28	डूआ पूलूह डलापान	अट्ठाईस
29	डूआ पूलूह समबीलान	उनतीस
30	तीगा पूलूह	तीस
40	एमपात पूलूह	चालीस
50	लीमा पूलूह	पचास
60	एनाम पूलूह	साठ
70	तूजूह पूलूह	सत्तर
80	डलापन पूलूह	अस्सी

90	समबीलान पूलूह	नब्बे
100	सरातूस	एक सौ
101	सारतूस सातू	एक सौ एक
122	सरातूस डूम्रा पूलूह डूम्रा	एक सौ बाईस
200	डूम्रा रातूस	दो सौ
274	डूआ रातूस तूजूह पूलूह एमपात	दो सौ चौहत्तर
300	तीगा रातूस	तीन सौ
400	एमपात रातूस	चार सौ
500	लीमा रातूस	पाँच सौ

आदि

गणना का क्रम हिन्दी की ही भाँति चलता है ; जैसे :

205	डूम्रा रातूस लीमा	दो सौ पाँच
1000	सरीबू	एक हज़ार
2004	डूम्रा रीबू एमपात	दो हज़ार चार
2006	डूम्रा रीबू एनाम	दो हज़ार छः
2056	डूआ रीबू लीमा पूलूह एनाम	दो हजार छप्पन
2738	डूम्रा रीबू तूजूह रातूस तीगा पूलूह डलापान	दो हज़ार सात सौ अड़तीस
3000	तीगा रीबू	तीन हज़ार
4000	एमपात रीबू	चार हज़ार

आदि

1000000	सजूता अथवा सातूजूता	दस लाख

1, सातू, जब किसी शब्द या समस्त पद के साथ जोड़ा जाता है तो उसका रूप 'स' - होता है. इसी को अनिश्चय सूचक बनाने के लिए सूआतू, कोई अथवा ससूआतू का प्रयोग किया जाता है ; जैसे :

पाडा सूआतू हारी	एक किसी दिन
पाडा सूआतू कतीका	एक अवसर पर
पाडा सूआतू मासा	एक समय पर
ससूआतू ओरॉंग	कोई व्यक्ति

वर्ग सूचक संख्या वाचक शब्द

एक, सातू (स)

एक का सूचक 'स' सदैव ही वर्ग सूचक शब्द से प्रथम लगाया जाता है, इसी प्रकार अन्य अंकों में वर्ग सूचक शब्द से पहले संख्याओं का स्थान होता है; जैसे :

वर्ग सूचक शब्द

उदाहरणार्थ :

बूआह (फल) सबूआह बूकू (एक पुस्तक)

ओरॉंग (आदमी) सओरॉंग लाकी लाकी, (एक आदमी)

'ओरॉंग' वर्ग सूचक शब्द का प्रयोग मनुष्यों के लिये ही किया जाता है :

सओरॉंग ओरॉंग ईंगरीस.

एक अथवा एक अँग्रेज़ (कोई एक).

सपूलूह ओरॉंग इनडीया.

दस भारतीय (भारत के व्यक्ति)

एकोर (पूँछ) वर्ग सूचक शब्द का प्रयोग पशुओं के लिए किया जाता है :

सएकोर करा	एक बन्दर
तूजूह एकोर बरूआँग	सात रीछ (भालू)

बूआह शब्द का प्रयोग बड़ो एवं भारी चीज़ों के लिए भी किया जाता है; जैसे :

मकान, जहाज़, पर्वत और फलों तथा भाववाचक संज्ञाओं के लिए भी किया जाता है :

डलापान बूआह सकोलाह	आठ विद्यालय
सबूआह गूनूँग	एक पर्वत

नोट : अक्सर दूसरा ओराँग शब्द का प्रयोग छोड़ दिया जाता है; जैसे :

ससओरांग ओरांग लाकी लाकी	का प्रयोग
ससओराँग लाकी लाकी	किया जाता है

बाताँग का प्रयोग किसी लम्बी चीज़ के लिए होता है

सबाताँग पोहोन	एक वृक्ष
डूआ बाताँग बामबू	दो बाँस के पेड़

ताँकाई अथवा कूनतूम का प्रयोग फूलों के लिए होता है

स ताँकाई बूंगा मादार	एक गुलाब का फूल
तीगा कूनतूम बूँगा मेलाती	चमेली के तीन फूल

हेलाई का प्रयोग चौड़ी एवं पतली चीज़ों के लिये होता है :

सहेलाई करतास	एक पेपर शीट
सबलास हेलाई सापूताँगान	ग्यारह रूमाल

बीडाँग का प्रयोग मैदान, भूमि भाग, क्षेत्र एवं उद्यान के लिये होता है :

सबीडाँग तामान — एक बाग़ीचा

लीमा बीडाँग साबाह — पाँच चावल के खेत

बीजी अथवा बूतीर का प्रयोग दाने, बीज या कोई भी चीज़ अनाज के दाने से मिलती-जुलती हो जैसे ; बीज, अनाज, हीरा, मोती तथा अंडे आदि ; जैसे : सबूतीर पलूरू, एक गोली

बीलाह का प्रयोग लम्बी एवं तेज़ धार वाली वस्तुओं के लिये होता है :

सबीलाह कापोक — एक कुल्हाड़ी

डूआ बीलाह पीसाऔ — दो चाकू

पूचूक का प्रयोग तेज़ एवं नुकीली चीज़ों के लिये होता है.

सपूचूक सूरात. — एक पत्र

बबरापा पूचूक बडील — कुछ राइफ़िलें

ऊतास का प्रयोग लम्बी एवं मुलायम चीजों के लिये होता है.

तीगा ऊतास पीता. — तीन रिबन (फ़ीते)

पोतोंग, केरात, चारीक का प्रयोग उन सब चीजों के लिये होता है, जिन्हें सरलता से काटा जा सके, फाड़ा अथवा तोड़ा जा सके ; जैसे :

सपोतोंग रोती — एक रोटी का टुकड़ा

सकेरात डागींग — एक गोश्त का टुकड़ा

सचारीक करतास — एक पेपर, एक काग़ज़ शीट

नोट : बहुतों में से एक का संकेत; जैसे :

सएकोर डारी कूडा कूडा ईतू — उन घोडों में एक घोडा

नियमानुसार वर्ग सूचक शब्द संख्या वाचक शब्द के बाद ही

रक्खा जाता है, और यह पूर्ण वाक्यांश संज्ञा से पहले ही स्थित होता है, जब विशेषण के परिमाण पर बल दिया जाता है, और जब संज्ञा पर विशेष बल होता है या दिया जाता है तो संख्या एवं वर्ग सूचक शब्द सबसे अन्त में रक्खे जाते हैं ; जैसे :

ईबू ममवली आयाम सएकोर, जरूक डूआ,

पूलूह बूआह डान तलोर सपूलूह बूतीर.

माँ ने एक मुर्गी, 20 नारंगियाँ और 10 अंडे खरीदे.

परन्तु साधारण रूप में वाक्य रचना का रूप इस प्रकार होता है ; जैसे :

ईआ मंगीरीम डूआ पूचूकसूरात.

उसने दो पत्र भेजे हैं.

क्रम वाचक संख्या

अ. 'क'- उपसर्ग को संख्या सूचक शब्द में जोड़कर क्रम वाचक संख्यायें बनाई जाती है; (परन्तु केवल परतामा प्रथम, अपवाद स्वरूप है)

कसातू	प्रथम
कडूआ	दूसरा
कतीगा पूलूह	तीसवाँ

क्रमवाचक सख्यायें संज्ञा शब्दों के बाद आती हैं; जैसे :

हाडीआह कडूआ	द्वितीय पुरस्कार

ब. जब क्रम वाचक संख्या संज्ञा से पहले रक्खी जाती है, तो केवल गणना के रूप में ही प्रयुक्त होती है, परन्तु उसका एक विशेष अर्थ होता है :

गाडीस कतीगा	तृतीय लड़की
ओराँग कडूआ	(दूसरे नम्बर का) व्यक्ति, द्वितीय

2. उपसर्ग 'बर'- के प्रयोग से संख्या सूचक शब्द क्रिया विशेषण अथवा विशेषण में परिवर्तित हो जाता है ; जैसे :

कामी बरलीमा	हम पाँच व्यक्ति थे
मेरेका माज़ू बरएमपात	वे चार-चार होकर
बरएमपात	आगे बैठे

जब संख्या को दस गुने रूप में रखकर 'बर'- उपसर्ग का प्रयोग किया जाता है, तथा संख्या को दोहराया जाता है, तो वह अनिश्चय वाचक संख्या सूचक विशेषण बनता है ; जैसे :

बरपूलूह-पूलूह मूरीड	दसियों विद्यार्णी
बरातूस-बरातूस सरडाडू	सैकड़ों सिपाही

नोट : प्रत्यय -'आन' का प्रयोग भी बहुलता का सूचक होता है, यदि वह संख्या सूचक शब्दों के साथ जोड़ दिया जाय: (परन्तु बिना दोहराये हुये) तो उसका संकेत इस प्रकार होता है ; जैसे :

रातूसान (रातूस+आन)	सैकड़ों
पूलूहान रीबू	दसियों हज़ार

अथवा

बरपूलूह बरपूलूह रीबू	दसियों हज़ार
बरातूस बरातूस रीबू	सैकड़ों हाज़ार

शब्द

सकाली	एक बार
डूआ काली	दो बार
तीगा काली	तीन बार
काली परतामा	प्रथम बार
काली कडूआ	द्वितीय बार
काली कतीगा	तृतीय बार

परतामा तामा	सबसे पहले, पहली (बात)
कडूआ	दूसरे, दूसरी (बात)
कतीगा	तीसरे, तीसरी (बात)

भाग अथवा अंश (परिमाण सूचक)

भाषा इंडोनेशिया में अंश या भाग एक सरल चीज़ है. इसे हिन्दी में दो को तीन भागों में बाँटना की ही भाँति है (दो बटा तीन) 2/3. परन्तु यह सीमा रेखा भाषा इंडोनेशिया में 'पर' को मध्य सर्ग की भाँति रखकर खींची जाती है; जैसे :

$\frac{1}{2}$, सातू पर डूआ (सपरडूआ) सतंगाह (आधा)

अथवा सपारोह (आधा)

दूसरी संख्याओं के साथ आधा (सतंगाह) का ही प्रयोग होता है.

$\frac{1}{5}$ सातू परलीमा अथवा सपरलीमा

$12\frac{1}{2}$ डूआबलास सतंगाह, आदि

अन्य सख्याओं के साथ सदैव ही (सपर) का प्रयोग होता है, परन्तु 'सातूपर' का प्रयोग नहीं होता ; जैसे :

$24\frac{1}{5}$ डूआपूलूह एमपात सपरलीमा, आदि.

संख्या सूचक पद

सातू पर सातू	एक के बाद एक
सातू सातू याँ	केवल एक ही व्यक्ति, अकेला ही
सातूआन अथवा कसातू आन	एकांश (टुकडी, नाप)
परसातूआन	संघ
सातू डूआ	एक या दो
कडूआ डूआ याँ	दोनों ही
कतीगा तीगा याँ	तीनों ही

कमबार डूआ	जुड़वाँ, दो
कमबार तीगा	जुड़वाँ तीन
कमबार एमपात	चार गुना
कमबार लीमा	पाँच गुना
परएमपातान	चौराहा
कमबलासान	(फ़ुटबाल) टीम (खिलाड़ियों की)

मुद्रा

इंडोनेशिया में दशमलव सिक्कों का प्रचलन है, तथा नोटों का विशेष प्रचलन है ;

प्रधान सिक्के इस प्रकार हैं :

रूपीयाह	रुपया
सेन	सेन्ट
रींगीत	ढाई रुपये

रूपीयाह 4+ रूपीयाह 5.9+
डीतामबाहकान — जोड़ा गया

रूपीयाह 10×2 रूपीयाह 20 ×
डी कालीकान डूआ — दुगुना किया गया

रूपीयाह 10 रूपीयाह 3.7 ×
डी कूराँगी. — कम किया गया

रूपीयाह 400÷रूपीयाह 50 --
डी बागी — भाग दिया गया, बाँटा गया

समय सूचक शब्द

पागी	प्रातःकाल
सीयाँग	दोपहर, दिन
सोरे	दोपहर बाद
पेताँग	सन्ध्या, शाम
मालाम	रात

जाम (पूकूल) बरापा सकाराँग ?

इस समय क्या वक़्त है, या कितने बजे हैं ?

जाम 7 पागी प्रात:काल के 7 बजे हैं

अथवा

सुबह 7 बजे का समय है

जाम सतंगाह डूआबलास सीयाँग दिन के साढ़े ग्यारह बजे हैं

जाम जाम मालाम. प्रात:काल के 2 बजे

जाम सपूलूह (10) मालाम शाम के 10 बजे

जाम 3 सोरे दोपहर के तीन बजे

जाम डलापान (8) लवात (लबीह) सपरएमपात

आठ बजकर 15 मिनट

अथवा

सवा 8 बजे

जाम डलापान (8) कूराँग सपरएमपात.

सात बजकर 45 मिनट

अथवा

पौने 8 बजे

नोट : (10) सपूलूह जाम (तीडाक पूकूल)
10 घन्टे (पूकूल शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता)

समय सूचक

7.45 तूजूह एमपात पूलूह लीमा 7 बजकर 45 मिनट

7.30 तूजूह तीगा पूलूह 7 बजकर 30 मिनट

2.12 डूआ डूआबलास 2 बजकर 12 मिनट

यदि प्रात:काल हो तो 'पागी' तथा रात को 'मालाम' शब्द का प्रयोग किया जाता है.

अभ्यास

भाषा इंडोनेशिया में लिखो :

अ. एक से लेकर तीस तक की संख्या.

ब. $5\frac{1}{2}$, $6\frac{1}{4}$, 3_{4}, $2\frac{4}{5}$

स. $4+7$ 11, $10—3.7$, 5×2 10. $20\div2$. 10.

द. रू० 11, रू० 540, रू० 615.85

3.5 बजे प्रातःकाल, 3 बजे दिन.

क. 6 बजे शाम, 1 बजे रात.

अध्याय 10

मूल शब्द का दोहराना

मूल शब्द का दोबारा दोहराना कई रूपों में प्रकट होता है; जैसे :

1. आनाक—मूल शब्द (संज्ञा) :
   आनाक आनाक, बच्चे (बहुवचन)
2. जालान—मूल शब्द (क्रिया) : बरजालान जालान.
   टहलते-टहलते जाता है.
3. तींगगी—मूल शब्द (विशेषण) : तींगगी तीगगी. ऊँचे-ऊँचे.

1. जब संज्ञा शब्द को दोहराया जाता है, तो उससे बहुवचन का बोध होता है.
2. जब क्रिया शब्द को दोहराया जाता है, तो उससे निरन्तर गतिशीलता का संकेत मिलता है.
3. जब विशेषण शब्द को दोहराया जाता है, तो उससे प्रभावोत्पादकता उत्पन्न की जाती है.

व्याकरण के नियमों के अनुसार मूल शब्दों से दोहराये हुए स्वरूप तीन प्रकार के होते हैं.

1. पूर्णरूपेण दोहराना : इस रूप में मूल शब्द को बिना किसी उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, प्रत्यय अथवा किसी प्रकार के ध्वनि परिवर्तित रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाता है.

नमूने :

अ. साया मनजूआल बारांँग बारांँग सूडारा.

मैंने आपकी सभी वस्तुयें बेच दी हैं.

ब. कडूआ पनजूडी ईतू बरतंकार मूला मूला.

प्रारम्भ में ही दोनों जुआरी लड़ने लगे.

आँशिक रूप (अपूर्ण) से दोहराना.

इस रूप में दोहराये हुये शब्द के साथ उपसर्ग, प्रत्यय एवं मध्य प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाये जाते हैं.

नमूने :

मूल शब्द लारी, दौड़ना (क्रिया)

अ. आडा याँग बरलारी लारी.

कुछ लोग बराबर लगातार दौड़ रहे हैं.

मूल शब्द+कनांँग.

याद करना, स्मरण करना, अथवा स्मरण (संज्ञा)

ब. बूकू ईनी साया कीरीमकान पाडामू सबागे कनांँग कनांँगान.

मैं यह पुस्तक आपको एक स्मरण के रूप में भेज रहा हूँ.

स. मूल शब्द तुरून, उतरना :

पंयाँकीत ईतू रूपायाँ पंयाकीत तूरून मनूरून.

यह बीमारी खानदान से चली आती हुई-सी प्रतीत होती है.

3. दोहराने से मूल शब्द में ध्वनि परिवर्तन होता है, जो किसी एक वाक्य खण्ड या पद का निर्माण करता है.

उदाहरणार्थ : ध्वनि परिवर्तन

अ. मूल शब्द : लाऊक, मसाला लाऊक पाऊक.
भाँति-भाँति के मसाले की चीज़ें.

ब. मूल शब्द : सरबा, पूर्ण, सभी प्रकार :
सरबा सरबी, विभिन्न प्रकार के.

स. मूल शब्द : हूरूहारा, विद्रोह :
हूरूहारा, विप्लव, संघर्ष की स्थिति.

मूल शब्दों के दोहराने के भिन्न अर्थ एवं संकेत :

अनिश्चय बोधक बहुलता (बहुवचन संज्ञा द्वारा)

अ. मूल शब्द : माँगगा आम, माँगा माँगा.
विभिन्न प्रकार के आम.

ब. मूल शब्द : सपातू, जूते, सपातू सपातू, सभी प्रकार के जूते

स. मूल शब्द : बूआह, फल, बूआह बूआहान.
विभिन्न प्रकार के फल.

द. मूल-शब्द : सायूर, सब्ज़ी, सायूर सायूरान.
हर प्रकार की सब्जियाँ

2. गुणबोधक, स्थिति, परिस्थिति, काल एवं कार्यकाल को गम्भीरता, गहराई एवं बलपूर्ण, प्रकट करने के लिये मूल शब्द को दोहराया जाता है.

परहीयासान, ज़ेवर, साज-सज्जा प्रसाधन
परहीयासान परहीयासान विभिन्न प्रकार के गहने
बरहाबीस हाबीसान पूर्ण समाप्ति
(बर—आन) 'बर'- तथा -'आन' के मेल से)
सबाईक बाईक याँ सर्वोत्तम रूप में
('स'- तथा -'याँ' के मेल से)

3. **समानता प्रकट करना**

कभी-कभी समानता दिखाने के लिये संकेतात्मक प्रयोग किये जाते हैं ; जैसे :

आनाक आनाक ईतू बरमाईन माईन पराँग पराँगान डी पकूबूरान.
छोटे बच्चे युद्ध का एक खेल कब्रिस्तान में खेल रहे हैं.

4. क्रिया का दोहराना (केवल मूल धातु रूप दोहराया जाता है) उनके द्वारा समय की अनिश्चितता, स्थिति अथवा कार्य का निरन्तर गतिशील रूप में अर्थ स्पष्ट किया जाता है ; जैसे :

साया हाइयाँ मलीहात लीहात साजा.
मैं केवल बार-बार (चारों ओर) देख रहा हूँ.

पारस्परिक कार्य

पारस्परिक कार्य दिखाने में कर्त्ता बहुवचन में होना चाहिए. यह परिस्थित दो प्रकार के प्रयोगों से संभव हैं;

1. 'बर'- उपसर्ग+-'आन' प्रत्यय ;

2. 'म'- उपसर्ग को दूसरे शब्द (मूल शब्द) के साथ जोड़कर पारस्परिक कार्य की परिस्थिति को प्रकट किया जाता है :

नमूने :

कडूआ लाबान ईतू बरहानताम हानतामान.

अ. हानताम, मारना : दोनों विरोधी व्यक्यों ने एक दूसरे को मारा है.

ब. सालाम, नमस्कार करना.

मेरेका बरसालाम सालामान.

वे एक-दूसरे को नमस्कार करते हैं.

स. तोलोंग सहायता करना :

मारीलाह् कीता सालींग तोलोंग मनोलोंग.

आइये, हम सब एक-दूसरे की सहायता करें.

द. सूरात, पत्र लिखना :

सूरात मंयूरात डेंगान ओराँग ओराँग डीसलूरूह् डूनीया आमात मनारीक.

सम्पूर्ण विश्व के लोगों से पत्र-व्यवहार बडी ही आकर्षक चीज़ है.

शब्दों की सूची जिनका प्रयोग दोहराये जाने पर अर्थान्तर उपस्थित करता है.

आपा आपा	कोई वस्तु, कोई बात
सीआपा अपा	कोई व्यक्ति, किसी आदमी
डीमाना माना	कहीं भी, प्रत्येक स्थान पर
कापान कापान	किसी और समय (कभी-कभी, बाद में)
हामपीर हामपीर	लगभग
मासींग मासींग	प्रत्येक
पारू पारू	फेफड़े
परतामा परतामा	सबसे पहले, सबसे प्रथम
मूला मूला	सर्व प्रथम
सओलाह् ओलाह्	ज़ैसे, इस तरह
सआकान सआकान	जैसे इस तरह
तीबा तीबा	अचानक
सकोयोंग सकोयोंग	अचानक, एकदम
कीरा कीरा	संबंध में, लगभग
बरसामा सामा	साथ-साथ

स कूराँग कूराँग याँ	कम से कम (जितना कम संभव हो सके)
सकाली सकाली	कभी कभी
सवाकत सवाकतू	कभी कभी
सकाली काली तीडाक	कभी नहीं
लबीह लबीह	विशेष रूप से, ख़ासतौर से
बर-आँगसूर आँगसूर	इन्सटॉलमेंट्स में, (कई भागों में)
मोगा मोगा	मंगल कामना की आशा करना
मूडाह मूडाहान	शुभ आशायें पूर्ण होंगी
आने आने	सफ़ेद चींटी
आबा आबा	आज्ञा
आँगान आँगान	विचार
आलाँग आलाँग	नरकुल
आगार आगार	सरेस
आलून आलून	नगर का प्रधान क्षेत्र
आनतींग आनतींग	कर्णफूल
बीरी बीरी	भेड़
बायाँग बायाँग	छाया
गारा गारा	वह परिणाम जिसकी आशा न हो, अज्ञात कारण होना
बालींग बालींग	जहाज़ का पंखा (आगे बढ़ाने वाला)
गराक गरीक	कार्य, तरीका, गतिशीलता, गतिविधि
गूना गूना	जादूगरी
डसास डसूस	उड़ती ख़बर

हूजान रीनतीक रीनतीक	वर्षा की फुहारें पड़ना
ईसंग ईसंग	समय व्यतीत करना
कूनाँग कूनाँग	खद्योत, जुगनू
कूपू कूपू	तितली
कूरा कूरा	कछुग्रा
ईकान लूमबा लूमबा	समुद्र की बड़ी मछली
लायाँग लायाँग	पतंग
लाबाह् लाबाह	मकड़ी
कानाक कानाक	छोटे बच्चे (दुधमुँहे)
ग्रोलेह ग्रोलेह	भेंट
लाकी लाकी	पुरुष, पुँल्लिग, ग्रादमी
लाँगीत लाँगीत	छत
सूडत सीकू सीक	90 ग्रंश का कोण
तेका तेकी	कूट प्रश्न, कठिन प्रश्न
ऊनडाँग ऊनडाँग	कानून, नियम
बर- माचाम माचाम	विभिन्न प्रकार के
बर- बागे बागे	विभिन्न प्रकार के
बर- जनीस जनीस	विभिन्न प्रकार के
बर- रूपा रूपा	विभिन्न किस्मों के
हामपीर हामपीर तीडाक	कठिनता से
स- बेनाँग बेनाँग	ग्रपनी इच्छा से
चूमा चूमा	मुफ़्त, बिना किसी पैसे के
तर गसा गसा	जल्दबाजी में, जल्दी से
तर बूरू बूरू	जल्दी में
हाती हाती	चतुरता से
सामार सामार	धुँधला, ग्रस्पष्ट

चोमपाँग चाँमपींग	फटे वस्त्र
राता राता	समान रूप से
मनताह मनताह	पक्के इरादे से
माती माती -ग्रान	अथक प्रयास से
लूनताँग लानतूँग	सुस्त, व्यर्थ समय नष्ट करने वाला
बर- लीमपाह लीमपाह	अधिकता
बर- लबीह लबीह	ग्रधिकता
बोलाक बालीक	यहाँ ग्रौर वहाँ, आना जाना
मोनडार मानडीर	इधर-उधर
पूरा पूरा	बहाना करने के लिये किसी ग्रौर रूप में प्रकट होना
तर सराक सराक	ग्रव्यवस्थित रूप में
कूचार काचीर	ग्रव्यवस्थित
मोरात मारीत	ग्रव्यवस्था
पर (प)- लाहान लाहान	धीमा, मुलायम
पलान पलान	धीरे धीरे
गीलाँग गमीलाँग	चमकता हुग्रा,चकाचौंध करने वाला
बंकाक- बंकोक	घुमाना, मोड़ना
बर लीकू लीकू	घुमावदार, चक्करदार
लकाक लकूक	ऊबड़-खाबड़ (सड़क)
तराँग तराँगान	स्पष्ट, स्पष्ट रूप से
रागू रागू	सन्देह की ग्रवस्था, भ्रम में पड़ना
ग्रोलोक ओलोक	मज़ाक उड़ाना
गंमबार गमबोर	चारों ओर घोषणा करना
बर डूयून डूयून	इकट्टे होकर चलना
बर सनाँग सनाँग	ग्रानन्द लेना, मज़े उड़ाना

ब- रामे रामे	किसी कार्य को शोर मचाते हुए साथ साथ करना
तर- ओमबाँग ग्रामबींग	किसी जलयान का ऊपर उठना एवं नीचे आना (लहरों के द्वारा)
तर- एंगाह् एंगाह्	हाँफना, तीव्र इच्छा करना
मीनता मीनता	माँगना
तर बाह्ाक बाह्ाक	ठहाका मारकर हँसना
बर जालान जालान	धीरे-धीरे टहलना
बर ऊलाँग ऊलाँग	बार-बार, दोहराना

अभ्यास

निम्नाँकित वाक्यों में शब्दों को दोहराकर उनके उचित स्थान पर प्रयोग करो :

1. ओराँग ईतू मनजूआल बाराँगयाँ (मूराह्).
2. (आनाक) तताँगगा साया (माईन) सपाक बोला.
3. ईकातलाह् ताली ईनी (एरात).
4. लेमपारकान लमबींग ईतू (जाऊह्).
5. बेनडेरा (रोबेक) ओलेह् कौम पमबरोनताक

2. समास

1. संज्ञा समस्त पद
2. विशेषण समस्त पद
3. क्रिया समस्त पद

दो शब्दों के योग से समास बनता है जो किसी तृतीय अर्थ का द्योतक होता है. शब्द के दो भाग होते हैं, और अधिकतर दोनों

ही शब्द अलग-अलग अर्थों को प्रकट करते हैं, तथा दोनों ही शब्दों में प्रत्येक मूल शब्द होता है, जिसका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है, परन्तु उन दोनों का योग होने पर एक विभिन्न एवं नवीन पद या शब्द बनता है, जिसका अर्थ अपना ही अलग होता है. इस प्रकार दो शब्दों का मेल तीसरे स्वतंत्र शब्द का निर्माण करता है, उसे समास या समस्त पद कहते हैं.

1. संज्ञा समास (समस्त पद)

अ. संज्ञा+संज्ञा का मेल अथवा योग

इन रूपों में दोनों शब्दों के मूल रूप एक-दूसरे के विपरीत होते हैं ;

तूआ- मूडा — बूढ़ा-जवान (सभी अवस्थाओं के पुरुष)

सीयाँग-मालाम — दिन रात (प्रत्येक समय, हर वक़्त)

ईबू- बापाक — माता-पिता (एकार्थी शब्द)

ब. समान रूप वाले समस्त पद

मेजा कूरसी — मेज़ा कुरसी (सभी इस्तेमाल की चीज़ें आदि)

सानाक सूडारा साया — मेरे सभी सम्बन्धी

हूतान रीमबा — सघन वन

स. दोनों में से एक-दूसरे का गुण बोधक हो

सापू ताँगान — बुहारना (पोंछना), हाथ (हाथ पोंछने का कपड़ा) रूमाल

साकीत गीगी — बीमार, दाँत (दन्त-पीड़ा)

माता हारी — आँख, दिवस (सूर्य)

द. जब, पहला शब्द. दूसरे की विशेषता का बोधक हो

लंगान बाजू — बाँह, वस्त्र (वस्त्र की बाँह)

कपाला सकोलाह   मस्तक, स्कूल (प्रधानाध्यापक)

ताली सपातू   डोरी, जूता (फ़ीता)

ई. दूसरा शब्द पहले की और अधिक व्याख्या करता है :

नगारा आराब   देश, अरब (अरब देश)

तूकाँग कायू   काम करने वाला, लकड़ी (बढ़ाई)

डोकतर माता.   डाक्टर, आँख (आँख का विशेषज्ञ)

2. संज्ञा+विशेषण का योग

ओरांग तूआ   आदमी, पुराना (बूढ़ा)

राजा मूडा   राजा, युवक (युवराज)

3. संज्ञा + धातुरूप (क्रिया) का योग

करतास तूलीस   लिखने का काग़ज़ (लेख पत्र)
(काग़ज़, लिखना)

कामार माकान   कमरा, खाने का (भोजन का कमरा)

कूडा वालाप   घोड़ा, दौड़ना (घुड़ दौड़)

नोट : बिना'—' चिन्ह, पोहोन पोहोन माँगगा उच्चारण होगा
(पोहोन पोहोन, माँगगा)

अन्यथा संज्ञा समास के दोनों पदों को बहुवचन के लिये दोहराया जाता है ; जैसे : कामार माकान माकान (उच्चारण) अथवा कामार- माकान, कामार- माकान.

विशेषण समास अथवा समस्त पद

1. विशेषण + विशेषण का योग

दोनों ही शब्द अर्थ को बल पूर्ण एवं प्रभावोत्पादक बनाते हैं.

अ. लमाह लमबूत   शिष्ट एवं सौजन्य (सौजन्यपूर्ण,)

ईनडाह परमाई   सुन्दर, आकर्षणपूर्ण (अति सुन्दर सुन्दरतम,

हानचूर लबूर   नष्ट-भ्रष्ट, टूट-फूट (पूर्ण रूपेण समाप्त)

ब. द्वितीय, शब्द पहले की विशेषता, सिद्ध करता है.

मेराह तूग्रा	लाल, पुराना (गहरा लाल) रक्तवर्ण
हीजौ मूडा	हरा, नवीन (हल्का हरा रंग)

2. विशेषण + संज्ञा का योग

पहला शब्द दूसरे शब्द का गुण बोधक शब्द ग्रंलकार के रूप में होता है ;

करास कपाला	कड़ा (कठिन), मस्तक= जिद्दी, गुस्सैल
पाँजाँग ताँगान	लम्बे, हाथ (चोर)
मूका डूग्रा	मुख, दो (झूठा)

क्रिया समास (समस्त पद)

उपसर्ग का प्रयोग क्रिया समास में प्रथम धातु रूप में जाता है.

ग्र. ममबाबी- बूता	ग्रन्धा होकर कार्य करना (बाबी=सुग्रर)
बरमाईन- माता	ग्राँखें चलाना (माईन=खेलना)
मंग ग्राडू- डोमबा	एक-दूसरे से भिड़ाना (ग्राडू, लड़ना, डोमबा—मेढ़ा)
बर तरीमा- कासीह	धन्यवाद देना (तरीमा- स्वीकार करना, कासीह-प्यार,

ब. उपसर्ग का प्रयोग प्रथम शब्द में तथा प्रत्यय का प्रयोग दूसरे शब्द (धातु रूप) में किया जाता है.

मंगहानचूर लबूरकान	पूर्ण रूपेण नष्ट-भ्रष्ट कर देना
मंयातूपाडूकान.	एकीकरण करना

शब्द

मंयूरूह	ग्रागा देना, करना
माजमूक	समास, समस्त पद

बीयासायाँ	साधारण रूप से
जाम जाम याँग रामे	भीड़ का समय
ग्रामरीका सरीकात	ग्रमेरिका
बरतमासा	पिकनिक के लिये बाहर जाना
कबाकारान	ग्राग
पतानी	कृषक, किसान
पमनाँग	विजेता, विजयी
परजालानान	यात्रा, सफ़र
पूसात कोता	शहर का केन्द्र स्थल
कासीह पाडा	प्रेम पात्र
लागी पूला	इसकी ग्रपेक्षा
मासीह	ग्रब तक
पमबूनूह	क़ातिल, क़त्ल करने वाला
मंयामपायेकान	पहुँचाता है
मंगहीडाँगकान	समक्ष प्रस्तुत करता है, परोसता है
लज़ात	मधुर, जायकेदार
मनचारी नाफ़काह	ग्राजीबिका प्राप्त करता है
सरींग	ग्रक्सर
ग्रनतारा	मध्य में, दूरी

ग्रभ्यास

निम्नांकित समासों का वाक्यों में प्रयोग करो :

ग्राँकातान-ऊडारा, पोसार-मालाम, रूमाह-माकान, लालू-लीनतास, डूता-बसार, सूरात कपरचाया ग्रान, बाईक-हाती, हारी-लीबूर, पापान-तूलीस, बसार-कपाला.

अध्याय 11

वाक्य रचना (गात्र)

भाषा इंडोनेशिया धातु प्रधान अथवा क्रिया प्रधान भाषा नहीं है, इसमें पदों अथवा वाक्य-खंडों की ही प्रधानता है, परन्तु यूरोपीय भाषाओं के प्रभाव के कारण वाक्य रचना पर काफ़ी मात्रा में विदेशी प्रभाव भी दृष्टिगोचर हो रहे हैं. फिर भी शब्द क्रम की व्यवस्था ही वाक्य में प्रधान होती है. वाक्य खण्ड के इस रूप को भाषा इंडोनेशिया में गात्र (गातरा) कहते हैं, जिनका निर्माण अर्थ के अधार से ही होता है और उन वाक्य खण्डों को आवश्यकतानुसार स्थानान्तरित भी किया जा सकता है, परन्तु इससे वाक्य में अर्थ परिवर्तन नहीं होता. यूरोपीय भाषा परिवार की भाँति उद्देश्य के स्थान पर कर्त्ता एवं विधेय के स्थान पर सदैव ही क्रिया का होना आवश्यक नहीं है. वाक्य रचना का आधार बात का मुख्य विषय तथा उसके बाद व्याख्या अथवा टीका भी होती है और अधिकतर वाक्य भाषा इंडोनेशिया में इसी प्रकार के होते हैं. मलय-पोलीनीशियाई परिवार में कर्तृ वाच्य की प्रधानता नहीं है. अधिकतर वाक्यों में कर्त्ता छिपा रहता है, अथवा बाद में कहीं संकेतात्मक रूप में आता है. प्रायः कर्मवाच्य का प्रयोग होता है. इस प्रकार वाक्य रचना का आधार ही गात्र (गातरा) है, जो या तो कोई शब्द हो सकता है, अथवा कोई पद या वाक्य खण्ड. इसीलिये भाषा इंडोनेशिया में वाक्य रचना का आधार इस प्रकार है ; जैसे :

कूडा	पूतीह	ईतू	बरलारी	डेंगान	चपात
घोड़ा	सफेद	वह	दौड़ता है	से	तीव्रता

वह सफेद घोड़ा तीव्रता से दौड़ता है.

हिन्दी भाषा में यह वाक्य उद्देश्य एवं विधेय के ग्राधार से सही बैठता है, परन्तु यदि इस वाक्य के विभिन्न रूप प्रस्तुत किये जायें तो उद्देश्य एवं विधेय के स्थान पर विषय तथा व्याख्या का ही संयोग दिखाई देगा; जैसे :

डेंगान चपात/कूडा पूतीह ईतू/बरलारी
बरलारी/कूडा/पूतीह ईतू/डेंगान चपात
वह सफ़ेद घोड़ा तीव्रता से दौड़ता है.

इस प्रकार स्पष्ट है कि इस भाषा में शब्द, तथा शब्द क्रम की इकाई गात्र (गातरा) ग्रथवा वाक्य खण्ड की ही प्रधानता है, जिसने वाक्य रचना को ग्रनुपम गत्यात्मकता प्रदान की है, तथा सम्पूर्ण वाक्य क्रिया के ग्राधार पर नहीं चलता, प्रत्येक गात्र (गातरा) का ग्रपना-ग्रपना स्थान है, ग्रौर स्पष्ट ग्रर्थ भी. ग्रब यह प्रश्न हो सकता है कि यूरोपीय परिवार की भाषाग्रों से यह परिवार इतना ग्रलग क्यों है ? इसका एकमात्र उत्तर यही है कि प्रत्येक मानव के सोचने का ढंग एवं ग्रभिव्यक्ति अपनी ग्रलग वस्तु है ग्रौर भाषा ही उसका सांस्कृतिक स्रोत है, जो ग्रब मानव शास्त्र के विद्वानों की दृष्टि में गहरे ग्रध्ययन का विषय है. मलय भाषा परिवार उन देशों में बसने वाले मानवों के विचारों का प्रतीक ही है. केवल इंडोनेशिया में ही लगभग 200 विभिन्न वर्गों के लोग हैं, तथा प्रान्तीय एवं प्रादेशिक भाषाग्रों के रूप भी प्रो० डॉ० बेर्ख़ के ग्रनुसार ये वर्ग दो सौ बोलियों तथा भाषाग्रों के द्वारा ग्रपनी-ग्रपनी ग्रभिव्यक्ति करते हैं. इनमें भाषा कावी (मध्य जावा) सुण्डा मदुरा तथा बाली द्वीप की भाषायें मलय भाषा की भाँति ही समृद्ध हैं ग्रौर कई ग्रर्थों में उससे अधिक समृद्ध हैं, परन्तु इन भाषाओं की वाक्य रचना या संरचना में कोई मौलिक ग्रन्तर नहीं है. यही कारण है कि मलय भाषा पर ग्राधारित ग्राधुनिक भाषा इंडोनेशिया का विकास इतनी शीघ्रता से संभव हो सका.

वाक्यों के नमूने

1. ग्रानाक डाताँग. स० + क्रिया
बच्चा ग्राया है.

2. आनाक बलो नासी स० + क्रिया + कर्म
बच्चा भात ख़रीदता है.

3. आनाक बलीकान साया नासी संज्ञा + क्रिया + सर्वनाम + संज्ञा
बच्चा ख़रीदता है मेरे लिये भात.

4. ग्रानाक मानीस संज्ञा + विशेषण
बच्चा सुन्दर है.

5. ग्रानाक तूकाँग रोकोक. संज्ञा + संज्ञा
बच्चा सिगरेट बेचने वाले व्यक्ति का है.

उपरोक्त, वाक्य रचना में सहायक क्रियायें—हैं, 'है', था, 'थे' 'थी' आदि का प्रयोग नही होता.

भाषा इंडोनेशिया में वाक्य उन शब्दों का क्रमबद्ध सन्तुलन है, जिनका ग्रर्थ स्पष्ट होता है ग्रौर जिससे व्यक्ति ग्रपनी भावना प्रकट करता है, परन्तु भाषा इंडोनेशिया में इन ग्रभिव्यक्तियों के विभिन्न स्वरूप हैं.

वाक्यों के दो प्रधान भेद हैं

1. साधारण वाक्य 2. संयुक्त एवं मिश्र वाक्य

साधारण वाक्य

1. आयाहकू सौडागार. संज्ञा + संज्ञा
मेरे पिता व्यापारी हैं.

2. ईबू मनूलीस. सं० + क्रि०
माँ लिखती है.

3. ग्राडीक साकीत. सं० + विशेषण
वहिन बीमार है.

4. तूहान सातू.
   ईश्वर एक है. (सं० + गणना सूचक शब्द)

5. तमानमू साया जूगा. संज्ञा + सर्वनाम
   तुम्हारा मित्र मेरा भी मित्र है.

6. मातीयाँ तीबा तीबा संज्ञा + क्रिया विशेषण
   उसकी अचानक मृत्यु हो गई.

7. मासूक नोना क्रिया + सर्वनाम
   कुमारी जी, अन्दर आइये.

8. ईनी डीया. यह वह है. सर्वनाम + सर्वनाम

9. ईया पाँडे. वह चतुर है. सर्वनाम + विशेषण

10. कामी बरडूआ. हम दो हैं. सर्व० + गणना वा०

11. साया माकान. मैं खाता हूँ. सर्वनाम + विशेषण

इस प्रकार इन्हीं वाक्यों का विस्तार विभिन्न प्रकार के अन्य शब्दों या गात्रों (वाक्य खंडों) द्वारा किया जाता है; जैसे :

ईबू मनूलीस सूरात. माँ ने पत्र लिखा.

ईबू मनूलीस सूरात कपाडा आडीक साया.

माँ ने मेरी छोटी बहिन को पत्र लिखा.

इस प्रकार संयोगात्मक शब्दों द्वारा ; जैसे : विशेषण, क्रिया विशेषण, संज्ञा पद आदि के द्वारा वाक्य का विस्तार संभव है.

वाक्य कई प्रकार के होते हैं, उनके उदाहरण निम्नांकित हैं : कालीमात, वाक्य.

1. कालीमात बरीता. सूचनात्मक वाक्य, जो किसी प्रकार की सूचना देता है; जैसे :

   सी आमीन काया. श्री आमीन धनी हैं.

2. कालीमात परीनताह. — आज्ञा सूचक वाक्य.
परगी ! — जाओ !
कलूआरलाह ! — बाहर निकलो !

3. लाराँगान. — वर्जित करना
जाँगान परगी ! — मत जाओ !
जाँगान मासूक ? — प्रवेश निषेध है ?

4. आजाकान — निमन्त्रण सूचक वाक्य
सीलाकान मासूक नोना ! — कुमारी जी कृपया अन्दर आइये !

5. परमीनताआन अथवा परमोहोनान. — प्रार्थना सूचक वाक्य
हाराप डाताँग तूआन सूडी करूमाह कामी.
आशा है कि आप कृपया मेरे घर आयेंगे.

6. कालीमात ताइयाँ — प्रश्न सूचक वाक्य
बातूकाह ईनी ? — क्या यह पत्थर है ?

7. कालीमात परजानजीआन, प्रतिज्ञा सूचक वाक्य
कालौ ईआ परगी, सायापून परगी.
यदि वह जाता है, तो मैं भी जाऊँगा.

8. कालीमात पंगहारापान. आशा सूचक वाक्य
मूहाड मूडाहान साया आकान लूलूस डालाम ऊजीआन ईनी.
मैं आशा करता हूँ, कि इस परीक्षा में अवश्य पास हो जाऊँगा.

साधारण वाक्यों का विस्तार भी होता है, और उनके साथ कई वाक्यांश भी जोड़ दिये जाते हैं, इस प्रकार योगात्मक वाक्यों में दो रूप प्रधान रूप उभरते हैं; जैसे :

1. संयुक्त वाक्य : जिसमें दो प्रधान वाक्य होते हैं और उनका स्तर एक-सा ही होता है तथा अन्य वाक्य उनके आश्रित होते हैं; जैसे :

अ. आडीकयाँ पाँडे ततापी काकाकयाँ बोडोह,
उसकी छोटी बहिन चतुर है, परन्तु उसकी बड़ी बहिन मूर्ख है.

ब. ओराँग इतू आमात बाईक डान डेंगान रामाहयाँ ईआमंयामबूत कडाताँगान कीता.

वह व्यक्ति अच्छा है और उसने हम सबके आने का स्वागत बड़े उत्साह से किया है.

2. मिश्र वाक्य जिसमें एक ही प्रधान वाक्य होता है तथा अन्य वाक्य उसके आश्रित होते हैं; जैसे :

अ. साया साँका बाहवा आडा ओराँग डीकामार,
मैं शक करता हूँ, कि कमरे में लोग हैं.

सूचनार्थक शब्द तथा परोक्ष एवं अपरोक्ष वाक्य रूप

1. घोषणा सूचक वाक्य
2. प्रश्नार्थक वाक्य
3. आज्ञार्थक वाक्य

भाषा इंडोनेशिया में काल सूचक शब्द तो हैं, परन्तु हिन्दी की भाँति समय बोधक शब्दों का सर्वथा अभाव है, जो क्रिया का समय निर्धारित करते हैं, अतएव वाक्य बड़ी सरलता से बन जाता है और विभक्ति तथा कारकों के अभाव में भाषा का ढाँचा काफ़ी सरल हो गया है. केवल पुरुषवाचक शब्दों में परिवर्तन होता है तथा आश्रितार्थक वाक्यांश सदैव हो समुच्चय बोधक शब्द 'बाहवा' (कि) ही जोड़कर आगे बढ़ाया जाता है, जिसको कभी भी सूचनार्थक वाक्यों में छोड़ा नहीं जा सकता.

बाहवा, कि, का प्रयोग

नमूने :

ईआ बरकाता, "साया साकीत" (परोक्ष रूप वाक्य)
उसने कहा, "मैं बीमार हूँ,"

ईश्रा बरकाता बाह्वा ईश्रा साकीत (अपरोक्ष रूप वाक्य)
मेरेका मनजावाब "कामी बलूम माकान".
मेरेका मनजावाब बाह्बा कामी बलूम माकान.

जब सूचनार्थक शब्द प्रत्यक्ष रूप से वाक्य में होते हैं तो उनको वाक्य के अन्त में रक्खा जाता है और उपसर्ग अथवा प्रत्यय का प्रयोग नहीं होता, इस प्रकार वह अपने मूल रूप में ही क्रिया बोधक होता है, परन्तु संबंधसूचक शब्द 'याँ' उसके बाद ही रहता है, जो कर्त्ता का बोधक है.

कर्त्तृवाच्य द्वारा प्रयोग
"ओराँग इतू मालास" कातायाँ.

"वह व्यक्ति आलसी है," उसने कहा (कहा उसने).

कर्मवाच्य के प्रयोग द्वारा इस प्रकार के अपरोक्ष रूप वाक्यों का प्रयोग होता है.

1. डीकाताकानयाँ बाह्वा ओराँग ईतू मालास.
   उसने कहा कि वह व्यक्ति आलसी है.

2. बाह्वा (कि) को अक्सर छोड़ दिया जाता है, जबकि वाक्य का प्रारम्भ प्रश्नार्थक शब्द से होता है; जैसे :
   ओराँग ईतू बरताइयाँ कपाडाकू "डीमाना रूमाह्मू ?"

   अथवा

   ओराँग ईतू बरताइयाँ कपाडाकू डीमाना रूमाह्कू ?"

   उस व्यक्ति ने मुझसे पूछा तुम्हारा घर कहाँ है. अथवा

   उस व्यक्ति ने पूछा मेरा घर कहाँ है ?

3. प्रश्नार्थक वाक्य के आश्रितार्थक वाक्यांश में किसी विशेष प्रश्नसूचक शब्द का प्रयोग नहीं होता, केवल आपाकाह, क्या तथा यदि, का ही प्रयोग होता है.

नमूने :

पाक गूरू बरताइयाँ, "कामू सूडाह बाचा बूकू ईतू ?"

अध्यापक ने पूछा, "क्या तुमने उस पुस्तक को पढ़ लिया है?"

पाक गूरू बरताइयाँ,"आपाकाहकामू सूहाड बाचा बूकू ईतू ?"

अध्यापक ने पूछा, क्या तुमने उस पुस्तक को पढ़ लिया है ?

"कामू सूका नासी गोरेंग," ताइयाँयाँ.

"तुमको तला हुआ चावल पसन्द है, उसने पूछा.

ईआ बरताइयाँ, "आपाकाह साया सूका नासी गोरेंग ?

उसने पूछा, "क्या मैं तले हुये चावल पसन्द करता हूँ ?"

4. आज्ञार्थक वाक्यों में क्रिया का प्रयोग सर्व प्रथम होता है :

मंयूरूह	हुक्म देता है.
ममरीनताहकान,	शासन करता है
परगीलाह	जाओ, जाइये

ईआ मंयूरूह साया परगी, उसने मुझे जाने का हुक्म दिया है.

5. प्रार्थना सूचक क्रियायें

'ममपरसीलाकान'	प्रार्थना करता है
तथा 'मीनता,'	पूछना.
मासूकलाह!	अन्दर आओ, अन्दर आइये.

ईआ ममपरसीलाकान कामी मासूक.
उसने हमसे अन्दर आने को कहा.

6. निषेधार्थक आज्ञा सूचक शब्द इस प्रकार हैं :

मलारॉंग वर्जित करता है

अथवा

जाँगान ऐसा मत करो (वर्जित करना)

जाँगान मीनूम मीनूमान करास. शराब मत पियो.
ईया मलारॉंग साया मीनूम मीनूमान करास.
उसने मुझे शराब पीने से मना किया है.

भाषा इंडोनेशिया में निषेधार्थक शब्द क्रिया के प्रारम्भ में ही रक्खे जाते हैं; जैसे :

ईश्रा तीडाक ममपरबोलेह्कान साया माकान.

उसने मुझे खाने की श्राज्ञा नहीं दी.

शब्द

लामपू सपेडा	साईकिल का लैम्प
मनचूरी	चुराता है, चोरी करता है
कसेहातान	स्वास्थ्य
मनूँगगू	प्रतीक्षा करता है
लामा	लम्बा (समय सूचक)
पानजाँग	लम्बा (माप सूचक)
पेगाँग	पकड़ना
सरू	संबोधित करना
ऊजार	कहा, बोला
सलेसाई	समाप्त करता है
मंयेलेसाईकान	समाप्त करता है (सकर्मक)
मलाकूकान	करता है, कार्य करता है
श्राडा परताइयाँश्रान?	कोई प्रश्न है ?

अभ्यास

1. सीश्रापा गाडीस ईतू ? ताइयाँयाँ.
2. ईश्रा ममरीनताह्कान कपाडाकू "जाँगान कलूश्रार".
3. परगीलाह ! सरूयाँ कपाडा पंगमीस ईतू.
4. ईश्रा वरकाता "श्रारलोजी साया डीचूरी श्रोराँग".
5. पाक गूरू बरताइयाँ, "आडा परताइयाँश्रान".

सयुच्चय बोधक शब्द तीन प्रकार के होते है :

1. एक ही स्तर के समुच्चय बोधक शब्द यौगिक वाक्य या

संयुक्त वाक्य का निर्माण करते हैं, इसमें दो प्रधान वाक्य होते हैं, ये शब्द पद रचना भी करते हैं.

2. वह शब्द, जो एक ही समान स्तर के समुच्चय बोधक शब्द नहीं हैं, उनमें एक वाक्य प्रधान होता है. तथा अन्य वाक्यांश आश्रित होते हैं, इन शब्दों के संयोग से मिश्रित या मिश्र वाक्य अथवा पद बनता है.

3. वे शब्द, जो पारस्परिक रूप में एक-दूसरे से संबद्ध हैं, वे भी विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं पदों की रचना करते हैं.

समान स्तर के समुच्चय बोधक शब्द

अ. योजक शब्द

डान	और
ततापी	परन्तु, तथापि
नामून	फिर भी
आताऔ	अथवा
मालाहान	इसकी अपेक्षा
डेंगान	द्वारा
बाहकान	इसकी अपेक्षा
लागी	और अधिक
पूला	भी
पाडाहाल	जबकि
सडाँगकान	जबकि

असमान स्तरीय संयोजक शब्द :

अ. सामयिक समानता सूचक शब्द :

सामबील	उसी समय, एक ही साथ
सराया	साथ-साथ

ब. समय सूचक शब्द :

सेजाक	निश्चित समय का द्योतक
सहींगगा	उस सीमा तक, उस समय तक
डमी	उसके बाद
समनजाक	निश्चित समय का द्योतक
ससूडाह, सबलाह	पश्चात्
सबलूम	पहले
सामपे	उस समय तक
सडारी	जब तक
सलामा	उस समय तक (सीमित)

स. कारण सूचक शब्द :

सबाब	कारण
कारेना	कारण
लानतारान	कारण यह
मनताङ् मनताङ्	केवल इस कारण
गारा गारा	सभी इसी कारण से

द. परिणाम सूचक शब्द :

माकाँ	इसलिये, इसके बाद, बाद में
माकायाँ	इसीलिये, इसी के परिणामस्वरूप

ब. तुलनात्मक शब्द :

सपरती	जैसे, इस तरह
काया	इस रूप में
डारीपाडा	इसकी अपेक्षा
सआकान आकान	जैसे
सओलाह ओलाह	जैसे
सबागे	जैसा कि
सरासा	उसी प्रकार
सलालू	सदैव

स. सीमा रेखा सूचक शब्द :

हाइयाँ	केवल, सिर्फ़
साजा	केवल
मलूलू	केवल

द. व्यक्तिगत संकेत सूचक शब्द :

तानपा	बिना, नहीं सूचक
सोनडर	बिना, नकारात्मक

य. संकेतात्मक एवं सूचित करने वाले शब्द :

ईश्रालाह	है, यानी
आडालाह	है
श्राडापून	यद्यपि
यानी	श्रर्थ यह है, (यह इस प्रकार है)
याईतू	वह इस प्रकार है

3. संबद्ध एवं संबंध सूचक शब्द :

वृद्धि सूचक, शैनः शनैः बढ़ना, या गति सूचक शब्द :

कीयान...कीयान	जैसे ही समय व्यतीत हुश्रा, वह बात श्रागे बढ़ी
माकीन...माकोन	समय के श्रनुसार, धीरे-धीरे बढ़ना
तामबाह···तामबाह	बढना, श्रौर बढ़ना (बढ़ते ही जाना)
लबीह···लबीह	अधिक···श्रौर श्रधिक

कुछ श्रन्य प्रयोगों में श्राने वाले शब्द :

श्राताश्रौ···श्राताऔ	अथवा···श्रथवा यह
वाईक···माऊपून	चाहे यह···श्रथवा वह
बालौ···सकालीपून	यद्यपि···यद्यपि
जाँगानकान···पून	वर्जित करना···भी
बालौपून···जूगा	यद्यपि···भी

(कोंयूँगसी) समुच्चय बोधक शब्द काता सामबूँग समुच्चय बोधक शब्द वे शब्द हैं, जो एक शब्द को दूसरे शब्द के साथ या एक वाक्य को दूसरे वाक्य के साथ जोड़ते हैं ; जैसे :

मालविका मयाँयीं डान क्षिप्रा बरमाईन पीआनो.

मालविका ने गाया और क्षिप्रा ने पीआनो बजाया.

याँग हीताम आताऔ याँग पूतीह ?

जो काला वाला है, अथवा जो सफ़ेद है ?

ईतू तीडाक सूकार ततापी मूडाह.

वह कठिन नही है, परन्तु सरल है.

समुच्चय बोधक शब्द के उदाहरण

कतीका, वाकतू	जब (उस समय पर)
वीला, आनण्डेयकाता	यदि, अगर
कालाऔ, जीका	(जब कभी किसी भी अवसर पर)
कारेना, ओलेहकारना, सबाब	कारण, इस कारण से, कारण
सबलूम	पहले
सतलाह ससूडाह	बाद में
सगरा सतलाह	जैसे ही बाद में
सेजाक	जब से
सामपे, हींगगा	तब तक, जब तक
सडाँग, सलामा	जबकि
अगर सूपाया, आगार सूपाया	जिससे, जिस संबंध में
मसकीपून, बालाऔपून	यद्यपि
आसाल, आसालकान, आसाल साजा	यदि ऐसा संभव हो तो
सपरती, सआकान आकान,	जैसे
स ओलह ओलह	जैसे

बाह्वा	कि
डान	और
लालू	उसके बाद, पश्चात्
सतीबा	आने के बाद
आलकीसाह	कहानी का प्रारम्भ करना (प्राचीन मलय भाषा में)
माका	परिणामस्वरूप अथवा इसलिये
हाता	कहानी का प्रारम्भ करना
लागी	और, दोहराना
आपाबीला	जबकि
बीलामाना	जब
सूँगगूहपून	वास्तव में
सराया	साथ-साथ
लागीपूला	और अधिक क्या
तामबाहान पूला	वास्तव में (और अधिक क्या)
सरता	साथ
सलामा	जब तक
समनजाक	उस समय से
समनतारा	बीच का समय
ततकाला	जब
सकालीपून	यद्यपि
वीयारपून	यद्यपि
कंडातीपून	यद्यपि
मलाईनकान	इसकी अपेक्षा
ततापी, तापी	परन्तु, तथापि
पाडाहाल	जब कि
सामबील	जिस समय (उस समय)

सबागेमाना	जेसा कि
सउमपामायाँ	उदाहरणार्थ

उदाहरणमाला :

कतीका ईंग्रा मंयबराँग जालान,
ईंग्रा डीतूबरूक ग्रोलेह मोबील.
जब वह सड़क पार कर रहा था,
वह एक कार के नीचे दब गया.
साया मासीह कानाक कानाक, बाकातू पराँग पेचाह.
मैं केवल छोटा बच्चा ही था, जब युद्ध छिड़ गया.
कामी तीडाक ग्राकान डाताँग, बीला हूजान.
हम नहीं ग्रायेंगे, यदि वर्षा प्रारम्भ हो गई.
ग्राण्डेयकाता ईंग्रा ताहू, ईंग्रा तीडाक आकान ताइयाँ.
यदि वह जानता, तो वह कभी नहीं पूछता.
महेश तीडाक परगी कसकोलाह, कारेना ईंग्रा साकीत.
महेश स्कूल नहीं गया क्योंकि वह बीमार था.
सबाब कामी लेलाह, कमी बरइसतीराहात.
कारण कि हम थके हुये थे, हमने आराम किया.
मेरेका बकरजा, हींगगा मेरेका लेलाह.
उन्होंने इतना ग्रधिक काम किया, जिससे वे थक गये.

शब्द

बरऊसाहा	प्रयास करना
मलाराँग	रोकता है, वर्जित करता है

नोटिस बोर्डों पर

डीलाराँग मरोकोक	धूम्रपान निषेध

डीलाराँग मासूक प्रवेश निषेध

डीलाराँग ममबूग्राँग कोतोरान डीसीनी

यहाँ गन्दगी इकट्ठी करना वर्जित है

परकाकास	औज़ार
ममरीनताह	शासन करता है, ग्राज्ञा देता है
बरतीनडाक	कदम उठाता है
ग्रोबात	ग्रौषधि
मंगीरा	सोचता है
ममाके	इस्तेमाल करता है

ग्रभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

1. मसकीपून ग्रानाक ईतू बरऊसाहा...........
2. ईग्रा सडीह सबाव.......................
3. सी मूर्त्ती मंगीरा बाहवा...................
4. बालाऔपून ईग्रा काया...................
5. परमपूग्रान ईतू बरतीनडाक सआकान ग्राकान........

1. वार्तालाप

मलय पोलीनीशियाई परिवार की भाषायें क्रिया प्रधान नहीं वरन् विश्लेषणात्मक एवं प्रत्यय प्रधान हैं. सम्पूर्ण वाक्य का ग्राधार क्रिया रूप नहीं होता ग्रौर वाक्य का विन्यास वाक्य खण्डों (इकाइयों के ग्राधार से होता है. वाक्य में बहुत अधिक शब्दों की भी ग्रावश्यकता नहीं होती. कम से कम शब्दों में भावों को प्रकट किया जा सकता है, ग्रौर वार्तालाप में तो प्रत्येक भाषा बोलचाल की भाषा का ही एक संक्षिप्त रूप होती है, यद्यपि इंडोनेशिया में द्वीपों के कारण लगभग 200 प्रादेशिक भाषायें हैं ग्रौर विभिन्न प्रदेशों एवं वर्गों के लोग ग्रपनी-ग्रपनी भाषायें बोलते ग्रौर समझते हैं, परन्तु

राष्ट्र भाषा इंडोनेशिया राज्य भाषा के रूप में एवं दैनिक सामाजिक जीवन एवं व्यवहार में साबाँग से मारौके तक बोली एवं समझी जाती है. कोई भी विदेशी भाषा इंडोनेशिया का थोड़ा परिचय प्राप्त करके भी सम्पूर्ण देश का परिभ्रमण कर सकता है. हाँ यह अवश्य है, कि विभिन्न वर्गों के लोगों का ज्ञान भी विदेशी की ही भाँति भाषा इंडोनेशिया में सीमित-सा ही हो, फिर भी एक दूसरे को समझने में कोई विशेष कठिनाई नहीं होगी; उदाहरणार्थ :

डीमाना रूमाह तूआन हाता ?
श्री हाता का मकान कहाँ है ?
डीसीतू, डीजालान डीपोनगोरो 57.
वहाँ पर, डीपोनगोरो मार्ग नं० 57
जाऊहकाह ? क्या दूर है ?
डकात साजा काफी निकट है
माऊ आनतार साया ? आहप मुझे वहाँ ले चलेंगे ?
बाईक, मारीलाह अच्छा, आइये.

इस प्रकार यह पुस्तक बोलचाल की भाषा के लिये ही नहीं वरन् व्याकरण की व्याख्या सहित भाषा की संचरना पर पूर्ण प्रकाश डालती है. और मलय भाषा का आदर्श रूप ही भाषा इंडोनेशिया से उभरा है. वार्तालाप का एक और नमूना निम्नांकित है :

एक वार्तालाप डाक घर में

श्री आनन्द : साया माऊ मंगीरीम तीलगराम
लिपिक : सूडाहकाह तूआन मंगईसी फोरमूलीर.
क्या आपने फार्म भर दिया है.
आनन्द : ईनीलाह, साया हाराप ईनी बतूल.
(यह है, आशा है, यह ठीक है,)
लिपिक : तूआन, ईनी कूराँग जलास, सबाब आलामातयाँ साया साया तीडक बीसा बाचा.

महोदय, यह तो साफ़ नहीं है तथा अस्पष्ट है, क्योंकि इसका पता मैं साफ नहीं पढ़ पाता हूँ.

आनन्द : माआफकानलाह, आकान साया तूलीस सकाली लागी.
क्षमा कीजिये, मैं इसे दोबारा फिर लिखूँगा.

लिपिक : सकारॉंग तीडाक आडा आपा आपा.
अब कोई चिन्ता की बात नहीं है.

आनन्द : तरीमाकासीह बायाँक.
बहुत-बहुत धन्यवाद.

लिपिक. : कमबाली तूआन.
आपको बहुत-बहुत धन्यवाद

वाक्य विन्यास

भाषा इंडोनेशिया में कई प्रकार से वाक्य विन्यास संभव हैं, क्योंकि वाक्य विन्यास में वाक्य खण्ड अथवा गातरा (गात्र) का विशेष महत्त्व है. वाक्य खण्ड की रचना अर्थ को ही ध्यान में रखकर की जाती है. एक वाक्य के कई रूप वाक्य खण्डों के आधार से प्रस्तुत किये जा सकते हैं. वाक्य विन्यास का मुख्य नियम यह है कि विशेषण विशेष्य के बाद रहता है, जबकि भारतीय भाषाओं में विशेषण पहले और विशेष्य बाद में रहता है, इसका प्रमुख तर्क यह है कि सबसे महत्त्वपूर्ण बात भाषा इंडोनेशिया में सबसे पहले कही जाती है; जैसे : हिन्दी में हम कहते हैं; सफ़ेद घोड़ा, परन्तु यह क्रम भाषा इंडोनेशिया में पलट जाता है और वाक्य खण्ड का विन्यास सफेद घोड़ा के स्थान पर घोड़ा सफ़ेद (कूडा पूतीह) होगा. यह व्यापक नियम है कि सिवा गणना सूचक अंकों एवं मात्रा सूचक शब्दों के अन्य गात्रों पर यही नियम लागू होता है; जिसे भाषा इंडोनेशिया में (ड-म) नियम (ड विशेष्य तथा म विशेषण) कहते है; परन्तु वर्तमान भाषा विज्ञान के विशारदों ने अन्य रूपों में भी वाक्य विन्यास प्रस्तुत किये हैं, जिनमें विशेषण-विशेष्य (म-ड) नियम भी चल रहा है और यहाँ

तक कि (म-ड-म) तक नियमानुसार वाक्य विन्यास होता है, जिनके उदाहरण निम्नांकित हैं; जैसे :

1. ड-म : पोहोन तींगगी पेड़ ऊँचा

कोरान जाकार्त्ता	अखबार, जाकार्त्ता
डाताङ्/कमारी	आता है, मेरे पास
नोमोर/तीगा	नम्बर, तीन
फासाल तरसबूत	धारा, उल्लिखित
बाईक सकाली	सुन्दर, बेहद

2. वाक्य विन्यास (म-ड) :

साङ्गात/बसार	बेहद, बड़ा
कूराङ्/बाईक	कम, अच्छा

संस्कृत प्रभाव :

सडाँग/ममबाचा	निरन्तर, पढ़ रहा है
सूडाह/तूआ	पूर्णरूपेण, बूढ़ा
परडाना मनतरी	प्रधान मंत्री
डूका/चरीता	दु:ख, कहानी

अलंकारों का प्रयोग :

पानजाँग ताँगान	लम्बे (हाथ) चोरी करने वाला
तींगगी हाती	ऊँचा हृदय (अभिमानी)

3. वाक्य विन्यास (म-ड-म) :

आमात बसार सकाली

बेहद बड़ा अधिक

तीगा ओराँग महासीसवा इंडोनेसिया

(तीन व्यक्ति इंडोनेशिया विश्वविद्यालय के छात्र)

1. दिशा सूचक :

डी/रूमाह	में, घर
बाचा/बूकू	पढ़ता है पुस्तक
ममबरी साया/बूकू	दी, मुझे, पुस्तक
कालौ/ईग्रामाती	अगर वह मर गया

2. योगात्मक :

जाडी/डोकतर	हुआ, डॉक्टर
मासूक डेंगान (घुसना)	परलाहान लाहान (धीरे-धीरे)

(जाकार्त्ता) ईग्रालाह/ईबूकोता इंडोनेसिया
जाकार्त्ता है यानी राजधानी इंडोनेशिया

3. प्रकट करना :

ईआ/माहासीसवा
वह विश्वविद्यालय का छात्र है
ग्रोरॉंग ईतू/ग्रावाँग साया.
व्यक्ति वह भाई मेरा (है)

मंगग्रानजूरकान	कामी	वकरजा	करास.
सयाह दी है	हमको	कार्य करना	कठिन.

वाक्य विन्यास के अन्य शब्द रूपों का योग ;

तीगापूलूह/ तीगा

तीन दस/तीन (33)	तैंतीस
माकान डान मीनूम.	खाना ग्रौर पीना
काबान/लाबान.	मित्र, शत्रु

हूतान/रीमबा/बलानतारा (वन/सघन/भयानक.)

2. चुनना (निर्णयात्मक) :

डूश्रा/तीगा/श्रोराँग मासूक.

दो/तीन/व्यक्ति श्रायें

बनार/तीडाकयाँ.

सच/नहीं

नासी श्रातौ जागूङ्.

भात श्रथवा मक्का

सपाताह/डश्रा/पाताह काता.

थोड़ा /दो /थोड़े /शब्द

3. संकेतात्माक परिभाषा :

गूनूङ मरापी.	पर्वत मरापी
बाहासा इंडोनेसिया.	भाषा इंडोनेशिया
बाहासा नगारा.	भाषा, राष्ट्र

श्राईप रोजीडी/पंगाराँग/ऊलार डान काबूत.

श्राईप रोजीडी/कवि/साँप तथा कुहरा.

साधारण वाक्य रचना :

1. ईनी, तथा ईतू.

2. 'होना'—क्रिया रूप की श्रनुपस्थिति होती है, (है, था श्रादि सहायक क्रियायें नहीं होंगी).

हिन्दी भाषा के क्रिया रूपों में श्रावश्यकतानुसार परिवर्तन किये जाते हैं; उदाहरणार्थ : क्रिया 'पढ़ना' कई रूपों में; जैसे : पढ़ने, पढ़ते, पढ़ती आदि कर्त्ता के लिंग, पुरुष, वचन तथा काल के श्रनुरूप वाक्य रचना की जाती है.

वह पढ़ता है, वे पढ़ते हैं.

वह पढ़ रहा है, वे पढ़ेंगे, वह पढ़ता था.

इस प्रकार विभक्ति, लिंग, वचन, पुरुष एवं काल के श्राधार से भाषा इंडोनेशिया में उपरोक्त वाक्य नहीं बनाये गये.

भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेसिया) में क्रिया विभक्ति, कारक, वचन, लिंग, पुरुष एवं काल के आधार से नहीं होती ; जैसे :

मैं खाता हूँ	साया माकान
क्षितिज खाता है	छितिज माकान
हम खाते थे	कामी माकान
वह बच्चा खा रहा है	आनाक ईतू सडाँग माकान
वे खा रहे थे	मेरेका सडाँग माकान

क्रिया रूप 'होना' है, होगा, था छोटे-छोटे साधारण वाक्यों में ; जैसे :

वह सोता है, मोहन यहाँ था, वह अध्यापिका है.

इन क्रिया रूपों को भाषा इंडोनेशिया की वाक्य रचना में प्रयोग में नहीं लाया जाता. हम लोग साधारण रूप में कहते हैं "मैं अस्वस्थ"; (बीमार) हूँ, "रीता यहाँ है"; वह अध्यापक है"; इस प्रकार :

मैं पढ़ चुका हूँ	साया सूडाह बाचा
इंदिरा गाँधी इंडोनेशिया में थीं.	इंदिरा गाँधी डी इंडोनेसिया
वह श्री देवेन्द्रकुमार जी हैं.	ईआ तूआन देवेन्द्र कुमार
वह बात ग़लत थी.	ईतू सालाह.
क्या यह चाँदी है ?	ईनी पेराक ?
तुम प्रथम व्यक्ति हो.	कामूलाह याँग तरतामा
यह क्या है ?	ईनी आपा ?

भाषा इंडोनेशिया में निश्चय अथवा अनिश्चय सूचक शब्दों का प्रयोग हिन्दी भाषा की भाँति नहीं होता :

एक लड़की गाती है	गाडीस मयाँयीं
एक बच्चा रोता है	आनाक मनाँगीस
एक मछली तैरती है	ईकान बेरेनाँग

मैंने एक मकान ख़रीदा है	साया ममबली रूमाह
यह एक बाग़ीचा है	ईनी तामान
वह एक अध्यापक है	ईश्रा गूरू

हिन्दी में निश्चयवाचक सर्वनाम 'यह' 'वह' तथा अनिश्चय वाचक बोधक शब्द 'एक' (सातू) 'सूआतू' तथा यह (ईनी) वह (ईतू)- इन शब्दों का स्थान संज्ञा के बाद रक्खा जाता है; जैसे :

यह चीज़ भारी है. बारांँग ईनी बेरात.

वह पेड़ जल रहा है. पोहोन ईतू मयाँला

यह विद्यार्थी कठिन परिश्रम करता है.

मूरीड ईनी बकरजा करास.

यह बिल्ली चूहा खा गयी.

कूचींग ईतू माकान तीकूस ईतू.

उसने यह चित्र मुझे दिया.

ईश्रा ममबरी गामबार ईनी पाडा साया.

अभ्यास

मशीन ईनी	मशीन	राबू	बुधवार
पमबूरू ईतू	शिकारी	मनडापात बूकू	पुस्तक पाई
ईनी	यह	मंगोरेंग कताँग	तलना आलू
सीआपा	कौन	डाताँग डारी जावा (जाकार्त्ता)	जाकार्त्ता से आता है
योयाँ कमला रत्नम्.	श्रीमती कमला रत्नम	जालान अकबर	अकबर मार्ग (रोड)
		मनेमबाक सींगा	सिंह को गोली मारता है.

करेता आपीईतू	रेल गाड़ी	रूसाक	बिगड़ जाना
ताक सओरॉंग	कोई नहीं	मियाँक तानाह	मिट्टी का तेल
ईबू	माँ	कामू	तुम
ईतू	वह	कोतोर	गन्दा
सरडाडू	सिपाही	बरआँकात जाम एमपात	प्रस्थान बजे चार
एमास	सोना	मनजावाब	उत्तर दिया है
हारी ईनी	आज का दिन	सौडारा	भाई
तीयाप आनाक	प्रत्येक बालक	मनाँगकाप पनचूरी ईतू	पकड़ता है चोर यह (यह चोर पकड़ा)
आईर ईनी	जल यह		
राम डान श्याम	राम और श्याम	लोगाम	धातु

शब्द

पीसाऔ	चाकू	तूआ	पुराना
मंनचूरी	चुराता है	ऊलार	साँप
डीसूँगाई	नदी में	माकान	खाना खाता है
पोहोन	वृक्ष	कामबींग	बकरी
ताजाम	तेज़	रींगान	हल्का
लोनचेंग	घन्टी	बाबू	नौकरानी
ममबूआत	बनाता है	साँगात	बहुत

डेंगान	द्वारा, से	बरबीसा	ज़हरीला है
रूमपूत	घास	मनजूश्राल	बेचता है
माँडी	स्नान, स्नान करता	तरलालू	अधिकतम
मेजा	मेज़	चपात	शीघ्र
तीडाक	नहीं, न	ममबूनूह	क़त्ल करता है
बागूस	सुन्दर	पीसाँग	केला
कबून	उद्यान, बाग़	पागार	चारों ओर वृक्षों की पंक्ति

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करो :

1. ईश्रा मनचूरी लोनचेंग.
2. कामबीग ईतू माकान रूमपूत.
3. मेजा ईनी रींगान.
4. पीसाश्रौ ईनी तीडाक ताजाम.
5. श्राहमाद ममबूनूह ऊलार
6. पमबूरू ईतू माँडी डीसूंगाई.
7. लोनचेंग ईनी तरलालू चपात.
8. बाबू ईतू ममोतोंग रूमपूत डेंगान पीसाश्रौ.
9. कबून ईनी साँगात बागूस.
10. मोहम्मद माकान पीसाँग.
11. सीश्रापा ममबूश्रात मेजा ईनी.

12. ईतू पागार.
13. पागार ईतू तीडाक बागूस.
14. ऊलार ईनी बरबीसा.
15. ईग्रा मनजूग्राल कामबींग.
16. बाबू ईतू साँगात तूग्रा.

नगातीफ़, निषेधात्मक वाक्य :

1. निषेधात्मक शब्द : तीडाक तथा बूकान
2. निषेध सूचक शब्द : बलूम

निषेधात्मक वाक्य की रचना क्रिया के पहले 'तीडाक' (नहीं) शब्द को रखकर की जाती है, परन्तु जब निषेधात्मक शब्द के बाद संज्ञा या सर्वनाम होते हैं, तो 'बूकान' शब्द का प्रयोग किया जाता हैं. 'तीडाक' के समानार्थी शब्द 'तीग्राडा' और 'ताक' भी हैं.

डीया (ईग्रा) तीडाक माकान.	उसने खाना नहीं खाया है.
ईबू तीग्राडा डीसीनी.	माँ यहाँ पर नहीं हैं.
ईनी ताक गामपाँग.	यह सरल चीज़ नहीं है.
ईग्रा बूकान तमान साया.	यह मेरा मित्र नहीं है.
ईतू बूकान सीता.	यह सीता नहीं है.
ईनी पूलपेन तूग्रान ? बूकान ?	क्या यह ग्रापका फाउन्टेन पेन नहीं है ? क्या ऐसा नहीं है ?

भाषा इंडोनेशिया में ग्रभी नहीं के लिए केवल 'बलूम' शब्द का ही प्रयोग किया जाता है. इसका प्रयोग किसी भी संज्ञा शब्द के साथ होता है, परन्तु 'सूडाह' शब्द के साथ यह विरोधाभास प्रकट करता है.

ग्रोराँग ईतू बलूम तीबा.	वह ग्रादमी अभी तक नहीं ग्राया है.
ग्रायाह सूडाह पूलाँग ?	क्या पिताजी घर लौट आए हैं ?
बलूम ?	ग्रभी नहीं ?

अभ्यास

निम्नाँकित निषेधात्मक शब्दों से वाक्य रचना करो :
तीडाक, तीग्राडा, ताक, बलूम तथा बूकान.

1. लता अब तक नहीं आई.
2. अध्यापक यहाँ नहीं हैं ?
3. यह कठिन नहीं है ?
4. शेर अभी तक नहीं मरा.
5. वह सलीम नहीं है ?

शब्द क्रम

1. संबंध सूचक शब्दों एवं विशेषण का स्थान:
2. 'याँग' शब्द का प्रयोग.

भाषा इंडोनेशिया की वाक्य रचना में शब्द क्रम एवं वाक्य खंडों (गात्रों) का सबसे अधिक महत्त्व है, क्योंकि भाषा क्रिया प्रधान नहीं है तथा विभक्तियों एवं कारकों का सर्वथा अभाव है; उदाहरणार्थ भाषा इंडोनेशिया की वाक्य रचना इस प्रकार है : वह श्वेत युवती अत्यन्त सुन्दर है :

गाडीस	पूतीह ईतू	मानीस	सकाली
युवती	श्वेत वह	सुन्दर	अत्यन्त

अथवा

2. आँजींग गीला ईतू मंगीगीत ओराँग बूता ईतू.

एक पागल कुत्ते ने/अन्धे आदमी को काट लिया है.

ईनी	बूकू	साया
यह	मेरी	किताब
ईनी	साया	बूकू

ईनी	सोग्राल	सूकार	
यह	कठिन	प्रश्न	है
ईनी	सूकार	सोग्राल.	

हिन्दी के अन्य संबंध सूचक शब्द 'का' 'के' 'की' ग्रादि का भी प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में संबंध बोधक शब्दों की भाँति नहीं होता; जैसे :

रानी की किताब अच्छी है.

बूकू रानी/बागूस.

पुस्तक रानी ग्रच्छी

'याँग' (कौन, जो, जिस) डान (ग्रौर) का प्रयोग उस समय किया जाता है, जब दो विशेषण किसी संज्ञा की विशेषता बताते हैं

एक सुन्दर, लाल फूल.

सुग्रातू बागूस मेराह बूँगा.

माहागूरू	ग्राकान परगी	काग्रसरामा माहासीसवा
ग्राचार्य	जायेंगे	छात्रावास विश्वविद्यालय.

ग्राचार्य विश्वविद्यालय छात्रावास जायेंगे.

हिन्दी में जब हम संबंध सूचक शब्दों ग्रथवा विशेषणों का प्रयोग करते हैं, तो इनका स्थान संज्ञा से पहले रहता है. परन्तु भाषा इंडोनेशिया में इनका स्थान सदैव ही संज्ञा के तुरन्त बाद में ही रक्खा जाता है.

युवा ग्रध्यापक ने योग्य छात्रा को एक सुन्दर पुस्तक दी.

गूरू मूडा ईतू/ममबरी/माहासीसवी पाण्डे ईतू/ बूकू बागूस.

इस कहानी का ग्रन्त दुःखमय है.

चरिता ग्राखिर ईनी सडीह.

ग्राख़िर चरिता ईतू सडीह.

श्री जगदीश इस मकान के मालिक हैं.

तूआन	जगदीश	पमीलीक	रूमाह	ईतू.
श्री	जगदीश	मालिक	मकान	इस

बूँगा याँग मेराह डान इन्डाह ईतू. यह लाल फूल सुंदर है.

वह	शक्तिशाली, स्वस्थ	आदमी	है
ओराँग याँग	कूआत	डान	सेहात ईतू

'याँग' का प्रयोग उस समय किया जाता है, जबकि विशेषण एवं संबंध सूचक शब्द संज्ञा की विशेषता दिखाते हैं तथा इसका शब्द क्रम सदैव इस प्रकार होता है :

संज्ञा—संबंध बोधक शब्द—'याँग'—विशेषण

रूमाह-कामी-याँग-बारू.	हमारा नया मकान.
पाकेआन नीरज याँग बागूस.	नीरज के सुन्दर वस्त्र.

'याँग' का प्रयोग किसी भी विशेषण की विशेषता पर अधिक जोर देने के लिए भी होता है :

आनाक याँग साकीत.	एक बीमार बच्चा.
मूरीड याँग मालास ईतू.	वह सुस्त विद्यार्थी है.

नये शब्द

कूरसी	कुर्सी
आडीक	छोटा भाई या छोटी बहिन
काकाक	बड़ा भाई या बहिन
नाकाल	शरारती
साया	मैं
डोकतर	डॉक्टर
बामबू	बाँस
बोडोह	मूर्ख
पाँडे	चतुर
ऊनता या ओनता	ऊँट

लीसतीरीक	बिजली
माती	मृतक
जूरूतीक	टाइप करने वाला
इसतरी	पत्नी
राजीन	मेहनती
नाईक कलास	कक्षा में उत्तीर्ण होकर आगे बढ़ना
नगारा	राज्य
काया	धनी
पेसाबात तरबाँग	हवाई जहाज़
मेरेका	वे, उनका, उनको
सोपीर	शोफर
पलाऊत	नाविक
काचामाता	चश्मा
तरलामबात	सबसे अधिक देर
ममरीकसा	परीक्षण करता है
मनाँकाप	पकड़ता है
साँगात	अधिक, बहुत
डींडींग	दीवार
मनडाराात	भूमि पर पैर रखता है
पोलीसी	पुलिस
पनचूरी	चोर
हीडूँग	नाक
बरडाराह	रक्त प्रवाह होता है
पामान	चाचा
डोकटर गीगी	दाँतों का डॉक्टर
मनारीक	आकर्षित करने वाली है
गंबीरा	प्रसन्न

अभ्यास

भाषा इंडोनेशिया में अनुवाद कीजिये :

1. यह कुरसी है.
2. वह चतुर विद्यार्थी है.
3. हमारा छोटा मकान.
4. यह एक ऊँट है.
5. मेरी छोटी बहिन शरारती है.
6. यह बाँस की दीवार है.
7. हमारा हवाई जहाज़ भूमि पर उतर रहा है.
8. डॉक्टरों ने मेरी परीक्षा कर ली हैं.
9. मेरा चश्मा टूटा हुआ है.
10. वह आदमी एक चतुर नाविक है.

अभ्यास

निम्नांकित शब्दों से वाक्य रचना करो :

1. साया ईनी काकाक.
2. मूरीड ईतू राजीन नाईक कलास.
3. ईतू मनारीक फीलम.
4. हीडूँग ईतू बरडाराह ओराँग.
5. आनाक साकीत तूआन नरेन्द्र.

वाक्य रचना में रीति (ढंग) बोधक शब्द

1. इनकार करना :

बूकान	नहीं
तीडाक	निषेधात्मक
तीक	नहीं
तीआडा	नहीं हैं

तीडाक आडा	नहीं हैं
बूकानयाँ	नहीं है वे

2. ज़ोर देना, बल देना :

बाहवा	कि, भाव यह है
(वाक्य के अन्त में) :	
जूगा	भी
लाह	ज़ोर देना
ताह	बल देना
पून	भी, बल देना

3. प्रश्न बोधक शब्द :

आपाकाह ?	क्या क्या ऐसा है
आडाकाह ?	क्या, क्या यह बात है

4. वर्जना सूचक :

जाँङ्गान	नहीं, वर्जित
जाँगान सामपे	वर्जित करने की सीमा तक

5. आशा सूचक :

मोगा मोगा	आपकी शुभकामना मुझे पूरी आशा हैं
सूडाह मूडाहान	शुभ कामनाओं सहित आशा है
हेंडाकयाँ	यही वांछित है आपकी कृपा से यही अभिलाषा है

6. प्रार्थना करना :

सीलाकान	कृपया यह कार्य कीजिये

सूडीलाह	कृपया
कीरायाँ	कृपा करके कृपा की आशा में

7. लक्ष्य निर्धारित करना :

आगार	अगर
सूपाया	यदि
ऊनतूक	के लिये (कार्य)
बागी	के लिये (कार्य)
बूआत	इस कार्य के लिये

8. संभावना :

मसकीपून	यद्यपि
बालौपून	यद्यपि
बीआरपून	ऐसा होने दो, छोडो
सकालीपून	यद्यपि

9. शर्त रखना :

जीका	अगर
कालौ	अगर
आसाल	वास्तव में
आनडायेकान	यदि ऐसा हो
सआनडायेयाँ	यदि यह बात हो जाय
आँडेकाता	यदि इसकी संभावना हो
सकीरायाँ	यह आशा की जाती है

10. सन्देह प्रकट करना :

एनताह	मुझे नहीं मालूम है
आगाकयाँ	इसकी अपेक्षा ऐसा है
रासायाँ	ऐसा महसूस होता है
रूपायाँ	ऐसा प्रतीत होता है

प्रश्न सूचक वाक्य :

प्रत्यय -'काह' क्या, श्रापाकाह क्या

भाषा इंडोनेशिया में प्रश्नवाचक शब्द एवं वाक्य काफ़ी सरल हैं, तथा प्रश्न वाचक वाक्य तीन प्रकार से प्रयोग में श्राते हैं. प्रथम प्रकार के वाक्य इस प्रकार हैं :

1. तुम तैरते हो ? — कामू बरनाँग ?
2. श्रली सिगरेट पीता है. — श्रली मरोकोक ?
3. वे यहाँ रहते हैं ? — मेरेका तींगगाल डीसीनी

2. इसी प्रकार उदाहरणार्थ : 'क्या' (काह)

क्या वह बीमार है ? — ईश्रा साकीत ?
क्या प्रत्येक व्यक्ति उपस्थित था ? — समूश्रा हाडीर ?
क्या उसने उनकी सहायता नहीं की ? — ईश्रा तीडाक मनोलोंग मेरेका ?

श्रन्य नमूने भी प्रश्न सूचक शब्दों के हैं ; जिनका प्रारम्भ तथा 'श्रापा' (क्या) श्रथवा 'श्रापाकाह' (क्या) का प्रयोग वाक्य के प्रारंभ से ही होता है :

श्रापाकाह ईश्रा ताहू ? — क्या वह जानता है ?
श्रापाकाह ईनी चूका ? — क्या यह सिरका है ?
श्रापाकाह कामू गीला ? — क्या तुम पागल हो ?
श्रापाकाह ईतू रूमाह मेरेका ? — क्या यह उनका मकान है ?

जब प्रत्यय 'काह' का प्रयोग किया जाता है, तो इसका श्रभिप्राय यह होता है कि उत्तर की श्रपेक्षा है. प्रत्यय 'काह' के प्रयोग के साथ ही साथ वाक्य का प्रारम्भ किया जाता है :

प्रश्न सूचक शब्दों में 'बूकानकाह' का भी प्रयोग किया जाता है ; जैसे :

बूकानकाह ईश्रा श्रहली बाहासा ?
क्या वह भाषा विज्ञानी नहीं है ?

इसी प्रकार 'सूडाह' 'माऊ' 'बतूल' श्रादि शब्दों के साथ 'काह' को जोड़कर प्रश्न वाचक बनाया जाता है :

सूडाहकाह श्रानाक ईतू माँडी ?

क्या यह बालक नहा चुका है ?
माऊकाह सूडारा डाताँग ?
क्या तुम आओगे ?
बतूलकाह मेरेका सूडाह परगी ?
क्या यह सच है कि वे चले गये थे ?

अभ्यास

प्रश्न वाचक वाक्य बनाओ :

1. हाँ, मैं उनको जानता हूँ.
2. नहीं, मैं प्यासा नहीं हूँ.
3. नही, वह अच्छा माली नहीं है.
4. यह ठीक है, मैं एक अध्यापक हूँ.
5. हाँ, मैं भोजन कर चुका हूँ.

प्रश्न सूचक शब्द (ईनतरोगातीफ़)

भाषा इंडोनेशिया में प्रश्न सूचक शब्द या तो वाक्य के प्रारम्भ में ही रक्खे जाते हैं, अथवा अन्त में भी उन्हें रक्खा जा सकता है :

सीआपा	कौन
आपा	क्या
कापान अथवा बीलामाना	कब, जब
माना अथवा डीमाना	कहाँ, किस स्थान में
कमाना	कहाँ को, किस ओर
डारीमाना	कहाँ से, किस ओर से
डीमाना	कहाँ पर
माना	जो कहाँ
बागेमाना	कैसे, किस प्रकार, कितना
बरापा	कितना (संख्या सूचक)
मंगापा	क्यों
आपा सबाबयाँ	क्यों, इसका क्या कारण है

प्रश्न सूचक शब्दों पर बल देने के लिए प्रत्यय 'काह' को उन शब्दों के साथ जोड़ दिया जाता है, परन्तु यदि प्रश्न सूचक शब्द अन्त में रक्खे जायें, तो 'काह' के जोड़ने की आवश्यकता नहीं होती :

सीआपा कामू ? तुम, (आप) कौन हो ?

सीआपाकाह कामू ?	तुम कौन हो ?
कामू सीआपा ?	तुम कौन हो ?
डीमाना कामू तींगगाल	तुम (आप) कहाँ रहते हो ?
डीमाना काह कामू तींगगाल ?	तुम कहाँ रहते हो ?
कामू तींगगाल डीमाना ?	तुम कहाँ रहते हो ?
बीलामाना ईआ तीबा ?	वह कब आया है ?
कापानकाह ईआ तीबा ?	वह कब आया है ?
ईआ तीबा कापान ?	वह कब आया है ?

कहाँ—'माना' एवं 'डीमाना' में यह अन्तर है कि जब 'माना' शब्द के द्वारा प्रश्न पूछा जाता है, तो प्रश्न का उत्तर देने वाला पूछी हुई वस्तु को दिखाता है ; जैसे :

माना कारचीस तूआन ? आपकी टिकट कहाँ है ?

इसका उत्तर होगा :

ईनीलाह कारचीसकू. यह मेरी टिकट है.
('डी' स्थान सूचक है)

नमूने :

1. डीमाना ईआ सकाराँग ? आजकल वह कहाँ है ?
   ('डी' स्थान सूचक है)
2. कमाना ईआ परगी ? वह कहाँ गया है ?
   ('क' दिशा सूचक है)
3. डारीमाना ईआ डाताँग ? वह कहाँ से आया है ?
   (डारी अलग होने का सूचक है)
4. ईआ डारीमाना ? वह कहाँ से आया है ?

(सहायक क्रियायें : हो, है, हैं, था, थे, थी, गा, गे, गी, आदि का प्रयोग भाषा इंडोनेशिया की वाक्य रचना में नहीं होता)

बागेमाना—इस शब्द का प्रयोग दो रूपों में होता है :

1. किस प्रकार से, कैसे 2. किस सीमा तक

नमूने :

1. बागेमाना कीता डापात मनजाडी काया ?
   कैसे या किस प्रकार से हम धनवान हो सकते हैं ?

2. बारापा पानजाँग तामपार ईनी ?
   यह रस्सी कितनी लम्बी है ?
3. बरापा हारगायाँ बाराँग ईतू ?
   उस चीज़ की कितनी क़ीमत है ?

कोन—क्रिया से पहले इसको 'सीआपा याँग' के रूप में प्रयोग करते हैं. अन्यथा पुरुषवाचक सर्वनाम की भाँति ही यह प्रश्नसूचक है.

नमूने :

1. सीआपा याँग ममबली ?
   कौन खरीदता है ? (किसने खरीदा है)
2. सीआपा ईनी ! यह कौन है ?
3. बूकू सीआपा ईनी ? यह किसकी किताब है ?
   (सीआपा=किसकी)
4. पूइयाँ सीआपा ईनी ? यह किसकी है ?

अथवा

पूइयाँ सी आपा रूमाह ईनी ? यह किसका मकान है ?

माना—शब्द का प्रयोग कई प्रकार से होता है, तथा कई नये शब्द जोड़कर प्रयोग में विभिन्नता प्रस्तुत की जाती है;

उदाहरणार्थ :

'माना याँग' अथवा 'याँग माना' का प्रयोग देखिये. जब 'याँग माना' को प्रश्न के अन्त में रक्खा जाता है, तभी उसका सही अर्थ में प्रयोग होता है. परन्तु प्रश्न के प्रारम्भ में 'माना याँग' का ही प्रयोग किया जाता है :

नमूने :

1. माना याँग ईआ पीलीह ?
   वह कौन-सी (चीज़) चुनती है ? अथवा
2. ईआ पीलीह याँग माना ?
   वह कौन-सी चीज़ चुनती है ?

माना-माना शब्द का प्रयोग संज्ञा के बाद भी किया जाता है, अथवा कभी-कभी 'याँग माना' का भी प्रयोग होता है;

नमूने :

1. रूमाह माना ? कौन-सा मकान ?
2. ओराँग याँग माना ? कौन-सा व्यक्ति ?
3. याँग माना ? कौन-सा ?

आपा, क्या—इस शब्द का प्रयोग भी प्रश्न सूचक है, और प्रश्न सूचक शब्दों का प्रतीक है. कभी-कभी 'आपा याँग' का भी प्रयोग होता है, परन्तु शब्द क्रम में अन्तर हो जाता है.

नमूने :

आपा ईनी ? यह क्या है ?
अथवा ईनी आपा ? यह क्या है ?

2. वह क्या कर रहा है ?
आपा याँग ईआ करजाकान ?
अथवा याँग ईआ करजाकान आपा ?

आपा,=क्या—इस प्रश्न सूचक शब्द का प्रयोग भी भाषा इंडोनेशिया में संज्ञा के बाद ही किया जाता है ;

नमूने :

ओराँग आपा ईआ ? वह व्यक्ति क्या है ?
अथवा
ईआ ओराँग आपा ? वह व्यक्ति क्या है ?

नोट : सीआपा (केवल आपा नहीं) नामामू ?
तुम्हारा नाम क्या है ?

2. जाम बरापा (केवल आपा नहीं) ?
समय क्या है ?
अथवा क्या समय है ?

अभ्यास

दो प्रकार के प्रश्नों को बनाओ, इन प्रश्नों के उत्तर भी प्रस्तुत किये गये हैं.

1. ......यह मेरा घर है (ईनी रूमाहकू).
2. ......उसका नाम मीना है. (नामायाँ मीना)
3. ......वह मन्दिर के समीप रहता है.
   (ईश्रा तींगगाल डकाट चाँडी)
4. ......यह मीनार सौ मीटर ऊँची है.
   (तींगगीयाँ मनारा ईनी सरातूस मेतर)
5. ......हाँ, वह मेरी पुस्तक है.
   (या, ईतू पूइयाँ बूकू साया).

अभ्यास

निम्नलिखित प्रश्नों का भाषा इंडोनेशिया में उत्तर दीजिये :

1. आपाकाह ईबूकोता भारतवर्ष ?
   भारत की राजधानी क्या है ?
2. लक्ष्मी माऊ मीनता आपा ?
   लक्ष्मी क्या चाहती है ?
3. कामू मनूलीस डेंगान आपा ?
   तुम किसके द्वारा लिखते हो ?
4. आपा याँग कामू बाचा डीसूरातकाबार ?
   अखबार में तुमने क्या पढ़ा है ?
5. कामू ममबली चीन चीन याँग माना ?
   तुमने कौन सी अँगूठी ख़रीदी ?

नये शब्द

पारीस	पैरिस
कारेना	कारण
डूआ पूलूह, लीमा	बीस, पाँच (पच्चीस)
ताहून	साल, वर्ष
डापात	सकना, सका
डी	में, और
कानतोर पोस	पोस्ट आफिस, डाकखाना
डीकानतोर पोस	पोस्ट आफिस में
तूकाँग पोतोंग रामबूत,	(तूकाँग पाँकास), नाई

पूलपेन	फाउन्टेन पेन
जाम डलापन	आठ बजे
क	ओर, को
गाँग	गली
बरीता	खबर
तंताँग	संबंध में
एस	बर्फ़
पमबूनूहान	कत्ल
बरलीयान	हीरा
तीगा काली	तीन बार
कालकूता	कलकत्ता

आज्ञा सूचक वाक्य (ईमपरेतीफ़)

1. प्रत्यय	लाह
2. कृपया	सूडीलाह
3. प्रार्थना करना	सीलाकान

1. आज्ञा सूचक वाक्य चाहे केवल क्रिया धातु रूप अथवा प्रत्यय या उपसर्ग द्वारा बनाया गया हो, परन्तु प्रत्यय. 'लाह' का प्रयोग आज्ञा सूचक होने पर भी शालीनता का द्योतक है.

परगी	जाओ
परगीलाह	जाइये
बरहनती	ठहरो
बरहनतीलाह	ठहरिये
डेंगारकान	सुनो
डेंगारकानलाह	सुनिये (कृपया)

परबसारकानलाह लींकारान ईनी.	इस वृत्त को बड़ा कीजिए.
सीरामीलाह तानामान ईतू.	उन पौधों को पानी दीजिए

2. आज्ञा सूचक शब्दों को अधिक शिष्टता दिखाने के लिये 'सीलाकान' (कृपया) अथवा 'तोलोंग' (सहायता) के संकेत के लिये क्रिया से पहले रक्खा जाता है :

नमूने :

सीलाकान डूडूक	कृपया बैठिये
सीलाकान मासूक	कृपया अन्दर आइये
तोलोंग तूतूप पीनतू ईतू	कृपया यह दरवाज़ा बन्द कर दीजिए

सूडीलाह, प्रार्थना सूचक शब्द

सूडीलाह शब्द का प्रयोग क्रिया से पहले प्रार्थना सूचक शब्द के रूप में किया जाता है :

अ. कृपया क्या आप मेरी सहायता करेंगे ? अथवा
क्या आप मेरी सहायता की कृपा करेंगे ?
सूडीलाह तूआन मनोलोंग साया ?

ब. कृपया क्या श्रीमती जी आप मुझे पाँच रुपये उधार देंगी ?
क्या श्रीमती जी आप मुझे पाँच रुपये उधार देने की कृपा करेंगी ?
सूडीलाह योंयाँ ममींजामकान साया लीमा पेराक ?

स. क्या आप एक क्षण रुकने की कृपा करेंगे ?
सूडीलाह वापाक बरहनती सबनतार ?

द. मारी कीता अथवा मारीलाह कीता का प्रयोग आदर पूर्वक सबके साथ आइये के रूप में होता है.

1. मारी कीता माकान.
आइये, हम लोग भोजन करें.
2. मारीलाह कीता बरईसतीराहात.
कृपया आइये, हम लोग आराम करें.

वर्जना, (नकारात्मक) आज्ञासूचक शब्द

जाँगान अथवा जाँगानलाह शब्दों से निषेधात्मक वाक्यों का प्रारम्भ किया जाता हैं.

नमूने :

जाँगान लारी ?	मत दौड़ो (वर्जना)
जाँगानलाह कामू मासूक ?	तुम अन्दर कृपया मत आओ ?

जाँगान ? इस कार्य को मत करो ? अथवा
इस कार्य को रोको ?

अक्सर कर्मवाच्य सूचक शब्द 'डी' निषेध सूचक 'जाँगान' के बाद रक्खा जाता है ; उदाहरणार्थ :

जाँगान डीपूकूल आनाक ईतू ?
उस बच्चे को मत पीटो ?

जब कर्तृवाच्य में इसका प्रयोग किया जाता है, तो पुरुष वाचक सर्वनाम के मध्यम पुरुष 'आप' 'तुम' क्रिया से पहले रक्खे जाते हैं.

जाँगान कामू ममूकूल आनाक ईतू ? तुम उस बच्चे को मत पीटो ?

प्रत्यय—लाह के अन्य प्रयोग

प्रत्यय -'लाह' का प्रयोग वाक्य पर बल देने के लिये भी किया जाता है ; जिस शब्द पर ज़ोर देना है, उसी के साथ—'लाह' प्रत्यय जोड़ दिया जाता है, परन्तु उसके बाद संबंध सूचक सर्वनाम 'याँग' का प्रयोग आवश्यक है :

अ. बूकू ईनीलाह याँग कामू चारी ?
क्या यह वही पुस्तक है, जिसे तुम तलाश कर रहे थे ?

ब. डीयालाह याँग डीपाँगगील, बूकान कामू ?
यह वही व्यक्ति था, जिसको बुलाया गया था, तुमको नहीं ?

स. माका माजूलाह मेरेका. और तब वे आगे बढ़े.

प्रत्यय -'पून' का प्रयोग

पून का प्रयोग ज़ोर देकर 'भी' के अर्थ में किया जाता है;

नमूने :

अ. सायापून हेरान — मैं भी आश्चर्य चकित हो गया था.
ब. डूडूकपून ईआ तीडाक डापात — वह तो बैठ भी नहीं सकती.

वार्तालाप

डीकानतोर पोस — पोस्ट आफिस में
साया माऊ मंगीरीम तीलगराम.
मैं टेलीग्राम भेजना चाहता हूँ.

सूहाडकाह तूआन मंगईसी फ़ोरमूलीर ?

क्या आपने फ़ार्म भर दिया है ?

ईनीलाह, साया हाराप समूआयाँ तरईसी डेंगान बतूल.

यह यहाँ है, मैं आशा करता हूँ कि प्रत्येक वस्तु ठीक प्रकार से भर दी गई है.

या, ईनी सूडाह बतूल, ततापी तूलीसान तूआन कूराँग जलास.

हाँ, यह ठीक है, परन्तु आपका हस्तलेख कम साफ है.

आलामात हारूस तूआन तूलीस डेंगान जलास.

आपको पता काफी स्पष्ट एवं साफ लिखना चाहिये.

अध्याय 12

अर्थ विज्ञान

गत पिछले 50 वर्षों में भाषा मलय एक नये रूप में भाषा इंडोनेशिया के रूप में प्रतिष्ठित हुई. जिसके कारण अनेकों परिवर्तन दृष्टिगोचर होने लगे. यह परिवर्तन नवोदित राष्ट्र इंडोनेशिया के नागरिकों के जीवन के प्रति एक नये दृष्टिकोण का प्रतीक है, क्योंकि सदियों की ग़ुलामी के बाद स्वतन्त्र राष्ट्र इंडोनेशिया की राष्ट्रभाषा भी नयी आकाँक्षाओं एवं अभिलाषाओं की अभिव्यक्ति का सबसे सफल माध्यम बन सकी. मलय भाषा केवल एक प्रादेशिक अथवा क्षेत्रीय भाषा तक ही सीमित रही, जबकि भाषा इंडोनेशिया ने सभी क्षेत्रीय भाषाओं से शब्द लिए, जो प्रधान रूप से भावनामय हैं तथा तकनीकी शब्दावली के लिए देव भाषा संस्कृत, अरबी एवं लैटिन आदि यूरोपीय भाषाओं से शब्द लिए. इंडोनेशिया में डचों का शासन था, अतएव यूरोपीय प्रभावों में डच शब्दावली पहले से ही थी. अंग्रेज़ी भाषा के अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप ने भी भाषा इंडोनेशिया के शब्द भण्डार को भरा. इस प्रकार संस्कृत, अरबी, फ़ारसी, चीनी, तमिल, डच, लेटिन, अंग्रेज़ी तथा इंडोनेशियाई प्रादेशिक भाषायें जैसे : मलय, सुण्डा, भाषा जावा, मदुरा तथा बाली आदि द्वीपों की भाषाओं से भी आवश्यकतानुसार शब्द लिए गये. आज 13 करोड़ इंडोनेशिया के नागरिक इस भाषा का अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रयोग कर रहे हैं, तथा यह भाषा विश्वविद्यालय स्तर तक शिक्षा का माध्यम बन चुकी है. उसमें सभी प्रकार की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का प्रयोग किया जा रहा है. इस प्रयोगावस्था में कुछ शब्दों का जीवन एक वर्ष तक भी हो सकता है और कुछ शाश्वत

बन जाते हैं, अतएव भाषा विज्ञान के किसी भी विद्यार्थी के लिए इस विकास से, जो दिन प्रति दिन हो रहा है, अपने को पूर्णरूपेण अवगत करना असम्भव-सा ही है. निश्चय ही अनेकों शब्दों को भाषा के क्रम में उनके असली रूप में भी कभी-कभी पहचानना कठिन हो जाता है, परन्तु यह निर्विवाद है कि भाषा इंडोनेशिया में केवल विदेशी प्रभावों से कई नई ध्वनियों (स्वनिमों) का प्रयोग ही नहीं हुआ, वरन् शब्दावली पर एवं शब्द विन्यास पर भी उसका प्रभाव पूर्णरूपेण परिलक्षित होता है. शब्द विन्यास के नये स्वरूप में अर्थ परिवर्तन अवश्यम्भावी है और बहुत कुछ अंशों में ऐसा हुआ भी है. पिछले अध्यायों में वर्ण विचार, शब्द विन्यास तथा वाक्य विन्यास (वाक्य में शब्दों का क्रम) तथा संरचना आदि पर काफ़ी विचार किया गया है परन्तु किसी भी भाषा का मूलाधार अर्थ विज्ञान पर ही ठहरता है. अतएव भाषा इंडोनेशिया की संरचना पर विचार करते हुए रूप परिवर्तन एवं अर्थ परिवर्तन पर विचार करना आवश्यक है क्योंकि अर्थविहीन शब्द भाषा में निरर्थक सिद्ध होते हैं, और अर्थ ही शब्द की चरम परिणति है.

भाषा इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे महत्त्वपूर्ण देश इंडोनेशिया की राष्ट्रभाषा है, अतएव राष्ट्र के जीवन का कोई भी अंग अब इससे अछूता नहीं है. तथा समाज भी पूर्णरूपेण अपनी राष्ट्र भाषा को अपना चुका है, यह विचित्र संयोग की बात है कि भाषा इंडोनेशिया का विकास उस समय हुआ, जब इंडोनेशिया में आज़ादी के लिए संघर्ष हो रहा था. क्रान्ति के युग में जिस भाषा ने नया रूप धारण किया, वह जनमानस के परिवर्तन तथा मानसिक विकास एवं संघर्ष का प्रतीक है, अतएव इसी आधार शिला पर भाषा इंडोनेशिया के शब्दों का मूल्यांकन करना चाहिए, क्योंकि नई भावनाओं ने नये अर्थों की व्यंजना की है.

शब्दों के अर्थ : इस विषय पर विचार करने से प्रतीत होता है कि अर्थान्तर कभी-कभी संभावनाओं से परे है; जैसे : 'सनी' शब्द का प्रयोग भाषा मलय में पेशाब करने के अर्थ का संकेत देता है, परन्तु आधुनिक भाषा इंडोनेशिया में 'सनी' शब्द का अर्थ 'कला' है, और उससे नये शब्द, जैसे : 'सनीमान' एवं 'सनीवाती' (कलाकार

एवं कलाकर्त्री) अर्थ के इस महान् परिवर्तन का एक उदाहरण देख सकते हैं. यह बात विशेषतया क्षेत्रीय भाषाओं में अधिक देखी जा सकती है, परन्तु विदेशी भाषाओं के शब्दों का रूप परिवर्तन भले ही हुआ हो, परन्तु अर्थ परिवर्तन इतना अधिक नहीं हुआ. क्योंकि उन शब्दों का प्रयोग विद्वानों ने संस्कृत भाषा आदि विदेशीं भाषाओं के अध्ययन अध्यापन के बाद किया. यहाँ तक कि प्राचीन भाषा कावी (मध्य जावा की भाषा) में संस्कृत शब्दों की बहुलता है और अर्थ परिवर्तन इतना अधिक नहीं, जो कल्पना से परे हो; जैसे : देवस्थान के लिए 'चाण्डी' शब्द का प्रयोग, साहित्य के लिए 'सासतरा' शब्द का प्रयोग, ऐसे ही उदाहरण हैं फ़ारसी, पुर्तगाली, अरबी एवं डच भाषाओं के शब्द रूपों का तो इंडोनेशियाईकरण किया गया है, परन्तु यह अर्थ परिवर्तन, अर्थ संकोच एवं अर्थ विस्तार तक ही सीमित रहा. अर्थ परिवर्तन पर विचार करते हुए, भाषा विज्ञान का कोई भी विद्यार्थी दृढ़तापूर्वक किसी सत्य का उद्‌घाटन करने में पूर्णरूपेण समर्थ नहीं हो सकता; उदाहरणार्थ :

डेसा (देश) शब्द का अर्थ भाषा इंडोनेशिया में गाँव है, अर्थ संकोच का इससे सुन्दर उदाहरण पाना कठिन है, जबकि हम अब भी देश शब्द का अर्थ एक राष्ट्र के रूप में करते हैं. इसी प्रकार 'साकती' (शक्ति) शब्द का प्रयोग भाषा इंडोनेशिया में अर्थ विस्तार का सूचक है, जिसका अर्थ है, 'दैवी शक्ति', जब हमारी भाषाओं में में शक्ति शब्द का अर्थ हिन्दी में केवल बल या ताक़त का सूचक है. संस्कृत शब्दों के तथा विदेशी भाषाओं के रूप परिवर्तन भी अधिकतर इस लिये हुये कि भाषा इंडोनेशिया में केवल मूल ध्वनियाँ (मूल स्वर एवं व्यंजन) ही हैं तथा महाप्राण ध्वनियों का सर्वथा अभाव है.

शब्दों के दोहराने से एवं समस्त पदों के रूप में प्रयुक्त होने पर अनेकों अर्थ परिवर्तन हुये हैं, जिनके नमूने शब्दावली के रूप में पुस्तक में स्थान-स्थान पर दिये हैं, यों तो प्रत्यय प्रधान भाषा होने के कारण प्रत्यय एवं उपसर्ग ही शब्द विन्यास में अर्थ परिवर्तन प्रस्तुत करते हैं. विदेशी भाषा इंडोनेशिया की यह पुस्तक अर्थ परिवर्तन पर विचार किये बिना अपूर्ण सिद्ध होगी. क्योंकि भाषा इंडोनेशिया की 15 प्रतिशत शब्दावली आज भी संस्कृत की ही है

ग्रौर यह गौरव का विषय है कि दक्षिण पूर्व-एशिया के सभी देश तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली के लिये पहले संस्कृत की ही ग्रोर देखते हैं, बाद में पश्चिमी भाषाग्रों पर उनकी नज़र जाती है. परन्तु ग्राश्चर्य है कि भारतीय भाषायें ग्राज एक मोहताज की भाँति पश्चिमी देशों की ओर तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली के लिये मुँह ताक रही हैं.

नये शब्दों की रचना में भी कई रूप उभरे हैं ; जैसे 'स्वा' से स्वाप्राजा स्वातांत्रा, स्वास्ता ग्रादि, जिनके ग्रर्थों में भी विशेष परिवर्तन नही हुये, केवल 'स्वास्ता' शब्द व्यक्तिगत रूप से स्वतंत्र कार्य करने का संकेत देता है. भाषा इंडोनेशिया में इस ग्रर्थ परिवर्तन को कोष की सहायता के बिना कभी-कमी पूरी तरह समझना कठिन है. इस प्रकार के उदाहरण निम्नांकित हैं :

ईसताना	(स्थान)	राजमहल
परमाईसूरी	(परमेश्वरी	महारानी, पटरानी
सरीगाला	(शृगाल)	भेड़िया
हेरान		ग्राश्चर्यचकित होना
चीनता	(चिन्ता)	प्रेम
ग्रोलेह ग्रोलेह		भेट (ग्रोलेह, द्वारा)
माता माता	(माता, ग्राँख)	जासूस

इसमें सन्देह नहीं कि ग्रलंकार के प्रयोग शब्द शक्तियों का पूर्ण विकास करते हैं, परन्तु जब जनसाधारण के विश्वास एवं ग्रन्ध विश्वास ग्रादि सभी प्रभावों के द्वारा ग्रर्थ परिवर्तन होता रहता है ; तो भाषा प्रतिक्षण गतिमय एवं विकासशील होकर शाश्वत रूप धारण करती है. ग्रौर किसी भी समाज एवं देश के लोगों के सोचने के ढंग एवं संस्कृति की प्रतीक होती है. इसी धरातल पर भाषा इंडोनेशिया के शब्द भाण्डार को प्रतिष्ठित करके नये जीवन के ग्रालोक में देखना होगा.

विभिन्न देशों एवं संस्कृतियों के प्रभाव से भाषा इंडोनेशिया में कई क्षेत्रों में ; जैसे : व्यापार. धर्म, साहित्य, कला एवं राजनीति आदि के क्षेत्रों में प्राचीन युग से वर्तमान काल तक विदेशी भाषाग्रों के प्रभाव परिलक्षित होते हैं ; वे इस प्रकार हैं :

संस्कृत शब्दावली लगभग 15 प्रतिशत है

कीराना	किरण	बूमी	भूमि
सूआरा	स्वर	चाहाया	चमक, प्रकाश
नराका	नरक	आगामा	धर्म
सूरगा	स्वर्ग	सायेमबारा	स्वयम्वर, मुक़ाबिला
पूम्रासा	उपवास	म्रातमा	म्रात्मा
मूका	मुख	मनूसीया	मनुष्य
ऊतारा	उत्तर दिशा	राहासीया	रहस्य
बाहाया	डर, भय	डेवा	देव
पूतरा	पुत्र	राकसासा	राक्षस, विशाल
नगरी	देश	सौडारा	भाई
बाहासा	भाषा	सनतोसा	सन्तोष म्रादि

म्ररबी के शब्द भी इस्लाम धर्म के प्रभाव के कारण 15 प्रतिशत हैं :

म्रासाल	मूल, म्रादि	तरबीत	छपना, निकलना
बाडान	शरीर	म्राडात	रीति
पीकीर	सोचना	म्रालाम	प्रकृति
लाहीर	बाहर	म्रालीम	विद्वान्
परलू	जरूरी	डाफतार	लिस्ट, सूची
सबाब	कारण	डोम्रा	म्राशीर्वाद
बालौ	यद्यपि	सेतान	शैतान
जामान	ज़माना	स्याईर	कविता
जावाब	उत्तर	सजाराह	इतिहास
म्राजाल	मौत	वाकील	प्रतिनिधि
मूपाकात	सहमति	ताबीब	वैद्य
मकसूड	म्रर्थ, संकेत	हाकीम	म्रफ़सर, म्रधिकारी
डराजात	मात्रा	हूकूम	नियम, क़ानून
आडाब	सभ्यता	जीन	जिन्नात, जिन
जूमात	शुक्रवार	खामूस (कामूस)	शब्द कोश

पुर्तगाली भाषा के शब्द

मेजा	मेज	लेलाँग	नीलाम
कमेजा	कमीज़	लेनतेरा	लालटेन
चेलाना	पायजामा	मनतेगा	मक्खन
बेनडेरा	झंडा	तरीगू	मैदा
मींगगू	सप्ताह	तीनता	स्याही
बोला	बाल, गेंद	पीपा	पाइप
सपेडा	साईकिल	बोनेका	गुड़िया
तमबाकू	तम्बाकू	चरूतू	चुरट
गेरेजा	गिरजा	सरडाडू	सिपाही
पलूरू	गोली	कामार	कमरा
आलमारी	आलमारी	पाडेरी	पादरी
आरमाडा	जल सेना	पातेर	फ़ादर (ईसाई)

चीनी भाषा के शब्श

चोनतोह	मिसाल, उदाहरण	नोना	अविवाहित युवती
कूये	मिठाई	योंयाँ	श्रीमती, विवाहिता
लोतेंग	टाँड		
तेह	चाय	चेंगकेह	लबंग, लौंग

फारसी के शब्द

आचार	अचार	कलासी	ख़लासी
अंगूर	शराब	पाहलावान	हीरो, वीर
बानडार	बन्दरगाह	ताख्ता	गद्दी
शाहबान-डार	बन्दरगाह का अधिकारी	पासार	बाज़ार
		मावार	गुलाब
डासतार	कपड़ा	लाशकार	सेना
डोमबा	भेंड़	सरबान	पगड़ी
कंडूरी	दावत	सौडागार	व्यापारी

तमिल भाषा के शब्द :

वागे	तरह	सनतरी	सन्तरी
पेलवागे	तरह-तरह की	मानीकाम	माणिक
तोलान	तौलिया	नलायान	मछुआ
तीराई	चटाई	कूईल	मन्दिर
जोडोह	पत्नी	गूरीनडाम	कविता की दो पंक्तियाँ (दोहा)
चमेती	चाबुक	कापाल	जहाज़
पेती	पेटी	माचाम	तरह

डच भाषा के शब्द :

वाजू	वस्त्र	डोकतर	डाक्टर, वैद्य
वाँकू	स्टूल बैठने का	सकोलाह	स्कूल
लामपू	लैम्प	कारचीस	टिकट
बूकू	किताब	बीर	बीयर (शराब)
मसीन	मशीन	कोरान	अखबार
कोकी	रसोइया	बूनचीस	फलियाँ
जेनडराल	जनरल	पोलीसी	पुलीस
रापोत	रिपोर्ट	मेडाली	मेडल
होतेल	होटल	मनीत	मिनट
कोपोर	बैग, अटैची	परसेन	प्रतिशत
तास	बैग, झोला		

अंग्रेज़ी भाषा के शब्द :

पीनसील	पेन्सिल	गोल	गोल
बोलोत	बोतल	गाऊन	लम्बा चोगा
मोतोर	मोटर	राऊन	पारी, राउण्ड
कापतेन	कैप्टन		
सेमीनार	सेमीनार	सलोगान	नारा

प्रादेशिक भाषाग्रों के शब्द असंख्य हैं ; उदाहरणार्थ :

(पश्चिमी जावा), सूनडा भाषा के शब्द :

गारोंग	लुटेरा, डकैत	चूलीक	ग्रपहरण करना
मारहाईन	सर्वहारा वर्ग		
चामात	क्षेत्र	सवाजारयाँ	वास्तव में

मध्य ज़ावा की भाषा के ग्रनेकों शब्द भाषा इंडोनेशिया में ग्रा गये हैं ; जैसे :

पामेरान	प्रदर्शनी	वीसा	सकना
सवनाँग वनाँग	इच्छा से	गामपाँग	सरल
पीयागाम	प्रशस्ति	बेरेस	तैयार
मंगऊँगसी	प्रवासी होना	कबूपातेन	प्रान्त, क्षेत्र, सूबा
लेबारान	त्योहार (इस्लाम धर्म से संबंधित) उपवास ग्रादि		

सीनोनीम, होमोनीम डान एनतोनीम
समानार्थक एकार्थक तथा विलोमार्थक शब्द

अर्थ विचार के क्षेत्र में उपरोक्त तीनों वर्गों को भी लिया जाता है ; जैसे :

सीनोनीम : वह शब्द, जो अलग-ग्रलग होते हुये भी लगभग समान ग्रर्थ देते हैं ; जैसे : 'बसार' 'राया' 'ग्रागूँग' (क्रमशः बड़ा, महान् तथा बड़ा). इन शब्दों के प्रयोग एवं प्रादेशिक प्रभाव से भी इनके ग्रर्थ का संकोच ग्रथवा विस्तार हो सकता है, परन्तु इनका प्रयोग लगभग एक ही समान अर्थ में होता है.

होमोनीम : वे शब्द हैं, जिनकी ध्वनियाँ लगभग एक-सी ही होती हैं, परन्तु प्रयोग में ग्रर्थ भेद हो सकता है, क्योंकि उनका मूल रूप ग्रथवा प्रारम्भिक रूप एक स्थान से संबंधित नहीं होता ; जैसे : 'कनीङ्' शब्द एक ही ध्वनि एवं रूप होते हुये भी का ग्रर्थ डाही, (मस्तक) होता है (क्षेत्रीय भाषा मीनाँग) तथा कनीङ् शब्द का अर्थ

जाकार्त्ता की बोली में उसका अर्थ 'भौहें' होता है. यह व्यापक प्रभाव भाषा की व्यापकता एवं क्षेत्र से भी संबंधित है.

एनतोनीम : वह शब्द जो विलोम या विपरीत अर्थ के द्योतक होते हैं ; जैसे :

वसार, कचील	बडा, छोटा
गमूक, कूरूस	मोटा, पतला
हीताम, पूतीह	काला, सफेद आदि

इस प्रकार भाषा पर अर्थ परिवर्तन का व्यापक प्रभाव स्पष्ट है.

अध्याय 13

संक्षेप

किसी शब्द का छोटा रूप

तकनीकी शब्दावली : विदेशी प्रभाव से नवनिर्मित शब्द तथा उनके उदाहरण किसी शब्द का पद या वाक्य खण्ड का संक्षिप्त रूप प्रस्तुत करना भाषा इंडोनेशिया में काफ़ी प्रचलित है, अतएव उसका उल्लेख भी आवश्यक है ; जैसे :

1. बापाक (पाक) पिता, ईबू (बू) माँ, काकाक (काक) बड़ी बहिन या भाई

आवाँग (वाँग) भाई, आनाक (नाक) बच्चा

2. बोलचाल की भाषा में अक्सर प्रत्यय एवं उपसर्ग को छोड़ दिया जाता है ; जैसे :

अ. डीया तीडाक बली (ममबली) कारचीस

उसने टिकट नहीं खरीदी.

ब. बाईक जालान साजा, अच्छा है, कि पैदल चलें.

स. ततापी (तापी) तथापि आपाबीला (पाबीला). जब

जीकालाऔ (कालौ). अगर साहाया (साया) में ताडी (ताहाडी) अभी कुछ समय पहले, बाहारू (बारू) नया, बाहबासायाँ (बाहबा), कि यद्यपि शब्दों के संक्षिप्त रूप कई स्थानों पर कई रूपों में प्रस्तुत किये जाते हैं, ; फिर भी कुछ निश्चित नियम भी हैं, जो निम्नांकित हैं :

1. पहले अक्षर का प्रयोग :

र, ई, रीपूबलीक इन्डोनेसिया

2. प्रत्येक शब्दांश का पहला अक्षर :
ततग, त (र) त (आङ) ग (आल), तरताँगगाल तारीख़
3. शब्द का पहला एवं अन्तिम अक्षर :
यग, य (आन) ग याँग जो
4. प्रथम शब्दांश के प्रयोग द्वारा
ईरडा. ईऊरान रीहाबीलीसासी डाईराह
5. अन्तिम शब्दांश का प्रयोग
योन बाताल (योन) बटालियन
मन रजी (मेन) रेजीमेंट
6. शब्द के मध्य का शब्दांश (अथवा) दूसरा पीछे से)
हानसीप परताहानान (आत सीपील परताहानान सीपील जन सुरक्षा
7. पहला शब्दांश, उस शब्दाँश के पहले अक्षर के साथ, जो बाद में आता है ; जैसे :
पन परेस पन (एपातान) परस (ईड़ेन)
पनेपातान परेसीडेन प्रेसीडेंट का निर्णय.
8. प्रथम शब्दांश एवं द्वितीय (अथवा बाद में आने वाले शब्दांश के प्रथम अक्षर से)
पमीलू पमील (ईहान) ऊमूम
पमीलीहान ऊमूम आम चुनाव.

उपरोक्त आधारों की अपेक्षा वाक्य खण्डों के संक्षिप्त रूप अन्य कई रूपों में भी प्रस्तुत किये जाते हैं :

प्रथम ढंग से बनाये गये संक्षिप्त शब्द रूप
पे, न, क, अ
परऊसाहाआन नगारा करेता आपी. राज्य की रेल सेवा
पे, बे, वे.
परसरीकातान बाँगसा बाँगसा सयुक्त राष्ट्र संघ
गा मा
गाजाह माडा (माजापाहीत साम्राज्य के महामंत्री)
डानमन कोमानडान रेसीमेन रेजीमेंट कमांडर.
हारलाह हारी लाहीर जन्म दिवस

सम्मिश्रण के ढंग से बनाये गये संक्षिप्त शब्द रूप
डेपारलू डेपारतमन लूआर नगरी विदेश मंत्रालय

बरडीकारी	बरडीरी डीआतास काकी संडीरी.
	अपने पैरों पर खड़ा होना.
आमपेरा	आमानत पनडरीताआन रायात.
	जनता के संघर्ष एवं कठिनाइयों का प्रतिनिधित्व.
पोमाड	पोलीसी मीलीतर अंकातान डारात.
	स्थल सेना की पुलीस.

नोट : कभी ऐसे अक्षर जो अरबी से आये हैं ; उनका उच्चारण भी इसी रूप में होता है ; जैसे :

अ. राकयात	रायात	जनता
माकलूम	मालूम	सूचना होना

ब. कभी-कभी कोड (संकेत) शब्दों का प्रयोग भी लोग अपनी आवश्यकतानुसार करते हैं ;

गवर (गामबीर) मतल (मूनतीलान)
समग (समारॉंग) आदि स्थान सूचक हैं.

2. तकनीकी शब्दों का निर्माण :

इन शब्दों का निर्माण प्रत्यय एवं उपसर्ग के द्वारा अथवा आवश्यकतानुसार निश्चित नियम के आधार से किया जाता है. भाषा इंडोनेशिया बड़ी गतिशीलता से नयी अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी शब्दावली को अपना रही है, परन्तु उनका भाषा इंडोनेशियाईकरण किया जाता है और जनता में ऐसे शब्द तुरन्त ही प्रचलित हो जाते हैं जिसके कारण जीवन के अनेकों क्षेत्रों में प्रतिदिन भाषा का शब्द भण्डार भरा जा रहा है. भाषा इंडोनेशिया इस क्षेत्र में भी विकासशील देशों की भाषाओं के लिये आदर्श है.

विदेशी शब्द	भाषा इंडोनेशियाईकरण	
एक्स-	एकस	
एक्सट्रा	एकसतरा	अधिक
एक्जेक्ट	एकसाक, एकसाकता	निश्चय
-एक्स	एकस	
लेटेक्स	लातेकस	दूधिया रस
एपेक्स	आपेकस	चोटी
आल/-ईल	—ईल	

स्ट्रक्चरल	ईसतरुकतरील	संचरना संबंधी
फ़डामेन्टील	फूनडामनटील	आधारभूत
— एक्शन/- शन/-सी	आसी/-सी	
ओक्सीडेशन	ओकसी डासी	तत्व बनाना
रिडक्सी	रडूकसी	कम
—ईक/इश	ईस	
फ़ोनेमिक	फोनमीस	ध्वन्यात्मक
प्लासतिश	पलासतीस	स्वर सन्तुलन
—इक्स	ईक/ईका	
फ़ोनेमिक्स	फोनमीक	ध्वनि विचार
फ़िजिक्स	फीसीका	भौतिकशास्त्र
—इस्ट	ईस	(विज्ञान)
पब्लिसिस्ट	पूबलीसीस	प्रकाशक
इगोइस्ट	ईगोईस	अभिमानी
—ईज़्म/ईजमे	ईसमे	
मेटीरियलिज़्म	मातीरीयालीसमे	भौतिक
—इव/-ईफ़	ईफ	ताबाद
डेसक्रिप्टिव	डेसकरीवतीफ	वर्णनात्मक
क्वानटीटेटीफ़	कूआनतीतातीफ	परिमाण सूचक
—लोजी/-लोजी	लोगी	
फ़ोनोयलोजी	फोनोलोगी	ध्वनि
मेथोडोलोजी	मताडोलोगी	ढंग, कायदा विसात
—एनसी/-इनसी	नसी	
इन्टैलीजेन्सी	ईनतलीजनसी	गुप्तचरी
एसेन्स	एसेन्सी	तत्त्व
—टी/-टेट	—तास	
यूनीवर्सिटी	ऊनीफरसीरतास	विश्वविद्यालय
क्वालिटी	कवालीतास	गुण

अध्याय 14

दिनांक, तारीख (तिथि)

पत्र ग्रौर चिन्ह (–)

वर्ष के महीनों के नाम

जानूग्रारी	जनवरी	जूली	जौलाई
पवरूग्रारी	फरवरी	ग्रागूसतूस	ग्रगस्त
मारेत	मार्च	सेपतमबर	सितम्बर
ग्रापयरील	अप्रैल	ग्रोकतोबर	ग्रक्टूबर
मेई	मई	नोवेमबर	नवम्बर
जूनी	जून	डीसामबर	दिसम्बर

सप्ताह के दिनों के नाम

हारी, दिन, दिवस, मींगगू, सप्ताह

हारी मींगगू रविवार, इतवार

सेनीन	सोमवार
सलासा	मंगलवार
राबू	बुधवार
कामीस	वृहस्पतिवार
जूमाग्रात	शुक्रवार
साबतू	शनिवार

शनिवार की संध्या अथवा शनिवार की रात को मालाम (रात) मींगगू कहते हैं ;

समींगगू	एक सप्ताह
बूलान	महीना
ताहून	वर्ष

नोट : बूलान शब्द का प्रयोग महीने के नाम से पहले एवं हारी शब्द का प्रयोग दिवस के नाम से पहले किया जाता है.

नमूने :

पाडा आखीर बूलान जानूआरी.	जनवरी माह के अन्त में.
सकारांग हारी सलासा	आज मंगलवार है.
हारी आपा सकारांग ?	आज कौन-सा दिन है ?
तीयाप तीयाप मींगगू.	हर एक इतवार को.
सेनीन यांग लालू.	गत सोमवार, पिछले सोमवार.

पत्र

1. नमस्कार, प्रणाम (आदर सूचक प्रारम्भ)

अ. मित्र के समान व्यक्तियों के प्रति पत्र (प्रारम्भ)

काबानकू यांग बाईक	मेरे प्रिय मित्र
काबानकू ओ3मदत्त	मेरे मित्र ओ3मदत्त
सेरी यांग बाईक	प्रिय श्री
काबान अथवा तमानकू	मेरे मित्र

ब. व्यापार एवं शिष्टाचार संबंधी पत्र (प्रारम्भ)

डेंगान होरमात	सादर, प्रिय महोदय
तूआन यांग तरहोरमात	आदरणीय महोदय
तूआन राजकपूर यांग तरहोरमात	प्रिय श्री राज कपूर

2. प्रशंसा सूचक पत्र (समाप्ति)

अ. मित्रों एवं मित्रों के समान व्यक्तियों के प्रति

सालाम डारी	आपका हितैषी (नमस्कार के रूप में)

सालाम हाँगात डारी	आपका परम हितैषी
सामपेयकान सालामकू पाडा	मेरी ओर से आदर एवं सम्मान सूचित कीजिए

व्यापार एवं शिष्टाचार संबंधी पत्र (समाप्ति)

होरेमात कामी	सादर, सम्मान (व्यापार पत्रों में)
होरमात साया	आदर सहित (व्यक्तिगत पत्रों में)
बाससालाम	सादर नमस्कार (सम्मान सूचक)
मनूँगगू बालासान तूआन	आपके पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में
सबलूमयाँ बायाँक तरीमाकासीह कामी (साया) हातूरकान :	कार्य से प्रथम सधन्यवाद.
हाराप तूआन मालूम आडायाँ	इस आशा से कि आप इस पर पूरा ध्यान देंगे एवं सूचना प्राप्त करेंगे.

शब्द

त० ग० ताँगगाल	तारीख़
कीनी	आजकल, अभी
ममवालास	पत्र का उत्तर देता है
सीबूक	संलग्न
बलाजार	पढ़ता है, अध्ययन करता है
मंगहाडापी ऊजीयान	परीक्षा के लिए बैठता है, परीक्षा देता है
ताता बूकू	पुस्तक व्यवस्था
डीआडाकान	किया गया था, हुआ था
कसालाहान	ग़ल्ती
लूलूस	परीक्षा में उत्तीर्ण होता है
तोको बूकू	बुक-स्टोर, पुस्तक विक्रेता की दूकान
परसडीआआन	स्टॉक, संभरण, तैयारी
नाह	अच्छा
डेकोरासी रूमाह	घर की सजावट
मनारूह मीनात आकान	किसी चीज में ध्यान देकर कार्य करना
सबागे	जैसे

डगान	द्वारा, से
वाहान	माल
ममवरी कावार	सूचना देता है
हारगा	कीमत, मूल्य
मँगनाई	संबंध में
बरहूबूँग डेंगान	इस संबंध में, इस कारण से
ईजाज़ाह	प्रमाण-पत्र
ममूँगकीनकान	सम्भव करता है, संभव होने का कारण होता है
मासीह	अभी तक
बूलू ताँगकोस	बैडमिण्टन
बर लातीह	अभ्यास करता है
परलू	आवश्यक
बागी	के लिए
मंगइंगात	इस संबंध में ध्यान रखते हुए
सलींगगान	परिवर्तन, बदलना
मेजा तूलीस	लिखने की मेज
अंका	संख्या, गणना सूचक अंक
मंयेगारकान	तरोताजा करने वाली है
लागीपूला	और भी, इसकी अपेक्षा
बाडान	शरीर
सकीयान	केवल इतना ही (किसी भाषण या पत्र की समाप्ति पर)
लागी	एक बार और, फिर
बरसामा ईनी	इसके साथ
कतराँगान	सूचना
तरलामबातयाँ	देरी
पंगीरीमान	भेजी हुई वस्तुयें
पेसान	आज्ञा
तरपाकसा	मजबूर हो गया, जिसको बचाया न जा सका
मंगाबारकान कपाडा	सूचित करता है, सूचना देता है

परमीनताग्रान	प्रार्थना, विनय
काबूलकान, मंगाबूलकान	स्वीकार करना, स्वीकृत करता है
सेगरा सतलाह	शीघ्र ही, बाद में
काली लाईन	दूसरी बार
ममासतीकान	ग्राश्वासन देता है, पक्का करता है
मनचूकूपी	पूरा करता है
करतास सामपूल	लपेटने वाला कागज़
डीप्रोडूकसीकान	उत्पादन किया गया था
सचारा बसार बसारा आन	बहुत बड़े परिमाण में
पाबरीक करतास	काग़ज़ की मिल
लाँगानान	ख़रीदने वाला, ख़रीदार

1. एक मैत्रीपूर्ण पत्र का उदाहरण :

सूराकारता,
16 डीसमबर, 1976

काबानकू याँग बाईक,

बायाँक बायाँक तरीमा कासीह ग्राकान सूरातमू याँग तरताँगाल 21 नोपेमबर मग्राफ़कान बाहवा ग्राकू बारू कीनी डापात ममबालास सूरातमू ईतू. ग्राकू तलाह सीबूक बलाजार ऊनतूक मंगहाडापी ऊजीयान ताताबूकू, याँग तलाह डी ग्राडाकान 5 हारी याँग लालू.

बीला ग्राकू लूलूस. आकू मनचारी पकरजाग्रान डीकानतोर याँग लबीह बसार. ग्राकू तताप बरमाईन बूलू ताँगकीस डूग्रा काली समींगगूर. लातीहान ईनी मंयेगारकान बाडानकू.

नाह, सकीयान साजा डाहूलू. काली लाईन ग्राकू ग्राकान मनूलीस लागी.

सामपेयकान सालामकू कपाडा कडूग्रा ग्रोराँग तूग्रामू.

सालाम डारी काबानमू,
हासान

2. एक शिष्टाचारपूर्ण पत्र का उदाहरण :

जाकारता,
15 ओकतोबर, 1976

कपाडा
तोको बूकू "आमान"
जालान सूलू 4,
बानडूँग.

डेंगान होरमात,

बरसामा ईनी साया मीनता कतराँगान आपाकाह तोको बूकू तूआन ममपूँइयाई परसडीया आन बूकू बूकू तनताँग डेकोरासी रूमाह ? साया मनारूह मीनात आकान डेकोरासी डेंगान बामबू सबागे बाहान. बीला तूआन ममपूइयांई बूकू बूकू तरसबूत, डापातलाह तूआन ममबरी काबार कपाडा साया मंगनाई हारगायाँ.

सबलूमयाँ बायाँक तरीमाकासीह साया हातूरकान.

होरमात साया,
सालीम
जालान डीपोनगोरो 84,
जाकारता

3. एक व्यापारिक पत्र का उदाहरण :

जाकारता, 2 जूनी, 1976
कपाडा
ऊसाहा मामूर पे ते, आईरलाँगगा,
जालान सूरावाया.

"कानचील एमास"
पीनतू आईर 57
जाकारता
नोमोर/ये/76/14
हाल : परमीनताआन करतास सामपूल नं० 475
तूआन याँग, तरहोरमात,

बरहूबूँग डेंगान तरलामबातयाँ करतास याँग कामी पेसान डारी नगरी बलानडा, माका तरपाकसा कामी हारूस मंगाबारकान

कपाडा तूग्रान, बाहवा परमीनता ग्रान तूग्रान डालाम सूरात तूग्रान तरताँगगाल, 14 ग्रापरील, 1976 नोमोर 47/83, तीडाक डापात कामी काबूलकान.

सेगरा सतलाह पंगीरीमान डारी नगरी बलानडा ईतू तीवा. ग्राकान कामी वरी कावार कपाडा तूग्रान.

हाराप तूग्रान मालूम ग्राडायाँ. होरमात कामी,

(डीरेकतूर) मोखतार

1. हिन्दी अनुवाद :

सुराकार्त्ता,

16 दिसम्बर, सन् 1976

मेरे प्रिय मित्र,

ग्रापके 21 नवम्बर के पत्र के लिए ग्रनेकों धन्यवाद. मुझे इसके लिए क्षमा कीजिये कि अभी हाल ही में ग्रापके पत्र का उत्तर दे पाया. मैं पुस्तक व्यवस्था की परीक्षा की तैयारी के लिए ग्रध्ययन में व्यस्त था, जो कि 5 दिन पहले समाप्त हो चुकी है.

जब मैं इस परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाऊँगा तो मैं किसी बड़े दफ़्तर में कोई काम ढूँढ़ लूँगा. मैं ग्राजकल एक सप्ताह में दो वार बैडमिन्टन खेलता हूँ. इसके ग्रभ्यास से मेरा शरीर स्वस्थ एवं तरोताज़ा हो जाता है.

ग्रच्छा, ग्राज के लिए इतना ही काफ़ी है. मैं फिर कभी विस्तार से ग्रापको पत्र लिखूँगा.

ग्राप ग्रपनी माताजी एवं पिताजी के प्रति मेरा नमस्कार कहिये.

शुभ कामनाग्रों सहित,

ग्रापका मित्र,

हसन

2. हिन्दी अनुवाद :

जाकार्त्ता,

15 अक्तूबर

पुस्तक भंडार 'आमान' के लिये

स्कूल मार्ग 4,

वानडूंग

आदर सहित,

इस पत्र के द्वारा मैं आपसे एक सूचना प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करता हूँ. वह यह, कि क्या आपकी दूकान में घर की सजावट से संबंधित कुछ पुस्तकें उपलब्ध हैं ? मुझे बाँस के द्वारा बनी हुई वस्तुओं से घर को सजाने का शौक़ है. यदि ये पुस्तकें आपके पास उपलब्ध हों, तो क्या आप मुझे उनकी क़ीमत के संबंध में सूचित करने की कृपा करेंगे.

इस कार्य के लिये पहले से ही अनेकों धन्यवाद.

भवदीय,

सलीम

डीपोनगोरो मार्ग 84,

जाकार्त्ता.

3. हिन्दी अनुवाद :

जाकार्त्ता

2 जून, 1976

मामूर कम्पनी पे० ते०

आईरलाँगगा मार्ग 15

सुराबाया.

"कावचील एमास"

पीनतू आईर 57

जाकार्त्ता

नं०/ये/76/14

विषय : लपेटने का कागज नं० 475 के लिए एक निवेदन.

आदरणीय महोदय,

मैं आपको उस काग़ज़ के संबंध में सूचित करना चाहता हूँ,

जिसके मँगाने का आदेश हमें आपसे प्राप्त हो चुका है. इसीलिए विवश होकर मैं आपको सूचित कर रहा हूँ कि आपका पत्र एवं आदेश दिनांक 14 अप्रैल, सन् 1976, नं॰ 47/83, जिसमें आपने यह सूचना प्राप्त करने की प्रार्थना की है, परन्तु उसका स्वीकार करना हमारे लिए अभी कठिन है, इसका हमें खेद है.

शीघ्र ही जैसे ही हॉलैण्ड से काग़ज़ के भेजने की सूचना तथा माल हमारे पास आयेगा, तुरन्त ही मैं आपको इसकी सूचना भेजूँगा.

आशा है, कि वस्तुस्थिति अब आपको स्पष्ट हो गई होगी.

पता :

सादर (आपके लिए) — आदर सहित,

बारींगीन — मुख्तार.

ऊमपात मार्ग 76, (निदेशक)

कोता बारू

सम्मान सूचक एवं नमस्कार के अन्य रूप तथा बहुत से आदर सूचक शब्दों के लिए संक्षिप्त शब्द रूपों का प्रयोग किया जाता है, जो असंख्य हैं; क्योंकि प्रत्येक विभाग, शासन, सेना, आदि में ऐसे बहुत से शब्दों का प्रचलन है, जिनके बनाने के कई तरीक़े हैं. कभी-कभी प्रथम अक्षर या अन्तिम अक्षर को मिलाकर ही ऐसे संक्षिप्त रूप प्रस्तुत किये जाते हैं.

संबोधन एवं नमस्कार करने के लिये अन्य सम्मान सूचक शब्दों का प्रयोग किया जाता है; जैसे :

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के लिये : नमस्कार

पाडूका याँग मूलीया प्रेसीडेन, रीपूबलीक, इंडोनेसिया.

मंत्रियों के लिए :

याँग मूलीया मनतेरी........

उसके मंत्रालय का नाम

राज्यपालों के लिए :
याँग मूलीया गूफेरनूर........
उसके प्रदेश का नाम
रेजीडेंट के लिये :
याँग तरहोरमात बापाक रेजीडेन
उसकी रेजीडेंसी का नाम
बापाक रेजीडेन याँग तरहोरमात

मेयर के लिये :

याँग तरहोरमात बापाक वालीकोता
उसके नगर का नाम
बापाकू वालीकोता याँग तरहोतमात

(—) चिन्ह जो दो शब्दों या शब्द खण्डों के मध्य में प्रयुक्त होता है और उनको जोड़ता है.

इस चिन्ह (—) का प्रयोग वाक्यांशों में उपसर्ग के बाद तथा प्रत्यय से पहले होता है;

उदाहरण :

ईनडाह	ईन—डाह	शानदार, सुन्दर
नराका	न—रा—का	नरक
मंगगामबार	मंग—गाम—बार	चित्र बनाना
परकलाहीआन	पर-क-ला-ही-ग्रान	झगड़ा

'ह' देवनागरी लिपि में महाप्राण ध्वनि है, परन्तु भाषा इंडोनेशिया में इसका प्रयोग केवल एक व्यंजन की भाँति ही होता है और संयुक्त व्यंजनों में इसका प्रयोग नहीं किया जाता. जाकार्त्ता राजधानी की बोली में इसका प्रयोग नहीं के बराबर होता है, जब तक कि इसकी स्थिति शब्द-खण्ड के मध्य में न हो :

डाहान	डा—हान	शाखा
जाहीत	जा—हीत	सिलाई करना
साहूत	सा—हूत	जवाब देना
पीहीत	पा—हीत	कड़ुग्रा (स्वाद)

'ङ्' का प्रयोग जब स्वर शब्दों के बाद होता है, तो स्वर से उनको अलग कर दिया जाता है; उदाहरण :

हाँगात	हा—नगात	गर्म
ईनगात	ई—नगात	याद करना
सीनगा	सी—नगा	शेर, सिंह

परन्तु जब यही स्थिति व्यंजन के साथ होती है, तो 'ङ्' को शब्द-खण्ड के प्रथम भाग के अन्तिम अक्षर के साथ ही जोड़ दिया जाता है;

उदाहरण :

अंगका	अंग—का	अंक, संख्या
ताँगगाल	ताँग—गाल	दिनांक, तारीख़
सूँगगूह	सूँग—गूह	वास्तव में

संयुक्त स्वरों में (—) इन चिन्हों का प्रयोग तभी होता है, जब वे संयुक्त स्वर के रूप में प्रयुक्त नहीं होते;

उदाहरण :

काईन	का—ईन	कपड़ा
साइंग	सा—इंग	प्रतियोगिता करना
साऊह	सा—ऊह	लंगर डालना (जहाज़ का)
डाऊन	डा—ऊन	पत्ती

परन्तु जहाँ वे संयुक्त स्वर हैं, वहाँ उनका रूप इस प्रकार है :

डानाऔ	डा—नाऔ	भील
रामेय	रा—मेय	शोरगुल
तीरेय	ती—रेय	परदा

अभ्यास

निम्नांकित वाक्यों का भाषा इंडोनेशिया में अनुवाद करो :

1. मैंने तुम्हारा 15 जौलाई का पत्र प्राप्त किया था.
2. अपनी माता जी से मेरा प्रणाम कहिए.

3. दिसम्बर के मध्य में मेरी छुट्टियाँ होंगी.
4. मोहन ने गत शनिवार अपनी परीक्षा पास की है.
5. तुमने मेरे पत्र का उत्तर अब तक क्यों नहीं दिया ?

काता सरू विस्मयादि बोधक शब्द (ईन्तरजेकसी)

भाषा इंडोनेशिया में विस्मयादि बोधक शब्द, वाक्यांश (वाक्य खण्ड), या वाक्य पद होता है, और व्याकरण के आधार से उसका वाक्य से कोई विशेष संबंध नहीं होता है :

'वाह' का प्रयोग आश्चर्य, प्रशंसा या डर प्रकट करता है :

वाह ! बागूस !	ओह ! वह सुन्दर है.
वाह ! कालूँगकू हीलाँग	हाय ! मेरी नेकलेस खो गई.

हाय ! का प्रयोग आश्चर्य, प्रशन्नता तथा प्रश्न सूचक होता है, तथा सबका ध्यान अपनी ओर आर्कषित किया जाता है.

हाये ! कापान कामू डाताँग ?	हे ! तुम कब आ गये ?

आडूह ! का प्रयोग दर्द या करुणा प्रकट करने के लिए होता है.

आडूह ! साया साकीत.	ओह ! मैं बीमार हूँ.

माशा अल्लाह ! का प्रयोग आश्चर्य अथवा चकित करने वाला होता है.

माशाअल्लाह ओराँग ईतू तलाह काबीन ऊनतूक सपूलूह कालीयाँ.

आश्चर्य ! उस आदमी ने 10वीं बार शादी की है.

आयूह ! मारी ! का प्रयोग निमन्त्रण देने के लिये किया जाता है.

आयूह ! कीता परगी सकाराँग	आइये, अब हम सब चलें.
मारी ! माकान	आइये, हम भोजन करें.

मासा ! मासाकान ! का प्रयोग संदेह प्रकट करने के लिये होता है.

पाक अमीर मनाँग लोतेरी.	पाक अमीर ने लाटरी जीत ली.
मासा !	वास्तव में.

चलाका ! का प्रयोग असंतोष अथवा दुर्घटना व्यक्त करता है.

चलाका ! बान सेपेडाकू कमपीस.

मेरी साईकिल का टायर फट गया है.

ओह ! का प्रयोग निराशाजनक परिस्थिति प्रकट करता है :

ओह ! करेता आपी आकान डातॉंग तरलामबात.

ओह ! रेलगाड़ी बहुत देर से आयेगी.

सायाँग ! कासीहान ! दोनों क्रमशः पश्चाताप एवं करुणा प्रकट करते हैं :

कासीहान ! आनाक ईतू बारू कहीलाँगान. बापाकयाँ.

कितने दुःख का विषय है, कि अभी हाल ही में इस बालक के पिता का देहान्त हो गया है.

आसतागा ! का प्रयोग आश्चर्यचकित होने पर होता है :

आसतागा ! कामू बाँगून जाम समबीलान ताडी पागी.

अच्छा ! आप आज प्रातः 9 बजे सोकर उठे हैं.

आह ! आख ! का प्रयोग क्रोध, घृणा तथा असहमति के लिये होता है :

आह ! ओराँग समाचाम डीया.

आह ! वह इस तरह के आदमी हैं.

चीस ! घृणा करना.

बीसमील्लाह ! ईश्वर के नाम पर कार्य प्रारम्भ करना.

वाहाये ! हे !

ईनशाआल्लाह ! जैसी खुदा की इच्छा हो.

बल्लाहूआलाम ! ईश्वर सब जानता है.

आये ! अरे.

या ! अच्छा.

आमबोई ! आश्चर्य प्रकट करना.

शब्द

आईर	पानी
तंगलाम	डूब गया है
ममानचींग	मछली पकड़ता है
तूली	बहरा
पील तीडूर	सोने की गोलियाँ, नींद की गोली
डमीकीयान	इस प्रकार

ममूतार मूतार	चारों ओर घुमाता है
पेंयेक	लेट गया (चौड़ा होकर)
साजा	केवल, कुछ नहीं सिर्फ, निरन्तर, भी कोई, किसी प्रकार की
वोला डूनीया	दुनिया की वाल (गोला)
कूतूब	लम्बा लकड़ी का लटठा
जूगा	भी
बगीतू	ऐसा
पलानचोंग	यात्री
बरबारींग	लेटता है
आमबाँग पीनतू	चौराहे पर
लबीह सूका	अधिक पसन्द करना

अभ्यास

हिन्दी अनुवाद करो :

1. आह ! साया लबीह सूका तीडूर साजा.
2. आयूह ! आनाक आनाक कीता बरमाईन.
3. आसतागा ! साया तीडाक माऊ तीडूर डमीकीयान लामा.
4. चीस ! एनकाऊ सपरती ईनी ?
5. बाहाये ! यूसूफ़ तोलोंगलाह साया ?

(स्वर) मात्रा सूचक शब्द :

1. आमात, साङ्गात	बहुत अधिक गम्भीरता सूचक
2. राडा, आगाक	शायद
3. सकाली, बनार, बतूल	वास्तव में
4. लबीह कूराँग, पालींग	लगभग, सबसे अधिक
5. तरलालू, तरलामपाओ	बहुत अधिक, आधिक्य

परिशिष्ट—1

पुरानी लिपि

Tjontoh Teks Bahasa Indonesia

(Edjaan Lama)

Achirul kalam saja menjadari dengan sebaik baiknja bahwa biarpun saudara saudara mempunjai tugas jang penting dan tanggung djawab jang tjukup berat, tapi perhatian masjarakarat sangat kurang sekali terhadap saudara saudara, Ini suatu kenjataan, djika kita membuka koran koran harian jang ada sekarang, maka kita akan menemui berita atau karangan jang berkenaan dengan politik dan ekonomi tapi djarang sekali,djika tidak akan dikatakan hampir tidak ada. kita membatja karangan tentang bahasa dan mimbar jang chas itu,berupa madjalah, bahasa, sastra dan budaja, telah banjak jang gugur, menghadapi tantangan masa. Oleh karena itu saja sokong sekali andjuran PWI untuk lebih banjak menjiarkan berita perihal Kegiatan Kebudajaan termasuk usaha ahli ahli bahasa dan sastra kita. Sardjana bahasa dan sastra kita harus berbuat sesuatu untuk ini. Mereka harus menjampaikan kepada masjarakat tentang usaha dan pendapat mereka.

Ejaan Baru (Yang disempurnakan)

Akhirul kalam saya menyadari dengan sebaik. baiknya bahwa biarpun saudara saudara mempunyai tugas yang penting dan tanggungjawab yang cukup berat, perhatian masyarakat sangat kurang sekali terhadap saudara saudera. Ini suatu kenyataan, jika kita membuka koran koran harian-yang ada sekarang. Maka kita akan menemui berita atan karangan yang berkenaan dengan politik dan ekonomi tapi jarang sekali, jika tidak akan dikatakan hampir tidak ada, kita baca karangan tentang bahasa dun mimbar yang Khas itu berupa majalah. bahasa, sastra daw budaya telah banyak yang gugur, menghadapi tantangan masa. Oleh karena itu saya sokong sekali anjuran PWI untuk lebih banyak menyiarkan berita perihal kegiatan kabudayaan termasuk usaha ahli ahli bahasa dan sastra kita. Sarjana bahasa dan sastra kita harus berbuat sesuatu untuk ini. Mereka harus menyampaikan kepada masyarakat tentang usaha dan pendapat mereka.

भाषा इंडोनेशिया से हिन्दी लिप्यंतरण

आखीरूल कालाम साया मंयाडारी डेंगान सबाईक बाईकयाँ बाहवा बीयारपून सूडारा सूडारा ममपूइयाँई तूगास याँग पनतीङ् डान ताँगूँगजावाब, याँग चूकूप बेरात, परहातीआन मास्याराकात साँगात कूराङ् सकाली तरहाडाप सौडारा सौडारा. ईनी सूआतू कयाँताआन जीका कीता ममबूका कोरान कोरान हारीआन याँग आडा सकाराँग, माका कीता आकान मनमूई बरीता आतौ काराँगान याँग

वरकनाआन डेंगान पोलीतीक डान इकोनोमी, तापी जारॉंग सकाली, जीका तीडाक आकान डीकाताकान हामपीर तीडाक आडा. कीता बाचा कारॉंगान तनताॅंग बाहासा डान मीमबार यॉंग खास ईतू, बरूपा माजालाह, बाहासा, सासतरा डान बूडाया तलाह बायाँक यॉंग गूगूर, मंगहाडापी तानताँगान मासा. ओलेह कारना ईतू साया सोकोंग सकाली आनजूरान पे. बे. ई. (परसातूआन वारतावान इंडोनेसिया ऊनतूक लबीह बायाँक मंयीआरकान बरीता परीहाल कगीयातान कबूडायाआन तरमासूक ऊसाहा आहली आहली बाहासा डान सासतरा कीता. सारजाना बाहासा डान सासतरा कीता हारूस बरबूआत ससूआतू ऊनतूक ईनी,मेरेका हारूस मंयामपाईकान कपाडा मास्याराकात तनताँग ऊसाहा डान पनडापात मेरेका.

शब्द	**अर्थ**
चोनतोह	उदाहरण
तेकस	पाठ्य सामग्री
एजाआन लामा	पुरानी लिपि
एजाआन बारू	नई लिपि
आखिरूल कालाम	अन्त में (अंतिम शब्दों में)
साया	मैं
मंयाडारी	महसूस किया
डेंगान	से
सबाईक बाईकयाँ	जितनी अच्छी तरह संभव हो सके
वाहबा	कि
सूडारा	भाई, बहिन
ममपूँइयाई	रखते हैं
तूगास	कर्त्तव्य
यॉंग	जो
पनतीङ्	महत्त्वपूर्ण
डान	और

ताँगूँगजावाब	उत्तरदायित्व
चूकूप	काफी
बेरात	भारी
परहातीम्रान	ध्यान, झुकाव
मास्याराकात	समाज
साँगात	बहुत अधिक
कूँराग सकाली	बहुत कम (कम-अधिक)
करहाडाप	ओर
ईनी	यह
सूम्रातू	एक प्रकार की
कयाँताम्रान	वास्तविकता
जीका	अगर
कीता	हम
ममबूका	खोलें
कोरान	अख़बार
हारीम्रान	दैनिक
म्राडा	जिनका अस्तित्व है
माका	तो परिणाम यह होगा
कीता	हम
म्राकान मनमूई	पायेंगे
बरीता	समाचार
आतौ	अथवा
काराँगान	लेख
बरकेनाम्रान डेंगान	संबंध में
पोलीतीक	राजनीति
इकोनोमी	अर्थ संबंधी
तापी	तथापि
जाराँग	बहुत ही कम

सकाली	अधिक, एक बार
तीडाक	नहीं
श्राकान डीकाताकान	कहा जायेगा
हामपीर	लगभग
कीता	हम
बाचा	पढ़ते हैं
तनताँग	संबंध में
बहासा	भाषा
मीमबार	मंच
खास	विशेष, विशिष्ट
बरूपा	रूप में
माजालाह	पत्रिका
सासतरा	साहित्य, साहित्यिक
बूडाया	संस्कृति
तलाह	भूतकाल का द्योतक शब्द
बायाँक	बहुत से (संख्या)
गूगूर	शहीद हो जाना, बन्द हो जाना
मंगहाडापी	टक्कर लेना, सामने आना
तानताँगान मासा	युग से टकराव
मासा	युग
ओलेह कारेना ईतू	इस कारण से
सोकोंग सकाली	पूर्णरूपेण समर्थन करना, सहायता करना
श्रानजूरान	सिफ़ारिश
परसातूआन	संघ, समुदाय
वारतावान	पत्रकार
ऊनतूक	के लिए
लबीह	श्रौर श्रधिक
मंयीश्रारकान	प्रसारित करना
बरीता	समाचार

परीहाल	विषय
कगीयातान	कार्य
कबूडायाग्रान	संस्कृति
तरमासूक	संबंधित
ऊसाहा	प्रयास
ग्राहली	विशेषज्ञ
ग्राहली बाहासा	भाषाविद्
सारजाना	विद्वान्
हारूस	चाहिए
बरबूग्रात	बनाना
ससूग्रातू	कुछ, विशेष चीज़
ईनी	इस, इस कार्य के लिए
मेरेका	वे
मंयामपाईकान	पहुँचाना
कपाडा	को, के लिए
पनडापात	राय, सुझाव

भाषा इंडोनेशिया की दोनों लिपियों (प्राचीन तथा नवीन) के एक उदाहरण का हिन्दी रूपान्तर:

ग्रन्त में मैंने बहुत ग्रच्छी तरह यह महसूस किया कि यद्यपि ग्राप लोगों पर एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य एवं एक उत्तरदायित्व पूर्ण भारी काम आ पड़ा है, परन्तु समाज का ध्यान ग्राप लोगों के इस कर्तव्य की ग्रोर बहुत ही कम है. यह एक वास्तविकता है कि यदि हम आजकल के दैनिक पत्रों को खोलकर देखें, तो हमें अधिकतर लेख राजनीति एवं ग्रार्थिक स्थिति के संबंध में ही मिलेंगे, परन्तु बहुत ही कम, ग्रथवा यदि यह भी कहा जाय कि लगभग नहीं के बराबर ही साहित्य संबंधी लेख होंगे. हम भाषा ग्रादि से संबंधित लेख एक विशेष धरातल के पत्रों में ही ग्रथवा मैगज़ीनों में ही पाते हैं. यह पत्रिकायें भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के एक स्वरूप का ही प्रतिपादन करती हैं, परन्तु बहुत-सी पत्रिकायें समय से पहले ही बन्द हो गईं क्योंकि वह युग की धारा से टक्कर नहीं ले सकीं. इसी कारण

मैं इंडोनेशियाई पत्रकार संघ की सिफारिशों का पूर्णरूपेण अनुमोदन करता हूँ, जिसके अनुसार अधिक से अधिक सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित वार्ताओं का प्रसारण किया जाय तथा हमारे भाषाविदों एवं साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया जाना चाहिए. हमारी भाषा इंडोनेशिया एवं साहित्य के विद्वानों को इस कार्य को बढ़ावा देने के लिए अवश्य कुछ न कुछ करना चाहिये. उनको अपनी बात समाज तथा सभी वर्ग के लोगों तक पहुँचानी चाहिये. यह कार्य उनकी राय एवं प्रयास के रूप में होना चाहिए.

परिशिष्ट—2

इस पुस्तक में प्रयुक्त मुख्य व्याकरण संबंधी शब्दों की सूची (नई लिपि में)

संज्ञा :

Kata Benda काता बंडा (सूबसतानतीफा)

क्रिया :

Kata Kerja काता करजा (फरबा)

विशेषण :

Kata Keadaan (Sifat) (ग्राडयेकतीफा), काता कग्राडाग्रान

क्रिया विशेषण :

Kata Keterangan काता कतराँगान (ग्राडफरबीया)

सर्वनाम :

Kata Ganti काता गानती (प्रोनोमीना)

गणनावाचक ग्रंक :

Kata Bilangan काता बीलाँगान (नोमरालीया)

संबंध सूचक शब्द :

Kata Depan काता डेपान (प्रीपोसीसी)

समुच्चय सूचक शब्द :

Kata Penghubung काता पंगहूबूँग (कोनयूँगसी)

निश्चय अथवा ग्रनिश्चय सूचक शब्द :

Kata Sandang काता सानडाँग (ग्रारतीकेल)

विस्मयादि बोधक शब्द :

Kata Seru　　काता सरू (ईनतरयेकसी)

संयुक्त पद अथवा समास :

Kata Majemuk　　काता माजमूक

सहायक क्रिया :	(Auxiliary Verb) कोपूला Kopula
सहायक शब्द : Particle	Partiket　पारतीकेल
शब्दांश	Syllable, Silabil
विन्यास	Construction, Konstruksi कोनसतरूकसी
रीति	Manner, Modalita मोडालीता
मात्रा	Degree, derajat डेराजात
प्रत्यय	Suffix, Akhiran आखीरान
उपसर्ग	Prefix, Awalan आवालान
निषेधार्थक वाक्य	Negative Sentence, Kalimat, Negatif
निरन्तरता बोधक स्वरूप	Continuous, Aspect, Aspek, Kontinus,
नियतकालिक व्यापार	Periodic action, Aksi periodik
निश्चयवाचक	Specifiers, Sepesifir
क्रमवाचक अंक	Ordinal number Nomor ordinal
गणनावाचक अंक	Cardinal number Nomor Kardinal
इकाई	unit, Unit
आश्रितार्थक वाक्यांश	Dependent clause Keluasa dependen
अवधि (कालबोधक)	Period of Time, Period

अपवाद	Exception, Eksepsi
वाक्य खण्ड (इकाई)	Syntactical Unit, Gatra
वाक्य	Sentence, Kalimat
संचरना	Structure, Struktur
अर्थ विचार	Semantic. Simantik
शब्दों का दोहराना	Reduplication, Reduplikasi
दिशा सूचक	Directional, Direksional
सकर्मक क्रिया	Transitive Verb, Transitif, Verba
अकर्मक क्रिया	Intransitive Verb, Intransitif Verba
कर्म	Objective, Objektif
कर्त्तृ वाच्य	Active, Aktif
कर्मवाच्य	Passive, Pasif
शब्द भेद	Parts of Speech, Rumpun Kata
वर्गीकरण	Classification, Klasifikasi
(ध्वनि) वर्ण विचार	Phonology, Fonologi
शब्द विन्यास	Morphology Morfologi
वाक्य विन्यास	Syntax, Sintaksis
पुरानी लिपि	Old Orthography Ejaan lama
नई लिपि	New Orthography Ejaan Baru
विभक्ति रूप	Inflection, Fleksi
विश्लेषणात्मक	Analytical, Analitis
संश्लेषणात्मक	Synthetic, sintetis
सहायक शब्द (आबद्ध शब्द)	Bound morpheme Morfin Terikat

रूप	Form, bentukan
पद या वाक्य खण्ड	Phrase, Frase
प्रत्यय एवं उपसर्ग का योग	Simulffix Simulfiks
बलाघात	Accent, Aksen
सीमासूचक	Demarcative, dimarkatif
प्रत्यय प्रधान भाषा	Agglutinative Language, Bahasa Aglutinatif
संक्षेप	Abbreviation, Singkatan
स्वर	Vowel, Vowel
व्यंजन	Consonant, Konsonan
संयुक्त व्यंजन	Consonant, Cluster Konsonan Klustur
संयुक्त स्वर	Diphthong, Diptong
गुणवाचक विशेषण	Positive, Degree Derajat Positife
सार्थक	Articulate Artikulat
स्वनिम	Phoneme, Fonim
प्रघट्टक	Paragraph, Paragrap
शब्दों की व्युत्पत्ति	Etymology, Etimologi
कारक	Case, Kasus
उद्देश्य (कर्त्ता)	Subject, Subyek
विधेय (क्रिया)	Predicate, Predikat
उद्देश्य	Topic, Topik
विधेय	Comument, Komen

परिशिष्ट—3

वर्णानुक्रमिक शब्द-सूची

भाषा इंडोनेशिया-हिन्दी

a (A) अ

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
abad	आबाड (सं०)	शताब्दी
berabad abad	बरआबाड आबाड (क्रि०)	शताब्दियों तक
pada abad kedua puluh	पाडा आबाड कडूआ पूलूह (पद)	बीसवीं शताब्दी में
abadi	आबाडी (सं०)	शाश्वत, निरन्तर रहने वाला
abai-mengabaikan	आबाई-मंगआबाईकान (क्रि०)	उपेक्षा, उपेक्षा करता है
abdjad (abjad)	आबजाड (सं०)	वर्णमाला
abu	आबू (सं०)	राख
achir (akhir)	आखीर (सं०)	अन्त
berachir	बरआखीर (क्रि०)	समाप्त करता है
achirnja (akhirnya)	आखीरयाँ (पद)	अन्त में
asrama	आसरामा (सं०)	छात्रावास
adab	आडाब (वि०)	सभ्य, शिष्ट
beradab	बरआडाब (क्रि०)	शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार करता है
peradaban	परआडाबान (सं०)	सभ्यता

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
adat	आडात (सं०)	परम्परा
adat istiadat	आडात ईसतीआडात (सं०)	परम्परायें, रीति-रिवाज़
adil	आडील (वि०)	न्यायपूर्ण
keadilan	कआडीलान (सं०)	न्याय
adjak (ajak)	आजाक (सं०)	निमन्त्रण देना
mengadjak (mengajak)	मंगआजाक (क्रि०)	निमन्त्रण देता है
adjakan (ajakan)	आजाकान (सं०)	निमन्त्रण
adjar (ajar)	आजार (सं०)	पढ़ाना, शिक्षा देना
mengadjar (mengajar)	मंगआजार (क्रि०)	शिक्षा देता है, पढ़ाता है
mempeladjari (mempelajari)	ममपलाजारी (क्रि०)	अध्ययन करता है, पढ़ता है
beladjar (belajar)	बलाजार	पढ़ता है
peladjar (pelajar)	पलाजार	विद्यार्थी
peladjaran (pelajaran)	पलाजारान	पाठ
pengadjar (pengajar)	पंगआजार	अध्यापक
kurangadjar (kurangajar)	कूराँगआजार	अशिष्ट
administrasi	आडमीनीसतरासी	शासन
adpertensi	आडपरतेनसी	विज्ञापन
agak	आगाक्	कुछ, अपेक्षा
agama	आगामा	धर्म
agen	आगेन	प्रतिनिधि
agung	आगूङ्	महान्, बड़ा
ahli	आह्ली	विशेषज्ञ
air	आईर	जल

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
air-mata	आईरमाता	अश्रु, आँसू
mata-air	माता-आईर	झरना
airbah	आईरबाह	बाढ़
airterdjun (terjun)	आईर-तरजून	झरना
ajam (ayam)	आयाम	मुर्गी
anak ajam (ayam)	आनाक आयाम	मुर्गी के बच्चे
akal	आकाल	बुद्धि
mengakali	मंगआकाली	बुद्धि का प्रयोग करता है, धोखा देता है
akar	आकार	जड़
akibat	आकीबात	परिणाम
aku	आकू	मैं
mengaku	मंगआकू	स्वीकार करता है
pengakuan	पंगआकूआन (सं०)	स्वीकार
aktif	आकतीफ़	शीघ्र काम करने वाला
alam	आलाम	प्रकृति
ilmu alam	ईलमू आलाम	भौतिकशास्त्र
alat	आलात	औज़ार
alir-mengalir	आलीर-मंगआलीर	बहना, बहता है
alis	आलीस	भौंह
allah	आललाह	ईश्वर
amal	आमाल	समाज-सेवा
aman	आमान	शान्ति
keamanan	कआमानान	सुरक्षा
ambil-mengambil	आमबील-मंगआमबील	लेना, लाता है
amplop	आमपलोप	लिफ़ाफ़ा
ampun	आमपून	क्षमा
mengampuni	मंगआमपूनी	क्षमा करता है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
andjur (anjur)	आनजूर	सिफ़ारिश करना
mengandjurkan (menganjurkan)	मंगआनजूरकान (क्रि०)	सिफ़ारिश करता है
anggrek	आङ्गरेक	शतावरी, सुन्दर फूलों का पौधा
angin	आङ्गीन	तूफ़ान, तेज़ हवा
masuk angin	मासूक आङ्गीन	ज़ुकाम होना
angkat-mengangkat	आंकात, मंगआँकात	उठाना, किसी पद पर उठाता है
anak angkat	आनाक आङ्कात	गोद लिया हुआ बच्चा
angkut-mengankut	आङ्कूत-मंगआङ्कूत	माल ढोता है
aniaja (aniaya)	आनीआया	अन्याय
menganiaja (menganiaya)	मंगआनीआया	अन्याय करता है
penganiajaan (penganiayaan)	पंगआनीआयाआन	अन्याय
antar-mengantar	आनतार-मंगआनतार	साथ ले जाता है
untuk-mengantuk	आनतूक-मंगआनतूक	निद्रित होता है
antri	आनतरी	क़तार
apa	आपा	क्या
tidak apa apa	तीडाक आपा आपा	चिन्ता की कोई बात नहीं, सब ठीक है
api	आपी	आग
kereta api	करेताआपी	रेलगाड़ी
gunung api	गूनूङ्आपी	ज्वालामुखी पर्वत
arah	आराह	दिशा
arang	आराङ्	कोयला
arlodji (arloji)	आरलोजी	घड़ी
arlodji tangan	आरलोजी ताङ्गान	हाथ की घड़ी

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
aruh-mempenga-ruhi	आरूह-ममपंगआरूही	प्रभाव, प्रभावित करता है
pengaruh	पंगआरूह	प्रभाव
terpengaruh	तरपंगआरूह	प्रभावित हुआ
berpengaruh	बरपंगआरूह	प्रभाव होता है
arti	आरती	अर्थ
berarti	बरआरती	अर्थपूर्ण
tiada berarti	तीआडा बरआरती	अर्थहीन है
artja (arca)	आरचा	मूर्ति
asal	आसाल	प्रारम्भ
asap	आसाप	धुआँ
asin	आसीन	नमकीन
asing	आसीङ्	विदेशी, अपरिचित
orang asing	ओराङ् आसीङ्	विदेशी व्यक्ति
aso-mengaso	आसो-मंगआसो	आराम करता है
atap	आताप	छत
atjara (acara)	आचारा	कार्यक्रम
atur-mengatur	आतूर-मंगआतूर	व्यवस्था करता है
pengaturan	पंगआतूरान	नियम, क़ानून
awan	आवान	वर्षा के बादल
awas	आवास	सजग, होशियार, सावधान
awas andjing (anjing)	आवास आँजीङ्	कुत्ते से सावधान
ada	आडा	अस्तित्व होना
akan	आकान	भविष्यत् काल का सूचक शब्द, के लिए
adik	आडीक	छोटी बहिन या भाई
apa	आपा	क्या
ahad	आहाड	रविवार

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
api	आपी	आग
anak	आनाक	बच्चा
atau	आताऔ	अथवा
ahli-teknik	अहली तकनीक	तकनीकी ज्ञान प्राप्त व्यक्ति
agenda	आजेंडा	कार्यक्रम
antara	आनतारा	मध्य में
atas nama	आतास नामा	नाम पर
apabila	आपाबीला	जब (समय सूचक)
achiran	आखीरान	प्रत्यय
awalan	आवालान	उपसर्ग
antara lain	आनतारा लाईन	अन्य वस्तुओं में
alim	आलीम	विद्वान्
akan tetapi	आकान ततापी	यद्यपि
akar	आकार	जड़
angin	आँगीन	तेज़ हवा
aliran zaman	आलीरान ज़ामान	युग की धारा
angka	अंका	अंक
asam	आसाम	कड़ुआ
abu abu	आबू आबू	राख
agar	आगार	जिससे
anggapan	आंगगापान	विचार
anak buah	आनाक बूआह	सिपाही
alat alat	आलात आलात	औज़ार
alpa	आलपा	ध्यान देने वाला व्यक्ति
atjap kali (acapkali)	आचापकाली	अक्सर
alun alun	आलून आलून	चौक
aluminium	आलमूनीयूम	अलमूनियम
alangan	आलाँगान	बाधा
aman	आमान	शान्ति

be (B) ब

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
bukit	बूकीत	पहाड़ी
bor	बोर	अभ्यास करना
boleh	बोलेह्	आज्ञा देना
bahasa	बाहासा	भाषा
biasa	बीयासा	साधारणतया
baru sadja	बारू साजा	अभी ही
bendahari	बेंडाहारी	भंडारी
bumbu	बूमबू	मसाला
besi	बेसी	लोहा
belek	बेलेक	टीन
bulu	बूलू	पख
bom	बोम	बम
bilik	बीलीक	कमरा
bedil	बडील	बन्दूक़
buram	बूराम	ड्राफ़्ट, मसौदा
bibit	बीबीत	बीज
bukan buatan	बूकान बूआतान	असाधारण, अत्यधिक
bukan kepalang	बूकान कपालाँग	अपवाद स्वरूप
berdasarkan	बरडासारकान	आधार बनाता है
buaja (buaya)	बूआया	मगर मच्छ
barang tjetakan (cetakan)	बाराँग चेताकान	प्रकाशन सामग्री
bagasi	बागासी	सामान
beliau	बीलीआओ	वह (आदर सूचक)
bidang	बीडाँग	मैदान
besok	बेसोक	कल आने वाला दिन
bahan	बाहान	माल
bersangkutan	बरसाँकूतान	संबंधित

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
biasiswa	बीयासीसवा	छात्रवृत्ति
batubara	बातूबारा	कोयला
bupati	बूपाती	राज्यपाल
betis	बतीस	गाय का बछड़ा
bentjana (bencana)	बेनचाना	बरबादी
baru sadja (saja)	बारू साजा	अभी हाल ही में
babi	बाबी	बाराह, सुअर
babi hutan	बाबी हूतान	वन्य सुअर
badai	बाडेय	तूफ़ान
badan	बाडान	शरीर
badjak (bajak)	बाजाक	भूमि जोतना
membadjak (bajak)	ममबाजाक	हल चलाता है, जोतता है
badjing (bajing)	बाजीङ्	गिलहरी
badut	बाडूत	जोकर
bagai	बागे	प्रकार
sebagai	सबागे	जैसे, जैसा
bagi-membagi	बागी-ममबागी	बाँटना, बाँट करता है
bagian	बागीआन	भाग, विभाग
pembagian	पमबागीआन	बाँट
bahaja (bahaya)	बाहाया	डर, ख़तरा
berbahaja	बरबाहाया	ख़तरनाक, भयानक, डरावना
bahkan	बाहकान (क्रि०वि०)	इसके अलावा
bahu	बाहू	कंधा
bajar (bayar)	बायार	पैसा देना
membajar	ममबायार	ऋण चुकाना, देता है
bajaran (bayaran)	बायारान	चुकौती
pembajaran (pembayaran)	पमबायारान	भुगतान

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
bajarkan (bayarkan)	बायारकान	कारणवश ऋण का रुपया देना पड़ता है
baji (bayi)	बायी	शिशु
bakar-membakar	बाकार-ममबाकार	जलता है
terbakar	तरबाकार	जला हुआ
kebakaran	कबाकारान	अग्निदाह
balas-membalas	बालास-ममबालास	जवाब, बदला लेता है
pembalasan	पमबालासान	बदला
balik-berbalik	बरबालीक	दूसरी ओर लौटना या घूमना
membalikkan	ममबालीककान	किसी वस्तु को उलटा देता है
terbalik	तरबालीक	उलटा होना
sabaliknja (sebaliknya)	सबालीकयाँ	इसके विपरीत
bangga	बाङ्गा	अभिमान
membanggakan	ममबाङ्गाकान	गर्व करता है
kebanggaan	कबाङ्गाआन	गर्व
bangkit	बाङ्कीत	उठना
membangkitkan	ममबाङ्कीतकान	कोई आन्दोलन चलाता है
bangun	बाङ्गून	जगाना, उठाना, बनाना
membangunkan	ममबाङ्गूनकान	निर्माण करता है
membanguni	ममबाङ्गूनी	किसी को सोते से जगाता है
bangunan	बाङ्गूनान	इमारत
pembangunan	पनबांगूनान	निर्माण कार्य
bangsa	बाङ्सा	राष्ट्र
kebangsaan	कबाङ्साआन	राष्ट्रीयता
lagu kebangsaan	लागू कबाङ्साआन	राष्ट्रगीत

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
banjak (banyak)	बाङ्याक	बहुत संख्या, अधिक परिमाण
banjak orang (banyak orang)	बाङ्याक ओरांग	बहुत लोग
orang banjak (orang banyak)	ओरांग बाङ्याक	जनता
memperbanjak (memperbanyak)	ममपरबाङ्याक	बढ़ाता है
kebanjakan (kebanyakan)	कबाङ्याकान	आमतौर से, अधिकतर
bantah	बानताह	किसी तर्क का उत्तर देना
membantah	ममबानताह	तर्क को काटता है
berbantah	बरबानताह	झगड़ता है, तर्क वितर्क करता है
bantahan	बानताहान (सं०)	विपरीत तर्क, विरोध
bantal	बानताल	तकिया
banting-membanting	बानतीङ-ममबानतींग	नीचे फेंकना नष्ट करता है,
membanting tulang	ममबानतीङ् तूलांग	कठिन परिश्रम करता है
bantu-membantu	बानतू-ममबानतू	मदद करना, सहायता करता है
bantuan	बानतूआन	सहायता
pembantu	पमबानतू	सहायक व्यक्ति
barat	बारात	पश्चिम
barat daja (daya)	बारात डाया	दक्षिण, पश्चिम
barat laut	बारात लाऊत	उत्तर-पश्चिम
baring-berbaring	बारीङ्-बरबारीङ्	लेटना, आराम करता है
baris	बारीस	क़तार, पद, रेखा
barisan	बारीसान	जनरक्षक

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
berbaris	बरबारीस	रेखा खींचना, लाईन बनाता है
basah	बासाह	भीगा
membasahkan	ममबासाहकान	गीला करता है, भिगोता है
membasahi	ममबासाही	गीला करता है
batal	बाताल	अप्रमाणित
membatalkan	ममबातालकान	अप्रमाणित सिद्ध करता है
pembatalan	पमबातालान	स्थगन
batu	बातू	पत्थर
batuk, berbatuk	बातूक, बरबातूक	खाँसना, खाँसता है
bawang	बाबाङ्	प्याज़
bebas	वेबास	स्वतंत्र, आज़ाद
begini	बगीनी	ऐसा, इस प्रकार
begitu	बगीतू	ऐसा, उस प्रकार
bekas	बेकास	पूर्व, पहले का
belah-membelah	बलाह-ममबलाह	कट जाना, अलग हो जाता है
sebelah kiri	सबलाह कीरी	बाईं ओर
sebelah kanan	सबलाह कारान	दाईं तरफ़
keduabelah	कडूआ बलाह	दोनों ओर
belok-membelok	बेलोक-ममबेलोक	घूमना, दायें या बायें घूमता है
benang	बनाङ्	डोरी, डोर
benda	बंडा	चीज़, वस्तु
harta banda	हारता बंडा	माल, धनाढ्य लोगों की वस्तुयें
bengkok	बेंकोक	शैतान, टेढ़ा
membengkok	ममबेंकोक	झुकाता है, टेढ़ा-मेढ़ा करता है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
beras	बेरास	चावल
berat	बेरात	भारी
memberatkan	ममबेरातकान	भारी बनाता है, वजनी करता है
keberatan	कबरातान	एतराज़, आपत्ति
berenang	बरनाङ्	तैरना, तैरता है
beri-memberi	बरी-ममबरी	देना, प्रदान करता है
memberitahu	ममबरीताहू	सूचना देता है, सूचित करता है
pemberitahun	पमबरीताहूआन	घोषणा
pemberian	पमबरीआन	भेंट
bersih	बरसीह	स्वच्छ
membersihkan	ममबरसीहकान	साफ़ करता है
kebersihan	कबरसीहान	सफ़ाई, स्वच्छता
betjak (becak)	बेचाक्	रिक्शा
biar	बीआर	ऐसा होने दो, छोड़ो
membiarkan	ममबीयारकान	छोड़ देना, सहन कर लेता है
biasa	बीआसा	अभ्यस्त, आमतौर से
luar biasa	लूआर बीआसा	असाधारण
membiasakan diri	ममबीआसाकान डीरी	अपने को अभ्यस्त करता है
biasanja (biasanya)	बीआसायाँ	आमतौर से
kebiasaan	कबीआसाआन	आदत, अभ्यास, अभ्यस्त
bibir	बीबीर	होंठ
bingung	बीङ्गूंग	व्याकुलता
membingungkan	ममबीङ्गूङ्गकान	भ्रम पैदा करता है, व्याकुलता से भ्रम में डाल देता है
biru	बीरू	नीला

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
bisik-berbisik	बीसीक-बरबीसीक	कानाफूसी करता है
membisikkan	ममबीसीककान	धीरे से कान में कुछ कहता है
membisiki	ममबीसीकी	किसी से कानाफूसी करता है
bisikan	बीसीकान	कानाफूसी
bisu	बीसू	गूंगा
buang	बूआङ्	फेंकना
membuang	ममबूआङ् (क्रि०)	फेंकता है
budjuk (bujuk)	बूजूक	फुसलाना
membudjuk	ममबूजूक	फुसलाता है
bukti	बूकती	प्रमाण, सबूत
membuktikan	ममबूकतीकान	प्रमाणित करता है
terbukti	तरबूकती	स्पष्ट किया हुआ
bumi	बूमी	पृथ्वी
bungkus-membungkus	बूङ्कूस, ममबूङ्कूस	पार्सल करना, लपेटता है
bungkusan	बूङ्कूसान	पार्सल
bunji (bunyi)	बूँयी	आवाज, शोर
buruk	बूरूक	बुरा
memburuk	ममबूरूक	बुरा हो जाता है, खराब हो जाता है
bongkar-	बोङ्कार-	खोलना
membongkar	ममबोङ्कार	खोलता है
boros	बोरोस	ख़र्चीला
bosan	बोसान	तंग आ जाना
botjor (bocor)	बोचोर	चूना, टपकता है
botol	बोतोल	बोतल

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
	Ch (kh) ख	
chajal (khayal)	खायाल	कल्पना
chas (khas)	ख़ास	विशेष, एक ख़ास क़िस्म का
chusus (khusus)	खूसूस	विशेष ढंग का
pada chususnja (pada khususnya)	पाडा खूसूसयाँ	विशेष ढंग से
chotbah (khotbah)	खोतबाह्	धर्मोपदेश
	de (D) ड	
dada	डाडा	सीना, वक्ष, छाती
dafter	डाफ़तर	सूची
daging	डागीङ्	गोश्त, माँस
dakwa	डावा	आरोप
dakwa-	डावा-	आरोप
mendakwa	मनडावा	अपराधी ठहराता है
damai	डामे	शान्ति
deradjat (derajat)	डेराजात	स्तर
debu	डबू	धूलिकण, धूल
demam	डेमाम	बुख़ार
derita-menderita	डरीता-मनडरीता	कष्ट सहना, सहन करता है
tak terderita	ताक् तरडरीता	असह्य दर्द
derma	डरमा	भिक्षा
desak	डसाक	हटाना
mendesak	मनडसाक	धक्का देकर हटाता है
dewasa	डेवासा	युवावस्था, जवानी
orang dewasa	ओराँग डेवासा	बालिग़, युवा पुरुष
dewasa ini	डेवासा ईनी	आजकल, वर्तमान में
djemur (jemur)	जमूर	धूप में सुखाना
damai	डामे	शान्ति

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
damar	डामार	एकत्रित करना
dongeng	डोंगगेंग	कहानी
deras	डेरास	तेज़, गतिपूर्ण
dalam pada	डालाम पाडा	इसी बीच में
djambu	जामबू	जामुनी
dewan perwakilan rakjat	डेवान परवाकीलान रायात	लोक सभा
djuru terbang	जूरू तरबाँग	वायुयान चालक
dosen	डोसेन	प्राध्यापक
daki	डाकी	ऊपर चढ़ना
djenis (jenis)	जनीस	क़िस्म
demikian	डमीकीयान	इस प्रकार
djamin	जामीन	ज़मानत करने वाला
daulat	डौलात	पूर्ण सत्ता
dagu	डागू	ठोढ़ी
djaksa	जाकसा	न्यायाधीश
duka tjita	डूका चीता	दु:खी चित्त
didik-mendidik	डीडीक-मनडीडीक	शिक्षा देता है, सिखाता है
djaga (jaga)-	जागा	रक्षा करना
mendjaga	मनजागा	रक्षा करता है
djahat	जाहात	बुरा
pendjahat	पनजाहात	बुरा आदमी
djahit (jahit)	जाहीत	सिलाई
mendjahit (menjahit)	मनजाहीत	सिलाई करता है
pendjahit (penjahit)	पनजाहीत	दर्ज़ी
djanggut (janggut)	जाङ्गूत	दाढ़ी
djantung (jantung)	जानतूङ्	हृदय

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
djari (jari)	जारी	उँगली
djarum (jarum)	जारूम	सूई
djelek (jelek)	जेलेक	बुरा
djemput-mendjemput (jemput)-menjemput	जमपूत-मनजमपूत	बुलाना, साथ ले जाता है
djempol (jempol)	जमपोल	अंगूठा, बढ़िया
djengkel (jengkel)	जेंकेल	ग़ुस्सा हो जाना
djeruk (jeruk)	जरूक	नारंगी (फल)
djidjik (jijik)	जीजीक	शैतान
djiwa (jiwa)	जीवा	आत्मा
djiudjur (jujur)	जूजूर	ईमानदार
djumlah (jumlah)	जूमलाह	जोड़, टोटल
doa	डोआ	प्रार्थना
domba	डोमबा	भेड़
duri	डूरी	कंटक
dusta	डूसता	झूठ
mendusta	मनडूसता	झूठ बोलता है
dorong-mendorong	डोरोङ्-मनडोरोङ्	प्रेरित करना, प्रेरणा देता है
dosin	डोसीन	दर्जन

e (E) ए

ember	एमबेर	बालटी
embus-mengembus	एमबूस-मंगएमबूस	बहना, (तेज़ हवा चलती है)
empuk	एमपूक	मुलायम
entah	एनताह	मुझे नहीं पता, मुझे नहीं मालूम है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
enteng	एनतेंग	प्रकाश
entjok (encok)	एनचोक	सख्त
erat	एरात	मज़बूत
es	ऐस	बर्फ़
edar	एडार	घुमाना
ekor	एकोर	पूंछ
enak	एनाक	स्वादिष्ट
ekonomi	इकोनोमी	आर्थिक अवस्था
ember	एमबेर	बालटी
empuk	एमपूक	मुलायम
engkau	एंगकाऔ	तुम
erat erat	एरात एरात	मज़बूती से

F (f) फ

faham	फाहाम	समझना
salah faham	सालाह फाहाम	ग़लत फ़हमी होना
fakultas	फाकूलतास	विश्वविद्यालय का विभाग
fihak	फ़ीहाक	पक्ष, तरफ़
berfihak	बरफीहाक	किसी एक ओर पक्ष लेता है
firma	फीरमा	फ़र्म
fasal	फासाल	धारा (क़ानूनी)

G (ge) ग

gadjah (gajah)	गाजाह	हाथी, गज, महान
gadji (gaji)	गाजी	तनुख्वाह, वेतन
gagah	गागाह	शक्तिशाली
gagal	गागाल	असफल होता है
gali-menggali	गाली-मंगगाली	खोदना, खोदता है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
gambar	गामबार	तसवीर
menggambar	मंगगामबार	चित्र बनाता है
gangguan	गाङ्गूआन	बाधा
mengganggu	मंगगाङ्गू	बाधा उत्पन्न करता है
ganti-mengganti	गानती-मंगगानती	बदलना, परिवर्तित करता है
gantung-menggantung	गानतूङ्-मंगगानतूङ	फाँसी देना, फाँसी पर लटकाता है
garam	गाराम	नमक
garuk	गारूक	खुजलाना
gatal	गाताल	खुजली
gelang	गेलाङ्	कंघन
gelap	गलाप	अँधेरा
gemar akan	गमार आकान	शौक़ीन होना
gembira	गमबीरा	प्रसन्न
gemuk	गमूक	मोटा
gendong-menggendong	गंडोंग-मंगगंडोंग	पीट पर लादना, पीठ पर लादकर ले जाता है
giat	गीआत	परिश्रमी
gila	गीला	पागल
girang	गीराङ्	प्रसन्न
goda-menggoda	गोडा-मंगगोडा	चिढ़ाना, छेड़ता है
guna	गूना	प्रयोग (संज्ञा)
berguna	बरगूना	लाभदायक होता है
menggunakan	मंगगूनाकान	इस्तेमाल करता है
gojang (goyang)	गोयाँग-	हिलाना
menggojang	मंगगोयाँग	हिलाता है
goreng-menggoreng	गोरेंग-मंगगोरेंग	तलना, तलता है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
gosok-menggosok	गोसोक-मंगगोसोक	सहलाना, सहलाता है
gelombang	गलोमबाँग	लहर
gumul	गूमूल	कुश्ती लड़ना
genteng	गेनतेंग	पत्थर का टुकड़ा
gerbong	गरबोंग	सामान

H ह

hendak	हंडाक	इच्छा, चाहिये
hidup	हीडूप	जीवित रहना, जीवन
hari	हारी	दिवस
harus	हारूस	चाहिये
hilang	हीलांग	खो जाना, खो गया
hasrat	हासरात	अभिलाषा
hudjan (hujan)	हूजान	वर्षा
hak	हाक	अधिकार
hanja (hanya)	हाइयाँ	केवल
harga	हारगा	क़ीमत
hikajat (hikayat)	हीकायात	वीर-गाथा
hadir	हाडीर	उपस्थित
hormat	होरमात	आदर, सम्मान
hidang	हीडाँग	सामने प्रस्तुत करना
hidjau	हीजाओ	हरा
henti	हनती	रुकना
habis	हाबीस	समाप्त, कार्य पूरा हो गया है
halus	हालूस	मुलायम, सुन्दर
halaman	हालामान	किताब का सफ़ा, बग़ीचा
hakim	हाकीम	जज
hampir	हामपीर	लगभग

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
hapus-menghapus	हापूस-मंगहापूस	मिटाना, मिटाता है
hasil	हासील	सफलता
menghasilkan	मंगहासीलकान	सफलता प्राप्त की है
hati	हाती	हृदय
hawa	हावा	वायु
hemat	हेमात	मितव्ययी
heran	हेरान	आश्चर्यचकित होता है
hidung	हीडूङ्	नाक
hitung-menghitung	हीतूङ्-मंगहीतूङ्	गणना, गणना करता है
hubung	हूबूँग	मिलाना
menghubungkan	मंगहूबूँगकान	जोड़ता है, मिलाता है
huruf	हूरूफ	अक्षर
hotel	होतेल	होटल
hukum	हूकूम	क़ानून, नियम
hukuman	हूकूमान	सज़ा, दण्ड
menghukum	मंगहूकूम	सज़ा देता है, दण्ड देता है

I ई

ingin	इंगीन	इच्छा, इच्छा करता है
ibu	ईबू	माँ, माता
ia	ईआ	वह व्यक्ति
itu	ईतू	वह
ini	ईनी	यह
isteri	इसतरी	पत्नी
istilah	इसतीलाह	तकनीकी शब्दावली
ilmu	ईलमू	विज्ञान
isi	ईसी	सूची, भरना
ibu negeri	ईबू नगरी	राजधानी
istimewa	ईसतीमेवा	विशिष्ट

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
istirahat	ईसतीराहात	आराम, सुस्ताना
ichtisar (ikhtisar)	इखतीसार	संक्षेप में
ipar	ईपार	साली
induk semang	इनतूक समाँग	अपना बड़ा अफ़सर, अधिकारी
ikan	ईकान	मछली
ikat-mengikat	ईकात-मंगईकात	बाँधना, बाँधता है
ikut-mengikut	ईकूत-मंगईकूत	अनुसरण करता है
inap-menginap	ईनाप-मंगईनाप	रात में ठहरता है
indjak (injak)	ईनजाक	उतरना, पैर रखना
mengindjak (injak)	मंगईनजाक	पैर रखता है
iris-mengiris	ईरीस-मंगईरीस	टुकड़े करता है
isap-mengisap	ईसाप, मंगईसाप	चूसता है
isi-berisi	ईसी-बरईसी	रखता है

J य

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
jakin (yakin)	याकीन	विश्वास, विश्वास करता है
jatim (yatim)	यातीम	असहाय
j (y) b. l. (yang baru lalu)	याँग बारू लालू	अन्तिम, हाल ही में

K क

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
kotor	कोतोर	गन्दा
kuning	कूनींग	पीला
karet	कारत	रबड़
kaleng	कालेंग	टीन
kementerian	कमनतरीआन	मंत्रालय
keris	करीस	कृपाण

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
kesudahan	कसूडाहान	समाप्ति
kembang	कमबाँग	फूल
kebudajaan	कबूडायाआन	संस्कृति
kesempatan	कसमपातान	अवसर, सौभाग्य
kepertjajaan (kepereayaan)	कपरचायाआन	विश्वास
kepustakaan	कपूसताकाआन	साहित्य
keamanan	कअमानान	सुरक्षा, शान्ति
kitar	कीतार	ओर
kedjadian	कजाडीआन	घटना
kamar tunggu	कामार तूँगगू	प्रतीक्षालय
kepanasan	कपानासान	गर्मी, गर्मी से प्रभावित होना
ketahuan	कताहूआन	ज्ञान
kemudi	कमूडी	लगाम
keuangan	कऊआँगान	अर्थ, धन-संबंधी
kendaraan	कंडाराआन	सवारी
kupas	कूपास	विश्लेषण करना
kutipan	कूतीपान	उद्धरण
kenal	कनाल	जानना
kopi	कोपी	कॉफ़ी
kantor	कानतोर	आफ़िस
kembali	कमबाली	लौटना
kerdja	करजा	कार्य, कार्य करना
kami	कामी	हम
kita	कीता	हम सभी
kemari	कमारी	निकट आइये
kapal	कापाल	पानी का जहाज़
kota	कोता	शहर
keadaan	कआडाआन	परिस्थिति

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
ketjil (kecil)	कचील	छोटा
kirim	कीरीम	भेजना
kuntji (kunci)	कूनची	ताला लगाना
keterangan	कतराँगान	सूचना
keping	कपींग	टुकड़ा
ketinggalan	कतींगगालान	पीछे छूटना, पूर्वकाल के स्मृति चिन्ह
kali	काली	नदी
kira kira	कीरा कीरा	लगभग
keperluan	कपरलूआन	आवश्यकता
kurang	कूराँग	कम
kuping	कूपींग	कान, कर्ण
kuat	कूआत	मज़बूत
kalimat	कालीमात	वाक्य
kurung	कूरूँग	पिंजड़ा
kuli	कूली	कुली
kebun	कबून	उद्यान
kepala	कपाला	अध्यक्ष
kuku	कूकू	नाख़ून
kaki	काकी	फ़ुट
kelak	कलाक	भविष्य में
karangan	काराँगान	लेख
kondektur	कोनडेकतूर	संचालक
karib	कारीब	निकट
kawah	कावाह	ज्वालामुखी
kagum	कागूम	आश्चर्य करना
kakus	काकूस	शौच को जाना, शौचालय
kaju (kayu)	कायू	लकड़ी
kambing	कामबीङ्	बकरी

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
kaki	काकी	पैर, फ़ुट
kampung	कामपूङ्	गाँव
kanan	कानान	दाहिना
kantjing (kancing)	कानचींग	बटन
kantong	कानतोंग	जेब
kaus	काऊस	बुना हुआ माल
kaus kaki	काऊसकाकी	पैर के मोज़े
badju kaus (baju kaus)	बाजू काऊस	बुने हुए कपड़े
kapas	कापास	कपास
karang-mengarang	काराङ्-मंगाराङ्	लिखना, लेख लिखता है
karangan	काराङ्आन	लेख
kartjis (karcis)	कारचीस	टिकट
katjang (kacang)	काचाङ्	फली, फलियाँ
kedjam (kejam)	कजाम	क्रूर
kelapa	कलापा	नारियल
keliling	कलीलीङ्	चारों ओर
kemari	कमारी	मेरे पास आइये
kena	कना	छूना, टकराना
kendaraan	कंडाराआन	सवारी, मोटर आदि
mengendarai	मंगनडाराई	सवारी चलाता है
kentang	कनताङ्	आलू
kentara	कनतारा	स्पष्ट
kerbau	करबाऊ	भैंस
kering	करीङ्	सूखा
mengeringkan	मंगरीङ्कान	सुखाता है
ketjewa (kecewa)	केचेवा	निराश, निराश होता है
ketjuali (kecuali)	कचूआली	अपवाद
kiri	कीरी	बायाँ

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
kodok	कोडोक	मेंढक
kompor	कोमपोर	चूल्हा
kursi	कूरसी	कुर्सी
kulit	कूलीत	खाल
kumis	कूमीस	मूँछ
kuning	कूनीङ्	पीला
kurban (korban)	कूरबान, कोरबान	शिकार
kurus	कूरूस	पतला, दुबला

(el) L ल

lahir	लाहीर	बाहर, पैदा होना, जन्म लेता है
kelahiran	कलाहीरान	जन्म
laku	लाकू	उचित, प्रयोग में आता है
lalai-melalaikan	लाबाई-मलालाईकान	उदासीन, उपेक्षा करता है
lamar-melamar	लामार-मलामार	प्रार्थना-पत्र देना, प्रार्थना-पत्र देता है
pelamar	पलामार	प्रार्थना-पत्र देने वाला
lambat	लामबात	देर, लेट
lampu	लामपू	लैम्प
langganan	लाङ्गानान	खरीददारी
leher	लेहेर	गरदन
lekas	लकास	शीघ्र
lelah	ललाह	थका हुआ है
lemah	लमाह	कमज़ोर
lempar-melempar	लेमपार-मलेमपार	फेंकना, काफी दूर फेंकता है
lalu	लालू	बाद में, तत्पश्चात्

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
lalu lintas	लालू लीनतास	वाहनों का गुज़रना
lapangan	लापाँगान	मैदान
lemari	लमारी	अलमारी
lain	लाईन	दूसरा, दूसरी
lihat	लीहात	देखना
lama	लामा	काफ़ी समय तक
lim	लीम	चिपकाना
lupa	लूपा	भूल जाना
lajang (layang)	लायाँग	उड़ना
lekas	लकास	शीघ्र
lusa	लूसा	दूसरे दिन के बाद का दिन
letak	लताक	स्थित होना
lemas	लमास	कमज़ोर
larang	लाराँग	वर्जित करना
landjut	लानजूत	आगे बढ़ाना
lebih	लबीह	और अधिक
lambat laun	लामबात लाऊन	धीरे-धीरे
lada	लाडा	कालो मिर्च
lezat	लजात	स्वादिष्ट
letus	लतूस	फूट पड़ना
lampiran	लामपीरान	संबंधित वस्तुयें
libur	लीबूर	छुट्टी का दिन
lajak (layak)	लायाक	योग्य
lingkung	लींगकूँग	दायरा
loket	लोकत	टिकटघर
lengan	लेङ्गान	भुजा, बाँह
lengkap	लङ्काप	पूरा, पूर्ण

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
lepas	स्वतंत्र	स्वतंत्र
melepaskan	मलपासकान	स्वतंत्र करता है, छोड़ देता है
lidah	लीडाह्	जीभ
lipat-melipat	लीपात, मलीपात	लपेटना, दोहरा करता है
listrik	लीसतरीक	बिजली
luas	लूआस	चौड़ा
lubang	लूबाङ्	सूराख़, गड्ढा
melubangi	मलूबाङ्गी	सूराख़ करता है
lukis-melukis	लूकीस-मलूकीस	चित्र बनाना चित्र खींचता है
lukisan	लूकीसान	चित्र, पेंटिग
pelukis	पलूकीस	चित्रकार
lutut	लूतूत	घुटना
berlutut	बरलूतूत	झुकना, घुटना टेकता है
lontjat (loncat)	लोनचात	कूद, कूदना
melontjat (meloncat)	मलोनचात	कूदता है

(em) M म

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
mabok, mabuk	माबोक, माबूक	मदिरा पिये हुए है
madjalah (majalah)	माजालाह्	पत्रिका
madju (maju)	माजू	आगे बढ़ना
kemadjuan	कमाजूआन	उन्नति
maksud	माकसूड	इरादा, लक्ष्य
bermaksud untuk	बरमाकसूड ऊनतूक	किसी कार्य को करने का इरादा करता है
malu	मालू	शरमीला

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
manis	मानीस	मीठा, सुन्दर
manusia	मानूसीया	मनुष्य
matahari	माताहारी	सूर्य
matjam (macam)	माचाम	प्रकार, किस्म
malam	मालाम	रात
mandi	मानडी	नहाना
minum	मीनूम	पीना
makan	माकान	खाना
mau	माऊ	चाहना
main	माईन	खेलना
mesin	मसीन	मशीन
mester	मेसतर	श्रीमान्
masuk	मासूक	घुसना, प्रवेश
mobil	मोबील	कार
memang	मंमाँग	स्वाभाविक रूप से
mendjadi (menjadi)	मनजाडा	हो गया है
murah	मूराह	सस्ता
mudah	मूडाह	सरल
maaf	माआफ	क्षमा करना
marah	माराह	क्रोध
murid	मूरीड	शिष्य
manis	मानीस	मधुर
masjarakat	मासयाराकात	समाज
maklumat	मालूमात	सूचना
minat	मीनात	आनंद
malas	मालास	सुस्त
mahasiswa	माहासीसवा	विश्वविद्यालय का छात्र
musim	मूसीम	मौसम
mahakuasa	माहाकूआसा	सर्वशक्तिमान

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
mojang	मोयाँग	पूर्वज
menepati	मनपाती	पूर्ण करता है
masalah	मासालाह	प्रश्न
merdeka	मरडेका	स्वतंत्र
mulia	मूलीआ	महामहिम
merosot	मरोसोत	पतन हो गया है
mupakat	मूपाकात	एक राय
meterai pos	मतराई पोस	डाक टिकट
memang	मेमाङ्	वास्तव में
mendung	मनड़ूँग	बादल छाये हैं
mentimun	मनतीमून	खीरा
masdjid (mesjid)	मासजीड	मस्जिद
mimpi	मीमपी	सपना, सपना देखता है
impian	ईमपीयान	स्वप्न
bermimpi	बरमीमपी	सपना देखता है
minjak (minyak)	मीङ्याक्	तेल
minyak kacang (katjang)	मीङ्याक काचाङ्	फलियों का तेल
minyak kelapa	मीङ्याक कलापा	नारियल का तेल
minyak tanah	मीङ्याक तगाह	मिट्टी का तेल
muat-memuat	मूआत-ममूआत	रखना, किसी माल का होना
memuati	ममूआती	बोझा ढोता है
muatan	मूआतान	बोझा, काफ़िला
muka	मूका	सामने, मुख
mulut	मूलत	मुँह, मुख
mundur	मूनडर	पीछे लौटना
musim	मूसीम	मौसम
musim hudjan (hujan)	मूसीम हूजान	वर्षा ऋतु

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
musim-kemarau	मूमीम कमाराऔ	सूखा मौसम

en (N) न

nafas	नाफास	साँस
bernafas	बरनाफास	साँस लेता है
naik	नाईक	ऊपर चढ़ना, ऊपर चढ़ता है
nakal	नाकाल	शैतान
nanti	नानती	बाद (भविष्य का सूचक)
menanti	मनानती	प्रतीक्षा करता है
nasihat (nasehat)	नासीहात	शिक्षा
menasihatkan	मनासीहातकान	शिक्षा देता है राय देता है
penasehat	पनासहात	राय देने वाला व्यक्ति
naik	नाईक	ऊपर चढ़ना
njonja (nyonya)	योंयाँ	महिला, श्रीमती
negeri	नगरी	देश, राष्ट्र
nama	नामा	नाम
nanti	नानती	निकट भविष्य में
nekel	नेकेल	निकिल धातु
nabi	नाबी	पैग़म्बर
nasihat	नासीहात	शिक्षा
natal-harinatal	नाताल, हारीनाताल	क्रिसमस का दिन
nenek	नेनेक	दादी
nenek mojang (moyang)	नेनेक मोयाँग	पूर्वज
njata (nyata)	याँता	स्पष्ट
menjatakan (menyatakan)	मयाँताकान	स्पष्ट करता है
nomor (nomer)	नोमोर, नोमर	नम्बर, संख्या

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
njawa (nyawa)	यांवा	आत्मा

O ओ

obat	ओबात	औषधि, दवा
ombak	ओमबाक	लहर
omel-mengomel	ओमेल-मंगओमेल	बड़बड़ाना, शिकायत करता है
olok-olok	ओलोक ओलोक	हँसी-मज़ाक
mengolok olok	मंगओलोक ओलोक	मज़ाक उड़ाता है
ongkos	ओङ्कोस	ख़र्च, व्यय
opsir	ओपसीर	अफ़सर, उच्च अधिकारी
otak	ओतोक	दिमाग़, मस्तिष्क

pe (P) प

padjak (pajak)	पाजाक	कर, टैक्स
pahit	पाहीत	कड़ुआ
pajah (payah)	पायाह	कठिन थका हुआ, परेशान
sakit pajah	सीकात पायाह	थकावट की बीमारी
pajung	पायूङ्	छाता
paku memaku	पाकू-ममाकू	खूँटी, खूँटी गाड़ता है
paksa-memaku	पाकसा-ममाकसा	विवश करता है
keadaan terpaksa	कआडाआन तरपाकसा	आपत्ति की स्थिति
terpaksa	तरपाकसा	(मजबूरी) विवश किया गया है
pukul	पूकूल	मारना
pagi	पागी	प्रातःकाल
pulang	पूलांग	लौटना
parkakas	परकाकास	बर्तन
pegawai	पगावे	कार्यकर्त्ता

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
pandjang	पानजाँग	लम्बा
pendidikan	पनडीडीकान	शिक्षा
perkataan	परकाताआन	शब्द
pahat	पाहात	मूर्ति बनाना
pakai	पाके	इस्तेमाल करना
pensil	पेनसील	पेन्सिल
potlot	पोतलोत	दावात
pita	पीता	फ़ीता
pel	पेल	गोली, दवा
pintu	पीनतू	द्वार
perikat	परीकात	चिपकाना
pesan	पेसान	सजग करना, शिक्षा
pertolongan	परतोलोंगान	सहायता
penting	पनतींग	महत्त्वपूर्ण
pesawat	पसावात	मशीन
pertjetakan (percetakan)	परचेताकान	छपाई
pertama	परतामा	प्रथम
perang	पराँग	युद्ध
putih	पूतीह	सफेद, श्वेत वर्ण
pada	पाडा	को, में, ऊपर
pernah	परनाह	एक बार
perselisihan	परसलीसीहान	झगड़ा
pisau	पीसाऔ	चाकू
protes	प्रोतेस	विरोध
perlop	परलोप	छुट्टी
pesta	पेसता	उत्सव
pindah	पीनडाह	स्थानान्तरण करना
pembeli	पमबली	खरीददार
perak	पेराक	चाँदी

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
pemerintahan	पमरीनताहान	सरकार
parliamen	पारलीआमेन	लोक सभा
partai	पारताई	पार्टी
penduduk	पनडूडूक	निवासी
punggut	पूँगगूत	चुनना
putusan	पूतूसान	निर्णय
pengantar	पंगानतार	परिचायक भूमिका
penakut	पनाकूत	कायर
pemalas	पमालास	सुस्त आदमी
pegunungan	पगूनूँगान	पर्वतमाला
perpisahan	परपीसाहान	वियोग, जुदाई
pergerakan	परगराकान	आन्दोलन
pendapatan	पनडापातान	परिणाम, प्राप्ति
perubahan	परऊबाहान	परिवर्तन
peristiwa	परीसतीवा	घटना
pendeta	पेनडेता	पंडित, विद्वान्
patung	पातूँग	प्रस्तर की मूर्ति
paskah	पासकाह	ईस्टर द्वीप
peron	परोन	प्लेटफ़ार्म
pidato	पीडातो	भाषण
pasar	पासार	बाज़ार
patah	पाताह	टूटना
potongan	पोतोंगान	टुकड़ा
pusat	पूसात	केन्द्र
pulang pergi	पूलाँग परगी	वापस आना-जाना
penuh	पनूह	पूर्ण
punggung	पूँगगूँग	रीढ़
paling	पालींग	सबसे अधिक
pintu gerbang	पीनतू गरबाँग	प्रधान द्वार
panitia	पानीतीआ	कमेटी

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
pormulir	पोरमूलीर	फ़ार्म, आवेदन-पत्र
panggang	पाङ्गाङ्	भूनना
memanggang	ममाङ्गाङ्ग	भूनता है
pangkat	पाङ्कात	पद, पोज़ीशन
pegawai	पगावेय	अधिकारी
pelihara	पलीहारा-ममलीहारा	बड़ा करना,
memilihara		पालन-पोषण करता है
pemandangan	पमानडाँगान	प्राकृतिक दृश्य
penjakit (penyakit)	पंयाँकीत	बीमारी
penting	पनतीङ्	महत्त्वपूर्ण
pereksa-memreksa	ममरेकसा	परीक्षण करता है
perut	परूत	पेट
pesan	पसान	शिक्षा
petjah (pecah)	पचाह	तोड़ना, फोड़ना
memetjahkan	ममचाहकान	तोड़ता है, हल निकालता है
pidato	पीडातो	भाषण
pipa	पीपा	नली (धूम्रपान के लिये)
puas	पूआस	सन्तुष्ट
putus	पूतूस	तोड़ना
memutuskan	ममूतूसकान	निर्णय करता है
pompa	पोमपा	पम्प
memompa	ममोमपा	पम्प करता है

er (R) र

rambut	रामबूत	बाल, केश
rentjana (rencana)	रनचाना	योजना
rumput	रूमपूत	घास

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
rupa-merupakan	रूपा-मरूपाकान	रूप, किसी रूप का होना
menjerupai (menjerupai)	मंयरूपाई	समानता होना, एक रूप-सा प्रतीत होता है
serupa	सरूपा	समान
rombak merombak	रोमबाक, मरोमबाक	विभाजित करता है
rombongan	रोमबोङ्गान	समूह, यात्रा के साथी
roti	रोती	रोटी
raga	रागा	शरीर
rokok	रोकोक्	सिगरेट
rusak	रूसाक	अव्यवस्थित
rendah	रेनडाह	नीचा
ratus	रातूस	शत, सौ
ribu	रीबू	एक हज़ार
radja (raja)	राजा	राजा
rantau	रानताओ	प्रवासी होना
riwajat (riwayat)	रीवायात	जीवन चरित्र
rakjat (rakyat)	रायात	जनता
rapat	रापात	निकट
rahasia	राहासीया	गुप्त, गोपनीय
resmi	रसमी	सरकारी कार्य
rahang	राहाँग	डाढ़
rem bahaja	रेम बाहाया	सुरक्षा का यंत्र

S

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
saja (saya)	साया	मैं
sampai	सामपे	पहुँचना
sana	साना	वहाँ
sini	सीनी	यहाँ
sepuluh	सपूलूह	दस
sedang	सडाँग	कार्य की गति
sebentar	सबनतार	एक क्षण

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
satu	सातू	एक
seperempat	सपरएमपात	एक बटा चार
sadja (saja)	साजा	केवल
sekarang	सकाराँग	आजकल
suami	सूआमी	पति
sedia	सडीआ	प्रस्तुत, तैयार
selamat	सलामात	सकुशल, नमस्कार
sukur	सूकूर	कृपा
sehingga	सहींगगा	उस सीमा तक
sakit	साकीत	बीमार
sepeda	सपेडा	साईकिल
sebelumnja (sebelumnya)	सबलूमयाँ	इससे पहले
simpan	सीमपान	रखना
sendiri	संडीरी	स्वयमेव
sekalian	सकालीआन	सभी
silakan	सीलाकान	कृपया
sembuh	समबूह	रोग से मुक्त होना
sibuk	सीबूक	संलग्न
sesak	ससाक	पूर्ण, भरा हुआ
sahabat	साहाबात	मित्र
sudut	सूडूत	कोना
senang	सनाँग	प्रसन्न
sambil	सामबील	उसी समय
sesal	ससाल	सोचकर दुःखी होना
sekian	सकीयान	केवल इतना ही
seputjuk (sepucuk)	सपूचूक	एक, वर्ग सूचक
surat	सूरात	पत्र
selatan	सलातान	दक्षिण

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
silakan	सीलाकान	कृपा कीजिये
setiap	सतीआप	प्रत्येक
sifat	सीफात	गुण
sungai	सूँगाई	नदी
siaran	सीआरान	प्रसारण
sewa	सेवा	किराये पर
sisik	सीसीक	छिलका उतारना
soal	सोआल	प्रश्न
sekitar	सकीतार	चारों ओर
susunan	सूसूनान	व्यवस्था
sedjarah (sejarah)	सजाराह	इतिहास
sulit	सूलीत	जटिल
seperti	सपरती	समानता
suhu	सूहू	तापमान
sipil	सीपील	लोक, जन
salam	सालाम	नमस्कार, नमस्कार करना
singkat	सींगकात	संक्षिप्त, संक्षेप
sikap	सीकाप	रुख
sepatu	सपातू	जूते
susul	सूसूल	व्यवस्था करना
sekolah tinggi	सकोलाह तींगगी	कॉलेज
sabun	साबून	साबुन
sahut menjahut (menyahut)	साहूत, मंयाहूत	उत्तर देता है
sajap (sayap)	सायाप	पर, पंख, डैने
saku	साकू	जेब
saksi-menjaksikan (menyaksikan)	साक्षी	साक्षी, गवाही देता है

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
salin-manyalin (menyalln)	सालीन-मंयालीन	जैसे का तैसा उतारता है
sama	सामा	समान, वही
sama sekali	सामा सकाली	सभी साथ साथ
sama djuga (juga)		सभी समान, पूरे तौर से
menjamai (menyamakan)	मंयामाई	सनमाता करता है
sambung-menjambung (menyambung)	सामबूङ्ग मंयाङ्बूङ्	जोड़ता है
sangka-menjangka (menyangka)	साङ्का, मयाङ्का	शक, सन्देह करता है
sembahjang (sembahyang)	समबाह्याङ्	प्रार्थना, पूजा
bersembahjang	समबाहयांग	प्रार्थना करता है
sementara	समनतारा	इसी बीच में
senang	सनाङ्	प्रसन्न
sendok	सेनडोक	चम्मच
sepak (menjepak) menyepak	सेपाक मंयेयाक	पैर से ठोकर मारता है
setan	सेतान	शैतान
sikat-menjikat (menyikat)	सीकात-मंयीकात	साफ़ करना, ब्रश से सफ़ाई करता है
seram-menjiram (manyiram)	सीराम मयीराम	डालना, पानी लगाता है
suara	सूआरा	स्वर
susu	सूसू	दुग्ध, दूध

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
sopan	सोपान	नम्र, विनयपूर्ण

T (त)

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
taksir-menaksir	ताकसीर मनाकसीर	महत्व देता है, अनुमान लगाता है
tali	ताली	रस्सी
tanda	तानडा	चिन्ह
tanda mata	तानडा माता	भेंट, उपहार
tanda tangan	तानडा ताङ्गान	हस्ताक्षर
mentandatangani	मनतानडाताङ्गानी	हस्ताक्षर करता है
tidur	तीडूर	सोना
turut	तूरूत	अनुसरण करना
tiga	तीगा	तीन
terbang	तरबाँग	उड़ना
tahu	ताहू	जानना
tuan	तूआन	श्रीमान्
tjakap (bercakap)	बरचाकाप	वार्तालाप करता है
tentang	तंताँग	संबंध में
tamu	तामू	अतिथि
tadi	ताडी	अभी (भूतकाल)
timbangan	तीमबाँगान	तराजू
tulis	तूलीस	लिखना
terima	तरीमा	स्वीकार करना
tinta	तीनता	स्याही
tiap tiap	तीयाप तीयाप	प्रत्येक
tempat	तमपात	स्थान
tolong	तोलोंग	सहायता, सहायता करना
tempoh	तमपोह	समय

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
titik	तीतीक	नुक़्ता
turun	तूरून	उतरना
tanggal	ताँगगाल	दिनाँक
tipis	तीपीस	पतला
tundjuk (tunjuk)	तूनजूक	दिखाना
tanam	तानाम	पौधा लगाना
tjukur (cukur)	चूकूर	दाढ़ी बनाना
tjalon (calon)	चालोन	प्रत्यशी
takut	ताकूत	डरना
tindak	तीनडाक्	कार्य करना
tunduk	तूनडूक	सर झुकाना
tawaran	तावारान	मोल भाव
tolak (menolak)	तोलाक-मनोलाक	इनकार करता है
teh	तेह	चाय
triwulan	तरीवूलान	त्रैमासिक
tarich (tarikh)	तारीख	तिथि, दिनांक
tiba	तीबा	आना, पहुंचना
tjapai (capai)	चापे	प्राप्त करना
tampak	तामपाक्	देखा गया़
tingkot	तींगकात	स्तर, कक्षा
tjontoh	चोनतोह	उदाहरण
tindjau (tinjau)	तीनजाऔ	जायज़ा लेना
tilpon	तीलपोन	दूरभाष
tilgram	तीलगराम	टेलीग्राम
tatkala	तातकाला	जब
tjamat (camat)	चामात	क्षेत्र
tenaga	तनागा	शक्ति
tjakap (cakap)	चाकाप	चतुर
tangan	ताँगान	हाथ

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
tanaman	तानामा	पौधों की क़तार
terdjun (terjun)	तरजून	उतरना
tambangan	तामबाँगान	रास्ता
tumpangan	तूमपाँगान	चढ़ाई
tangga	ताङ्गा	नसेनी
tanggung-menanggung	ताङ्गूङ्ग मनाङ्गूङ्	उत्तरदायी होता है
tanggung djawab (jawab)	ताङ्गूङ्ग जवाब	उत्तरदायित्व
tebal	तबाल	मोटा
telan-menelan	तलान मनलान	निगलता है
telandjang (telanjang)	तलाँजाङ्	नंगा
telinga	तलीङ्गा	कान
tengah	तंगाह	मध्य में
terang	तराङ्	स्पष्ट
terus terang	तरूस तराङ्	स्पष्ट
menerangkan	मनराङ्गकान	स्पष्ट करता है
tinta	तीनता	स्याही
tiru-meniru	तीरू मनीरू	नक़ल करता है
tjampur (campur)	चामपूर	मिलाना
bertjampurgaul dengan (bercampurgaul)	बरचामपूरगाऊल डेंगान	मिलता-जुलता है
mentjampuri (mencampuri)	मनचामपूरी	मिलाता है
tjampuran (campuran)	चामपूरान	मिलावट
tjangkir (cangkir)	चाङ्कीर	प्याला, कप
tjara (cara)	चारा	तरीक़ा

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
tjoba-(coba)	चोबा	प्रयास
mentjoba	मनचोवा	प्रयास करता है
tjontoh (contoh)	चोनतोह	मिसाल
toko	तोको	दूकान
tulang	तूलाङ्	हड्डी

U ऊ

ubah-berubah	ऊबाह-बरऊबाह	परिवर्तित होना, बदलता है
mengubah	मंगऊबाह	बदलता है
udara	ऊडारा	वायु, वातावरण
uang	ऊआँग	धन, रुपया पैसा
urusan	ऊरूसान	मामला
umur	ऊमूर	उम्र
usia	ऊसीआ	अवस्था
usul	ऊसूल	प्रस्ताव
ulama	ऊलामा	विद्वान्
uban	ऊबान	सफ़ेद बाल
usus	ऊसूस	हड्डी
utang	ऊताँग	क़र्ज़
utjap (ucap)	ऊचाप	कहना
udji (uji) mengudji	ऊजी-मंगऊजी	परीक्षा लेता है
ukur-mengukur	ऊकूर मंगऊकूर	नापना, नापता है
ukuran	ऊकूरान	मापक
ulang-mengulangi	ऊलाँग मंगऊलाँगी	दोहराता है
berulang ulang	बर ऊलाङ् ऊलाङ्	बार-बार दोहराता है
ulang tahun	ऊलाङ् ताहून	जन्म दिन, वर्ष गाँठ
ulung	ऊलूङ्	महान्, बड़ा
umum	ऊमूम	आम

रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
pada umumnja (umumnya)	पाडा ऊमूमयाँ	आमतौर से
dimuka umum	डीमूका ऊमूम	जनता में
umpana	उमपामा	उपमा
umpamanja (umpamanya)	उमपामायाँ	उदाहरणार्थ
upah	ऊपाह	वेतन
urat	ऊरात	माँस पेशियाँ
urung-mengurungkan	ऊरूङ्, मंगऊरूङकान	स्थगित करता है
urus-mengurus	ऊरूस, मंगरूस	व्यवस्था, व्यवस्था करता है
pengurus	पंगऊरूस	मैनेजर, व्यवस्थापक

W व

wakil	वाकील	प्रतिनिधि
mewakili	मवाकीली	प्रतिनिधित्व करता है
wanita	वानीता	स्त्री, महिला
warung	वारूङ्	छोटी दूकान
waktu	वाकतू	समय
wadjib (wajib)	वाजीव	कर्त्तव्य
wilajah (wilayah)	वीलायाह	क्षेत्र
warkat pos	वारकात पोस	पोस्ट कार्ड
wassalam	वाससालाम	नमस्कार

———

परिशिष्ट-4

उपसर्ग, प्रत्यय एवं उपसर्ग तथा प्रत्यय के योग से बनाये गये संभाव्य शब्द, पद (वाक्य खण्ड) एवं उनकी वर्णानुक्रमिक सूची

	रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
be—an	bepergian	बपरगीआन	यात्रा
ber—(—)	bercaci maki	बरचाची माकी	भला-बुरा कहता है
ber—(an)	berhubungan	बरहूबूंगान	इस संबध में
bel —	belajar	बलाजार	अध्ययन करता है
ber—2 (an)	bercium ciuman	बरचीऊम चीऊमान	पारस्परिक चुम्बन करते हैं
ber—kan	bersatupadukan	बरसातूपाडूकान	एकीकरण करता है
berke—an	berkemauan	बरकमाऊआन	इरादा करता है
ber –(—)	bersatupadu	बरसातू पाडू	मिलजुलकर एक हो जाना
berpe—an	berpeperangan	बरपपरांगान	युद्ध करता है
bersi—	bersimaharajalela	बरसीमाहाराजालेला	ऐशो-आराम में रहता है
di—	dibuka	डीबूका	खोला जाता है
di—an	dikuburan	डीकूबूरान	क़ब्रिस्तान में
di—i	dilukai	डीलूकाई	घाव किया गया
di—kan	dilakukan	डीलाकूकान	कार्य किया गया
ke—	ketua	कतूआ	अध्यक्ष

ke—an	kekurangan	ककूरांगान	अभाव
ke—an	kehujanan	कहूजानान	वर्षा में भीग गया है
ke— ke an	kematimatian	कमाती मातीआन	अथक प्रयत्न से
kepe—2 an	kepewayangan	कपवायाँगान	वायाँग कला से चित्रित
kese—an	keselarasan	कसलारासान	अनुकूलता
me—	merasa	मरासा	अनुभव करता है
me— 2	merabaraba	मराबा राबा	हाथ से टटोलता है
me—i	mewakili	मवाकीली	प्रतिनिधित्व करता है
me—kan	merupakan	मरूपाकान	रूप प्रस्तुत करता है
me—2 kan	menaiknaikkan	मनाईक नाईककान	ऊपर चढ़ाता है
mem—	membaca	ममबाचा	अध्ययन करता है
mem— mem	membaca baca	ममबाचा बाचा	निरन्तर पढ़ता रहता है
mem—i	memenuhi	ममनूही	पूरा करता है
mem—kan	membukukan	ममबूकूकान	पुस्तक का रूप देता है
memper—	memperdalam	ममपरडालाम	गहरा करता है
memper-2	memperbaru baru	ममपरबारू बारू	निरन्तर नवीनीकरण करता है
memper—i	memperbaiki	ममपरबाईकी	सुधारता है, मरम्मत करता है
memper—kan	mempergunakan	ममपरगूनाकान	प्रयोग करता है, इस्तेमाल करता है
men—	mencari	मनचारी	खोजता है

	रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
men—2	mencari cari	मनचारी चारी	दोषारोपण करता है
men—i	mencukupi	मनचूकूपी	पूर्ण करता है
men—kan	menuliskan	मनूलीसकान	लिखता है
meng—	menggali	मंगगाली	खोदता है
me—ng—2 (meng—meng)	menggosok gosok	मंगगोसोक गोसोक	निरन्तर सेवा करता है
meng—i	mengakui	मंगआकूई	स्वीकार करता है
me—ng—2 i (meng—2 i)	mengulang ulangi	मंगऊलाँग ऊलाँगी	बार-बार दोहराता है
meng – kan	mengharapkan	मंगहारापकान	आशा करता है
me—ng ng kan (meng 2 kan)	mengharap harapkan	मंगहाराप हारापकान	निरन्तर आशा करता है
menge—i	mengetahui	मंगताहूई	जानता है
menge—kan	mengerjakan	मंगरजाकान	कार्य करता है
	(mengemukakan)	मंगमूकाकान	सामने प्रस्तुत करता है
menj (meny)—	menyapu	मंयापू	बुहारता है, झाड़ू देता है
menj (meny)—i	menyusui	मंयूसूई	दूध देता है
menj (meny)—kan	menyerukan	मंयरूकान	आह्वान करता है, बल देकर कहता है

menje (menye)—	menyetuju	मंयतूजू	सहमत होता है
menje (menye)— kan	menyesuaikan	मंयेसूआईकान	अपने को परिस्थिति के अनुरूप ढालता है
pe—	pelaut	पलाऊत	नाविक
pe—an	perasaan	परासाआन	अनुभव, विचार
pem—	pembaca	पमबाचा	पढ़ने वाला व्यक्ति, पाठक
pem—an	pembacaan	पमबाचाआन	पठन सामग्री
pen--	pendapat	पनडापात	राय
pen—an	pendapatan	पनडापातान	परिणाम, प्राप्ति
peng—	pengajar	पंगआजार	अध्यापक
peng—an	pengajaran	पंगाजारान	शिक्षा
penge—an	pengetahuan	पंगताहूआन	ज्ञान
penj (peny)	penyusun	पंयूसून	संकलनकर्त्ता
penj (peny)—an	penyusunan	पंयूसूनान	संकलन
per—	peroleh	परओलेह	प्राप्त करता है
pel—	pelajar	पलाजार	विद्यार्थी
per—an	persatuan	परसातूआन	एकता, ऐक्य
persu—an	persetujuan	परसतूजूआन	सहमति
se—	sedesa	सडेसा	एक गाँव
se—an	sekampungan	सकामपूंगान	एक ही ग्राम
se—2 (an)	sesuka sukaan	ससूका सूकाआन	जितना संभव हो, उतनी इच्छा से

	रोमन लिपि	नागरी लिपि	अर्थ
se—nja (nya)	sesudahnya	ससूडाहयाँ	उसके बाद
se—2 (nya)	sebaik baiknya	सबाईक बाईकयाँ	जितना संभव हो सके उतना अच्छा
ter—	terbagus	तरबागूस	सबसे सुन्दर, सुन्दरतम
ter — ter	tergesa gesa	तरगसा गसा	शीघ्रता से
ter—i	ternami	तरनामाई	नाम दिया गया
	(terdekati)	तरडकाती	निकट लाया गया
ter—kan	teraturkan	तरआतूरकान	व्यवस्थित किया गया
	(tersediakan)	तरसडीयाकान	तैयार किया गया
terke—	terkemuka	तरकमूका	सबसे आगे
—an	aturan	आतूरान	नियम, प्रबन्ध
— — an	besar besaran	बसार बसारान	बड़े प्रभावोत्पादक रूप में
—nja (nya)	kamarnya	कामारयाँ	उसका कमरा
—nja (nya)	datangnya	डातांगयां	आगमन
— — nja (nya)	satu satunya	सातू सातूयाँ	केवल एक ही व्यक्ति
—nja (nya)	katanya	कातायाँ	वे कहते हैं
— —	mata mata	माता माता	जासूस
—(समासों में),	jalan-raya	जालान-राया	राजपथ
—(काता माजमूक)	maha-guru	माहा-गूरु	आचार्य
—lah	marilah	मारीलाह	आइये, कृपया आयें

भाषा इंडोनेशिया (बाहासा इंडोनेशिया) मलय-पोलीनेशियाई परिवार की एक प्रमुख भाषा है, जो मलय भाषा की ही नवीनीकरण है तथा प्रत्यय प्रधान भाषाओं में अग्रगण्य है। इंडोनेशिया के नागरिकों ने सन् 1945 में आज़ादी के पश्चात् देश प्रेम की भावना से अभिभूत होकर इस आधुनिक भाषा को इंडोनेशिया की राज्य भाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठित किया है। यह भाषा वहाँ के जन जीवन एवं राष्ट्रीय जीवन का प्रधान अंग बन गई है, एवं राष्ट्रीयता की प्रतीक है। भाषा इंडोनेशिया विश्वविद्यालय स्तर तक इंडोनेशिया में शिक्षा का माध्यम है। तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली से भाषा का भण्डार प्रतिदिन भरा जा रहा है।

दक्षिण पूर्व एशिया के सभी देशों में भारतीय संस्कृति का प्रभाव, भाषा, धर्म, दर्शन, साहित्य एवं शिल्प के रूप में ईसा की प्रथम शताब्दी से भी पहले दृष्टिगोचर होते हैं। आधुनिक युग में भी वही प्राचीन परम्परायें भाषा के ही माध्यम से दृढ़ की जा सकती हैं। न केवल भारतीय भाषा के लिये, बल्कि एशियाई भाषाओं के लिए भी सहलिपि के रूप में नागरी लिपि का प्रचार एवं प्रसार आचार्य विनोवा भावे के मौलिक चिन्तन का परिणाम है, और यह अनुभव सिद्ध है कि विदेशी भाषाओं का अध्ययन भी नागरी लिपि द्वारा बड़ी सरलता से किया जा सकता है। आधुनिक भाषा में इंडोनेशिया में भी प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों के कारण 15% शब्दावली संस्कृति भाषा की ही है तथा नागरी लिपि के माध्यम से भाषा इण्डोनेशिया का सीखना और भी सरल है। यद्यपि आधुनिक 'भाषा इंडोनेशिया' रोमन लिपि में लिखी पढ़ी जाती है परन्तु उसका उच्चारण नागरी लिपि के ही अनुरूप है। इसी दृष्टि से प्रस्तुत पुस्तक "भाषा इंडोनेशिया" नागरी लिपि में पाठकों के समक्ष है।